DASHIELL HAMMETT

The Maltese Falcon

Table of Contents

ढकना
शीर्षक पेज
विषयसूची
समर्पण
अध्याय 1 - स्पेड और आर्चर
अध्याय 2 - कोहरे में मौत
अध्याय 3 - तीन महिलाएं
अध्याय 4 - काला पक्षी
अध्याय 5 - लेवेंटाइन
अध्याय 6 - छोटी सी परछाई
अध्याय 7 - हवा में जी
अध्याय 8 - घोड़े के पंख
अध्याय 9 - ब्रिगिड
अध्याय 10 - बेल्वेडेरे दीवान
अध्याय 11 - मोटा आदमी
अध्याय 12 - मेरी-गो-राउंड
अध्याय 13 - सम्राट का उपहार
अध्याय 14 - कबूतर
अध्याय 15 - हर सनकी
अध्याय 16 - तीसरी हत्या
अध्याय 17 - शनिवार की रात
अध्याय 18 - पतन - गाय
अध्याय 19 - रूसी का हाथ
अध्याय 20 - अगर वे तुम्हें फांसी दे दें
पाठक मार्गदर्शिका
लेखक के बारे में
इस लेखक की अन्य पुस्तकें
डैशियल हैमेट द्वारा भी।
कॉपीराइट

DASHIELL HAMMETT

THE MALTESE FALCON

VINTAGE CRIME/BLACK LIZARD
VINTAGE BOOKS
A DIVISION OF RANDOM HOUSE, INC.
NEW YORK

विषयसूची

ढकना
शीर्षक पेज
सामग्री की तालिका
समर्पण

अध्याय 1 - स्पेड और आर्चर
अध्याय 2 - कोहरे में मौत
अध्याय 3 - तीन महिलाएं
अध्याय 4 - काला पक्षी
अध्याय 5 - लेवेंटाइन
अध्याय 6 - छोटी सी परछाई
अध्याय 7 - हवा में जी
अध्याय 8 - घोड़े के पंख
अध्याय 9 - ब्रिगिड
अध्याय 10 - बेल्वेडेरे दीवान
अध्याय 11 - मोटा आदमी
अध्याय 12 - मेरी-गो-राउंड
अध्याय 13 - सम्राट का उपहार
अध्याय 14 - कबूतर
अध्याय 15 - हर सनकी
अध्याय 16 - तीसरी हत्या
अध्याय 17 - शनिवार की रात
अध्याय 18 - पतन - गाय
अध्याय 19 - रूसी का हाथ
अध्याय 20 - यदि वे तुम्हें फांसी दे दें
पाठक मार्गदर्शिका
लेखक के बारे में
इस लेखक की अन्य पुस्तकें
डैशियल हैमेट द्वारा भी।

कॉपीराइट

TO
जोस

1
स्पेड और आर्चर

सैमुअल स्पेड का जबड़ा लंबा और हड्डीदार था, ठुड्डी उसके मुंह के लचीले 'V' आकार के नीचे उभरी हुई 'V' आकृति की थी। उसकी नाक के छिद्र पीछे की ओर मुड़कर एक और छोटा 'V' आकार बनाते थे। उसकी पीली-भूरी आँखें क्षैतिज थीं। 'V' आकृति उसकी घनी भौहों में फिर से दिखाई देती थी जो उसकी नुकीली नाक के ऊपर दोहरी सिलवटों से बाहर की ओर उठती थीं, और उसके हल्के भूरे बाल ऊँची चपटी कनपटी से नीचे की ओर बढ़ते हुए उसके माथे पर एक बिंदु बनाते थे। वह देखने में सुनहरे बालों वाले शैतान जैसा लगता था।

उन्होंने एफी पेरिन से कहा: "हां, प्रिय?"

वह दुबली-पतली, धूप से झुलसी हुई लड़की थी, जिसकी पतली ऊनी पोशाक नमी के कारण उसके शरीर से चिपकी हुई थी। उसकी भूरी आँखें चंचल थीं और उसका चेहरा लड़कों जैसा चमक रहा था। उसने दरवाज़ा बंद किया, उस पर झुक गई और बोली: “एक लड़की तुमसे मिलना चाहती है। उसका नाम वंडरली है।”

“एक ग्राहक?”

मुझे लगता है ऐसा ही है। आप उसे देखना तो चाहेंगे ही: वह बेहद खूबसूरत है।

“उसे अंदर भेज दो, डार्लिंग,” स्पेड ने कहा। “उसे अंदर भेज दो।”

एफी पेरिन ने फिर से दरवाजा खोला और बाहरी कार्यालय में वापस चली गई, दरवाजे की घुंडी पर हाथ रखकर खड़ी हो गई और बोली: "विल।"

एक आवाज़ ने इतनी धीमी आवाज़ में कहा, "धन्यवाद," कि शब्दों को समझने के लिए उच्चारण बहुत ही सरल था, और एक युवती दरवाजे से अंदर आई। वह धीरे-धीरे, संभलकर कदम बढ़ाते हुए, स्पेड को अपनी नीली आँखों से देख रही थी, जिनमें शर्म और जिज्ञासा दोनों झलक रही थी।

वह लंबी और सुडौल थी, शरीर में कहीं भी कोई उभार नहीं था। उसका शरीर सीधा और उभरे हुए स्तनों वाला था, टांगें लंबी और हाथ-पैर पतले थे। उसने नीले रंग के दो शेड्स पहने थे, जो उसकी आंखों के रंग के कारण चुने गए थे। उसकी नीली टोपी के नीचे से निकलते घुंघराले बाल गहरे लाल रंग के थे, उसके भरे हुए होंठ और भी चमकीले लाल थे। उसकी शर्मीली मुस्कान में उसके सफेद दांत चमक रहे थे।

स्पेड झुककर उठे और अपनी मोटी उंगलियों से अपनी मेज के बगल में रखी ओक की कुर्सी की ओर इशारा किया। उनकी लंबाई लगभग छह फीट थी। उनके कंधों का तीव्र और गोल झुकाव उनके शरीर

को लगभग शंकु के आकार का बना देता था—चौड़ाई से अधिक मोटाई—और इसी वजह से उनका इस्त्री किया हुआ भूरा कोट उन पर ठीक से फिट नहीं हो रहा था।
मिस वंडरली ने पहले की तरह ही धीमी आवाज़ में "धन्यवाद" कहा और कुर्सी की लकड़ी की सीट के किनारे पर बैठ गईं।
स्पेड अपनी घूमने वाली कुर्सी पर बैठ गया, उसकी ओर मुड़ने के लिए एक चौथाई घूमा और विनम्रता से मुस्कुराया। उसने अपने होंठ अलग किए बिना ही मुस्कुराया। उसके चेहरे की सभी रेखाएं लंबी हो गईं।
बंद दरवाजे से एफी पेरिन की टाइपिंग की हल्की-हल्की आवाज, पतली घंटी की आवाज़ और धीमी सी भनभनाहट सुनाई दे रही थी। पास के किसी दफ्तर में बिजली से चलने वाली एक मशीन धीमी-धीमी आवाज़ कर रही थी। स्पेड की मेज पर पीतल की ट्रे में, जिसमें जली हुई सिगरेटों के अवशेष रखे थे, एक बुझी हुई सिगरेट सुलग रही थी। मेज के पीले ऊपरी हिस्से, हरे सोख्ता कागज और वहां रखे कागजों पर सिगरेट की राख के फटे-पुराने टुकड़े बिखरे हुए थे। हल्के पीले रंग के पर्दे वाली खिड़की, जो आठ-दस इंच खुली थी, आंगन से अमोनिया की हल्की सी गंध वाली हवा अंदर आने दे रही थी। मेज पर पड़ी राख हवा के झोंके में फड़फड़ा रही थी और रेंग रही थी।
मिस वंडरली भूरे रंग के बर्फ के टुकड़ों को फड़फड़ाते और रेंगते हुए देख रही थीं। उनकी आँखें बेचैन थीं। वह कुर्सी के बिल्कुल किनारे पर बैठी थीं। उनके पैर ज़मीन पर सीधे रखे थे, मानो वह उठने ही वाली हों। उनके हाथों में गहरे रंग के दस्ताने थे और उन्होंने अपनी गोद में एक सपाट, गहरे रंग का हैंडबैग कसकर पकड़ रखा था।
स्पेड अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गया और पूछा: "अब मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ, मिस वंडरली?"
उसने गहरी सांस ली और उसकी तरफ देखा। उसने घबराकर जल्दी से कहा, “क्या आप—? मुझे लगा —मैं—मतलब—” फिर उसने अपने दांतों से अपने निचले होंठ को दबाया और कुछ नहीं कहा। अब सिर्फ उसकी गहरी आंखें ही बोल रही थीं, मानो विनती कर रही हों।
स्पेड मुस्कुराया और सिर हिलाया, मानो वह उसकी बात समझ गया हो, लेकिन सुखद ढंग से, जैसे कोई गंभीर मामला न हो। उसने कहा: "मान लीजिए आप मुझे शुरू से सब कुछ बता दें, तो हमें पता चल जाएगा कि क्या करना है। बेहतर होगा कि आप जितना पीछे से शुरू कर सकें, उतना शुरू करें।"
“यह न्यूयॉर्क में हुआ था।”
"हाँ।"
“मुझे नहीं पता कि वो उससे कहाँ मिली। मतलब, मुझे न्यूयॉर्क में भी नहीं पता कहाँ। वो मुझसे पाँच साल छोटी है—सिर्फ़ सत्रह साल की—और हमारे दोस्त भी अलग-अलग थे। मुझे नहीं लगता कि हम कभी बहनों की तरह इतनी करीब रही हैं। मम्मी और पापा यूरोप में हैं। उन्हें बहुत बुरा लगेगा। मुझे उनके घर आने से पहले उसे वापस लाना ही होगा।”

“हां,” उसने कहा।
वे महीने की पहली तारीख को घर लौट रहे हैं।
स्पेड की आंखें चमक उठीं। "तो फिर हमारे पास दो हफ्ते हैं," उसने कहा।
“मुझे तब तक पता नहीं चला कि उसने क्या किया है जब तक उसका पत्र नहीं आया। मैं बहुत घबरा गई थी।” उसके होंठ कांप रहे थे। उसने अपने हाथों से गोद में रखे काले रंग के हैंडबैग को ज़ोर से दबा लिया। “मुझे डर था कि उसने कुछ ऐसा कर दिया होगा, इसलिए मैं पुलिस के पास नहीं जा सकी, और उसके साथ कुछ होने का डर मुझे बार-बार पुलिस के पास जाने के लिए उकसा रहा था। सलाह के लिए मेरे पास कोई नहीं था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं क्या करूं। मैं क्या कर सकती थी?”
“बिल्कुल कुछ नहीं,” स्पेड ने कहा, “लेकिन फिर उसका पत्र आया?”
“हाँ, और मैंने उसे घर आने के लिए एक टेलीग्राम भेजा था। मैंने उसे जनरल डिलीवरी के पते पर भेजा था। यही एक पता उसने मुझे दिया था। मैंने पूरा एक हफ़्ता इंतज़ार किया, लेकिन कोई जवाब नहीं आया, उसकी तरफ से एक भी शब्द नहीं। और मम्मी-पापा के लौटने का समय नज़दीक आता जा रहा था। इसलिए मैं उसे लेने सैन फ्रांसिस्को आ गया। मैंने उसे लिखा कि मैं आ रहा हूँ। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था, है ना?”
“शायद नहीं। यह जानना हमेशा आसान नहीं होता कि क्या करना चाहिए। क्या आपको वह नहीं मिली?”
“नहीं, मैंने नहीं किया। मैंने उसे लिखा था कि मैं सेंट मार्क जाऊंगा, और मैंने उससे विनती की थी कि वह आए और मुझे उससे बात करने दे, भले ही उसका मेरे साथ घर जाने का इरादा न हो। लेकिन वह नहीं आई। मैंने तीन दिन इंतजार किया, और वह नहीं आई, उसने मुझे किसी भी तरह का कोई संदेश तक नहीं भेजा।”
स्पेड ने अपने सुनहरे बालों वाले शैतान के सिर को हिलाया, सहानुभूति से भौंहें चढ़ाईं और अपने होंठों को कसकर बंद कर लिया।
“यह बहुत भयानक था,” मिस वंडरली ने मुस्कुराने की कोशिश करते हुए कहा। “मैं वहाँ ऐसे नहीं बैठ सकती थी—इंतज़ार करते हुए—यह जाने बिना कि उसके साथ क्या हुआ है, उसके साथ क्या हो सकता है।” उन्होंने मुस्कुराने की कोशिश छोड़ दी। वह सिहर उठीं। “मेरे पास केवल जनरल डिलीवरी का पता था। मैंने उसे एक और पत्र लिखा, और कल दोपहर मैं डाकघर गई। मैं वहाँ अंधेरा होने तक रुकी रही, लेकिन मुझे वह नहीं दिखी। मैं आज सुबह फिर वहाँ गई, और तब भी मुझे कोरीन नहीं दिखी, लेकिन मुझे फ्लॉयड थर्सबी दिख गया।”
स्पेड ने फिर सिर हिलाया। उसके माथे से शिकन गायब हो गई। उसकी जगह पैनी नज़र आ गई।
“उसने मुझे यह नहीं बताया कि कोरिन कहाँ है,” वह हताशा से बोली। “उसने मुझे कुछ नहीं बताया, सिवाय इसके कि वह ठीक और खुश है। लेकिन मैं इस पर कैसे विश्वास करूँ? वैसे भी वह मुझे यही बताता, है ना?”

“हाँ,” स्पेड ने सहमति जताई। “लेकिन यह सच भी हो सकता है।”
“मुझे उम्मीद है कि ऐसा ही हो। मैं सचमुच यही उम्मीद करती हूँ,” उसने कहा। “लेकिन मैं इस तरह घर वापस नहीं जा सकती, उससे मिले बिना, उससे फोन पर बात किए बिना भी। वह मुझे उसके पास नहीं ले गया। उसने कहा कि वह मुझसे मिलना नहीं चाहती। मुझे विश्वास नहीं हो रहा। उसने वादा किया था कि वह उसे बताएगा कि उसने मुझे देखा है, और अगर वह आएगी तो आज शाम होटल में उसे मुझसे मिलवाएगा। उसने कहा कि वह जानता था कि वह नहीं आएगी। उसने वादा किया कि अगर वह नहीं आएगी तो वह खुद आ जाएगा। वह—”
जैसे ही दरवाजा खुला, वह चौंककर अपना हाथ मुंह पर रखकर चुप हो गई।
जिस व्यक्ति ने दरवाजा खोला था, वह एक कदम अंदर आया, बोला, "ओह, माफ कीजिए!" उसने जल्दी से अपने सिर से अपनी भूरी टोपी उतारी और पीछे हट गया।
“कोई बात नहीं, माइल्स,” स्पेड ने उससे कहा। “अंदर आइए। मिस वंडरली, ये मिस्टर आर्चर हैं, मेरे पार्टनर।”
माइल्स आर्चर फिर से दफ्तर में दाखिल हुए, दरवाजा बंद किया, सिर झुकाकर मिस वंडरली की ओर मुस्कुराए और हाथ में पकड़ी टोपी से हल्के से विनम्रता का इशारा किया। उनकी लंबाई मध्यम थी, शरीर गठीला, कंधे चौड़े और गर्दन मोटी थी, चेहरा लाल और हंसमुख था, जबड़े भारी और ठुड्डी उभरी हुई थी, और उनके छोटे-छोटे बालों में कुछ सफेदी आ गई थी। उनकी उम्र चालीस से उतनी ही अधिक लग रही थी जितनी स्पेड की तीस से अधिक।
स्पेड ने कहा: “मिस वंडरली की बहन न्यूयॉर्क से फ्लॉयड थर्सबी नाम के एक आदमी के साथ भाग गई है। वे यहीं हैं। मिस वंडरली ने थर्सबी को देखा है और आज रात उससे मिलने का समय तय किया है। हो सकता है वह बहन को भी साथ ले आए। लेकिन इसकी संभावना कम है। मिस वंडरली चाहती हैं कि हम बहन को ढूंढें और उसे उससे छुड़ाकर वापस घर ले आएं।” उसने मिस वंडरली की ओर देखा। “ठीक है?”
“हाँ,” उसने अस्पष्ट स्वर में कहा। स्पेड की मुस्कुराहटों, इशारों और आश्वासनों से जो शर्मिंदगी धीरे-धीरे कम हो रही थी, वह उसके चेहरे पर फिर से गुलाबीपन ला रही थी। उसने अपनी गोद में रखे बैग को देखा और दस्ताने वाली उंगली से घबराकर उसे कुरेदने लगी।
स्पेड ने अपने साथी को आँख मारी।
माइल्स आर्चर आगे बढ़कर डेस्क के एक कोने पर खड़ा हो गया। जब लड़की अपने बैग को देख रही थी, तब वह उसे देख रहा था। उसकी छोटी भूरी आँखें उसकी झुकी हुई शक्ल से लेकर उसके पैरों तक और फिर वापस उसके चेहरे तक अपनी तीखी निगाहों से सब कुछ परख रही थीं। फिर उसने स्पेड की ओर देखा और प्रशंसा में चुपचाप सीटी जैसी आवाज़ निकाली।
स्पेड ने चेतावनी भरे अंदाज़ में अपनी कुर्सी की भुजा से दो उंगलियां उठाईं और कहा:

“हमें इसमें कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। बस आज शाम होटल में एक आदमी को तैनात करना है जो उसके जाने के बाद उसका पीछा करे और तब तक उसका पीछा करे जब तक वह हमें आपकी बहन तक न ले जाए। अगर वह उसके साथ आती है और आप उसे अपने साथ वापस आने के लिए मना लेते हैं, तो और भी अच्छा। वरना—अगर वह हमें मिलने के बाद भी उसे छोड़ना नहीं चाहती—तो हम इसका भी कोई न कोई उपाय निकाल लेंगे।”

आर्चर ने कहा: "हाँ।" उसकी आवाज़ भारी और कर्कश थी।

मिस वंडरली ने जल्दी से स्पेड की ओर देखा और अपनी भौहों के बीच अपना माथा सिकोड़ लिया।

“ओह, लेकिन आपको सावधान रहना होगा!” उसकी आवाज़ थोड़ी कांप रही थी, और उसके होंठ घबराहट से झटके से शब्द बना रहे थे। “मैं उससे बहुत डरी हुई हूँ, कि वह क्या कर सकता है। वह इतनी छोटी है और उसका उसे न्यूयॉर्क से यहाँ लाना इतना गंभीर मामला है— कहीं वह—कहीं वह उसके साथ कुछ गलत न कर दे?”

स्पेड मुस्कुराया और अपनी कुर्सी के आर्मरेस्ट पर थपथपाया।

उन्होंने कहा, "इसे हम पर छोड़ दीजिए। हम जानते हैं कि उससे कैसे निपटना है।"

"लेकिन क्या वह ऐसा नहीं कर सकता?" उसने जोर देकर कहा।

“संभावना तो हमेशा रहती है।” स्पेड ने समझदारी से सिर हिलाया। “लेकिन आप हम पर भरोसा कर सकते हैं, हम इसका ख्याल रखेंगे।”

“मुझे आप पर पूरा भरोसा है,” उसने गंभीरता से कहा, “लेकिन मैं चाहती हूँ कि आप यह जान लें कि वह एक खतरनाक आदमी है। मुझे सच में नहीं लगता कि वह किसी भी हद तक जा सकता है। मुझे विश्वास नहीं होता कि अगर उसे लगे कि इससे उसकी जान बच जाएगी, तो वह कोरिन को मारने से भी नहीं हिचकिचाएगा। क्या वह ऐसा नहीं कर सकता?”

"आपने उसे धमकी तो नहीं दी, है ना?"

मैंने उससे कहा कि मैं बस इतना चाहती थी कि मम्मी-पापा के आने से पहले मैं उसे घर ले आऊं ताकि उन्हें पता ही न चले कि उसने क्या किया है। मैंने उससे वादा किया कि अगर वह मेरी मदद करेगा तो मैं उन्हें इसके बारे में एक शब्द भी नहीं बताऊंगी, लेकिन अगर उसने मदद नहीं की तो पापा उसे ज़रूर सज़ा दिलवाएंगे। मुझे नहीं लगता कि उसने मेरी बात पर पूरी तरह विश्वास किया।

“क्या वह उससे शादी करके इस मामले को छुपा सकता है?” आर्चर ने पूछा।

लड़की का चेहरा लाल हो गया और उसने उलझन भरी आवाज़ में जवाब दिया: "इंग्लैंड में उसकी एक पत्नी और तीन बच्चे हैं। कोरिन ने मुझे यह लिखकर बताया था कि वह उसके साथ क्यों चली गई थी।"

“वे आमतौर पर ऐसा करते हैं,” स्पेड ने कहा, “हालांकि इंग्लैंड में हमेशा नहीं।” वह पेंसिल और कागज़ का पैड लेने के लिए आगे झुका। “वह कैसा दिखता है?”

“ओह, वो शायद पैंतीस साल का होगा, तुम्हारी ही लंबाई का होगा, और या तो जन्मजात सांवला होगा या फिर धूप से झुलसा हुआ। उसके बाल भी काले हैं, और उसकी भौहें घनी हैं। वो काफी ऊँची और उग्र

आवाज़ में बात करता है और उसका स्वभाव घबराया हुआ और चिड़चिड़ा है। उसे देखकर ऐसा लगता है मानो वो हिंसक स्वभाव का हो।"
पैड पर कुछ लिखते हुए स्पेड ने बिना ऊपर देखे पूछा: "आँखों का रंग क्या है?"
“उनकी आंखें नीले-भूरे रंग की और पानी जैसी हैं, हालांकि कमजोर नहीं हैं। और हां, उनकी ठोड़ी में एक स्पष्ट दरार है।"
“पतला, मध्यम या भारी शरीर?”
“काफी चुस्त-दुरुस्त। उनके कंधे चौड़े हैं और वे सीधे खड़े होते हैं, उनका हाव-भाव बिल्कुल फौजी जैसा है। आज सुबह जब मैंने उन्हें देखा तो उन्होंने हल्के भूरे रंग का सूट और भूरे रंग की टोपी पहनी हुई थी।"
“वह क्या काम करता है?” स्पेड ने पेंसिल नीचे रखते हुए पूछा।
“मुझे नहीं पता,” उसने कहा। “मुझे जरा भी अंदाजा नहीं है।"
वह आपसे मिलने किस समय आ रहा है?
"आठ बजे के बाद।"
“ठीक है, मिस वंडरली, हम वहाँ एक आदमी भेजेंगे। इससे मदद मिलेगी अगर—”
“श्रीमान स्पेड, क्या आप या श्री आर्चर?” उसने दोनों हाथों से विनती का इशारा किया। “क्या आप दोनों में से कोई व्यक्तिगत रूप से यह काम संभाल सकता है? मेरा मतलब यह नहीं है कि आप जिसे भेजेंगे वह सक्षम नहीं होगा, लेकिन—ओह!—मुझे डर है कि कोरिन के साथ क्या हो सकता है। मुझे उससे डर लगता है। क्या आप कर सकते हैं? मैं—ज़ाहिर है, मुझे ज़्यादा शुल्क लगने की उम्मीद है।" उसने घबराई हुई उंगलियों से अपना हैंडबैग खोला और स्पेड की मेज पर दो सौ डॉलर के नोट रख दिए। “क्या यह काफ़ी होगा?”
“हाँ,” आर्चर ने कहा, “और मैं खुद इसका ख्याल रखूंगा।"
मिस वंडरली अचानक खड़ी हो गईं और आवेग में आकर उनकी ओर हाथ बढ़ाया।
“धन्यवाद! धन्यवाद!” उसने कहा और फिर स्पेड को अपना हाथ देते हुए दोहराया: “धन्यवाद!”
“बिल्कुल नहीं,” स्पेड ने बीच में ही कहा। “मुझे खुशी होगी। अगर आप नीचे थर्सबी से मिलें या कभी उनके साथ लॉबी में दिखें तो इससे कुछ मदद मिलेगी।"
“मैं करूंगी,” उसने वादा किया और फिर से साझेदारों को धन्यवाद दिया।
“और मुझे मत ढूंढना,” आर्चर ने उसे चेतावनी दी। “मैं तुमसे जरूर मिलूंगा।"

■

स्पेड मिस वंडरली के साथ गलियारे के दरवाजे तक गया। जब वह अपनी डेस्क पर लौटा तो आर्चर ने वहाँ रखे सौ-सौ डॉलर के नोटों को देखकर सिर हिलाया, आत्मसंतुष्टि से गुर्राया, "ये ठीक हैं," एक नोट उठाया, उसे मोड़ा और अपनी बनियान की जेब में रख लिया। "और उनके भाई उसके बैग में थे।"

बैठने से पहले स्पेड ने दूसरा नोट अपनी जेब में रख लिया। फिर उसने कहा: "अच्छा, उसे ज्यादा परेशान मत करना। उसके बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है?"

“वाह! और तुम मुझे उसे डायनामाइट से उड़ाने से मना कर रहे हो।” आर्चर अचानक बिना किसी खुशी के ठहाका लगा। “शायद तुमने उसे पहले देखा हो, सैम, लेकिन मैंने पहले बात की।” उसने अपने हाथ अपनी पतलून की जेबों में डाले और एड़ियों पर लड़खड़ाया।

“तुम उसे खूब परेशान करोगे, बिलकुल।” स्पेड ने भेड़िया जैसी मुस्कान बिखेरी, उसके जबड़े के पीछे के दांत साफ दिखाई दे रहे थे। “तुम्हारे पास अक्ल है, जी हां।” उसने सिगरेट बनाना शुरू किया।

2
कोहरे में मौत

अंधेरे में टेलीफोन की घंटी बजी। तीन बार बजने पर पलंग के स्प्रिंग चरमराए, उंगलियाँ लकड़ी पर फिसल गईं, कोई छोटी और सख्त चीज़ कालीन पर गिरी, स्प्रिंग फिर से चरमराए, और एक आदमी की आवाज़ सुनाई दी:

“हेलो… जी हाँ, बोल रहा हूँ… मर गया? … जी… पंद्रह मिनट। धन्यवाद।”

एक बटन की आवाज आई और छत के बीचोंबीच तीन सुनहरी जंजीरों से लटका एक सफेद कटोरा कमरे को रोशनी से भर दिया। हरे और सफेद चेक वाले पायजामे में नंगे पैर बैठा स्पेड अपने बिस्तर के किनारे पर था। उसने मेज पर रखे टेलीफोन को घूरते हुए बगल से भूरे कागजों का एक पैकेट और बुल डरहम तंबाकू की एक बोरी उठाई।

दो खुली खिड़कियों से ठंडी, उमस भरी हवा अंदर आ रही थी, जिसके साथ अल्काट्राज़ के फॉगहॉर्न की धीमी, गड़गड़ाहट भी सुनाई दे रही थी, जो हर मिनट छह बार बजती थी। ड्यूक की 'सेलिब्रेटेड क्रिमिनल केसेज़ ऑफ़ अमेरिका' नामक पुस्तक के एक कोने पर मेज पर औंधे मुंह रखी एक हल्की सी अलार्म घड़ी में दो बजकर पांच मिनट का समय रुका हुआ था।

स्पेड की मोटी उंगलियों ने बड़ी सावधानी से एक सिगरेट बनाई, भूरे रंग के टुकड़ों की एक निश्चित मात्रा को घुमावदार कागज पर फैलाया, टुकड़ों को इस तरह फैलाया कि वे किनारों पर बराबर हों और बीच में हल्का सा गड्ढा हो, अंगूठे कागज के भीतरी किनारे को ऊपर-नीचे मोड़ते हुए बाहरी किनारे के नीचे दबाते रहे जबकि तर्जनी उंगलियां उसे ऊपर से दबाती रहीं, अंगूठे और उंगलियां कागज के सिलेंडर के किनारों पर फिसलती रहीं ताकि उसे एक समान पकड़ सकें जबकि जीभ फ्लैप को चाटती रही, बाईं तर्जनी और अंगूठा अपने सिरे को दबाते रहे जबकि दाहिनी तर्जनी और अंगूठा गीली सीम को चिकना करते रहे, दाहिनी तर्जनी और अंगूठा अपने सिरे को मोड़ते रहे और दूसरे को स्पेड के मुंह तक उठाते रहे।

उसने ज़मीन पर गिरी सुअर की खाल और निकल से बनी लाइटर उठाई, उसे घुमाया और मुँह के कोने में जलती सिगरेट के साथ खड़ा हो गया। उसने अपना पजामा उतार दिया। उसकी भुजाओं, टांगों और शरीर की चिकनी मोटाई, उसके बड़े गोल कंधों का झुकाव, उसके शरीर को भालू जैसा बना रहा था। मानो किसी मुंडे हुए भालू का शरीर हो: उसकी छाती पर बाल नहीं थे। उसकी त्वचा बच्चों जैसी कोमल और गुलाबी थी।

उसने अपनी गर्दन के पीछे खुजली की और कपड़े पहनने लगा। उसने एक पतला सफेद यूनियन सूट, ग्रे मोज़े, काले गार्टर और गहरे भूरे जूते पहने। जूते बांधने के बाद उसने टेलीफोन उठाया, ग्रेस्टोन 4500

पर कॉल किया और एक टैक्सी मंगवाई। उसने हरे रंग की धारीदार सफेद कमीज़, मुलायम सफेद कॉलर, हरी टाई, वही ग्रे सूट जो उसने उस दिन पहना था, एक ढीला ट्वीड ओवरकोट और एक गहरे ग्रे रंग की टोपी पहनी। जैसे ही उसने तंबाकू, चाबियाँ और पैसे अपनी जेबों में भरे, गली के दरवाजे की घंटी बजी।

बुश स्ट्रीट जहां से स्टॉकटन की छत गुजरती थी और फिर चाइनाटाउन की ओर ढलान पर उतरती थी, वहीं स्पेड ने किराया चुकाया और टैक्सी से उतर गया। सैन फ्रांसिस्को का रात का घना, पतला, चिपचिपा और गहरा कोहरा, सड़क को धुंधला कर रहा था। जहां से स्पेड ने टैक्सी छोड़ी थी, उससे कुछ ही गज की दूरी पर पुरुषों का एक छोटा समूह एक गली में ऊपर की ओर देख रहा था। बुश स्ट्रीट के दूसरी ओर दो महिलाएं एक पुरुष के साथ गली की ओर देख रही थीं। खिड़कियों से चेहरे झांक रहे थे।

स्पेड लोहे की रेलिंग वाली चौखटों के बीच से फुटपाथ पार करके, जो नंगी और बदसूरत सीढ़ियों के ऊपर खुलती थीं, पैरापेट पर गया और अपने हाथों को गीले किनारे पर टिकाकर स्टॉकटन स्ट्रीट की ओर नीचे देखा।

उसके नीचे सुरंग से एक कार ज़ोरदार आवाज़ करते हुए निकली, मानो उसे किसी धमाके से उड़ा दिया गया हो, और तेज़ी से भाग गई। सुरंग के मुहाने से कुछ ही दूरी पर एक आदमी दो दुकानों के बीच की खाली जगह में लगे एक बड़े बोर्ड के सामने एड़ियों के बल बैठा था। उस बोर्ड पर एक चलती-फिरती फिल्म और पेट्रोल पंप के विज्ञापन लगे थे। उस आदमी का सिर लगभग फुटपाथ तक झुका हुआ था ताकि वह बोर्ड के नीचे देख सके। एक हाथ फुटपाथ पर टिका था और दूसरा हाथ बोर्ड के हरे फ्रेम पर जकड़ा हुआ था, जिससे वह इस अजीबोगरीब स्थिति में था। दो और आदमी बोर्ड के एक छोर पर अजीब तरह से खड़े थे, और बोर्ड और उस छोर पर मौजूद इमारत के बीच की कुछ इंच की जगह से झाँक रहे थे। दूसरे छोर पर मौजूद इमारत की एक खाली धूसर दीवार थी, जिससे बोर्ड के पीछे की खाली जगह दिखाई दे रही थी। दीवार पर बत्तियाँ टिमटिमा रही थीं और बत्तियों के बीच आदमियों की परछाइयाँ घूम रही थीं।

स्पेड पैरापेट से मुड़ा और बुश स्ट्रीट से होते हुए उस गली में चला गया जहाँ लोग समूह में थे। गहरे नीले रंग की पृष्ठभूमि पर सफेद रंग में बुरिट स्ट्रीट लिखा हुआ एक उत्कीर्ण चिन्ह के नीचे च्युइंग गम चबा रहा एक वर्दीधारी पुलिसकर्मी ने हाथ बढ़ाया और पूछा:

आपको यहां क्या चाहिए?

“मैं सैम स्पेड हूं। टॉम पोलहॉस ने मुझे फोन किया था।”

“हाँ, बिल्कुल।” पुलिसवाले ने अपना हाथ नीचे कर लिया। “मैं तुम्हें पहले पहचान नहीं पाया था। खैर, वे लोग पीछे हैं।” उसने कंधे के ऊपर अंगूठा हिलाते हुए कहा। “बुरा काम है।”

"काफी बुरा है," स्पेड ने सहमति जताते हुए कहा और गली में ऊपर की ओर चला गया।

रास्ते के बीचोंबीच, प्रवेश द्वार से कुछ ही दूरी पर, एक काली एम्बुलेंस खड़ी थी। एम्बुलेंस के पीछे, बाईं ओर, गली कमर जितनी ऊँची बाड़ से घिरी हुई थी, जो खुरदुरे तख्तों की क्षैतिज पट्टियों से बनी थी। बाड़ से नीचे की ओर गहरी ज़मीन ढलानदार तरीके से नीचे स्टॉकटन स्ट्रीट पर लगे बिलबोर्ड तक जाती थी।

बाड़ की ऊपरी पटरी का दस फुट लंबा टुकड़ा एक छोर पर लगे खंभे से टूटकर दूसरे छोर पर लटक रहा था। ढलान से पंद्रह फुट नीचे एक सपाट चट्टान निकली हुई थी। चट्टान और ढलान के बीच की दरार में माइल्स आर्चर पीठ के बल लेटा हुआ था। दो आदमी उसके ऊपर खड़े थे। उनमें से एक ने मृत व्यक्ति पर बिजली की टॉर्च की रोशनी डाली हुई थी। अन्य आदमी रोशनी लिए ढलान पर ऊपर-नीचे आ-जा रहे थे।

उनमें से एक ने स्पेड को "हेलो, सैम" कहकर पुकारा और गली की ओर चढ़ गया, उसकी परछाईं उसके आगे ढलान पर दौड़ती हुई दिखाई दी। वह मोटे पेट वाला लंबा आदमी था, जिसकी छोटी-छोटी आंखें तेज थीं, मुंह मोटा था और गालों की दाढ़ी लापरवाही से मुंडवाई हुई थी। उसके जूते, घुटने, हाथ और ठोड़ी भूरी मिट्टी से सने हुए थे।

"मुझे लगा कि उसे ले जाने से पहले आप इसे देखना चाहेंगे," उसने टूटी हुई बाड़ को पार करते हुए कहा।

“शुक्रिया, टॉम,” स्पेड ने कहा। “क्या हुआ?” उसने अपनी कोहनी बाड़ के एक खंभे पर टिकाई और नीचे खड़े आदमियों की ओर देखा, और जिन्होंने उसकी ओर सिर हिलाया, उन्हें उसने भी सिर हिलाकर जवाब दिया।

टॉम पोलहॉस ने अपनी गंदी उंगली से अपनी बाईं छाती को छुआ। "इसी से उसकी छाती पर गोली मारी।" उसने अपने कोट की जेब से एक मोटा रिवॉल्वर निकाला और स्पेड की ओर बढ़ाया। रिवॉल्वर की सतह पर बने गड्ढों में कीचड़ जमा हुआ था। "एक वेब्ले। अंग्रेज़ों का बना है, है ना?"

स्पेड ने अपनी कोहनी बाड़ के खंभे से हटाई और हथियार को देखने के लिए नीचे झुका, लेकिन उसने उसे छुआ नहीं।

“हाँ,” उसने कहा, “वेब्ली-फोसबरी ऑटोमैटिक रिवॉल्वर। बस यही। अड़तीस, आठ गोलियों वाली। अब ये बनती नहीं हैं। इसमें से कितनी इस्तेमाल हो चुकी हैं?”

“एक गोली।” टॉम ने फिर से अपनी छाती को छुआ। “जब उसने बाड़ तोड़ी होगी, तब तक वह मर चुका होगा।” उसने कीचड़ से सना रिवॉल्वर उठाया। “क्या तुमने ऐसा पहले कभी देखा है?”

स्पेड ने सिर हिलाया। “मैंने वेब्ले-फोस्बेरीज़ को देखा है,” उसने बिना किसी रुचि के कहा, और फिर तेज़ी से बोला: “उसे यहीं गोली मारी गई थी, है ना? ठीक वहीं खड़ा था जहाँ तुम हो, बाड़ की तरफ पीठ करके। जिस आदमी ने उसे गोली मारी थी, वह यहीं खड़ा है।” वह टॉम के सामने घूमकर आया और अपनी तर्जनी उंगली सीधी करके हाथ सीने तक उठाया। “उसे गोली मारो और माइल्स वापस

जाकर बाड़ का ऊपरी हिस्सा तोड़कर नीचे की ओर तब तक जाता रहेगा जब तक कि वह पत्थर से न टकरा जाए। बस इतना ही?"
“बस यही बात है,” टॉम ने धीरे से जवाब दिया, अपनी भौंहें सिकोड़ते हुए। “विस्फोट से उसका कोट जल गया।”
“उसे किसने पाया?”
"गश्त पर तैनात शिलिंग नाम का आदमी बुश रोड से नीचे आ रहा था, और जैसे ही वह यहाँ पहुँचा, एक गाड़ी के मुड़ने से उसकी हेडलाइट्स ऊपर की ओर चमक उठीं, और उसने बाड़ का ऊपरी हिस्सा देखा। तो वह उसे देखने के लिए ऊपर आया, और उसे वहीं पाया।"
"उस मशीन का क्या हुआ जो घूम रही थी?"
“इसमें कुछ भी नहीं है, सैम। शिलिंग ने इस पर ज़रा भी ध्यान नहीं दिया, उसे तब पता ही नहीं था कि कुछ गड़बड़ है। वह कहता है कि जब वह पॉवेल से नीचे आ रहा था, तब यहाँ से कोई नहीं निकला, वरना उसने उन्हें देख लिया होता। बाहर निकलने का एकमात्र दूसरा रास्ता स्टॉकटन पर लगे बिलबोर्ड के नीचे से था। उस रास्ते से कोई नहीं गया। कोहरे की वजह से ज़मीन गीली है, और बस वही निशान बचे हैं जहाँ माइल्स फिसला था और जहाँ यह तोप लुढ़की थी।”
“क्या किसी ने गोली चलने की आवाज नहीं सुनी?”
“भगवान के लिए, सैम, हम अभी-अभी यहाँ पहुँचे हैं। जब हम उन्हें ढूँढ़ेंगे, तो किसी ने ज़रूर सुना होगा।” वह मुड़ा और बाड़ के ऊपर से एक पैर बढ़ाया। “क्या हम उसे हिलने से पहले ही देखने के लिए नीचे आ रहे हैं?”
स्पेड ने कहा: "नहीं।"
टॉम बाड़ के ऊपर रुक गया और आश्चर्य से भरी छोटी आँखों से स्पेड की ओर पीछे मुड़कर देखा।
स्पेड ने कहा: "तुमने उसे देखा है। तुम वो सब कुछ देख सकते हो जो मैं देख सकता हूँ।"
टॉम, अभी भी स्पेड को देखते हुए, संदेह से सिर हिलाया और अपना पैर बाड़ के ऊपर से हटा लिया।
“उसकी बंदूक उसकी कमर पर रखी थी,” उसने कहा। “उससे गोली नहीं चली थी। उसका ओवरकोट बटन लगा हुआ था। उसके कपड़ों में एक सौ साठ डॉलर से कुछ ज़्यादा थे। क्या वह काम कर रहा था, सैम?”
स्पेड ने कुछ क्षण हिचकिचाने के बाद सिर हिलाया।
टॉम ने पूछा: "तो?"
"उसे फ्लॉयड थर्सबी नाम के एक व्यक्ति का पीछा करना था," स्पेड ने कहा, और थर्सबी का वर्णन उसी तरह किया जैसा मिस वंडरली ने किया था।
“किसलिए?”
स्पेड ने अपने हाथ अपने ओवरकोट की जेबों में डाले और टॉम की ओर नींद भरी आँखों से पलकें झपकाईं।

टॉम ने अधीरता से दोहराया: "किसलिए?"
“शायद वो अंग्रेज था। मुझे ठीक से नहीं पता कि वो क्या खेलता था। हम पता लगाने की कोशिश कर रहे थे कि वो कहाँ रहता है।” स्पेड ने हल्की सी मुस्कान बिखेरी और जेब से हाथ निकालकर टॉम के कंधे पर थपथपाया। “मुझे परेशान मत करो।” उसने हाथ वापस जेब में डाल लिया। “मैं माइल्स की पत्नी को ये खबर देने जा रहा हूँ।” वह मुड़ गया।
टॉम ने गुस्से से मुंह बनाते हुए अपना मुंह खोला, बिना कुछ कहे बंद कर दिया, गला साफ किया, चेहरे से गुस्से का भाव हटाया और एक कर्कश लेकिन सौम्य आवाज में बोला:
"उसके साथ ऐसा होना बहुत दुखद है। माइल्स में भी हम सब की तरह कुछ कमियां थीं, लेकिन मुझे लगता है कि उसमें कुछ अच्छी बातें भी रही होंगी।"
"मुझे लगता है ऐसा ही है," स्पेड ने पूरी तरह से अर्थहीन स्वर में सहमति जताई और गली से बाहर निकल गया।
बुश और टेलर सड़कों के कोने पर स्थित एक चौबीसों घंटे खुली रहने वाली दवा की दुकान में, स्पेड ने टेलीफोन का इस्तेमाल किया।
“प्रीशियस,” उसने एक नंबर बताने के कुछ देर बाद फोन में कहा, “माइल्स को गोली लग गई है... हाँ, वो मर गया है... अब घबराओ मत... हाँ... तुम्हें ये बात इवा को बतानी होगी... नहीं, मैं ये कभी नहीं बताऊँगा। तुम्हें ये करना ही होगा... शाबाश... और उसे ऑफिस से दूर रखना... उसे कहना कि मैं उससे—उह—कभी मिलूँगा... हाँ, लेकिन मुझे किसी चीज़ से मत बाँधना... यही तो चाहिए। तुम एक फरिश्ता हो। अलविदा।”
स्पेड की हल्की अलार्म घड़ी में साढ़े तीन बज रहे थे जब उसने लटकते हुए कटोरे में दोबारा रोशनी जलाई। उसने अपनी टोपी और ओवरकोट बिस्तर पर रख दिया और रसोई में चला गया। फिर वह एक गिलास वाइन और बैकार्डी की एक लंबी बोतल लेकर बेडरूम में लौटा। उसने एक गिलास वाइन डाली और खड़े-खड़े ही पी गया। उसने बोतल और गिलास मेज पर रखे, बिस्तर के उस किनारे पर बैठ गया जो उनकी ओर था, और एक सिगरेट बनाई। उसने बैकार्डी का तीसरा गिलास पी लिया था और पाँचवीं सिगरेट जला ही रहा था कि गली की घंटी बज उठी। अलार्म घड़ी की सुइयाँ साढ़े चार बज रही थीं।
स्पेड ने आह भरी, बिस्तर से उठा और अपने बाथरूम के दरवाजे के बगल में लगे टेलीफोन बूथ के पास गया। उसने सड़क के दरवाजे का ताला खोलने वाला बटन दबाया। उसने बुदबुदाते हुए कहा, "लानत है उसे," और काले टेलीफोन बूथ को घूरते हुए खड़ा रहा, उसकी सांसें अनियमित हो रही थीं और गालों पर हल्की लाली छा रही थी।
गलियारे से लिफ्ट के दरवाज़े के खुलने और बंद होने की कर्कश और खड़खड़ाहट की आवाज़ आ रही थी। स्पेड ने फिर से आह भरी और गलियारे के दरवाज़े की ओर बढ़ा। बाहर कालीन पर दो आदमियों के भारी कदमों की आहट सुनाई दी। स्पेड का चेहरा खिल उठा। उसकी आँखों में अब कोई चिंता नहीं थी। उसने झट से दरवाज़ा खोल दिया।

“हैलो, टॉम,” उसने बुरिट स्ट्रीट में बात कर चुके मोटे पेट वाले लंबे जासूस से कहा, और टॉम के बगल में खड़े आदमी से कहा, “हैलो, लेफ्टिनेंट। अंदर आइए।”

दोनों ने एक साथ सिर हिलाया, कुछ नहीं कहा और अंदर आ गए। स्पेड ने दरवाजा बंद किया और उन्हें अपने बेडरूम में ले गया। टॉम खिड़की के पास सोफे के एक कोने पर बैठ गया। लेफ्टिनेंट मेज के बगल वाली कुर्सी पर बैठ गया।

लेफ्टिनेंट गठीले शरीर वाला, गोल सिर, छोटे-छोटे भूरे बाल और चौकोर चेहरा था, जिसके पीछे छोटी-छोटी भूरी मूंछें थीं। उसकी टाई पर पाँच डॉलर का सोने का सिक्का लगा हुआ था और उसके कोट के कॉलर पर हीरे जड़ा एक छोटा सा गुप्त संगठन का प्रतीक चिन्ह था।

स्पेड रसोई से दो शराब के गिलास लेकर आया, उन्हें और अपने गिलास को बैकार्डी से भर लिया, अपने हर मेहमान को एक गिलास दिया और अपना गिलास लेकर बिस्तर के किनारे बैठ गया। उसका चेहरा शांत और भावहीन था। उसने अपना गिलास उठाया और कहा, "अपराध में सफलता मिले," और उसे पी गया।

टॉम ने अपना गिलास खाली किया, उसे अपने पैरों के पास फर्श पर रख दिया और अपनी गंदी उंगली से अपना मुंह पोंछा। वह बिस्तर के निचले हिस्से को ऐसे घूर रहा था मानो कुछ याद करने की कोशिश कर रहा हो जिसकी धुंधली सी झलक उसे बिस्तर के निचले हिस्से में दिख रही थी।

लेफ्टिनेंट ने कुछ सेकंड तक अपने गिलास को देखा, उसमें से एक छोटा सा घूंट पिया और गिलास को अपनी कोहनी के पास मेज पर रख दिया। उन्होंने कमरे को गंभीर और सधी हुई निगाहों से देखा और फिर टॉम की ओर देखा।

टॉम सोफे पर असहज होकर हिलने लगा और ऊपर देखे बिना पूछा: "क्या तुमने माइल्स की पत्नी सैम को यह खबर सुनाई?"

स्पेड ने कहा: "हम्म।"

उसने इस पर कैसी प्रतिक्रिया दी?

स्पेड ने सिर हिलाया। "मुझे महिलाओं के बारे में कुछ नहीं पता।"

टॉम ने धीमी आवाज़ में कहा: "बिल्कुल नहीं।"

लेफ्टिनेंट ने अपने हाथ घुटनों पर रखे और आगे की ओर झुक गए। उनकी हरी आँखें स्पेड पर एक अजीब सी कठोरता से टिकी हुई थीं, मानो उनका ध्यान किसी यांत्रिक वस्तु पर टिका हो, जिसे केवल लीवर खींचकर या बटन दबाकर ही बदला जा सकता हो।

“तुम किस तरह की बंदूक रखते हो?” उसने पूछा।

“कोई नहीं। मुझे वे ज़्यादा पसंद नहीं हैं। बेशक, ऑफिस में कुछ लोग हैं।”

“मैं उनमें से एक देखना चाहूंगा,” लेफ्टिनेंट ने कहा। “क्या आपके पास यहाँ ऐसा कोई है?”

"नहीं।"

"क्या आपको इस बात का पूरा यकीन है?"

“आस-पास देख लो।” स्पेड मुस्कुराया और अपना खाली गिलास थोड़ा हिलाया। “अगर चाहो तो पूरे कूड़े के ढेर को उलट-पुलट कर दो। मैं कुछ नहीं बोलूंगा—बशर्ते तुम्हारे पास तलाशी का वारंट हो।”
टॉम ने विरोध करते हुए कहा: "अरे यार, सैम!"
स्पेड ने अपना गिलास मेज पर रखा और लेफ्टिनेंट की ओर मुंह करके खड़ा हो गया।
“तुम्हें क्या चाहिए, डंडी?” उसने अपनी आँखों की तरह ही कठोर और ठंडी आवाज़ में पूछा।
लेफ्टिनेंट डंडी की निगाहें स्पेड पर टिकी रहीं। केवल उनकी ही निगाहें हिली थीं।
टॉम ने सोफे पर अपना वजन फिर से बदला, नाक से एक गहरी सांस छोड़ी और दयनीय स्वर में गुर्राया: "हम कोई परेशानी पैदा नहीं करना चाहते, सैम।"
स्पेड ने टॉम की बात अनसुनी करते हुए डंडी से कहा: "अच्छा, तुम क्या चाहते हो? साफ-साफ बताओ। तुम खुद को क्या समझते हो, जो यहाँ आकर मुझे फंसाने की कोशिश कर रहे हो?"
“ठीक है,” डंडी ने सीने से लगकर कहा, “बैठ जाओ और सुनो।”
"मैं अपनी मर्जी से बैठूंगा या खड़ा रहूंगा," स्पेड ने बिना हिले-डुले कहा।
“भगवान के लिए, समझदारी से काम लो,” टॉम ने विनती की। “झगड़ा करने का क्या फायदा? अगर तुम जानना चाहते हो कि हमने खुलकर बात क्यों नहीं की, तो इसका कारण यह है कि जब मैंने तुमसे पूछा कि यह थर्सबी कौन है, तो तुमने लगभग यही कह दिया कि इससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। तुम हमारे साथ ऐसा व्यवहार नहीं कर सकते, सैम। यह ठीक नहीं है और इससे तुम्हें कुछ हासिल नहीं होगा। हमें अपना काम करना है।”
लेफ्टिनेंट डंडी उछलकर खड़ा हो गया, स्पेड के करीब खड़ा हुआ और अपना चौकोर चेहरा उस लंबे आदमी की ओर कर दिया।
उन्होंने कहा, "मैंने तुम्हें पहले ही चेतावनी दी थी कि एक दिन तुम्हारा पैर फिसल जाएगा।"
स्पेड ने तिरस्कारपूर्ण भाव से मुंह बनाया और अपनी भौहें ऊपर उठाईं। "कभी न कभी तो सबका पैर फिसल जाता है," उसने व्यंग्यपूर्ण विनम्रता से उत्तर दिया।
और यह तुम्हारा है।
स्पेड मुस्कुराया और सिर हिलाया। "नहीं, मैं ठीक हूँ, धन्यवाद।" उसकी मुस्कान गायब हो गई। उसके ऊपरी होंठ का बायां हिस्सा उसके नुकीले दांत पर फड़कने लगा। उसकी आँखें सिकुड़ गईं और कामुक हो गईं। उसकी आवाज़ लेफ्टिनेंट की तरह गहरी हो गई। "मुझे यह पसंद नहीं है। तुम यहाँ किसलिए चापलूसी कर रहे हो? मुझे बताओ, या बाहर जाओ और मुझे सोने दो।"
“थर्सबी कौन है?” डंडी ने पूछा।
मैंने टॉम को उसके बारे में जो कुछ भी पता था, वह सब बता दिया।
"तुमने टॉम को बहुत कम बताया।"
मुझे बहुत कम जानकारी थी।
"तुम उसका पीछा क्यों कर रहे थे?"

“मैं नहीं था। माइल्स था—और इसका बढ़िया कारण यह था कि हमारे पास एक ग्राहक था जो उसे ट्रैक करवाने के लिए अमेरिका से अच्छी खासी रकम दे रहा था।”
ग्राहक कौन है?
स्पेड के चेहरे और आवाज में फिर से शांति लौट आई। उन्होंने फटकार भरे लहजे में कहा, "आप जानते हैं कि मैं ग्राहक से बात किए बिना आपको यह नहीं बता सकता।"
“या तो तुम मुझे बताओगे या अदालत में बताओगे,” डंडी ने गुस्से से कहा। “यह हत्या है और इसे कभी मत भूलना।”
“शायद। और सुनो, मेरे प्यारे। मैं तुम्हें बताऊँगी या नहीं, ये मेरी मर्ज़ी पर है। बहुत समय हो गया जब मैं पुलिसवालों के मुझे नापसंद करने पर फूट-फूटकर रोई थी।”
टॉम सोफे से उठकर बिस्तर के निचले हिस्से पर बैठ गया। लापरवाही से दाढ़ी बनाई हुई, मिट्टी से सना हुआ उसका चेहरा थका हुआ और झुर्रियों से भरा हुआ था।
“समझदारी से काम लो, सैम,” उसने विनती की। “हमें एक मौका दो। अगर तुम हमें अपने पास मौजूद सबूत नहीं दोगे, तो हम माइल्स की हत्या के बारे में कुछ कैसे पता लगा पाएंगे?”
“तुम्हें इस बात की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है,” स्पेड ने उससे कहा। “मैं अपने मृतकों को दफना दूंगा।”
लेफ्टिनेंट डंडी बैठ गए और अपने हाथ फिर से घुटनों पर रख लिए। उनकी आँखें गर्म हरी डिस्क जैसी थीं।
“मुझे पता था कि तुम यही करोगे,” उसने कहा। वह गंभीर संतुष्टि भरी मुस्कान के साथ बोला, “हम तुमसे मिलने इसीलिए तो आए थे। है ना, टॉम?”
टॉम कराह उठा, लेकिन उसने कुछ स्पष्ट नहीं कहा।
स्पेड ने डंडी को सतर्कता से देखा।
“मैंने टॉम से बिल्कुल यही कहा था,” लेफ्टिनेंट ने आगे कहा, “मैंने कहा, ‘टॉम, मुझे ऐसा लग रहा है कि सैम स्पेड एक ऐसा आदमी है जो पारिवारिक समस्याओं को परिवार के भीतर ही रखना चाहता है।’ मैंने उससे बस यही कहा था।”
स्पेड की आँखों से सतर्कता गायब हो गई। उसने अपनी आँखों को ऊब से बेजान बना लिया। उसने अपना चेहरा टॉम की ओर घुमाया और बड़ी बेपरवाही से पूछा: "अब तुम्हारे बॉयफ्रेंड को क्या खुजली हो रही है?"
डंडी उछलकर खड़ा हुआ और अपनी दो मुड़ी हुई उंगलियों के सिरों से स्पेड की छाती पर थपथपाया।
“बस इतना ही,” उन्होंने प्रत्येक शब्द को स्पष्ट रूप से बोलते हुए और अपनी उंगलियों से थपथपाते हुए उन पर जोर देते हुए कहा: “आपके बुरिट स्ट्रीट छोड़ने के ठीक पैंतीस मिनट बाद थर्सबी को उनके होटल के सामने गोली मार दी गई थी।”
स्पेड ने बड़ी सावधानी से बोलते हुए कहा: "अपने गंदे हाथ मुझसे दूर रखो।"

डंडी ने टैप करती उंगलियां हटा लीं, लेकिन उसकी आवाज में कोई बदलाव नहीं आया: "टॉम का कहना है कि तुम इतनी जल्दी में थे कि अपने साथी को देखने के लिए भी नहीं रुके।"
टॉम ने माफी मांगते हुए गुर्राते हुए कहा: "अरे यार, सैम, तुम तो इस तरह भाग गए थे।"
“और तुम आर्चर के घर जाकर उसकी पत्नी को बताने नहीं गए,” लेफ्टिनेंट ने कहा। “हमने फोन किया और तुम्हारे दफ्तर में काम करने वाली वो लड़की वहाँ थी, और उसने कहा कि तुमने उसे भेजा था।”
स्पेड ने सिर हिलाया। उसके चेहरे पर शांति का भाव था, मानो वह मूर्ख हो।
लेफ्टिनेंट डंडी ने अपनी दो मुड़ी हुई उंगलियां स्पेड की छाती की ओर उठाईं, फिर झट से नीचे कर लीं और कहा: “मैं तुम्हें दस मिनट का समय देता हूँ कि तुम फोन तक पहुँचो और उस लड़की से बात करो। मैं तुम्हें दस मिनट का समय देता हूँ कि तुम थर्सबी के अड्डे—लीवेनवर्थ के पास गियरी—तक पहुँच जाओ। तुम इतने समय में आसानी से पहुँच सकते हो, या ज़्यादा से ज़्यादा पंद्रह मिनट में। और इससे तुम्हें उसके आने से पहले दस या पंद्रह मिनट का इंतज़ार करने का समय मिल जाएगा।”
“मुझे पता था कि वह कहाँ रहता है?” स्पेड ने पूछा। “और मुझे यह भी पता था कि माइल्स की हत्या करने के बाद वह सीधे घर नहीं गया था?”
“तुम्हें जो पता था, वो तो तुम्हें पता ही था,” डंडी ने हठपूर्वक जवाब दिया। “तुम घर कितने बजे पहुँचे थे?”
"चार बजने में बीस मिनट बाकी थे। मैं इधर-उधर घूमकर चीजों के बारे में सोच रहा था।"
लेफ्टिनेंट ने अपना गोल सिर ऊपर-नीचे हिलाया। “हमें पता था कि आप साढ़े तीन बजे घर पर नहीं थे। हमने आपको फोन करने की कोशिश की। आप टहलने कहाँ गए थे?”
"बुश स्ट्रीट से थोड़ा आगे जाकर वापस आना।"
“क्या आपने किसी को देखा जो—?”
“नहीं, कोई गवाह नहीं,” स्पेड ने कहा और खुशी से हँस पड़ा। “बैठ जाओ, डंडी। तुमने अभी अपना पेय खत्म नहीं किया है। अपना गिलास ले आओ, टॉम।”
टॉम ने कहा: "नहीं, धन्यवाद, सैम।"
डंडी बैठ गया, लेकिन उसने अपने रम के गिलास पर कोई ध्यान नहीं दिया।
स्पेड ने अपना गिलास भरा, पिया, खाली गिलास मेज पर रखा और अपने बिस्तर के पास वाली कुर्सी पर लौट आया।
“अब मुझे अपनी स्थिति का पता है,” उसने एक पुलिस जासूस से दूसरे की ओर दोस्ताना निगाहों से देखते हुए कहा। “मुझे खेद है कि मैं इतना आक्रामक हो गया, लेकिन तुम लोगों का आकर मुझ पर दबाव बनाने की कोशिश करना मुझे परेशान कर रहा था। माइल्स का मारा जाना मुझे बुरा लगा, और फिर तुम लोगों का चालाकी भरा रवैया। खैर, अब सब ठीक है, क्योंकि अब मुझे पता चल गया है कि तुम लोग क्या कर रहे हो।”
टॉम ने कहा: "भूल जाओ।"

लेफ्टिनेंट ने कुछ नहीं कहा।
स्पेड ने पूछा: "क्या थर्सबी मर गया?"
जब लेफ्टिनेंट हिचकिचा रहा था, तभी टॉम ने कहा: "हाँ।"
तब लेफ्टिनेंट ने गुस्से से कहा: "और अगर आपको नहीं पता तो बेहतर होगा कि आप यह जान लें कि उसकी मृत्यु किसी को कुछ भी बताने से पहले ही हो गई।"
स्पेड सिगरेट बना रहा था। उसने बिना ऊपर देखे पूछा, "इसका क्या मतलब है? क्या तुम्हें लगता है कि मुझे यह पता था?"
“मैंने जो कहा, मेरा वही मतलब था,” डंडी ने सीधे-सीधे जवाब दिया।
स्पेड ने उसकी ओर देखा और मुस्कुराया, एक हाथ में उसने खत्म हुई सिगरेट और दूसरे हाथ में लाइटर पकड़ रखा था।
“तुम अभी मुझे चुटकी काटने के लिए तैयार तो नहीं हो, डंडी?” उसने पूछा।
डंडी ने अपनी कठोर हरी आंखों से स्पेड की ओर देखा और उसे कोई जवाब नहीं दिया।
“तो फिर,” स्पेड ने कहा, “मुझे इस बात की परवाह करने का कोई खास कारण नहीं है कि तुम क्या सोचते हो, है ना, डंडी?”
टॉम ने कहा: "अरे, सैम, थोड़ा समझदारी से काम लो।"
स्पेड ने सिगरेट को अपने मुंह में डाला, उसमें आग लगाई और धुआं निकालते हुए हंसने लगा।
“मैं समझदारी से काम लूंगा, टॉम,” उसने वादा किया। “मैंने इस थर्सबी को कैसे मारा? मैं भूल गया हूँ।”
टॉम ने घृणा से घुरघुराया। लेफ्टिनेंट डंडी ने कहा: "जब वह होटल में घुसने लगा, तब सड़क के उस पार से उसे 44 या 45 कैलिबर की बंदूक से पीठ में चार गोलियां मारी गईं। किसी ने गोली चलते नहीं देखी, लेकिन यही नियति थी।"
“और उसने कंधे पर लगे होल्स्टर में एक लूगर पिस्टल पहन रखी थी,” टॉम ने आगे कहा। “उससे गोली नहीं चलाई गई थी।”
"होटल वालों को उसके बारे में क्या पता है?" स्पेड ने पूछा।
"इसके अलावा और कुछ नहीं कि वह वहां एक सप्ताह से था।"
"अकेला?"
"अकेला।"
“आपको उसके पास से या उसके कमरे से क्या मिला?”
डंडी ने अपने होंठ सिकोड़ते हुए पूछा: "आपको क्या लगता है कि हमें क्या मिलेगा?"
स्पेड ने अपनी बुझी हुई सिगरेट से लापरवाही से एक गोला बनाया। "कुछ ऐसा जिससे आपको पता चले कि वह कौन था, उसकी कहानी क्या थी। क्या आपको पता चला?"
हमें लगा था कि आप हमें यह बता सकते हैं।

स्पेड ने लेफ्टिनेंट की ओर पीले-भूरे रंग की आँखों से देखा जिनमें लगभग अतिशयोक्तिपूर्ण स्पष्टता झलक रही थी। "मैंने थर्सबी को कभी नहीं देखा, न तो जीवित और न ही मृत।"

लेफ्टिनेंट डंडी असंतुष्ट भाव से खड़े हो गए। टॉम जम्हाई लेते और अंगड़ाई लेते हुए उठे।

“हमने वो पूछ लिया जो हम पूछने आए थे,” डंडी ने हरी कंकड़ जैसी सख्त आँखों से भौंहें चढ़ाते हुए कहा। उसने अपने मूंछों वाले ऊपरी होंठ को दांतों से कसकर दबा रखा था, और निचले होंठ से शब्द बाहर निकाल रहा था। “हमने तुम्हें तुमसे ज़्यादा बता दिया है। ठीक है। तुम मुझे जानते हो, स्पेड। चाहे तुमने बताया हो या न बताया हो, तुम्हें मुझसे हिसाब बराबर मिलेगा, और ज़्यादातर मौके भी। मुझे नहीं लगता कि मैं तुम्हें बहुत ज़्यादा दोष दूँगा—लेकिन इससे मुझे तुम्हें सबक सिखाने से कोई नहीं रोक पाएगा।”

“ठीक है,” स्पेड ने शांत भाव से जवाब दिया। “लेकिन अगर आप अपना पेय पी लें तो मुझे बेहतर लगेगा।”

लेफ्टिनेंट डंडी मेज की ओर मुड़े, अपना गिलास उठाया और धीरे-धीरे उसे खाली कर दिया। फिर उन्होंने "शुभ रात्रि" कहा और अपना हाथ आगे बढ़ाया। उन्होंने रस्म के अनुसार हाथ मिलाया। टॉम और स्पेड ने भी रस्म के अनुसार हाथ मिलाया। स्पेड ने उन्हें जाने दिया। फिर उन्होंने कपड़े उतारे, लाइट बंद की और सोने चले गए।

3
तीन महिलाएं

अगली सुबह दस बजे जब स्पेड अपने दफ्तर पहुंचा तो एफी पेरिन अपनी डेस्क पर सुबह की डाक खोल रही थी। धूप से झुलसे उसके मासूम चेहरे का रंग पीला पड़ गया था। उसने मुट्ठी भर लिफाफे और पीतल का कागज़ काटने वाला चाकू नीचे रखा और कहा: "वह अंदर है।" उसकी आवाज़ धीमी और चेतावनी भरी थी।

“मैंने तुमसे कहा था कि उसे दूर रखो,” स्पेड ने शिकायत की। उसने भी अपनी आवाज़ धीमी रखी।

एफी पेरिन की भूरी आँखें चौड़ी हो गईं और उसकी आवाज़ भी सैम की तरह चिड़चिड़ी थी: "हाँ, लेकिन तुमने मुझे बताया नहीं कैसे।" उसकी पलकें थोड़ी सिकुड़ गईं और उसके कंधे झुक गए। "चिड़चिड़े मत बनो, सैम," उसने थकी हुई आवाज़ में कहा। "मैंने उसे पूरी रात अपने पास रखा था।"

स्पेड लड़की के बगल में खड़ा हुआ, उसके सिर पर हाथ रखा और उसके बालों को मांग से हटाकर संवारा। "माफ़ करना, मेरी प्यारी, मैं..." तभी अंदर का दरवाज़ा खुला और उसकी बात अधूरी रह गई। "हैलो, इवा," उसने दरवाज़ा खोलने वाली महिला से कहा।

“ओह, सैम!” उसने कहा।

वह तीस साल से कुछ अधिक उम्र की एक गोरी महिला थी। उसके चेहरे की खूबसूरती शायद अपने चरम से पाँच साल पीछे छूट गई थी। उसका शरीर, अपनी मजबूती के बावजूद, सुडौल और आकर्षक था। उसने टोपी से लेकर जूते तक काले कपड़े पहने थे। उनमें एक तरह का शोक का भाव था, मानो वह सहज हो। बात खत्म करके वह दरवाजे से पीछे हट गई और स्पेड का इंतजार करने लगी।

उसने एफी पेरिन के सिर से अपना हाथ हटाया और अंदर के दफ्तर में जाकर दरवाजा बंद कर दिया। इवा जल्दी से उसके पास आई और अपना उदास चेहरा उठाकर उसे चूमने के लिए तरसने लगी। उसके उसे गले लगाने से पहले ही इवा ने उसे अपनी बाहों में भर लिया था। चुंबन के बाद उसने उसे छोड़ने के लिए थोड़ा सा हिलने की कोशिश की, लेकिन इवा ने अपना चेहरा उसकी छाती से लगा लिया और रोने लगी।

उसने उसकी पीठ सहलाते हुए कहा, “बेचारी मेरी जान।” उसकी आवाज़ कोमल थी। उसकी आँखें, जो कमरे के दूसरी ओर, उसके साथी की मेज़ पर टिकी थीं, गुस्से से भरी थीं। उसने अधीरता से अपने होंठ दाँतों पर सिकोड़े और अपनी ठुड्डी को एक तरफ़ घुमा लिया ताकि उसकी टोपी का ऊपरी हिस्सा उससे न टकराए। उसने पूछा, “क्या तुमने माइल्स के भाई को बुलवाया था?”

“हां, वह आज सुबह आया था।” रोने की वजह से उसके शब्द अस्पष्ट हो गए थे और उसका कोट उसके मुंह से लग गया था।

उसने फिर से मुंह बनाया और अपनी कलाई पर बंधी घड़ी को चुपके से देखने के लिए अपना सिर झुकाया। उसका बायां हाथ उसके कंधे पर था। उसकी कलाई इतनी पीछे खींची हुई थी कि घड़ी दिखाई दे रही थी। घड़ी में दस बज रहे थे।
महिला उसकी बाहों में हिली और उसने अपना चेहरा फिर से ऊपर उठाया। उसकी नीली आँखें नम, गोल और सफेद घेरों वाली थीं। उसका मुँह गीला था।
“ओह, सैम,” वह कराहते हुए बोली, “क्या तुमने उसे मार डाला?”
स्पेड ने फटी आँखों से उसे घूरा। उसका दुबला-पतला जबड़ा लटक गया। उसने अपनी बाहें उससे छुड़ा लीं और उसकी बाहों से पीछे हट गया। उसने उसे घूरकर देखा और गला साफ किया।
उसने अपने हाथ वैसे ही ऊपर उठाए जैसे उसने छोड़े थे। पीड़ा से उसकी आँखें धुंधली हो गईं, भौंहें अंदर की ओर खिंची हुई थीं और आँखें आधी बंद थीं। उसके कोमल, नम, लाल होंठ काँप रहे थे।
स्पेड ने कर्कश स्वर में "हा!" कहा और हल्के पीले रंग के पर्दे वाली खिड़की की ओर चला गया। वह वहाँ उसकी ओर पीठ करके खड़ा रहा और पर्दे के पार आंगन में देखता रहा, जब तक कि वह उसकी ओर बढ़ने नहीं लगी। फिर वह तेज़ी से मुड़ा और अपनी मेज पर चला गया। वह बैठ गया, अपनी कोहनियों को मेज पर टिकाया, अपनी ठुड्डी को मुट्ठियों के बीच दबाया और उसे देखने लगा। उसकी पीली आँखें सिकुड़ी हुई पलकों के बीच चमक रही थीं।
उसने ठंडे स्वर में पूछा, "यह शानदार विचार तुम्हारे दिमाग में किसने डाला?"
“मैंने सोचा था—” उसने अपना हाथ मुँह पर रखा और उसकी आँखों में नए आँसू आ गए। वह डेस्क के बगल में आकर खड़ी हो गई, काले रंग की चप्पलों में बड़े आराम और आत्मविश्वास से चल रही थी, जिनकी लंबाई और ऊँची एड़ी बेहद आकर्षक थी। “मुझ पर दया करना, सैम,” उसने विनम्रता से कहा।
वह उस पर हँसा, उसकी आँखों में अब भी चमक थी। “तुमने मेरे पति को मार डाला, सैम, मुझ पर दया करो।” उसने अपनी हथेलियों को आपस में ताली बजाई और कहा: “हे भगवान!”
वह अपने चेहरे पर सफेद रुमाल रखे हुए जोर-जोर से रोने लगी।
वह उठा और उसके ठीक पीछे खड़ा हो गया। उसने उसे बाहों में भर लिया। उसने उसके कान और कोट के कॉलर के बीच गर्दन पर चुंबन किया। उसने कहा: “अब, इवा, रोना बंद करो।” उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं था। जब वह रोना बंद कर चुकी थी, तो उसने अपना मुंह उसके कान के पास ले जाकर फुसफुसाया: “तुम्हें आज यहां नहीं आना चाहिए था, मेरी प्यारी। यह समझदारी भरा काम नहीं था। तुम यहां नहीं रुक सकती। तुम्हें घर पर होना चाहिए।”
वह उसकी बाहों में घूमकर उसकी ओर मुड़ी और पूछा: "क्या तुम आज रात आओगे?"
उसने धीरे से सिर हिलाया। "आज रात नहीं।"
"जल्द ही?"
"हाँ।"
“कितनी जल्दी?”

"जितनी जल्दी मैं कर सकता हूँ।"
उसने उसके होंठों को चूमा, उसे दरवाजे तक ले गया, दरवाजा खोला, कहा, "अलविदा, इवा," उसे विदा किया, दरवाजा बंद किया और अपनी डेस्क पर लौट गया।
उसने अपनी बनियान की जेबों से तंबाकू और सिगरेट के कागज निकाले, लेकिन सिगरेट नहीं बनाई। वह एक हाथ में कागज और दूसरे हाथ में तंबाकू लिए बैठा रहा और अपने मृत साथी की मेज को उदास निगाहों से देखता रहा।
एफी पेरिन ने दरवाजा खोला और अंदर आई। उसकी भूरी आँखें बेचैन थीं। उसकी आवाज़ में उदासीनता थी। उसने पूछा: "तो क्या हुआ?"
स्पेड ने कुछ नहीं कहा। उसकी गहरी निगाहें अपने साथी की मेज से नहीं हटीं।
लड़की ने भौंहें चढ़ाकर उसके पास आकर पूछा, "अच्छा, विधवा से तुम्हारा क्या हाल रहा?"
“उसे लगता है कि मैंने माइल्स को गोली मारी है,” उसने कहा। केवल उसके होंठ हिले।
तो क्या तुम उससे शादी कर सकते हो?
स्पेड ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।
लड़की ने उसके सिर से टोपी उतारकर मेज पर रख दी। फिर वह झुकी और उसकी बेजान उंगलियों से तंबाकू की थैली और कागज़ ले लिए।
उन्होंने कहा, "पुलिस को लगता है कि मैंने थर्सबी को गोली मारी है।"
"वह कौन है?" उसने पैकेट से सिगरेट का कागज अलग करते हुए और उसमें तंबाकू छानते हुए पूछा।
“तुम्हें क्या लगता है मैंने किसे गोली मारी?” उसने पूछा।
जब उसने उस सवाल को नजरअंदाज कर दिया तो उसने कहा: "थर्सबी ही वह लड़का है जिसका पीछा माइल्स वंडरली नाम की लड़की के लिए कर रहा था।"
उसकी पतली उंगलियों ने सिगरेट को आकार दिया। उसने उसे चाटा, चिकना किया, उसके सिरों को मोड़ा और स्पेड के होठों के बीच रख दिया। उसने कहा, "शुक्रिया, हनी," उसकी पतली कमर में हाथ डाला और थके हुए अंदाज़ में अपना गाल उसकी कमर पर टिकाकर आंखें बंद कर लीं।
"क्या तुम इवा से शादी करने जा रहे हो?" उसने उसके हल्के भूरे बालों की ओर देखते हुए पूछा।
“मूर्खता मत करो,” उसने बुदबुदाते हुए कहा। बिना जली सिगरेट उसके होठों के हिलने के साथ ऊपर-नीचे हो रही थी।
“उसे यह बेवकूफी भरा नहीं लगता। भला क्यों लगे—जिस तरह से तुमने उसके साथ खिलवाड़ किया है?”
उसने आह भरी और कहा: "काश मैंने उसे कभी देखा ही न होता।"
“शायद अब तुम्हें पता हो।” लड़की की आवाज़ में थोड़ी सी कड़वाहट आ गई। “लेकिन एक समय था।”
"मुझे महिलाओं से बात करने या उनके साथ व्यवहार करने के अलावा और कुछ नहीं सूझता," उसने बड़बड़ाते हुए कहा, "और फिर मुझे माइल्स पसंद नहीं था।"

“ये झूठ है, सैम,” लड़की ने कहा। “तुम्हें पता है मैं उसे नीच समझती हूँ, लेकिन अगर मुझे उसके जैसा शरीर मिल जाए तो मैं भी नीच बन जाऊँगी।”
स्पेड ने अधीरता से अपना चेहरा उसकी कमर पर रगड़ा, लेकिन कुछ नहीं कहा।
एफी पेरिन ने अपने होंठ काटे, माथे पर झुर्रियां डालीं और उसका चेहरा बेहतर ढंग से देखने के लिए झुकते हुए पूछा: "क्या आपको लगता है कि वह उसे मार सकती थी?"
स्पेड सीधा बैठ गया और उसने अपना हाथ उसकी कमर से हटा लिया। उसने उसे देखकर मुस्कुराया। उसकी मुस्कान में सिर्फ़ मनोरंजन था। उसने अपना लाइटर निकाला, लौ जलाई और सिगरेट के सिरे पर लगा दी। धुएं के बीच से उसने कोमल स्वर में कहा, "तुम एक परी हो, एक प्यारी सी भोली परी।"
वह थोड़ी व्यंग्यात्मक मुस्कान के साथ बोली, "ओह, क्या मैं? मान लो अगर मैं तुम्हें बताऊं कि जब मैं आज सुबह तीन बजे यह खबर देने पहुंची, तब तुम्हारी इवा घर आए हुए कुछ ही मिनट हुए थे?"
“क्या तुम मुझे बता रहे हो?” उसने पूछा। उसकी आँखें सतर्क हो गई थीं, हालाँकि उसके होंठों पर मुस्कान बरकरार थी।
“कपड़े उतारते या उतारने का काम पूरा करते समय उसने मुझे दरवाजे पर ही इंतजार करवाया। मैंने उसके कपड़े देखे जो उसने कुर्सी पर फेंक रखे थे। उसकी टोपी और कोट नीचे थे। ऊपर पहनी हुई उसकी बनियान अभी भी गर्म थी। उसने कहा कि वह सो रही थी, लेकिन वह सोई नहीं थी। उसने बिस्तर पर सिलवटें बना दी थीं, लेकिन सिलवटें दबी हुई नहीं थीं।”
स्पेड ने लड़की का हाथ पकड़ा और उसे थपथपाया। "तुम एक जासूस हो, प्यारी, लेकिन"—उसने अपना सिर हिलाया—"उसने उसे नहीं मारा।"
एफी पेरिन ने झट से अपना हाथ छुड़ा लिया। उसने कड़वाहट से कहा, "वह कमीना तुमसे शादी करना चाहता है, सैम।"
उसने सिर और एक हाथ से अधीरता का भाव दिखाया।
उसने उसे घूरकर देखा और पूछा: "क्या तुमने उसे कल रात देखा था?"
"नहीं।"
"ईमानदारी से?"
"सच में। डंडी की तरह व्यवहार मत करो, प्रिये। यह तुम पर शोभा नहीं देता।"
"क्या डंडी तुम्हारे पीछे पड़ा है?"
“हाँ। वह और टॉम पोलहॉस शाम चार बजे ड्रिंक के लिए आए थे।”
"क्या उन्हें सच में लगता है कि तुमने उस आदमी को गोली मारी है जिसका नाम मुझे याद नहीं आ रहा?"
“थर्सबी।” उसने अपनी सिगरेट का बचा हुआ हिस्सा पीतल की ट्रे में गिरा दिया और दूसरी सिगरेट बनाने लगा।
“क्या वे ऐसा करते हैं?” उसने जोर देकर पूछा।

“भगवान जाने।” उसकी नज़रें सिगरेट पर टिकी थीं जो वह बना रहा था। “उनके मन में कुछ ऐसा ही विचार था। मुझे नहीं पता कि मैंने उन्हें कितना समझाया-बुझाया।”
"मेरी तरफ देखो, सैम।"
उसने उसकी तरफ देखा और हँस पड़ा, जिससे क्षण भर के लिए उसके चेहरे पर दिख रही चिंता के साथ-साथ खुशी भी झलक उठी।
“तुम मुझे चिंतित करते हो,” उसने कहा, बोलते समय उसके चेहरे पर गंभीरता लौट आई। “तुम हमेशा सोचते हो कि तुम्हें सब पता है, लेकिन तुम अपनी चालाकी के लिए खुद ही जिम्मेदार हो, और एक दिन तुम्हें इसका पता चल ही जाएगा।”
उसने व्यंग्य भरी आह भरी और अपना गाल उसके हाथ से रगड़ा। “यही तो डंडी कहता है, पर तुम इवा को मुझसे दूर रखना, प्यारी, और मैं अपनी बाकी परेशानियों से निपट लूँगा।” वह खड़ा हुआ और अपनी टोपी पहनी। “दरवाजे से स्पेड एंड आर्चर का लोगो हटवा दो और सैमुअल स्पेड का लोगो लगवा दो। मैं एक घंटे में वापस आ जाऊँगा, या तुम्हें फोन कर दूँगा।”
स्पेड सेंट मार्क के लंबे बैंगनी रंग के लॉबी से होते हुए डेस्क तक गए और लाल बालों वाले एक सजे-धजे व्यक्ति से पूछा कि क्या मिस वंडरली यहाँ हैं। लाल बालों वाले उस सजे-धजे व्यक्ति ने मुँह फेर लिया और फिर सिर हिलाते हुए वापस मुड़ गए। "मिस्टर स्पेड, वह आज सुबह ही चेक आउट कर चुकी हैं।"
"धन्यवाद।"
स्पेड डेस्क के पास से गुज़रते हुए लॉबी से सटे एक कोने में गया, जहाँ गहरे रंग के कपड़े पहने एक मोटे-ताज़े अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने महोगनी की सपाट सतह वाली मेज पर अपना हाथ रखा था। लॉबी की ओर वाली मेज के किनारे पर महोगनी और पीतल से बना एक त्रिकोणीय प्रिज्म था जिस पर 'मिस्टर फ्रीड' लिखा हुआ था।
मोटा आदमी उठा और मेज के चारों ओर आकर अपना हाथ आगे बढ़ाया।
“आर्चर के बारे में सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ, स्पेड,” उन्होंने सहानुभूति जताने के प्रशिक्षित लहजे में कहा, “मैंने अभी-अभी ‘कॉल’ में इसके बारे में पढ़ा है। वह कल रात यहीं थे, आपको पता है।”
“धन्यवाद, फ्रीड। क्या तुम उससे बात कर रहे थे?”
“नहीं। जब मैं शाम को जल्दी अंदर आई तो वह लॉबी में बैठा था। मैं रुकी नहीं। मैंने सोचा कि वह शायद काम कर रहा होगा और मुझे पता है कि जब आप लोग व्यस्त होते हैं तो आपको अकेला रहना पसंद होता है। क्या इसका उससे कोई लेना-देना था?”
मुझे तो ऐसा नहीं लगता, लेकिन अभी हमें पता नहीं है। वैसे भी, अगर संभव हो तो हम घर के बाकी लोगों को इसमें शामिल नहीं करेंगे।
"धन्यवाद।"
"कोई बात नहीं। क्या आप मुझे किसी पूर्व अतिथि के बारे में कुछ जानकारी दे सकते हैं, और फिर यह भूल सकते हैं कि मैंने इसके लिए पूछा था?"

“ज़रूर।”
“आज सुबह मिस वंडरली का चेक-आउट हो गया। मैं इसके बारे में विस्तार से जानना चाहता/चाहती हूँ।”
फ्रीड ने कहा, "चलो, हम देखेंगे कि हम क्या सीख सकते हैं।"
स्पेड स्थिर खड़ा रहा, अपना सिर हिलाते हुए बोला, "मैं इसमें दिखना नहीं चाहता।"
फ्रीड ने सिर हिलाया और आले से बाहर निकल गया। लॉबी में वह अचानक रुका और स्पेड के पास वापस आ गया।
“कल रात हैरीमैन घर का जासूस था,” उसने कहा। “उसने आर्चर को ज़रूर देखा होगा। क्या मैं उसे चेतावनी दूं कि वह इसका ज़िक्र न करे?”
स्पेड ने तिरछी नज़रों से फ्रीड को देखा। "ऐसा न करना ही बेहतर है। जब तक वंडरली से कोई संबंध साबित नहीं होता, तब तक इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। हैरिमन ठीक है, लेकिन उसे बात करने की आदत है, और मैं नहीं चाहता कि उसे लगे कि कुछ छिपाने लायक है।"
फ्रीड ने फिर सिर हिलाया और चला गया। पंद्रह मिनट बाद वह लौटा।
“वह पिछले मंगलवार को न्यूयॉर्क से पंजीकरण करवाकर आई थी। उसके पास कोई ट्रंक नहीं था, बस कुछ बैग थे। उसके कमरे में कोई फोन कॉल का बिल नहीं था, और ऐसा लगता है कि उसे शायद ही कोई चिट्ठी मिली हो। उसे सिर्फ एक लंबे, सांवले, लगभग छत्तीस साल के आदमी के साथ देखा गया था। वह आज सुबह साढ़े नौ बजे बाहर गई, एक घंटे बाद वापस आई, बिल चुकाया और अपने बैग कार में रखवा लिए। बैग ले जाने वाले लड़के ने बताया कि वह नैश टूरिंग कार थी, शायद किराए पर ली गई थी। उसने एक पता दिया है - द एम्बेसडर, लॉस एंजिल्स।”
स्पेड ने कहा, "बहुत-बहुत धन्यवाद, फ्रीड," और सेंट मार्क से चले गए।
जब स्पेड अपने कार्यालय लौटे तो एफी पेरिन ने पत्र टाइप करना रोककर उन्हें बताया: "आपका दोस्त डंडी आया था। वह आपकी बंदूकें देखना चाहता था।"
"और?"
मैंने उससे कहा था कि जब तुम यहाँ हो तब वापस आना।
“शाबाश। अगर वह दोबारा आए तो उसे इन्हें देखने दो।”
और मिस वंडरली ने फोन किया।
“आखिरकार समय आ ही गया। उसने क्या कहा?”
“वह आपसे मिलना चाहती हैं।” लड़की ने अपनी मेज से कागज की एक पर्ची उठाई और उस पर पेंसिल से लिखा ज्ञापन पढ़ा: “वह कैलिफोर्निया स्ट्रीट स्थित कोरोनेट होटल में हैं, अपार्टमेंट नंबर एक हजार एक में। आपको मिस लेब्लैंक से मिलना है।”
स्पेड ने कहा, "मुझे दो," और अपना हाथ आगे बढ़ाया। जब उसने उसे ज्ञापन दे दिया, तो उसने अपना लाइटर निकाला, लौ जलाई, कागज के टुकड़े पर आग लगाई, कागज को तब तक पकड़े रखा जब तक

कि उसका एक कोना छोड़कर बाकी सब काला राख न बन गया, उसे लिनोलियम के फर्श पर गिरा दिया और अपने जूते के तले से मसल दिया।
लड़की ने उसे नापसंदगी भरी निगाहों से देखा।
उसने उसकी तरफ देखकर मुस्कुराते हुए कहा, "बस यही बात है, प्रिय," और फिर बाहर चला गया।

4
काला पक्षी

बेल्ट वाली हरे रंग की क्रेप सिल्क ड्रेस पहने मिस वंडरली ने कोरोनेट होटल के अपार्टमेंट नंबर 1001 का दरवाजा खोला। उनका चेहरा लाल था। उनके गहरे लाल बाल, जो बाईं ओर से अलग किए हुए थे, दाहिनी कनपटी पर ढीली लहरों की तरह फैले हुए थे और थोड़े बिखरे हुए थे।

स्पेड ने अपनी टोपी उतारकर कहा: "सुप्रभात।"

उनकी मुस्कान देखकर उसके चेहरे पर हल्की सी मुस्कान आ गई। उसकी नीली आँखें, जो लगभग बैंगनी रंग की थीं, उनमें अभी भी परेशानी झलक रही थी। उसने अपना सिर झुकाया और दबी हुई, संकोची आवाज़ में कहा: "अंदर आइए, मिस्टर स्पेड।"

वह उसे रसोई, स्नानघर और शयनकक्ष के खुले दरवाजों से होते हुए क्रीम और लाल रंग के बैठक कक्ष में ले गई और वहां की अव्यवस्था के लिए माफी मांगते हुए बोली: "सब कुछ अस्त-व्यस्त है। मैंने अभी तक सामान खोलना भी पूरा नहीं किया है।"

उसने उसकी टोपी मेज पर रख दी और अखरोट की लकड़ी के सोफे पर बैठ गई। वह उसके सामने ब्रोकेड की अंडाकार पीठ वाली कुर्सी पर बैठ गया।

उसने अपनी उंगलियों को देखा, उन्हें आपस में जोड़ते हुए कहा: "मिस्टर स्पेड, मुझे एक बहुत ही भयानक बात कबूल करनी है।"

स्पेड ने विनम्रतापूर्वक मुस्कुराया, लेकिन उसने अपनी आँखें ऊपर उठाकर नहीं देखा और कुछ नहीं कहा।

“वो—वो कहानी जो मैंने तुम्हें कल सुनाई थी—वो सब एक कहानी थी,” वह हकलाते हुए बोली और अब दयनीय, भयभीत आँखों से उसकी ओर देखने लगी।

“ओह, वो बात,” स्पेड ने हल्के से कहा। “हमें आपकी कहानी पर बिल्कुल भी यकीन नहीं हुआ।”

“तो फिर—?” उसकी आँखों में दुख और भय के साथ-साथ असमंजस भी झलक रहा था।

"हमने आपके दो सौ डॉलर पर विश्वास किया।"

“तुम्हारा मतलब—?” ऐसा लग रहा था कि उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या कहना चाह रहा है।

"मेरा मतलब है कि आपने हमें सच बोलने की तुलना में अधिक भुगतान किया," उसने बेपरवाही से समझाया, "और इतना अधिक भुगतान किया जिससे सब कुछ ठीक हो गया।"

उसकी आँखें अचानक चमक उठीं। वह सोफे से कुछ इंच उठी, फिर से बैठ गई, अपनी स्कर्ट को ठीक किया, आगे झुकी और उत्सुकता से बोली: "और अब भी आप तैयार होंगे—?"

स्पेड ने एक हाथ की हथेली ऊपर की ओर करके उसे रोक दिया। उसके चेहरे का ऊपरी हिस्सा सिकुड़ा हुआ था। निचला हिस्सा मुस्कुरा रहा था। "यह इस बात पर निर्भर करता है," उसने कहा। "असल में, मिस—क्या आपका नाम वंडरली है या लेब्लैंक?"
वह शरमा गई और धीरे से बोली: "यह वास्तव में ओ'शॉघनेसी है - ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी।"
“मिस ओ'शॉघनेसी, सबसे बुरी बात यह है कि दो-चार हत्याएं”—वह थोड़ा सिहर उठी—“इस तरह एक साथ होने से हर कोई उत्तेजित हो जाता है, पुलिस को लगता है कि वे हद पार कर सकते हैं, और हर किसी को संभालना मुश्किल और खर्चीला हो जाता है। यह ठीक नहीं है—”
उसने बोलना बंद कर दिया क्योंकि वह सुनना बंद कर चुकी थी और उसके बोलने की समाप्ति का इंतजार कर रही थी।
“मिस्टर स्पेड, मुझे सच बताइए।” उसकी आवाज़ हिस्टीरिया के कगार पर कांप रही थी। उसका चेहरा मुरझाया हुआ था और उसकी आँखों में हताशा झलक रही थी। “क्या पिछली रात के लिए मैं ज़िम्मेदार हूँ?”
स्पेड ने सिर हिलाया। "ऐसा तभी होगा जब कुछ ऐसी बातें हों जिनके बारे में मुझे पता न हो," उसने कहा। "आपने हमें चेतावनी दी थी कि थर्सबी खतरनाक है। बेशक आपने अपनी बहन के बारे में हमसे झूठ बोला, लेकिन वह मायने नहीं रखता: हमने आपकी बात पर विश्वास नहीं किया।" उसने झुके हुए कंधों को उचकाते हुए कहा, "मैं यह नहीं कहूंगा कि यह आपकी गलती थी।"
उसने बहुत धीमी आवाज़ में कहा, "धन्यवाद," और फिर अपना सिर इधर-उधर हिलाया। "लेकिन मैं हमेशा खुद को ही दोषी मानूंगी।" उसने अपना हाथ अपने गले पर रखा। "श्री आर्चर कल दोपहर बहुत ही जीवंत, एकदम तरोताज़ा और खुशमिजाज़ लग रहे थे..."
“बस करो,” स्पेड ने आदेश दिया। “उसे पता था कि वह क्या कर रहा है। ये वो जोखिम हैं जो हम उठाते हैं।”
“क्या वह शादीशुदा था?”
"हां, दस हजार का बीमा था, कोई संतान नहीं थी, और एक ऐसी पत्नी थी जो उसे पसंद नहीं करती थी।"
“ओह, कृपया ऐसा मत करो!” उसने फुसफुसाते हुए कहा।
स्पेड ने फिर कंधे उचका दिए। “बात यही थी।” उसने अपनी घड़ी देखी और कुर्सी से उठकर उसके बगल में सोफे पर बैठ गया। “अभी इस बारे में चिंता करने का समय नहीं है।” उसकी आवाज़ मधुर थी लेकिन दृढ़ थी। “बाहर पुलिसकर्मियों, सहायक जिला अटॉर्नी और पत्रकारों का झुंड हर काम में पूरी तरह से लगा हुआ है। तुम क्या करना चाहती हो?”
“मैं चाहती हूँ कि आप मुझे बचाएँ—इन सब से,” उसने काँपती हुई पतली आवाज़ में जवाब दिया। उसने डरते हुए अपना हाथ उसकी आस्तीन पर रखा। “मिस्टर स्पेड, क्या उन्हें मेरे बारे में पता है?”
अभी नहीं। मैं पहले आपसे मिलना चाहता था।

"अगर उन्हें पता चल जाए कि मैं तुम्हारे पास झूठ बोलकर आया था, तो वे क्या सोचेंगे?"
“इससे उन्हें शक हो जाएगा। इसीलिए मैं आपसे मिलने तक उन्हें टालता रहा। मैंने सोचा कि शायद हमें उन्हें सब कुछ बताने की ज़रूरत न पड़े। ज़रूरत पड़ने पर हम एक ऐसी झूठी कहानी बना सकते हैं जिससे वे सो जाएँ।”
"आपको नहीं लगता कि मेरा उन हत्याओं से कोई लेना-देना था, है ना?"
स्पेड ने मुस्कुराते हुए उससे कहा: "मैं तुमसे यह पूछना भूल गई थी। क्या तुम भूल गई थीं?"
"नहीं।"
“अच्छा है। अब हम पुलिस को क्या बताएंगे?”
वह सोफे के अपने हिस्से पर बेचैनी से बैठी थी और उसकी घनी पलकों के बीच उसकी आँखें इधर-उधर भटक रही थीं, मानो वह अपनी निगाहें उससे हटाने की कोशिश कर रही हो और नाकाम हो रही हो। वह छोटी, बेहद युवा और दबी हुई लग रही थी।
“क्या उन्हें मेरे बारे में जानना ही होगा?” उसने पूछा। “मुझे लगता है कि मैं मरने से बेहतर मरना पसंद करूंगी, मिस्टर स्पेड। मैं अभी समझा नहीं सकती, लेकिन क्या आप किसी तरह मुझे उनसे बचा सकते हैं, ताकि मुझे उनके सवालों का जवाब न देना पड़े? मुझे नहीं लगता कि मैं अभी पूछताछ का सामना कर पाऊंगी। मुझे लगता है कि मैं मरना ही बेहतर समझूंगी। क्या आप नहीं समझ सकते, मिस्टर स्पेड?”
उन्होंने कहा, "शायद, लेकिन मुझे यह जानना होगा कि यह सब क्या है।"
वह उसके घुटनों के बल बैठ गई। उसने अपना चेहरा उसकी ओर उठाया। उसके चेहरे पर पीलापन, तनाव और भय के भाव थे, और उसने अपने हाथों को कसकर पकड़ रखा था।
“मैंने अच्छा जीवन नहीं जिया,” वह रोते हुए बोली। “मैं बुरी रही हूँ—आप जितना सोच भी नहीं सकते उससे कहीं ज़्यादा बुरी—लेकिन मैं पूरी तरह से बुरी नहीं हूँ। मुझे देखिए, मिस्टर स्पेड। आप जानते हैं कि मैं पूरी तरह से बुरी नहीं हूँ, है ना? आप देख सकते हैं, है ना? तो क्या आप मुझ पर थोड़ा भरोसा नहीं कर सकते? ओह, मैं कितनी अकेली और डरी हुई हूँ, और अगर आप मेरी मदद नहीं करेंगे तो मेरी मदद करने वाला कोई नहीं है। मैं जानती हूँ कि अगर मैं आप पर भरोसा नहीं करती तो मुझे आप पर भरोसा करने के लिए कहने का कोई हक नहीं है। मैं आप पर भरोसा करती हूँ, लेकिन मैं आपको बता नहीं सकती। मैं अभी नहीं बता सकती। बाद में बताऊँगी, जब मैं बता पाऊँगी। मैं डरी हुई हूँ, मिस्टर स्पेड। मुझे आप पर भरोसा करने से डर लगता है। मेरा मतलब वो नहीं है। मैं आप पर भरोसा करती हूँ, लेकिन—मैंने फ्लॉयड पर भरोसा किया था और—मेरे पास कोई और नहीं है, कोई और नहीं है, मिस्टर स्पेड। आप मेरी मदद कर सकते हैं। आपने कहा है कि आप मेरी मदद कर सकते हैं। अगर मुझे विश्वास नहीं होता कि आप मुझे बचा सकते हैं तो मैं आज ही भाग जाती, आपको बुलाने के बजाय। अगर मुझे लगता कि कोई और मुझे बचा सकता है तो क्या मैं इतनी दुखी होती? इस तरह घुटनों पर बैठना? मुझे पता है यह मेरे लिए ठीक नहीं है। लेकिन उदार बनिए, श्रीमान स्पेड, मुझसे निष्पक्ष रहने की उम्मीद

मत कीजिए। आप बलवान हैं, आप साधन संपन्न हैं, आप साहसी हैं। आप मुझे अपनी कुछ शक्ति, साधन संपन्नता और साहस अवश्य दे सकते हैं। मेरी मदद कीजिए, श्रीमान स्पेड। मेरी मदद कीजिए क्योंकि मुझे मदद की सख्त जरूरत है, और क्योंकि अगर आप मेरी मदद नहीं करेंगे तो मुझे कोई ऐसा व्यक्ति कहां मिलेगा जो मेरी मदद कर सके, चाहे वह कितना भी इच्छुक क्यों न हो? मेरी मदद कीजिए। मुझे आपसे आँख बंद करके मदद मांगने का कोई अधिकार नहीं है, लेकिन मैं आपसे विनती करती हूँ। उदार बनिए, श्रीमान स्पेड। आप मेरी मदद कर सकते हैं। मेरी मदद कीजिए।

स्पेड, जो इस भाषण के दौरान काफी देर तक अपनी सांस रोके हुए थे, अब अपने होठों को सिकोड़कर एक लंबी आह भरते हुए बोले: “आपको किसी की ज्यादा मदद की जरूरत नहीं पड़ेगी। आप अच्छे हैं। आप बहुत अच्छे हैं। मुझे लगता है कि मुख्य रूप से आपकी आंखें और आपकी आवाज में आने वाला वो जोश है जब आप ‘उदार बनिए, मिस्टर स्पेड’ जैसी बातें कहते हैं।”

वह उछलकर खड़ी हो गई। उसका चेहरा दर्द से लाल हो गया था, लेकिन उसने अपना सिर सीधा रखा और स्पेड की आंखों में सीधे देखा।

“मैं इसकी हकदार हूँ,” उसने कहा। “मैं इसकी हकदार हूँ, लेकिन—ओह!—मुझे आपकी मदद की बहुत ज़रूरत थी। मुझे सच में इसकी बहुत ज़रूरत है। और झूठ मेरे कहने के तरीके में था, न कि मेरे शब्दों में।” वह मुँह फेरकर खड़ी हो गई, अब वह सीधी नहीं खड़ी थी। “यह मेरी ही गलती है कि अब आप मुझ पर विश्वास नहीं कर सकते।”

स्पेड का चेहरा लाल हो गया और उसने फर्श की ओर देखते हुए बुदबुदाया: "अब तुम खतरनाक हो।"

ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी मेज के पास गईं और उनकी टोपी उठा ली। वह वापस आईं और टोपी पकड़े उनके सामने खड़ी हो गईं, उन्हें देने के लिए नहीं, बल्कि इस तरह पकड़े हुए थीं कि अगर वे चाहें तो ले सकें। उनका चेहरा पीला और दुबला-पतला था।

स्पेड ने अपनी टोपी की ओर देखा और पूछा: "कल रात क्या हुआ था?"

“फ्लॉयड सुबह नौ बजे होटल आया और हम टहलने निकल गए। मैंने ऐसा इसलिए किया ताकि मिस्टर आर्चर उसे देख सकें। हम गियरी स्ट्रीट के एक रेस्टोरेंट में रुके, मुझे लगता है वहीं पर, रात के खाने और नाच-गाने के लिए, और लगभग साढ़े बारह बजे होटल वापस आ गए। फ्लॉयड मुझे दरवाजे पर छोड़कर चला गया और मैं अंदर खड़ी होकर मिस्टर आर्चर को सड़क के दूसरी तरफ उसके पीछे जाते हुए देखती रही।”

“नीचे? आपका मतलब मार्केट स्ट्रीट की ओर है?”

"हाँ।"

"क्या आप जानते हैं कि वे बुश और स्टॉकटन के पड़ोस में क्या कर रहे होंगे, जहां आर्चर को गोली मारी गई थी?"

"क्या यह उस जगह के पास नहीं है जहाँ फ्लॉयड रहता था?"

नहीं। अगर वह आपके होटल से अपने होटल जा रहा होता, तो उसे लगभग एक दर्जन ब्लॉक का अतिरिक्त रास्ता तय करना पड़ता। अच्छा, उनके जाने के बाद आपने क्या किया?
“मैं सो गया था। और आज सुबह जब मैं नाश्ते के लिए बाहर निकला तो मैंने अखबारों में सुर्खियाँ देखीं और उनके बारे में पढ़ा—आप जानते ही हैं। फिर मैं यूनियन स्क्वायर गया, जहाँ मैंने किराए पर गाड़ियाँ देखी थीं, और एक गाड़ी लेकर अपने सामान के लिए होटल गया। कल जब मुझे पता चला कि मेरे कमरे की तलाशी ली गई थी, तो मुझे समझ आ गया कि मुझे कहीं और जाना पड़ेगा, और मैंने कल दोपहर को यह जगह ढूंढी थी। इसलिए मैं यहाँ आया और फिर आपके कार्यालय में फोन किया।”
“क्या सेंट मार्क होटल में आपके कमरे की तलाशी ली गई थी?” उसने पूछा।
“हां, जब मैं आपके कार्यालय में थी।” उसने अपने होंठ दबाए। “मेरा आपको यह बताने का इरादा नहीं था।”
"इसका मतलब यह है कि मुझे इस बारे में आपसे सवाल नहीं करना चाहिए?"
उसने शर्माते हुए सिर हिलाया।
उनकी भौंहों पर बल पड़े।
उसने अपने हाथों में उसकी टोपी को थोड़ा सा हिलाया।
वह अधीरता से हँसा और बोला: "मेरे सामने टोपी लहराना बंद करो। क्या मैंने अपनी तरफ से जो कर सकता हूँ, वह करने की पेशकश नहीं की है?"
उसने पश्चाताप भरी मुस्कान के साथ टोपी को मेज पर वापस रख दिया और फिर से उसके बगल में सोफे पर बैठ गई।
उन्होंने कहा: “मुझे आप पर आँख बंद करके भरोसा करने में कोई आपत्ति नहीं है, सिवाय इसके कि अगर मुझे इस सब के बारे में कुछ जानकारी नहीं होगी तो मैं आपकी ज्यादा मदद नहीं कर पाऊंगा। उदाहरण के लिए, मुझे आपके फ्लॉयड थर्सबी के बारे में कुछ जानकारी होनी चाहिए।”
“मैं उससे पूर्वी देशों में मिली थी।” उसने धीरे-धीरे बोलते हुए, सोफे पर रखी आठ की आकृति बनाते हुए अपनी उंगली की ओर इशारा किया। “हम पिछले हफ्ते हांगकांग से यहां आए थे। उसने मेरी मदद करने का वादा किया था। उसने मेरी बेबसी और उस पर मेरी निर्भरता का फायदा उठाकर मुझे धोखा दिया।”
“तुम्हें कैसे धोखा दूं?”
उसने अपना सिर हिलाया और कुछ नहीं कहा।
स्पेड ने अधीरता से भौंहें चढ़ाते हुए पूछा: "आप उसे निगरानी में क्यों रखना चाहते थे?"
“मैं यह जानना चाहता था कि वह कितनी दूर चला गया है। वह मुझे यह भी नहीं बताता था कि वह कहाँ रह रहा है। मैं यह पता लगाना चाहता था कि वह क्या कर रहा है, किससे मिल रहा है, इस तरह की बातें।”
क्या उसने आर्चर को मार डाला?

उसने आश्चर्य से उसकी ओर देखा। "हाँ, बिल्कुल," उसने कहा।
“उसके कंधे पर लगे होल्स्टर में एक लूगर पिस्टल थी। आर्चर को लूगर से गोली नहीं मारी गई थी।”
उसने कहा, "उसके ओवरकोट की जेब में एक रिवॉल्वर थी।"
"तुमने उसे देखा?"
“ओह, मैंने इसे अक्सर देखा है। मुझे पता है कि वह हमेशा इसे अपने साथ रखता है। मैंने इसे कल रात नहीं देखा, लेकिन मुझे पता है कि वह इसके बिना कभी ओवरकोट नहीं पहनता।”
“इतनी सारी बंदूकें क्यों?”
“वह उन्हीं सिद्धांतों पर चलता था। हांगकांग में एक कहानी प्रचलित थी कि वह एक जुआरी के अंगरक्षक के रूप में पूर्वी देशों में आया था, जिसे अमेरिका छोड़कर जाना पड़ा था, और वह जुआरी तब से लापता है। लोगों का कहना था कि फ्लॉयड को उसके लापता होने के बारे में पता था। मुझे नहीं पता। लेकिन मैं इतना जानता हूँ कि वह हमेशा भारी हथियारों से लैस रहता था और अपने बिस्तर के चारों ओर फर्श को मुड़े हुए अखबारों से ढके बिना कभी नहीं सोता था ताकि कोई भी चुपके से उसके कमरे में न आ सके।”
"तुमने एक अच्छा साथी चुना है।"
उसने सरल शब्दों में कहा, "केवल वही व्यक्ति मेरी मदद कर सकता था, अगर वह वफादार होता।"
“हाँ, अगर।” स्पेड ने अपनी उंगली और अंगूठे के बीच अपने निचले होंठ को दबाया और उदास होकर उसकी ओर देखा। उसकी नाक पर बनी खड़ी झुर्रियाँ और गहरी हो गईं, जिससे उसकी भौहें सिकुड़ गईं।
“तुम असल में कितनी बुरी स्थिति में हो?”
"जितना बुरा हो सकता था, उतना बुरा था," उसने कहा।
“शारीरिक खतरा?”
मैं कोई वीर नहीं हूँ। मुझे नहीं लगता कि मृत्यु से बुरा कुछ होता है।
तो फिर बात वो है?
“यह उतना ही निश्चित है जितना कि हम यहाँ बैठे हैं”—वह कांप उठी—“जब तक आप मेरी मदद नहीं करते।”
उसने अपनी उंगलियां मुंह से हटाईं और अपने बालों में फिराईं। “मैं ईसा मसीह नहीं हूँ,” उसने चिड़चिड़ाते हुए कहा। “मैं हवा से चमत्कार नहीं कर सकता।” उसने अपनी घड़ी देखी। “दिन ढल रहा है और तुम मुझे कुछ भी काम करने का मौका नहीं दे रहे हो। थर्सबी को किसने मारा?”
उसने अपने मुंह पर एक सिकुड़ा हुआ रूमाल रखा और उसके माध्यम से कहा, "मुझे नहीं पता।"
“तुम्हारे दुश्मन या उसके?”
मुझे नहीं पता। उम्मीद है कि उनका ही होगा, लेकिन मुझे डर है—मुझे नहीं पता।
“वह तुम्हारी मदद कैसे करने वाला था? तुम उसे हांगकांग से यहाँ क्यों लाए?”

उसने भयभीत आँखों से उसकी ओर देखा और चुपचाप सिर हिलाया। उसका चेहरा मुरझाया हुआ और दयनीय रूप से हठी था।
स्पेड खड़ा हुआ, अपने हाथ जैकेट की जेबों में डाले और उसे घूरते हुए बोला, “यह तो नामुमकिन है। मैं तुम्हारे लिए कुछ नहीं कर सकता। मुझे नहीं पता कि तुम क्या चाहती हो। मुझे तो यह भी नहीं पता कि तुम्हें खुद पता है कि तुम क्या चाहती हो।”
उसने अपना सिर झुकाया और रोने लगी।
उसने अपने गले से जानवर जैसी गुर्राहट की आवाज निकाली और अपनी टोपी लेने के लिए मेज की ओर बढ़ा।
“तुम पुलिस के पास नहीं जाओगे?” उसने रुंधी हुई, धीमी आवाज़ में विनती करते हुए कहा, ऊपर देखे बिना।
“उनके पास जाओ!” उसने गुस्से से भरी आवाज़ में कहा। “वे आज सुबह चार बजे से मुझे परेशान कर रहे हैं। मैंने न जाने कितनी मुसीबतें मोल ली हैं उनसे बचने के लिए। किसलिए? सिर्फ़ इस बेवकूफ़ाना सोच के लिए कि मैं तुम्हारी मदद कर सकता हूँ। मैं नहीं कर सकता। मैं कोशिश भी नहीं करूँगा।” उसने अपनी टोपी सिर पर कसकर पहनी। “उनके पास जाऊँ? मुझे बस चुपचाप खड़ा रहना है और वे सब मुझ पर टूट पड़ेंगे। ठीक है, मैं उन्हें सब बता दूँगा और तुम्हें अपनी किस्मत आज़मानी होगी।”
वह सोफे से उठी और कांपते घुटनों के बावजूद उसके सामने सीधी खड़ी हो गई। उसने अपने डर से सफेद पड़े चेहरे को ऊपर उठाए रखा, हालांकि उसके मुंह और ठोड़ी की मांसपेशियां फड़क रही थीं और वह उन्हें स्थिर नहीं रख पा रही थी। उसने कहा, “आपने धैर्य रखा है। आपने मेरी मदद करने की कोशिश की है। मुझे लगता है कि यह सब व्यर्थ है।” उसने अपना दाहिना हाथ आगे बढ़ाया। “आपने जो किया है उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करती हूं। मुझे—मुझे अपनी किस्मत आजमानी होगी।”
स्पेड ने फिर से अपने गले से गुर्राने वाली जानवर जैसी आवाज निकाली और सोफे पर बैठ गया। "तुम्हारे पास कितने पैसे हैं?" उसने पूछा।
इस सवाल ने उसे चौंका दिया। फिर उसने अपने निचले होंठ को दांतों के बीच दबाया और अनिच्छा से जवाब दिया: "मेरे पास लगभग पांच सौ डॉलर बचे हैं।"
"इसे मुझे दे दो।"
वह हिचकिचाई और डरते हुए उसकी ओर देखने लगी। उसने मुंह, भौंहों, हाथों और कंधों से गुस्से भरे हाव-भाव दिखाए। वह अपने कमरे में गई और लगभग तुरंत ही एक हाथ में नोटों का बंडल लेकर लौट आई।
उसने उससे पैसे लिए, उन्हें गिना और कहा: "यहाँ तो सिर्फ चार सौ ही हैं।"
"मुझे गुजारा करने के लिए कुछ बचाकर रखना पड़ा," उसने विनम्रता से समझाते हुए अपना हाथ अपनी छाती पर रखा।
"क्या आप और नहीं ला सकते?"

"नहीं।"
उन्होंने जोर देकर कहा, "आपके पास कुछ ऐसा होना चाहिए जिससे आप धन जुटा सकें।"
मेरे पास कुछ अंगूठियां और थोड़े से गहने हैं।
“आपको इन्हें गिरवी रखना होगा,” उसने कहा और अपना हाथ आगे बढ़ाया। “रेमेडियाई सबसे अच्छी जगह है—मिशन और फिफ्थ।”
उसने गिड़गिड़ाते हुए उसकी ओर देखा। उसकी पीली-भूरी आँखें कठोर और निर्दयी थीं। धीरे से उसने अपना हाथ अपनी पोशाक के गले में डाला, नोटों का एक पतला बंडल निकाला और उसे उसके प्रतीक्षारत हाथ में रख दिया।
उसने नोटों को सीधा किया और गिना—चार बीस के नोट, चार दस के नोट और एक पाँच का नोट। उसने दस के दो नोट और पाँच का एक नोट उसे लौटा दिया। बाकी उसने अपनी जेब में रख लिए। फिर वह खड़ा हुआ और बोला: “मैं बाहर जा रहा हूँ, देखता हूँ कि मैं तुम्हारे लिए क्या कर सकता हूँ। मैं जितनी जल्दी हो सकेगा, सबसे अच्छी खबर लेकर वापस आऊँगा। मैं चार बार घंटी बजाऊँगा—लंबी, छोटी, लंबी, छोटी—ताकि तुम्हें पता चल जाए कि मैं हूँ। तुम्हें मेरे साथ दरवाजे तक आने की ज़रूरत नहीं है। मैं खुद बाहर जा सकता हूँ।”
वह उसे फर्श के बीचोंबीच खड़ा छोड़कर चला गया, वह अपनी नीली आंखों में स्तब्धता लिए उसे देखती रही।
स्पेड एक रिसेप्शन रूम में दाखिल हुए, जिसके दरवाजे पर 'वाइज, मेरिकन एंड वाइज' लिखा हुआ था। स्विचबोर्ड पर बैठी लाल बालों वाली लड़की ने कहा: "ओह, हेलो, मिस्टर स्पेड।"
“हेलो, डार्लिंग,” उसने जवाब दिया। “क्या सिड अंदर है?”
वह उसके बगल में खड़ा था, उसका हाथ उसके गोल-मटोल कंधे पर था, जबकि वह एक प्लग को घुमा रही थी और माइक्रोफोन में बोल रही थी: "मिस्टर वाइज, आपसे मिलने के लिए मिस्टर स्पेड आए हैं।" उसने स्पेड की ओर देखा। "अंदर आ जाइए।"
उसने अभिवादन के तौर पर उसका कंधा दबाया, स्वागत कक्ष पार करके एक मंद रोशनी वाले भीतरी गलियारे में गया और गलियारे के दूसरे छोर पर स्थित एक धुंधले कांच के दरवाजे तक पहुंचा। उसने धुंधले कांच का दरवाजा खोला और एक कार्यालय में प्रवेश किया, जहां रूसी से भरे पतले काले बालों के नीचे थके हुए अंडाकार चेहरे वाला एक छोटा सा सांवला आदमी एक विशाल मेज के पीछे बैठा था, जिस पर कागजों के गट्ठे ढेर लगे थे।
उस छोटे कद के आदमी ने स्पेड की ओर ठंडी सिगार का टुकड़ा लहराते हुए कहा, "आस-पास बैठो। तो माइल्स ने कल रात बड़ी जीत हासिल की?" न तो उसके थके हुए चेहरे पर और न ही उसकी तीखी आवाज में कोई भाव झलक रहा था।

“हाँ, मैं इसी बारे में बात करने आया था।” स्पेड ने भौंहें चढ़ाकर गला साफ़ किया। “मुझे लगता है कि मुझे कोरोनर को सीधे-सीधे कह देना पड़ेगा, सिड। क्या मैं अपने मुवक्किलों के रहस्यों, पहचानों और बाकी सब चीज़ों की आड़ में, चाहे पादरी हो या वकील, छिप सकता हूँ?”

सिड वाइज ने अपने कंधे उचकाए और होंठों के किनारे नीचे किए। "क्यों नहीं? पूछताछ कोई अदालती मुकदमा नहीं है। आप कोशिश तो कर ही सकते हैं। इससे पहले भी आप इससे कहीं ज़्यादा अपराधों से बच निकले हैं।"

“मुझे पता है, लेकिन डंडी कुछ ज्यादा ही नखरे दिखा रहा है, और शायद इस बार मामला कुछ ज्यादा ही गंभीर है। सिड, अपनी टोपी ले लो, और हम सही लोगों से मिलने चलते हैं। मैं सुरक्षित रहना चाहता हूँ।”

सिड वाइज़ ने अपनी मेज पर पड़े कागजों के ढेर को देखा और आह भरी, लेकिन फिर वह अपनी कुर्सी से उठकर खिड़की के पास वाली अलमारी की ओर गया। "तुम बड़े बदमाश हो, सैमी," उसने हुक से अपनी टोपी उतारते हुए कहा।

उस शाम पांच बजकर दस मिनट पर स्पेड अपने कार्यालय लौटे। एफी पेरिन उनकी डेस्क पर बैठी टाइम पत्रिका पढ़ रही थीं। स्पेड डेस्क पर बैठ गए और पूछा: "क्या कुछ हलचल हो रही है?"

“यहाँ नहीं। तुम ऐसे लग रहे हो जैसे तुमने कैनरी पक्षी को निगल लिया हो।”

वह संतुष्टि भरी मुस्कान के साथ बोला, “मुझे लगता है हमारा भविष्य उज्ज्वल है। मुझे हमेशा से यह ख्याल था कि अगर माइल्स कहीं जाकर मर जाए तो हमारे फलने-फूलने की संभावना बढ़ जाएगी। क्या तुम मेरे लिए फूल भेज दोगी?”

“मैंने किया।”

“तुम एक अनमोल फरिश्ता हो। आज तुम्हारी स्त्री अंतर्ज्ञान शक्ति कैसी है?”

"क्यों?"

"वंडरली के बारे में आपकी क्या राय है?"

"मैं उसके साथ हूँ," लड़की ने बिना किसी झिझक के जवाब दिया।

स्पेड ने सोचते हुए कहा, "उसके बहुत सारे नाम हैं, वंडरली, लेब्लैंक, और वह कहती है कि सही नाम ओ'शॉघनेसी है।"

मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसके पास फोन बुक के सारे नाम हैं। वो लड़की ठीक है, और तुम ये जानते हो।

“मुझे आश्चर्य हो रहा है।” स्पेड ने नींद भरी निगाहों से एफी पेरिन की ओर देखी। वह हँस पड़ा। “खैर, उसने दो दिनों में सात सौ थप्पड़ छोड़ दिए हैं, और यह ठीक है।”

एफी पेरिन सीधी होकर बैठ गई और बोली: "सैम, अगर वह लड़की मुसीबत में है और तुम उसे निराश करते हो, या उसका फायदा उठाकर उसे लूटते हो, तो मैं तुम्हें कभी माफ नहीं करूंगी, जिंदगी भर तुम्हारे लिए मेरे मन में कोई इज्जत नहीं रहेगी।"

स्पेड ने बनावटी मुस्कान दी। फिर उसने भौंहें चढ़ाईं। उसकी भौंहें भी बनावटी थीं। उसने बोलने के लिए मुंह खोला, लेकिन गलियारे के दरवाजे से किसी के प्रवेश की आवाज ने उसे रोक दिया।

एफ़ी पेरिन उठी और बाहरी दफ्तर में चली गई। स्पेड ने अपनी टोपी उतारी और अपनी कुर्सी पर बैठ गया। लड़की एक उत्कीर्ण कार्ड लेकर लौटी—श्री जोएल काहिरा।

"यह आदमी समलैंगिक है," उसने कहा।

"तो फिर, उसके साथ अंदर जाओ, प्रिय," स्पेड ने कहा।

श्री जोएल कायरो मध्यम कद के, दुबले-पतले, सांवले रंग के व्यक्ति थे। उनके बाल काले, चिकने और बेहद चमकदार थे। उनके चेहरे की बनावट लेवेंटाइन शैली की थी। उनकी गहरे हरे रंग की टाई पर एक चौकोर आकार का माणिक रत्न चमक रहा था, जिसके किनारों पर चार बैगेट हीरे जड़े हुए थे। उनका काला कोट, जो संकरे कंधों पर कसा हुआ था, उनके थोड़े मोटे कूल्हों पर हल्का सा फैला हुआ था। उनकी पतलून उनके गोल पैरों पर उस समय के फैशन से कहीं अधिक फिट बैठती थी। उनके पेटेंट-चमड़े के जूतों के ऊपरी हिस्से हल्के भूरे रंग के स्पैट्स से ढके हुए थे। उन्होंने चमड़े के दस्ताने पहने हाथ में एक काली डर्बी टोपी पकड़ी हुई थी और छोटे-छोटे, नज़ाकत भरे, उछलते कदमों से स्पेड की ओर बढ़ रहे थे। उनके साथ साइप्रस की खुशबू भी आ रही थी।

स्पेड ने अपने आगंतुक की ओर और फिर एक कुर्सी की ओर सिर झुकाते हुए कहा: "बैठ जाइए, श्रीमान काहिरा।"

कैरो ने अपनी टोपी पर झुककर बड़े ही सलीके से कहा, "धन्यवाद," और पतली, तीखी आवाज़ में बैठ गया। वह सलीके से बैठा, अपने टखनों को क्रॉस करते हुए, अपनी टोपी को घुटनों पर रखकर, और अपने पीले दस्ताने उतारने लगा।

स्पेड अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुकते हुए बोले: "अब मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ, श्रीमान काइरो?" उनके लहजे में जो सौहार्दपूर्ण लापरवाही थी, कुर्सी पर उनकी हरकतें, ठीक वैसी ही थीं जैसी उन्होंने पिछले दिन ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी से यही सवाल पूछते समय दिखाई थीं।

कैरो ने अपनी टोपी को उल्टा करके उसमें अपने दस्ताने डाले और उसे अपने सबसे नज़दीकी डेस्क के कोने पर उल्टा रख दिया। उसके बाएं हाथ की दूसरी और चौथी उंगली पर हीरे चमक रहे थे, एक माणिक जो उसकी टाई में लगे माणिक से मेल खाता था, यहाँ तक कि उसके दाहिने हाथ की तीसरी उंगली पर लगे हीरों से भी। उसके हाथ कोमल और सँवारे हुए थे। हालाँकि वे बड़े नहीं थे, लेकिन उनकी ढीली और बेजान बनावट उन्हें अनाड़ी सा दिखाती थी। उसने अपनी हथेलियों को आपस में रगड़ा और उनसे आती फुसफुसाहट भरी आवाज़ के बीच कहा: "क्या कोई अजनबी आपके साथी की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु पर शोक व्यक्त कर सकता है?"

"धन्यवाद।"

"क्या मैं आपसे, श्रीमान स्पेड, यह पूछ सकता हूँ कि क्या अखबारों के अनुमान के अनुसार, उस दुर्भाग्यपूर्ण घटना और कुछ समय बाद थर्सबी नामक व्यक्ति की मृत्यु के बीच कोई संबंध था?"

स्पेड ने भावहीन चेहरे के साथ कुछ नहीं कहा।
कैरो उठे और झुककर प्रणाम किया। “क्षमा करें।” वे बैठ गए और अपने हाथों को मेज के कोने पर हथेलियों को नीचे की ओर करके रख दिया। “श्रीमान स्पेड, यह महज़ जिज्ञासा नहीं है कि मैं आपसे यह पूछ रहा हूँ। मैं एक—अह—आभूषण को ढूंढने की कोशिश कर रहा हूँ जो—कहने का क्या मतलब?—खो गया है। मुझे उम्मीद थी कि आप मेरी मदद कर सकते हैं।”
स्पेड ने ध्यानपूर्वक अपनी भौंहें उठाकर सिर हिलाया।
"यह आभूषण एक छोटी मूर्ति है," काहिरा ने सावधानीपूर्वक शब्दों का चयन करते हुए और बोलते हुए कहा, "एक पक्षी की काली आकृति।"
स्पेड ने विनम्रतापूर्वक रुचि दिखाते हुए फिर से सिर हिलाया।
“मैं मूर्ति के असली मालिक की ओर से उसे वापस पाने के लिए पाँच हज़ार डॉलर देने को तैयार हूँ।” काहिरा ने डेस्क के कोने से एक हाथ उठाया और अपनी भद्दी तर्जनी उंगली के चौड़े नाखूनों से हवा में एक बिंदु को छुआ। “मैं वादा करता हूँ कि—वह मुहावरा क्या है?—कोई सवाल नहीं पूछा जाएगा।” उसने अपना हाथ दूसरे हाथ के बगल में डेस्क पर वापस रख दिया और निजी जासूस की ओर देखते हुए बेजान सी मुस्कान दी।
“पांच हजार बहुत बड़ी रकम है,” स्पेड ने काहिरा की ओर देखते हुए कहा। “यह—”
दरवाजे पर उंगलियों की हल्की थपथपाहट सुनाई दी।
जब स्पेड ने "अंदर आओ" कहा, तो दरवाजा इतना खुला कि एफी पेरिन का सिर और कंधे अंदर आ सकें। उसने एक छोटी गहरे रंग की फेल्ट की टोपी और भूरे फर कॉलर वाला एक गहरा कोट पहना हुआ था।
“क्या और कुछ है?” उसने पूछा।
नहीं। शुभ रात्रि। जाते समय दरवाजा बंद कर देना, ठीक है?
स्पेड अपनी कुर्सी पर घूमकर फिर से काहिरा की ओर मुड़ा और बोला: "यह एक दिलचस्प शख्सियत है।"
उन्हें एफी पेरिन के पीछे गलियारे का दरवाजा बंद होने की आवाज सुनाई दी।
कैरो मुस्कुराया और अपनी भीतरी जेब से एक छोटी, कॉम्पैक्ट, सपाट काली पिस्तौल निकाली। उसने कहा, "कृपया अपने हाथों को अपनी गर्दन के पीछे जोड़ लें।"

5
लेवेंटाइन

स्पेड ने पिस्तौल की ओर नहीं देखा। उसने अपनी बाहें ऊपर उठाईं और कुर्सी पर पीछे झुकते हुए, अपने दोनों हाथों की उंगलियों को अपने सिर के पीछे आपस में फंसा लिया। उसकी आँखों में कोई विशेष भाव नहीं था, बस काहिरा के काले चेहरे पर ही टिकी हुई थीं।

कैरो ने माफी मांगते हुए हल्की सी खांसी की और अपने कुछ फीके पड़ चुके होठों पर घबराहट भरी मुस्कान बिखेरी। उसकी गहरी आंखें नम, शर्मीली और बेहद गंभीर थीं। "मैं आपके दफ्तरों की तलाशी लेने जा रहा हूँ, श्रीमान स्पेड। मैं आपको चेतावनी देता हूँ कि अगर आपने मुझे रोकने की कोशिश की तो मैं आपको गोली मार दूंगा।"

“आगे बढ़ो।” स्पेड की आवाज उसके चेहरे की तरह ही भावहीन थी।

पिस्तौल लिए उस व्यक्ति ने, जिसकी चौड़ी छाती पर पिस्तौल तानी हुई थी, निर्देश दिया, "कृपया खड़े हो जाइए। मुझे यह सुनिश्चित करना होगा कि आप निहत्थे तो नहीं हैं।"

स्पेड उठ खड़ा हुआ और अपने पैरों को सीधा करते हुए अपनी कुर्सी को अपनी पिंडलियों से पीछे धकेल दिया।

कैरो उसके पीछे से घूमकर आया। उसने पिस्तौल अपने दाहिने हाथ से बाएं हाथ में ले ली। उसने स्पेड के कोट का पिछला हिस्सा उठाया और उसके नीचे देखा। पिस्तौल को स्पेड की पीठ के पास रखते हुए, उसने अपना दाहिना हाथ स्पेड की कमर पर रखा और उसकी छाती थपथपाई। लेवेंटाइन का चेहरा उस समय स्पेड की दाहिनी कोहनी से छह इंच नीचे और पीछे था।

स्पेड के दाईं ओर घूमते ही उसकी कोहनी नीचे की ओर झुकी। कायरो का चेहरा पूरी तरह से पीछे नहीं हट पाया: स्पेड की दाहिनी एड़ी ने पेटेंट-चमड़े के जूतों पर ज़ोर से वार किया और छोटे कद के कायरो को कोहनी के रास्ते में रोक दिया। कोहनी उसके गाल की हड्डी के नीचे लगी, जिससे वह इतना लड़खड़ा गया कि अगर स्पेड ने उसे पैर से न पकड़ा होता तो वह गिर ही जाता। स्पेड की कोहनी उस अचंभित काले चेहरे से आगे निकल गई और जैसे ही स्पेड ने पिस्तौल पर हाथ मारा, कायरो सीधा हो गया। स्पेड की उंगलियों के छूते ही कायरो ने पिस्तौल छोड़ दी। स्पेड के हाथ में पिस्तौल छोटी लग रही थी।

स्पेड ने अपना पैर काइरो के पैर से हटाकर पूरी तरह पलट गया। अपने बाएं हाथ से उसने छोटे कद के आदमी के कोट के कॉलर को समेटा—जिसमें माणिक जड़ा हरा टाई उसकी उंगलियों पर फैला हुआ था—जबकि अपने दाहिने हाथ से उसने पकड़े गए हथियार को कोट की जेब में रख लिया। स्पेड की पीली-भूरी आँखें गंभीर थीं। उसका चेहरा भावहीन था, और होंठों के आसपास थोड़ी सी उदासी झलक रही थी।

काहिरा का चेहरा दर्द और निराशा से विकृत हो गया था। उसकी काली आँखों में आँसू थे। उसकी त्वचा पॉलिश किए हुए सीसे की तरह सफेद थी, सिवाय उस जगह के जहाँ कोहनी लगने से उसका गाल लाल हो गया था।

स्पेड ने लेवेंटाइन के कॉलर पर अपनी पकड़ मजबूत करते हुए उसे धीरे से घुमाया और पीछे धकेल दिया, यहाँ तक कि वह उस कुर्सी के ठीक सामने खड़ा हो गया जिस पर वह कुछ देर पहले बैठा था। सीसे जैसे रंग के चेहरे पर दर्द की जगह हैरानी का भाव आ गया। फिर स्पेड मुस्कुराया। उसकी मुस्कान कोमल, यहाँ तक कि स्वप्निल भी थी। उसका दाहिना कंधा कुछ इंच ऊपर उठा। कंधे के उठने से उसकी मुड़ी हुई दाहिनी भुजा ऊपर उठ गई। मुट्ठी, कलाई, अग्रबाहु, टेढ़ी कोहनी और ऊपरी भुजा सब एक कठोर टुकड़े की तरह लग रहे थे, केवल लचीले कंधे से ही उन्हें गति मिल रही थी। मुट्ठी ने काहिरा के चेहरे पर प्रहार किया, एक पल के लिए उसकी ठोड़ी का एक हिस्सा, मुँह का एक कोना और गाल की हड्डी और जबड़े की हड्डी के बीच का अधिकांश गाल ढक लिया।

कैरो ने अपनी आंखें बंद कर लीं और बेहोश हो गया।

स्पेड ने उस बेजान शरीर को कुर्सी पर लिटा दिया, जहाँ वह फैले हुए हाथों और पैरों के साथ पड़ा था, सिर कुर्सी की पीठ पर पीछे की ओर झुका हुआ था और मुंह खुला हुआ था।

स्पेड ने बेहोश आदमी की जेबें एक-एक करके खाली कीं, व्यवस्थित ढंग से काम करते हुए, जरूरत पड़ने पर ढीले शरीर को हिलाते हुए, जेबों के अंदर की चीजों का ढेर मेज पर लगा दिया। जब आखिरी जेब भी खाली हो गई, तो वह अपनी कुर्सी पर लौटा, सिगरेट बनाई और जलाई, और अपनी लूटी हुई चीजों की जांच करने लगा। उसने बड़ी गंभीरता और धीमी गति से पूरी तरह से उनकी जांच की।

वहाँ गहरे मुलायम चमड़े का एक बड़ा बटुआ था। बटुए में विभिन्न आकारों के तीन सौ पैंसठ अमेरिकी डॉलर के नोट; तीन पाँच पाउंड के नोट; काहिरा के नाम और चित्र वाला एक पुराना, कई बार वीज़ा से गुजरा हुआ ग्रीक पासपोर्ट; गुलाबी रंग के पतले कागज़ की पाँच तहें जिन पर अरबी में कुछ लिखा हुआ प्रतीत होता था; आर्चर और थर्सबी के शव मिलने की खबर का एक फटा हुआ अखबार का लेख; एक सांवली महिला की पोस्टकार्ड तस्वीर जिसकी आँखें तेज और क्रूर थीं और होंठ कोमल और झुके हुए थे; एक बड़ा रेशमी रूमाल, जो पुराना होने के कारण पीला पड़ गया था और तहों से थोड़ा फटा हुआ था; श्री जोएल काहिरा के उत्कीर्ण कार्डों का एक पतला बंडल; और उस शाम गेरी थिएटर में ऑर्केस्ट्रा की सीट का एक टिकट था।

बटुआ और उसके अंदर रखी चीज़ों के अलावा, उसमें तीन चमकीले रंग के रेशमी रूमाल थे जिन पर साइप्रस की खुशबू आ रही थी; प्लैटिनम और लाल सोने की चेन में एक प्लैटिनम लोंगिन्स घड़ी थी, जिसके दूसरे सिरे पर किसी सफेद धातु का एक छोटा नाशपाती के आकार का पेंडेंट लगा था; मुट्ठी भर अमेरिकी, ब्रिटिश, फ्रांसीसी और चीनी सिक्के थे; आधा दर्जन चाबियों वाली एक अंगूठी थी; एक चांदी और गोमेद का फाउंटेन पेन था; चमड़े के डिब्बे में एक धातु की कंघी थी; चमड़े के डिब्बे में एक नेल फाइल थी; सैन फ्रांसिस्को की एक छोटी सी स्ट्रीट गाइड थी; सदर्न पैसिफिक का बैगेज चेक था; वायलेट

पास्टिल्स का आधा भरा हुआ पैकेट था; शंघाई के एक बीमा दलाल का बिजनेस कार्ड था; और होटल बेल्वेडेरे के चार लेखन कागज थे, जिनमें से एक पर छोटे, साफ अक्षरों में सैमुअल स्पेड का नाम और उनके कार्यालय और अपार्टमेंट का पता लिखा हुआ था।

इन वस्तुओं की सावधानीपूर्वक जांच करने के बाद—यहाँ तक कि उसने घड़ी के डिब्बे का पिछला भाग भी खोलकर देख लिया कि अंदर कुछ छिपा तो नहीं है—स्पेड ने झुककर बेहोश आदमी की कलाई को उंगली और अंगूठे के बीच पकड़कर उसकी नब्ज़ महसूस की। फिर उसने कलाई छोड़ दी, अपनी कुर्सी पर वापस बैठ गया और एक और सिगरेट बनाकर जला ली। सिगरेट पीते समय उसका चेहरा, उसके निचले होंठ की कभी-कभार होने वाली हल्की और अर्थहीन हरकतों को छोड़कर, इतना शांत और चिंतनशील था कि मानो मूर्खतापूर्ण लग रहा हो; लेकिन जब काइरो ने थोड़ी देर बाद कराहते हुए अपनी पलकें झपकाईं, तो स्पेड का चेहरा भावहीन हो गया और उसने अपनी आँखों और मुँह पर एक दोस्ताना मुस्कान बिखेर दी।

जोएल कायरो धीरे-धीरे जागा। उसकी आँखें पहले खुलीं, लेकिन छत के किसी निश्चित हिस्से पर नज़र टिकाने में पूरा एक मिनट लग गया। फिर उसने अपना मुँह बंद किया और निगलने के बाद नाक से ज़ोर से साँस छोड़ी। उसने एक पैर अंदर खींचा और एक हाथ अपनी जांघ पर रखा। फिर उसने कुर्सी की पीठ से अपना सिर उठाया, कार्यालय में उलझन में चारों ओर देखा, स्पेड को देखा और उठ बैठा। उसने बोलने के लिए मुँह खोला, चौंक गया, और अपने चेहरे पर हाथ रख लिया जहाँ स्पेड की मुट्ठी लगी थी और अब वहाँ एक गहरा नीला निशान था।

कैरो ने दर्द से कराहते हुए दांतों से कहा, "मैं आपको गोली मार सकता था, मिस्टर स्पेड।"

"तुम कोशिश कर सकते थे," स्पेड ने स्वीकार किया।

मैंने कोशिश नहीं की।

"मुझे पता है।"

"तो फिर निहत्था होने के बाद तुमने मुझ पर हमला क्यों किया?"

"माफ़ करना," स्पेड ने कहा और भेड़िया जैसी मुस्कान के साथ अपने जबड़े के दांत दिखाते हुए बोला, "लेकिन ज़रा सोचो मुझे कितनी शर्मिंदगी हुई होगी जब मुझे पता चला कि वह पांच हज़ार डॉलर का प्रस्ताव सरासर झूठ था।"

"आप गलतफहमी में हैं, मिस्टर स्पेड। वह एक वास्तविक प्रस्ताव था, और अभी भी है।"

“ये क्या बकवास है?” स्पेड का आश्चर्य वास्तविक था।

“मैं मूर्ति वापस पाने के लिए पाँच हज़ार डॉलर देने को तैयार हूँ।” काहिरा ने अपने चोटिल चेहरे से हाथ हटाया और फिर से सलीके से और पेशेवर अंदाज़ में बैठ गया। “क्या आपके पास वह है?”

"नहीं।"

"अगर यह यहाँ नहीं है"—कैरो ने बहुत ही विनम्रतापूर्वक संदेह व्यक्त किया—"तो आपने मेरी खोज को रोकने के लिए गंभीर चोट का जोखिम क्यों उठाया?"

“क्या मुझे यूं ही बैठे रहना चाहिए और लोगों को आकर मुझे लूटने देना चाहिए?” स्पेड ने डेस्क पर रखे काइरो के सामान की ओर उंगली से इशारा किया। “तुम्हारे पास मेरे अपार्टमेंट का पता है। क्या तुम वहां गए हो?”

"जी हां, श्रीमान स्पेड। मैं मूर्ति की वापसी के लिए पांच हजार डॉलर देने को तैयार हूं, लेकिन यह स्वाभाविक ही है कि यदि संभव हो तो मैं पहले मालिक को उस खर्च से बचाने की कोशिश करूं।"

"कौन है ये?"

कैरो ने सिर हिलाया और मुस्कुराया। "इस सवाल का जवाब न देने के लिए आपको मुझे माफ करना होगा।"

“क्या मैं?” स्पेड आगे झुककर होंठ कसकर मुस्कुराते हुए बोला। “मैंने तुम्हें पूरी तरह जकड़ लिया है, काहिरा। तुम अंदर आए और खुद को बांध लिया, पिछली रात की हत्याओं के बाद पुलिस को यकीन दिलाने के लिए काफी सबूत हैं। अब तुम्हें मेरे साथ खेलना ही होगा, वरना।”

कैरो की मुस्कान सौम्य थी और उसमें जरा भी घबराहट नहीं झलक रही थी। उन्होंने कहा, "कोई भी कदम उठाने से पहले मैंने आपके बारे में काफी छानबीन की थी और मुझे यकीन हो गया था कि आप इतने समझदार हैं कि अन्य बातों को लाभकारी व्यापारिक संबंधों में बाधा नहीं बनने देंगे।"

स्पेड ने कंधे उचकाते हुए पूछा, "वे कहाँ हैं?"

मैंने आपको इसके लिए पांच हजार डॉलर की पेशकश की है—

स्पेड ने काहिरा के बटुए पर अपनी उंगलियों के पिछले हिस्से से थपथपाया और कहा: "यहाँ पाँच हज़ार डॉलर जैसी कोई चीज़ नहीं है। तुम अपनी आँखों पर दांव लगा रहे हो। तुम आकर कह सकते हो कि तुम मुझे एक बैंगनी हाथी के लिए दस लाख डॉलर दोगे, लेकिन इसका क्या मतलब होगा?"

“मैं समझ गया, मैं समझ गया,” काइरो ने सोचते हुए अपनी आँखें सिकोड़ते हुए कहा। “आप मेरी ईमानदारी का कुछ आश्वासन चाहते हैं।” उसने अपनी लाल निचली होंठ को उंगली से छुआ। “एक रिटेनर, क्या उससे काम चल जाएगा?”

"यह हो सकता है।"

कैरो ने अपना हाथ अपने बटुए की ओर बढ़ाया, झिझका, हाथ पीछे खींच लिया और बोला: "आप सौ डॉलर लेंगे?"

स्पेड ने बटुआ उठाया और उसमें से सौ डॉलर निकाले। फिर उसने भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "बेहतर होगा कि इसे दो सौ कर दें," और उसने ऐसा ही किया।

काहिरा ने कुछ नहीं कहा।

“तुम्हारा पहला अनुमान था कि मेरे पास पक्षी है,” स्पेड ने दो सौ डॉलर जेब में रखते हुए और बटुआ वापस मेज पर पटकते हुए तीखी आवाज में कहा। “इसमें कुछ भी सच्चाई नहीं है। तुम्हारा दूसरा अनुमान क्या है?”

"आपको पता होना चाहिए कि यह कहाँ है, या यदि बिल्कुल ऐसा नहीं है, तो आपको यह पता होना चाहिए कि आप इसे कहाँ से प्राप्त कर सकते हैं।"
स्पेड ने न तो इसका खंडन किया और न ही इसकी पुष्टि की; ऐसा लग रहा था मानो उसने यह सुना ही न हो। उसने पूछा, "आप मुझे क्या सबूत दे सकते हैं कि आपका आदमी ही मालिक है?"
"दुर्भाग्य से, बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। हालांकि, एक बात तो तय है: कोई और आपको स्वामित्व का कोई प्रामाणिक प्रमाण नहीं दे सकता। और अगर आप इस मामले के बारे में उतना ही जानते हैं जितना मैं मानता हूँ—वरना मैं यहाँ नहीं होता—तो आप जानते हैं कि जिस तरीके से इसे उससे छीना गया, उससे पता चलता है कि इस पर उसका अधिकार किसी और के अधिकार से कहीं अधिक वैध था —निश्चित रूप से थर्सबी के अधिकार से कहीं अधिक वैध।"
“उसकी बेटी का क्या हुआ?” स्पेड ने पूछा।
उत्तेजना से काहिरा की आंखें और मुंह खुल गए, उसका चेहरा लाल हो गया और उसकी आवाज तीखी हो गई। "वह मालिक नहीं है!"
स्पेड ने हल्के और अस्पष्ट स्वर में कहा, "ओह।"
"क्या वह अभी सैन फ्रांसिस्को में है?" कायरो ने थोड़ी कम तीखी, लेकिन फिर भी उत्साहित आवाज में पूछा।
स्पेड ने नींद भरी निगाहों से पलकें झपकाईं और सुझाव दिया: "अगर हम अपने पत्ते खुलकर रख दें तो शायद सभी के लिए बेहतर होगा।"
कैरो ने थोड़ी सी झटक के साथ खुद को संभाला। "मुझे नहीं लगता कि यह बेहतर होगा।" अब उसकी आवाज़ में नरमी थी। "अगर आप मुझसे ज़्यादा जानते हैं, तो मुझे आपके ज्ञान से लाभ होगा, और आपको भी पाँच हज़ार डॉलर का लाभ होगा। अगर ऐसा नहीं है, तो आपके पास आना मेरी गलती है, और आपकी सलाह मानना उस गलती को और भी बदतर बना देगा।"
स्पेड ने उदासीनता से सिर हिलाया और मेज पर रखी वस्तुओं की ओर हाथ हिलाते हुए कहा: "ये रहा तुम्हारा सामान"; और फिर, जब काहिरा उन्हें अपनी जेब में वापस रख रहा था, तो उसने कहा: "क्या यह तय है कि जब तक मैं तुम्हारे लिए यह काला पक्षी ला रहा हूँ, तब तक तुम मेरे खर्चों का भुगतान करोगे, और काम पूरा होने पर पाँच हज़ार डॉलर दोगे?"
"जी हां, श्रीमान स्पेड; यानी पांच हजार डॉलर में से आपको दी गई अग्रिम राशि घटाकर कुल पांच हजार डॉलर।"
“ठीक है। और यह एक जायज़ प्रस्ताव है।” स्पेड का चेहरा गंभीर था, सिवाय उसकी आँखों के कोनों पर पड़ी झुर्रियों के। “आप मुझे किसी हत्या या चोरी के लिए काम पर नहीं रख रहे हैं, बल्कि बस ईमानदारी और कानून के अनुसार, अगर संभव हो तो, उसे वापस लाने के लिए।”
“अगर मुमकिन हो तो,” काहिरा सहमत हुआ। उसकी आँखों को छोड़कर उसका चेहरा भी गंभीर था। “और हर हाल में सावधानी से।” वह उठा और अपनी टोपी उठाई। “जब आप मुझसे बात करना चाहें,

तो मैं होटल बेल्वेडेरे में कमरा नंबर छह बजकर पैंतीसवें नंबर पर हूँ। मुझे पूरा भरोसा है कि हमारे इस सहयोग से हम दोनों को भरपूर लाभ होगा, श्री स्पेड।" वह थोड़ा झिझका। "क्या मैं अपनी पिस्तौल ले सकता हूँ?"
"हाँ, बिल्कुल। मैं भूल ही गया था।"
स्पेड ने अपनी कोट की जेब से पिस्तौल निकाली और उसे काहिरा को सौंप दिया।
कैरो ने पिस्तौल स्पेड की छाती पर तान दी।
"कृपया अपने हाथ डेस्क के ऊपर रखें," काइरो ने गंभीरता से कहा। "मैं आपके दफ्तरों की तलाशी लेने वाला हूँ।"
स्पेड ने कहा: "अरे बाप रे!" फिर वह दबी हुई हंसी हंसते हुए बोला: "ठीक है। आगे बढ़ो। मैं तुम्हें नहीं रोकूंगा।"

6
छोटी सी परछाई

जोएल कायरो के जाने के आधे घंटे बाद तक स्पेड अपनी डेस्क पर अकेले, चुपचाप और frowning चेहरे के साथ बैठे रहे। फिर उन्होंने किसी समस्या को नज़रअंदाज़ करते हुए ज़ोर से कहा, "खैर, वे इसका भुगतान कर रहे हैं," और डेस्क की दराज से मैनहट्टन कॉकटेल की एक बोतल और एक कागज़ का पीने का कप निकाला। उन्होंने कप को दो तिहाई भरा, पिया, बोतल को दराज में वापस रखा, कप को कूड़ेदान में फेंक दिया, अपनी टोपी और ओवरकोट पहना, लाइट बंद की और रात की रोशनी से जगमगाती सड़क पर निकल गए।

स्पेड की इमारत के नीचे कोने पर एक बीस या इक्कीस साल का छोटा सा युवक साफ-सुथरी ग्रे टोपी और ओवरकोट पहने हुए बेकार खड़ा था।

स्पेड सटर स्ट्रीट से चलकर केर्नी पहुंचा, जहां उसने एक सिगार की दुकान में बुल डरहम के दो बोरे खरीदे। जब वह बाहर आया तो उसने देखा कि सामने वाले कोने पर चार लोग एक स्ट्रीटकार का इंतजार कर रहे थे।

स्पेड ने पॉवेल स्ट्रीट स्थित हर्बर्ट्स ग्रिल में रात का खाना खाया। जब वह पौने आठ बजे ग्रिल से निकला, तो वह युवक पास की एक कपड़े की दुकान की खिड़की में झाँक रहा था।

स्पेड होटल बेल्वेडेरे गया और काउंटर पर श्री काहिरा के बारे में पूछा। उसे बताया गया कि काहिरा यहाँ नहीं हैं। युवक लॉबी के एक कोने में कुर्सी पर बैठ गया।

स्पेड गेरी थिएटर गया, लॉबी में काहिरा को देखने में असफल रहा, और थिएटर के सामने फुटपाथ पर मुंह करके बैठ गया। वह युवक नीचे मार्क्वार्ड के रेस्तरां के सामने अन्य आवारागर्दी करने वालों के साथ इधर-उधर भटकता रहा।

आठ बजकर दस मिनट पर जोएल कायरो अपने छोटे-छोटे, लड़खड़ाते कदमों से गेरी स्ट्रीट पर आता हुआ दिखाई दिया। जाहिर तौर पर उसने स्पेड को तब तक नहीं देखा जब तक कि निजी जासूस ने उसके कंधे को नहीं छुआ। वह एक पल के लिए थोड़ा हैरान हुआ और फिर बोला: "ओह, हाँ, बिल्कुल आपने टिकट देखा होगा।"

“हम्म। मुझे आपको कुछ दिखाना है।” स्पेड ने कायरो को वापस सड़क के किनारे, बाकी इंतज़ार कर रहे दर्शकों से थोड़ा दूर खींच लिया। “मार्क्वार्ड के पास टोपी पहने वो लड़का।”

कैरो ने धीरे से कहा, "देखता हूँ," और अपनी घड़ी देखी। उसने गेरी स्ट्रीट की ओर देखा। उसकी नज़र सामने लगे एक थिएटर के साइनबोर्ड पर पड़ी, जिस पर जॉर्ज आर्लिस शाइलॉक के वेश में थे, और फिर

उसकी गहरी आँखें धीरे-धीरे उस टोपी पहने लड़के पर टिक गईं, उसके शांत, पीले चेहरे पर, जिसकी घुंघराली पलकें झुकी हुई आँखों को छुपा रही थीं।
“वह कौन है?” स्पेड ने पूछा।
कैरो ने स्पेड की ओर मुस्कुराते हुए कहा, "मैं उसे नहीं जानता।"
"वह पूरे शहर में मेरा पीछा कर रहा है।"
कैरो ने अपनी जीभ से अपने निचले होंठ को गीला किया और पूछा: "तो क्या आपको लगता है कि उसे हमें एक साथ देखने देना बुद्धिमानी थी?"
“मुझे कैसे पता चलेगा?” स्पेड ने जवाब दिया। “खैर, काम हो गया।”
कैरो ने अपनी टोपी उतारी और दस्ताने पहने हाथ से अपने बालों को संवारा। फिर उसने टोपी को सावधानीपूर्वक अपने सिर पर पहना और पूरी ईमानदारी से कहा: “मैं आपको वचन देता हूँ कि मैं उसे नहीं जानता, श्रीमान स्पेड। मैं आपको वचन देता हूँ कि मेरा उससे कोई संबंध नहीं है। मैंने आपके सिवा किसी से सहायता नहीं माँगी है, मैं अपने सम्मान की शपथ लेता हूँ।”
तो क्या वह भी उन्हीं में से एक है?
"ऐसा हो सकता है।"
"मैं बस जानना चाहता था, क्योंकि अगर वह परेशानी पैदा करने लगा तो मुझे उसे चोट पहुंचानी पड़ सकती है।"
"जो तुम्हें सही लगे वही करो। वह मेरा दोस्त नहीं है।"
“अच्छा हुआ। पर्दा गिर गया। शुभ रात्रि,” स्पेड ने कहा और पश्चिम की ओर जाने वाली एक स्ट्रीट-कार में चढ़ने के लिए सड़क पार कर गया।
टोपी पहने युवक भी उसी कार में सवार हो गया।
स्पेड ने कार को हाइड स्ट्रीट पर छोड़ा और अपने अपार्टमेंट में चला गया। उसके कमरे में ज़्यादा अव्यवस्था नहीं थी, लेकिन तलाशी के स्पष्ट संकेत थे। स्पेड ने नहा-धोकर नई कमीज़ और कॉलर पहन लिए और फिर बाहर निकला, सटर स्ट्रीट तक गया और पश्चिम की ओर जाने वाली एक ट्रेन में बैठ गया। वह युवक भी उसी ट्रेन में सवार हो गया।
कोरोनेट से कुछ ही ब्लॉक दूर, स्पेड ने कार छोड़ी और एक ऊँची भूरी अपार्टमेंट इमारत के प्रवेश द्वार में दाखिल हुआ। उसने एक साथ तीन घंटी के बटन दबाए। सामने वाले दरवाजे का ताला बज उठा। वह अंदर गया, लिफ्ट और सीढ़ियों से गुजरा, इमारत के पीछे की ओर एक लंबे पीले रंग की दीवारों वाले गलियारे से नीचे गया, वहाँ उसे येल लॉक से बंद एक पिछला दरवाजा मिला, और वह एक संकरे आंगन में निकल गया। वह आंगन एक अंधेरी गली में खुलता था, जिस पर स्पेड दो ब्लॉक चला। फिर वह कैलिफोर्निया स्ट्रीट पार करके कोरोनेट चला गया। लगभग साढ़े नौ बज रहे थे।
ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी ने जिस उत्साह से स्पेड का स्वागत किया, उससे पता चलता है कि उन्हें उनके आने की पूरी तरह से निश्चितता नहीं थी। उन्होंने उस मौसम के आर्टोइस नामक नीले रंग का सैटिन गाउन

पहना था, जिसमें कैल्सेडोनी के कंधे के पट्टे लगे थे, और उनकी मोज़े और चप्पलें भी आर्टोइस शैली की थीं।

लाल और क्रीम रंग के बैठक कक्ष को व्यवस्थित किया गया था और काले और चांदी के छोटे मिट्टी के गमलों में रखे फूलों से उसे जीवंत बनाया गया था। चिमनी में तीन छोटे, खुरदुरे छाल वाले लट्ठे जल रहे थे। स्पेड उन्हें जलते हुए देख रही थी जबकि वह उसकी टोपी और कोट को रख रही थी।

"क्या तुम मेरे लिए कोई अच्छी खबर लाए हो?" उसने कमरे में दोबारा आते हुए पूछा। उसकी मुस्कान में चिंता झलक रही थी और उसने अपनी सांस रोक ली।

"हमें ऐसी कोई भी बात सार्वजनिक नहीं करनी पड़ेगी जो पहले से ही सार्वजनिक न हो चुकी हो।"

“पुलिस को मेरे बारे में जानने की ज़रूरत नहीं होगी?”

"नहीं।"

उसने खुशी से आह भरी और अखरोट की लकड़ी के सोफे पर बैठ गई। उसका चेहरा और शरीर दोनों शांत हो गए। उसने प्रशंसा भरी निगाहों से उसकी ओर मुस्कुराते हुए देखा। "तुमने यह कैसे किया?" उसने जिज्ञासा से ज़्यादा आश्चर्य से पूछा।

"सैन फ्रांसिस्को में ज्यादातर चीजें खरीदी जा सकती हैं, या ले जाई जा सकती हैं।"

“और आपको कोई परेशानी नहीं होगी? बैठ जाइए।” उसने सोफे पर उसके लिए जगह बना दी।

उन्होंने बहुत ज्यादा आत्मसंतुष्टि के बिना कहा, "मुझे थोड़ी-बहुत परेशानी से कोई आपत्ति नहीं है।"

वह अंगीठी के पास खड़ा रहा और उसे ऐसी निगाहों से देखता रहा जो उसे परखती, परखती और उसका आकलन करती थीं, मानो यह दिखावा न कर रहा हो कि वह उसका आकलन नहीं कर रहा है। उसकी सीधी-सादी निगाहों से वह थोड़ी शरमा गई, लेकिन पहले से कहीं अधिक आत्मविश्वास से भरी हुई लग रही थी, हालांकि उसकी आँखों में एक प्यारी सी शर्म अभी भी बाकी थी। वह तब तक वहीं खड़ा रहा जब तक यह स्पष्ट नहीं हो गया कि वह उसके बगल में बैठने के निमंत्रण को अनदेखा करना चाहता है, और फिर सोफे की ओर चल पड़ा।

बैठते हुए उसने पूछा, "तुम बिल्कुल वैसे व्यक्ति नहीं हो जैसा तुम होने का दिखावा करते हो, है ना?"

"मुझे यकीन नहीं है कि मैं समझ पा रही हूँ कि आप क्या कहना चाहते हैं," उसने धीमी आवाज़ में कहा और हैरानी भरी नज़रों से उसकी ओर देखने लगी।

उन्होंने समझाया, "स्कूल की लड़की जैसा व्यवहार, हकलाना, शर्माना और वह सब।"

वह शरमा गई और उसकी ओर देखे बिना जल्दी से जवाब दिया: "मैंने आज दोपहर आपको बताया था कि मैं बुरी रही हूँ - जितनी बुरी आप सोच भी नहीं सकते।"

“मेरा यही मतलब है,” उन्होंने कहा। “आपने आज दोपहर को भी मुझसे यही बात कही थी, इन्हीं शब्दों में, इन्हीं लहजे में। यह एक ऐसा भाषण है जिसका आपने अभ्यास किया है।”

कुछ पल के लिए वह लगभग रोने की कगार पर पहुँच गई और असमंजस में दिखी, फिर हँसी और बोली: “ठीक है, श्रीमान स्पेड, मैं बिल्कुल वैसी नहीं हूँ जैसा मैं दिखावा करती हूँ। मैं अस्सी साल की हूँ,

बेहद दुष्ट हूँ और पेशे से लोहे का काम करती हूँ। लेकिन अगर यह दिखावा है तो यह ऐसा दिखावा है जो मैंने समय के साथ अपना लिया है, इसलिए आप मुझसे इसे पूरी तरह छोड़ने की उम्मीद तो नहीं करेंगे, है ना?"

"ओह, कोई बात नहीं," उसने उसे आश्वस्त किया। "लेकिन अगर तुम सचमुच इतनी निर्दोष होतीं तो बात नहीं बनती। हम कभी भी किसी नतीजे पर नहीं पहुँच पाते।"

"मैं निर्दोष नहीं रहूंगी," उसने अपने दिल पर हाथ रखते हुए वादा किया।

"मैंने आज रात जोएल कायरो को देखा," उन्होंने विनम्रतापूर्वक बातचीत करने के अंदाज में कहा।

उसके चेहरे से प्रसन्नता गायब हो गई। उसकी निगाहें, जो उसके चेहरे के हाव-भाव पर टिकी थीं, पहले भयभीत हुईं, फिर सतर्क हो गईं। उसने अपने पैर फैला रखे थे और अपने पैरों को आपस में सटाकर देख रहा था। उसके चेहरे से ऐसा नहीं लग रहा था कि वह कुछ सोच रहा है।

कुछ देर चुप रहने के बाद उसने झिझकते हुए पूछा:

"तुम—तुम उसे जानते हो?"

"मैंने उसे आज रात देखा।" स्पेड ने ऊपर नहीं देखा और अपनी सहज बातचीत का लहजा बनाए रखा। "वह जॉर्ज आर्लिस से मिलने जा रहा था।"

"तुम्हारा मतलब है कि तुमने उससे बात की?"

"केवल एक या दो मिनट के लिए, जब तक पर्दा गिरने की घंटी न बज जाए।"

वह सोफे से उठी और आग को कुरेदने के लिए अंगीठी के पास गई। उसने शेल्फ पर रखे एक सजावटी सामान को थोड़ा सा हिलाया, कमरे के एक कोने में रखी मेज से सिगरेट का डिब्बा लेने के लिए कमरे के उस पार गई, एक पर्दा सीधा किया और अपनी सीट पर लौट आई। अब उसका चेहरा शांत और चिंतामुक्त था।

स्पेड ने उसकी ओर तिरछी मुस्कान के साथ देखा और कहा: "तुम अच्छी हो। तुम बहुत अच्छी हो।"

उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं बदला। उसने धीमी आवाज़ में पूछा: "उसने क्या कहा?"

"किस बारे मेँ?"

वह हिचकिचाई। "मेरे बारे में।"

"कुछ नहीं।" स्पेड ने सिगरेट के सिरे के नीचे लाइटर रखने के लिए मुड़ा। लकड़ी के शैतानी चेहरे में उसकी आँखें चमक रही थीं।

"अच्छा, उसने क्या कहा?" उसने थोड़ी शरारती सी झुंझलाहट के साथ पूछा।

"उसने मुझे उस काले पक्षी के लिए पांच हजार डॉलर देने की पेशकश की।"

वह चौंक गई, उसने अपने दांतों से सिगरेट का आखिरी टुकड़ा चबाया, और स्पेड पर एक त्वरित, भयभीत नजर डालने के बाद, उसकी आंखें उससे दूर हो गईं।

"तुम फिर से आग को कुरेदने और कमरे को ठीक करने में तो नहीं लग जाओगे ना?" उसने आलस भरे लहजे में पूछा।

वह खुलकर खिलखिलाकर हंसी, जली हुई सिगरेट को ट्रे में गिरा दिया और खिलखिलाती आंखों से उसकी ओर देखा। "मैं नहीं करूंगी," उसने वादा किया। "और तुमने क्या कहा?"
"पांच हजार डॉलर बहुत बड़ी रकम है।"
वह मुस्कुराई, लेकिन जब उसने मुस्कुराने के बजाय गंभीरता से उसकी ओर देखा, तो उसकी मुस्कान फीकी, भ्रमित और फिर गायब हो गई। उसकी जगह आहत और हैरान करने वाला भाव आ गया। "क्या आप सच में इस बारे में सोच रहे हैं?" उसने कहा।
“क्यों नहीं? पाँच हज़ार डॉलर बहुत बड़ी रकम है।”
“लेकिन, मिस्टर स्पेड, आपने मेरी मदद करने का वादा किया था।” उसके हाथ उनके हाथ पर थे। “मैंने आप पर भरोसा किया था। आप ऐसा नहीं कर सकते—” वह रुक गई, अपने हाथ उनकी आस्तीन से हटाकर आपस में मिलाने लगी।
स्पेड ने उसकी परेशान आँखों में देखकर धीरे से मुस्कुराया। "चलो यह पता लगाने की कोशिश न करें कि तुमने मुझ पर कितना भरोसा किया है," उसने कहा। "मैंने तुम्हारी मदद करने का वादा किया था—ज़रूर—लेकिन तुमने किसी काले पक्षी के बारे में कुछ नहीं कहा।"
“लेकिन आपको पता होना चाहिए था, वरना आप मुझसे इसका ज़िक्र नहीं करते। अब आपको पता चल गया है। आप मेरे साथ ऐसा बर्ताव नहीं कर सकते।” उसकी आँखें गहरे नीले रंग की प्रार्थनाओं से भरी थीं।
उन्होंने तीसरी बार कहा, "पांच हजार डॉलर बहुत बड़ी रकम है।"
उसने अपने कंधे और हाथ ऊपर उठाए और फिर उन्हें नीचे गिरा दिया, मानो हार स्वीकार कर रही हो। "हाँ," उसने धीमी, नीरस आवाज़ में सहमति जताई। "अगर मुझे आपकी वफ़ादारी हासिल करनी पड़े, तो मैं आपको इससे कहीं ज़्यादा कुछ नहीं दे सकती।"
स्पेड हँसा। उसकी हँसी संक्षिप्त और कुछ हद तक कड़वी थी। उसने कहा, "तुम्हारे मुँह से यह सुनकर अच्छा लगा। तुमने मुझे पैसे के अलावा क्या दिया है? क्या तुमने मुझे अपना कोई भरोसा दिया है? कोई सच्चाई बताई है? क्या तुम्हारी मदद करने में तुमने मेरी कोई सहायता की है? क्या तुमने मेरी वफादारी को सिर्फ पैसे से खरीदने की कोशिश नहीं की? खैर, अगर मैं इसे बेच ही रहा हूँ, तो इसे सबसे ऊँची बोली लगाने वाले को क्यों न बेच दूँ?"
“मैंने तुम्हें अपना सारा पैसा दे दिया है।” उसकी आँखों में आँसू चमक रहे थे। उसकी आवाज़ कर्कश और भावुक थी। “मैंने तुमसे दया की भीख माँगी है, तुमसे कहा है कि तुम्हारी मदद के बिना मैं पूरी तरह खो जाऊँगी। और क्या रास्ता है?” वह अचानक सोफे पर उसके पास सरक गई और गुस्से से चिल्लाई: “क्या मैं तुम्हें अपने शरीर से खरीद सकती हूँ?”
उनके चेहरे एक-दूसरे से कुछ इंच ही दूर थे। स्पेड ने उसके चेहरे को अपने हाथों में लिया और उसके होंठों को बेरुखी और तिरस्कारपूर्ण ढंग से चूमा। फिर वह पीछे हट गया और बोला: "मैं इस बारे में सोचूंगा।" उसका चेहरा कठोर और गुस्से से भरा हुआ था।

वह अपने सुन्न पड़े चेहरे को पकड़े हुए चुपचाप बैठी रही, जहाँ उसके हाथों ने उसे छोड़ा था।
वह खड़ा हुआ और बोला: “हे भगवान! इसमें कोई मतलब नहीं है।” वह अंगीठी की ओर दो कदम बढ़ा और रुक गया, जलती हुई लकड़ियों को घूरते हुए उसने अपने दांत भींच लिए।
वह हिली तक नहीं।
वह उसकी ओर मुड़ा। उसकी नाक के ऊपर की दो खड़ी रेखाएँ लाल धारियों के बीच गहरी दरारों जैसी लग रही थीं। "मुझे तुम्हारी ईमानदारी की कोई परवाह नहीं," उसने शांत रहने की कोशिश करते हुए उससे कहा। "मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि तुम किस तरह की चालें चल रही हो, तुम्हारे राज क्या हैं, लेकिन मुझे कुछ तो सबूत चाहिए जिससे पता चले कि तुम जानती हो कि तुम क्या कर रही हो।"
“मुझे पता है। कृपया विश्वास कीजिए कि मुझे पता है, और यह सब अच्छे के लिए है, और—”
“मुझे दिखाओ,” उसने आदेश दिया। “मैं तुम्हारी मदद करने को तैयार हूँ। मैंने अब तक जो हो सका वो किया है। ज़रूरत पड़ने पर मैं आँखें बंद करके भी आगे बढ़ जाऊँगा, लेकिन अभी जितना भरोसा मुझे तुम पर है उससे ज़्यादा भरोसा किए बिना मैं ऐसा नहीं कर सकता। तुम्हें मुझे यकीन दिलाना होगा कि तुम्हें सब कुछ पता है, कि तुम सिर्फ़ अंदाज़े और किस्मत के भरोसे ही काम नहीं चला रहे हो, यह उम्मीद करते हुए कि अंत में सब ठीक हो जाएगा।”
"क्या तुम मुझ पर थोड़ी देर और भरोसा नहीं कर सकते?"
“थोड़ा कितना होता है? और आप किस बात का इंतजार कर रहे हैं?”
उसने अपने होंठ दबाए और नीचे देखने लगी। "मुझे जोएल काहिरा से बात करनी होगी," उसने लगभग धीमी आवाज़ में कहा।
स्पेड ने अपनी घड़ी देखते हुए कहा, "आप उन्हें आज रात देख सकते हैं। उनका शो जल्द ही प्रसारित होगा। हम उनसे उनके होटल में फोन पर बात कर सकते हैं।"
उसने घबराकर अपनी आँखें ऊपर उठाईं। “लेकिन वह यहाँ नहीं आ सकता। मैं उसे यह नहीं बता सकती कि मैं कहाँ हूँ। मुझे डर लग रहा है।”
"मेरी जगह," स्पेड ने सुझाव दिया।
वह हिचकिचाई, अपने होंठों को आपस में दबाते हुए बोली, "क्या आपको लगता है कि वह वहाँ जाएगा?"
स्पेड ने सिर हिलाया।
“ठीक है,” वह उछलते हुए बोली, उसकी आँखें बड़ी और चमकदार थीं। “क्या हम अब चलें?”
वह अगले कमरे में चली गई। स्पेड कोने में रखी मेज के पास गया और चुपचाप दराज खोली। दराज में ताश के पत्तों के दो पैकेट, ब्रिज के स्कोर कार्ड का एक पैड, एक पीतल का पेंच, लाल धागे का एक टुकड़ा और एक सोने की पेंसिल थी। उसने दराज बंद कर दी थी और सिगरेट जला रहा था जब वह एक छोटी काली टोपी और भूरे रंग का चमड़े का कोट पहने, उसकी टोपी और कोट लेकर वापस लौटी।

उनकी टैक्सी एक काली सेडान कार के पीछे आकर रुकी, जो स्पेड के घर के ठीक सामने खड़ी थी। सेडान में इवा आर्चर अकेली थीं और स्टीयरिंग व्हील पर बैठी थीं। स्पेड ने उन्हें सलाम करते हुए अपनी टोपी उतारी और ब्रिगेड ओ'शॉघनेसी के साथ अंदर चले गए। लॉबी में वे एक बेंच के पास रुके और पूछा: "क्या आप थोड़ी देर यहाँ इंतज़ार कर सकती हैं? मुझे ज़्यादा देर नहीं लगेगी।"

“कोई बात नहीं,” ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी ने बैठते हुए कहा। “आपको जल्दी करने की जरूरत नहीं है।”

स्पेड सेडान कार की ओर गया। जैसे ही उसने सेडान का दरवाजा खोला, इवा जल्दी से बोली: “मुझे आपसे बात करनी है, सैम। क्या मैं अंदर नहीं आ सकती?” उसका चेहरा पीला और घबराया हुआ था।

"अभी नहीं।"

इवा ने अपने दांत किटकिटाते हुए तीखी आवाज में पूछा: "वह कौन है?"

“मेरे पास सिर्फ एक मिनट है, इवा,” स्पेड ने धैर्यपूर्वक कहा। “क्या बात है?”

“वह कौन है?” उसने गली के दरवाजे की ओर इशारा करते हुए दोहराया।

उसने उससे नज़रें हटाकर सड़क की ओर देखा। अगले कोने पर एक गैराज के सामने, बीस-इक्कीस साल का एक छोटा सा युवक साफ-सुथरी ग्रे टोपी और ओवरकोट पहने दीवार से पीठ टिकाकर टहल रहा था। स्पेड ने भौंहें चढ़ाईं और फिर इवा के दृढ़ चेहरे पर अपनी नज़रें टिकाईं। "क्या बात है?" उसने पूछा। "क्या कुछ हुआ है? तुम्हें रात के इस समय यहाँ नहीं होना चाहिए।"

“मुझे अब यही लगने लगा है,” उसने शिकायत की। “आपने मुझसे कहा था कि मुझे दफ्तर नहीं आना चाहिए, और अब मुझे यहाँ भी नहीं आना चाहिए। क्या आपका मतलब यह है कि मुझे आपके पीछे नहीं भागना चाहिए? अगर आपका यही मतलब है तो सीधे-सीधे क्यों नहीं कह देते?”

"इवा, तुम्हें इस तरह का रवैया अपनाने का कोई अधिकार नहीं है।"

“मुझे पता है मैंने ऐसा नहीं किया है। ऐसा लगता है कि तुम्हारे मामले में मेरे कोई अधिकार ही नहीं हैं। मुझे लगा था कि मेरे अधिकार हैं। मुझे लगा था कि तुम्हारा मुझसे प्यार करने का नाटक करना मुझे अधिकार देता है—”

स्पेड ने थके हुए स्वर में कहा: "यह उस बारे में बहस करने का समय नहीं है, प्रिय। तुम मुझसे किस बारे में मिलना चाहते थे?"

“मैं तुमसे यहाँ बात नहीं कर सकता, सैम। क्या मैं अंदर नहीं आ सकता?”

"अभी नहीं।"

मैं ऐसा क्यों नहीं कर सकता?

स्पेड ने कुछ नहीं कहा।

उसने अपने होंठों को एक पतली रेखा में सिकोड़ा, स्टीयरिंग व्हील के पीछे सीधी होकर घूमी और सेडान का इंजन स्टार्ट कर दिया, गुस्से से आगे की ओर घूरते हुए।

जब सेडान कार चलने लगी तो स्पेड ने कहा, "शुभ रात्रि, इवा," दरवाजा बंद किया और कार के चले जाने तक अपनी टोपी हाथ में लिए सड़क के किनारे खड़ा रहा। फिर वह वापस अंदर चला गया।

ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी मुस्कुराते हुए बेंच से उठीं और वे उनके अपार्टमेंट में चले गए।

7
हवा में जी

अपने शयनकक्ष में, जो अब बैठक कक्ष बन चुका था और जिसमें दीवार से लगा हुआ पलंग था, स्पेड ने ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी की टोपी और कोट लिया, उसे गद्देदार झूला कुर्सी पर आराम से बिठाया और होटल बेल्वेडेरे को फोन किया। कायरो थिएटर से नहीं लौटा था। स्पेड ने अपना फोन नंबर देते हुए अनुरोध किया कि कायरो आते ही उसे फोन कर ले।

स्पेड मेज के बगल वाली कुर्सी पर बैठ गया और बिना किसी भूमिका या परिचय के, लड़की को उत्तर-पश्चिम में कुछ साल पहले घटी एक घटना के बारे में बताने लगा। उसकी आवाज़ में एक स्थिर, सीधी-सादी बात थी, जिसमें न तो कोई ज़ोर था और न ही कोई ठहराव, हालाँकि कभी-कभी वह वाक्य को थोड़ा बदलकर दोहराता था, मानो हर विवरण को ठीक उसी तरह बताना ज़रूरी हो जैसा वह हुआ था।

शुरुआत में ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी ने आंशिक ध्यान से सुना, जाहिर तौर पर कहानी में रुचि लेने की बजाय उसके सुनाने के तरीके से अधिक आश्चर्यचकित थी, उसकी जिज्ञासा कहानी सुनाने के उद्देश्य से अधिक जुड़ी हुई थी न कि कहानी से; लेकिन धीरे-धीरे, जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ी, वह उसमें पूरी तरह से डूबती चली गई और वह शांत और ग्रहणशील हो गई।

फ्लिटक्राफ्ट नाम का एक व्यक्ति एक दिन टैकोमा स्थित अपने रियल एस्टेट कार्यालय से दोपहर के भोजन के लिए निकला और फिर कभी वापस नहीं लौटा। दोपहर चार बजे के बाद गोल्फ खेलने का उसका कार्यक्रम भी पूरा नहीं हुआ, जबकि उसने दोपहर के भोजन के लिए निकलने से आधे घंटे से भी कम समय पहले ही यह कार्यक्रम तय किया था। उसकी पत्नी और बच्चे उसे फिर कभी नहीं देख पाए। कहा जाता था कि उसके और उसकी पत्नी के बीच अच्छे संबंध थे। उसके दो बच्चे थे, एक पाँच साल का और दूसरा तीन साल का। टैकोमा के उपनगर में उसका अपना घर, एक नई पैकार्ड कार और एक सफल अमेरिकी जीवन की सभी सुख-सुविधाएँ थीं।

फ्लिटक्राफ्ट को अपने पिता से सत्तर हजार डॉलर विरासत में मिले थे, और रियल एस्टेट में अपनी सफलता के कारण, गायब होने के समय उनकी संपत्ति लगभग दो लाख डॉलर थी। उनके सारे मामले व्यवस्थित थे, हालांकि कुछ ऐसे पहलू भी थे जिनसे संकेत मिलता था कि गायब होने से पहले उन्होंने उन्हें व्यवस्थित करने की कोशिश नहीं की थी। उदाहरण के लिए, एक ऐसा सौदा जिससे उन्हें अच्छा मुनाफा हो सकता था, उनके गायब होने के ठीक अगले दिन पूरा होने वाला था। ऐसा कोई संकेत नहीं था कि गायब होने के समय उनके पास पचास-साठ डॉलर से अधिक की रकम थी। पिछले कुछ महीनों की उनकी आदतों का इतना सटीक हिसाब था कि किसी भी तरह के गुप्त दुराचार या किसी अन्य

महिला के साथ उनके संबंध की आशंका को जायज नहीं ठहराया जा सकता था, हालांकि इसकी संभावना बहुत कम थी।
स्पेड ने कहा, "वह ऐसे चला गया जैसे मुट्ठी खोलते समय होता है।"
जब वह अपनी कहानी के इस बिंदु पर पहुंचा तो टेलीफोन की घंटी बज उठी।
“हैलो,” स्पेड ने इंस्ट्रूमेंट में कहा। “श्रीमान कायरो?... मैं स्पेड बोल रहा हूँ। क्या आप अभी मेरे घर—पोस्ट स्ट्रीट—आ सकते हैं?... हाँ, मुझे लगता है यही सही जगह है।” उसने लड़की की तरफ देखा, अपने होंठ सिकोड़े और फिर तेज़ी से बोला: “मिस ओ’शॉघनेसी यहाँ हैं और आपसे मिलना चाहती हैं।”
ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी ने भौंहें चढ़ाईं और अपनी कुर्सी पर थोड़ी हिलीं, लेकिन कुछ नहीं कहा।
स्पेड ने फोन नीचे रखा और उससे कहा: “वह कुछ ही मिनटों में उठ जाएगा। खैर, यह 1922 की बात है। 1927 में मैं सिएटल की एक बड़ी जासूस एजेंसी में था। श्रीमती फ्लिटक्राफ्ट आईं और उन्होंने हमें बताया कि किसी ने स्पोकेन में एक आदमी को देखा है जो उनके पति जैसा दिखता है। मैं वहाँ गया। वह फ्लिटक्राफ्ट ही था। वह कुछ सालों से स्पोकेन में चार्ल्स (यह उसका पहला नाम था) पियर्स के नाम से रह रहा था। उसका एक ऑटोमोबाइल व्यवसाय था जिससे उसे सालाना बीस-पच्चीस हजार डॉलर की कमाई होती थी, उसकी एक पत्नी, एक छोटा बेटा था, स्पोकेन के उपनगर में उसका अपना घर था, और वह आमतौर पर सीजन के दौरान शाम चार बजे के बाद गोल्फ खेलने चला जाता था।”
स्पेड को यह स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया था कि फ्लिटक्राफ्ट से मिलने पर उसे क्या करना है। उन्होंने डेवनपोर्ट होटल में स्पेड के कमरे में बातचीत की। फ्लिटक्राफ्ट को कोई अपराधबोध नहीं था। उसने अपने पहले परिवार के लिए पर्याप्त व्यवस्था की थी, और उसे अपना किया हुआ कार्य पूरी तरह से उचित लग रहा था। उसे बस इस बात का संदेह था कि क्या वह स्पेड को अपनी इस बात को समझा पाएगा। उसने अपनी कहानी पहले कभी किसी को नहीं सुनाई थी, इसलिए उसे इसे स्पष्ट करने का प्रयास भी नहीं करना पड़ा था। अब उसने कोशिश की।
“मैंने सब कुछ सही किया,” स्पेड ने ब्रिगिड ओ’शॉघनेसी से कहा, “लेकिन श्रीमती फ्लिटक्राफ्ट को कभी समझ नहीं आया। उन्हें यह बेवकूफी भरा लगा। शायद था भी। खैर, सब ठीक हो गया। वह कोई बदनामी नहीं चाहती थीं, और उनके साथ हुए धोखे के बाद—जिस तरह से उन्होंने इसे देखा—वह उन्हें नहीं चाहती थीं। इसलिए उनका चुपचाप तलाक हो गया और सब कुछ ठीक-ठाक रहा।”
“उसके साथ क्या हुआ था, मैं बताता हूँ। दोपहर का खाना खाने जाते समय वह एक निर्माणाधीन इमारत के पास से गुज़रा—सिर्फ़ ढाँचा ही बचा था। तभी आठ-दस मंज़िल नीचे से कोई बीम या कोई चीज़ गिरी और उसके बगल में फुटपाथ पर जा टकराई। वह उसके बहुत करीब से गुज़री, पर उसे छूई नहीं, हालाँकि फुटपाथ का एक टुकड़ा टूटकर उड़ गया और उसके गाल पर लगा। बस थोड़ी सी त्वचा छिली, लेकिन जब मैंने उसे देखा तो उसके गाल पर निशान था। जब उसने मुझे इसके बारे में बताया तो उसने अपनी उंगली से उस निशान को सहलाया—प्यार से। उसने कहा कि वह बहुत डरा हुआ था,

लेकिन असल में डरने से ज़्यादा सदमे में था। उसे ऐसा लगा जैसे किसी ने ज़िंदगी का पर्दा हटा दिया हो और उसे सब कुछ दिखा दिया हो।"

फ्लिटक्राफ्ट एक अच्छा नागरिक, अच्छा पति और पिता था, किसी बाहरी दबाव के कारण नहीं, बल्कि इसलिए कि वह अपने परिवेश के साथ तालमेल बिठाकर ही सबसे अधिक सहज महसूस करता था। उसका पालन-पोषण इसी तरह हुआ था। उसके परिचित लोग भी ऐसे ही थे। उसका जीवन स्वच्छ, व्यवस्थित, समझदार और ज़िम्मेदार था। अब एक गिरती हुई बीम ने उसे दिखा दिया कि जीवन वास्तव में इनमें से कुछ भी नहीं है। वह, एक अच्छा नागरिक, पति और पिता, कार्यालय और रेस्तरां के बीच एक गिरती हुई बीम की दुर्घटना में मारा जा सकता था। तब उसे एहसास हुआ कि मनुष्य इसी तरह आकस्मिक रूप से मरते हैं, और केवल तभी तक जीवित रहते हैं जब तक अंधा भाग्य उन्हें बचाए रखता है।

मुख्यतः अन्याय ने उन्हें परेशान नहीं किया था: पहले सदमे के बाद उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया था। उन्हें जो बात परेशान कर रही थी, वह यह थी कि अपने मामलों को समझदारी से व्यवस्थित करने में वे जीवन के साथ तालमेल बिठाने के बजाय उससे भटक गए थे। उन्होंने कहा कि गिरी हुई बीम से बीस फीट दूर जाने से पहले ही उन्हें पता चल गया था कि जब तक वे जीवन के इस नए रूप को स्वीकार नहीं कर लेते, तब तक उन्हें कभी शांति नहीं मिलेगी। दोपहर का भोजन करने तक उन्होंने खुद को इसके अनुकूल ढालने का तरीका ढूंढ लिया था। गिरती हुई बीम से उनका जीवन अचानक समाप्त हो सकता था: वे बस चले जाकर अचानक अपना जीवन बदल सकते थे। उन्होंने कहा कि वे अपने परिवार से उतना ही प्यार करते थे जितना कि आम तौर पर किया जाता है, लेकिन वे जानते थे कि वे उनके लिए पर्याप्त व्यवस्था छोड़कर जा रहे हैं, और उनका प्यार ऐसा नहीं था कि उनकी अनुपस्थिति कष्टदायी हो।

"वह उसी दोपहर सिएटल गए," स्पेड ने कहा, "और वहाँ से नाव से सैन फ्रांसिस्को। कुछ साल इधर-उधर भटकते रहे और फिर उत्तर-पश्चिम लौट आए, स्पोकेन में बस गए और शादी कर ली। उनकी दूसरी पत्नी पहली पत्नी जैसी नहीं दिखती थी, लेकिन उनमें समानताएँ अंतरों से कहीं ज़्यादा थीं। आप जानते हैं, वैसी महिलाएँ जो गोल्फ़ और ब्रिज जैसे खेल ईमानदारी से खेलती हैं और सलाद की नई-नई रेसिपी पसंद करती हैं। उन्हें अपने किए पर कोई अफ़सोस नहीं था। उन्हें यह काफ़ी तर्कसंगत लगा। मुझे नहीं लगता कि उन्हें यह भी पता था कि वह स्वाभाविक रूप से उसी ढर्रे पर लौट आए हैं जिससे वह टैकोमा में बाहर निकले थे। लेकिन यही बात मुझे हमेशा पसंद आई। उन्होंने गिरती हुई कड़ियों के अनुसार खुद को ढाल लिया, फिर कोई और ढर्रा नहीं गिरा, और उन्होंने खुद को उनके न गिरने के अनुसार ढाल लिया।"

"कितना दिलचस्प है!" ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी ने कहा। वह अपनी कुर्सी से उठी और उसके सामने, बिल्कुल पास खड़ी हो गई। उसकी आँखें चौड़ी और गहरी थीं। "मुझे आपको यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि अगर आप चाहें तो उसके यहाँ होने से मैं कितनी बुरी तरह से नुकसान में पड़ जाऊँगी।"

स्पेड ने अपने होंठ हिलाए बिना हल्की सी मुस्कान दी। "नहीं, आपको मुझे बताने की ज़रूरत नहीं है," उसने सहमति जताई।
“और तुम जानते हो, अगर मुझे तुम पर पूरा भरोसा न होता तो मैं कभी भी इस स्थिति में न आती।” उसने अपने अंगूठे और तर्जनी से उसके नीले कोट पर लगे एक काले बटन को घुमाया।
स्पेड ने बनावटी निराशा के साथ कहा, "फिर वही बात!"
"लेकिन तुम जानती हो कि यह सच है," उसने जोर देकर कहा।
“नहीं, मुझे नहीं पता।” उसने बटन घुमा रहे हाथ पर थपथपाया। “तुम्हारे भरोसे के कारण पूछने की वजह से ही हम यहाँ आए हैं। बातों को उलझाओ मत। वैसे भी, तुम्हें मुझ पर भरोसा करने की ज़रूरत नहीं है, बस तुम मुझे अपने ऊपर भरोसा करने के लिए मना लो।”
उसने उसके चेहरे को गौर से देखा। उसकी नाक के नथुने कांपने लगे।
स्पेड हँस पड़ा। उसने फिर से उसका हाथ थपथपाया और कहा: “अभी इसकी चिंता मत करो। वह अभी आ जाएगा। उससे अपना काम निपटा लो, फिर हम देखेंगे कि आगे क्या होता है।”
और आप मुझे उसके साथ अपने तरीके से आगे बढ़ने देंगे?
"ज़रूर।"
उसने अपना हाथ उसके हाथ के नीचे इस तरह रखा कि उसकी उंगलियां उसके हाथ को छू गईं। उसने धीरे से कहा: "तुम भगवान का भेजा हुआ तोहफा हो।"
स्पेड ने कहा: "इसे हद से ज्यादा मत करो।"
उसने मुस्कुराते हुए भी उसे तिरस्कार भरी नजरों से देखा और गद्देदार झूले पर वापस बैठ गई।
जोएल कायरो उत्साहित था। उसकी गहरी आँखें मानो चमक रही थीं और स्पेड के दरवाजा आधा खोलने से पहले ही उसकी तीखी, पतली आवाज में शब्द निकलने लगे थे।
“वह लड़का बाहर घर की रखवाली कर रहा है, श्रीमान स्पेड, वही लड़का जिसे आपने मुझे दिखाया था, या जिसे आपने मुझे थिएटर के सामने दिखाया था। श्रीमान स्पेड, मैं इससे क्या समझूँ? मैं यहाँ नेक इरादे से आया था, किसी चाल या धोखे की उम्मीद में नहीं।”
“आपसे नेक इरादे से पूछा गया था।” स्पेड ने सोचते हुए माथे पर शिकन डाली। “लेकिन मुझे अंदाज़ा लगा लेना चाहिए था कि वह आ सकता है। क्या उसने आपको अंदर आते देखा?”
“बिल्कुल। मैं और भी बोल सकता था, लेकिन ऐसा करना व्यर्थ लगता था, क्योंकि आपने पहले ही उसे हम दोनों को साथ देख लिया था।”
ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी स्पेड के पीछे गलियारे में आई और घबराकर पूछा: "कौन सा लड़का? क्या बात है?"
कैरो ने अपने सिर से काली टोपी उतारी, अकड़कर झुककर प्रणाम किया और सधे हुए स्वर में कहा: "अगर आपको नहीं पता, तो श्री स्पेड से पूछिए। मुझे उनके अलावा इसके बारे में कुछ नहीं पता।"

“एक बच्ची जो पूरी शाम से शहर में मेरा पीछा कर रही है,” स्पेड ने लापरवाही से कंधे के ऊपर से कहा, लड़की की ओर देखे बिना। “अंदर आ जाओ, काइरो। यहाँ खड़े होकर पड़ोसियों के सामने बोलने का कोई फायदा नहीं है।”

ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी ने स्पेड की कोहनी के ऊपर से उसकी बांह पकड़ ली और पूछा: "क्या वह मेरे अपार्टमेंट तक तुम्हारा पीछा करते हुए आया था?"

नहीं। मैंने उससे पहले ही हाथ मिलाया था। फिर मुझे लगता है कि वह मुझे दोबारा पटाने की कोशिश करने के लिए यहाँ वापस आया होगा।

कैरो, अपने काले हैट को दोनों हाथों से पेट से पकड़े हुए, गलियारे में आ गया था। स्पेड ने उसके पीछे गलियारे का दरवाजा बंद कर दिया और वे बैठक कक्ष में चले गए। वहाँ कैरो ने एक बार फिर अपने हैट पर अकड़कर झुकते हुए कहा: "आपको फिर से देखकर मुझे बहुत खुशी हुई, मिस ओ'शॉघनेसी।"

"मुझे पूरा यकीन था कि तुम ऐसा ही करोगे, जो," उसने जवाब दिया और अपना हाथ उसे दे दिया।

उसने औपचारिक रूप से उसके हाथ पर झुककर अभिवादन किया और जल्दी से अपना हाथ छोड़ दिया।

वह उसी गद्देदार कुर्सी पर बैठ गई जिस पर वह पहले बैठी थी। कायरो मेज के पास वाली कुर्सी पर बैठ गया। स्पेड ने कायरो की टोपी और कोट अलमारी में टांगने के बाद, खिड़कियों के सामने सोफे के एक कोने पर बैठकर सिगरेट बनाने लगा।

ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी ने काहिरा से कहा: "सैम ने मुझे बाज़ के लिए आपके प्रस्ताव के बारे में बताया। आप कब तक पैसे तैयार कर सकते हैं?"

कैरो की भौंहें तन गईं। वह मुस्कुराया। "यह तैयार है।" बोलने के बाद भी वह थोड़ी देर तक लड़की की ओर मुस्कुराता रहा, फिर स्पेड की ओर देखा।

स्पेड सिगरेट जला रहा था। उसके चेहरे पर शांति थी।

“नकद में?” लड़की ने पूछा।

“ओह, हाँ,” काहिरा ने उत्तर दिया।

उसने भौंहें चढ़ाईं, अपनी जीभ होठों के बीच रखी, फिर उसे बाहर निकाला और पूछा: "अगर हम आपको बाज़ दे दें, तो क्या आप हमें अभी पाँच हज़ार डॉलर देने के लिए तैयार हैं?"

कैरो ने अपना हाथ हिलाते हुए कहा, "माफ़ कीजिए, मैंने गलत तरीके से अपनी बात कह दी। मेरा मतलब यह नहीं था कि मेरे पास पैसे जेब में हैं, बल्कि यह था कि मैं बैंकिंग घंटों के दौरान किसी भी समय, कुछ ही मिनटों के नोटिस पर पैसे लेने के लिए तैयार हूँ।"

“ओह!” उसने स्पेड की ओर देखा।

स्पेड ने अपनी बनियान के सामने सिगरेट का धुआं उड़ाते हुए कहा: "शायद यह सही है। आज दोपहर जब मैंने उसकी तलाशी ली तो उसकी जेबों में केवल कुछ सौ डॉलर ही थे।"

जब उसकी आंखें चौड़ी होकर खुलीं तो वह मुस्कुराया।

लेवेंटाइन अपनी कुर्सी पर आगे की ओर झुक गया। उसकी आँखों और आवाज़ में उत्सुकता साफ झलक रही थी। "मैं आपको सुबह साढ़े दस बजे पैसे देने के लिए पूरी तरह तैयार हूँ। है ना?"
ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी ने मुस्कुराते हुए उनसे कहा: "लेकिन मेरे पास बाज़ नहीं है।"
कैरो का चेहरा झुंझलाहट से लाल हो गया था। उसने अपने दोनों हाथों को कुर्सी की भुजाओं पर रखा और अपने दुबले-पतले शरीर को उनके बीच सीधा और अकड़ा हुआ रखा। उसकी गहरी आँखों में गुस्सा था। उसने कुछ नहीं कहा।
लड़की ने बनावटी ढंग से उसे शांत करने का भाव दिखाया। उसने कहा, "ज्यादा से ज्यादा एक हफ्ते में मिल जाएगा।"
"यह कहाँ है?" काहिरा ने विनम्रतापूर्वक अपना संदेह व्यक्त किया।
"जहां फ्लॉयड ने इसे छिपाया था।"
“फ्लॉयड? थर्सबी?”
उसने सिर हिलाया।
“और तुम्हें पता है वो कहाँ है?” उसने पूछा।
"मुझे लगता है, मैं ऐसा करता हूं।"
"तो फिर हमें एक सप्ताह तक इंतजार क्यों करना पड़ेगा?"
"शायद पूरा एक हफ्ता नहीं। जो, तुम इसे किसके लिए खरीद रहे हो?"
कैरो ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "मैंने मिस्टर स्पेड को बताया था। उनके मालिक के लिए।"
लड़की के चेहरे पर हैरानी झलक रही थी। "तो तुम उसके पास वापस चली गई?"
"स्वाभाविक रूप से मैंने ऐसा किया।"
वह दबी हुई हंसी हंसते हुए बोली, "काश मैं भी वह देख पाती।"
कैरो ने कंधे उचकाते हुए कहा, "यह तो स्वाभाविक ही था।" उसने एक हाथ की हथेली से दूसरे हाथ के पिछले हिस्से को रगड़ा। उसकी पलकें झुककर उसकी आँखों को छाया देने लगीं। "तो, अगर मैं भी एक सवाल पूछूँ, तो क्या आप मुझे बेचने को तैयार हैं?"
"फ्लॉयड के साथ जो हुआ उसके बाद मुझे डर लग रहा है। इसीलिए मैंने इसे अभी अपने पास नहीं रखा है। मुझे इसे छूने से भी डर लगता है, सिवाय इसके कि मैं इसे तुरंत किसी और को सौंप दूं।"
सोफे पर कोहनी टिकाकर बैठे स्पेड निष्पक्ष भाव से उन्हें देख और सुन रहे थे। उनके शरीर की सहज शिथिलता और चेहरे की शांत भाव-भंगिमा में जिज्ञासा या अधीरता का कोई संकेत नहीं था।
कैरो ने धीमी आवाज में पूछा, "फ्लॉयड के साथ आखिर हुआ क्या था?"
ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी की दाहिनी तर्जनी उंगली की नोक ने हवा में तेजी से 'जी' का निशान बनाया।
कैरो ने कहा, "मैं समझ गया," लेकिन उसकी मुस्कान में कुछ संदेह झलक रहा था। "क्या वह यहाँ है?"
“मुझे नहीं पता,” उसने अधीरता से कहा। “इससे क्या फर्क पड़ता है?”

कैरो की मुस्कान में संदेह और गहरा गया। "इससे बहुत बड़ा फर्क पड़ सकता है," उसने कहा और अपनी गोद में हाथों को इस तरह व्यवस्थित किया कि जानबूझकर या अनजाने में, उसकी एक कुंद तर्जनी उंगली स्पेड की ओर इशारा कर रही थी।

लड़की ने इशारा करती उंगली की तरफ देखा और सिर हिलाकर अधीरता दिखाई। उसने कहा, "या तो मैं, या फिर तुम।"

"बिल्कुल, और क्या हम इसमें बाहर खड़े लड़के को भी शामिल कर लें?"

“हां,” उसने सहमति जताते हुए हंसते हुए कहा। “हां, अगर वो वही आदमी है जो कांस्टेंटिनोपल में तुम्हारे साथ था।”

अचानक खून से सना हुआ काहिरा का चेहरा लाल हो गया। उसने तीखी, क्रोधित आवाज में कहा, "वह जिसे तुम नहीं बना सके?"

ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी अपनी कुर्सी से उछल पड़ीं। उनका निचला होंठ उनके दांतों के बीच दबा हुआ था। तनावग्रस्त सफेद चेहरे पर उनकी आंखें गहरी और चौड़ी थीं। उन्होंने काहिरा की ओर दो तेज़ कदम बढ़ाए। काहिरा उठने ही वाला था कि उनका दाहिना हाथ आगे बढ़ा और ज़ोर से उनके गाल पर लगा, जिससे उंगलियों के निशान वहां रह गए।

कैरो ने घुरघुराते हुए उसके गाल पर थप्पड़ मारा, जिससे वह लड़खड़ाकर एक तरफ गिर गई और उसके मुंह से एक छोटी सी दबी हुई चीख निकली।

स्पेड, जिसका चेहरा भावहीन था, सोफे से उठकर उनके पास आ चुका था। उसने काइरो का गला पकड़कर उसे झकझोर दिया। काइरो गरगा और उसने अपना हाथ कोट के अंदर डाल दिया। स्पेड ने लेवेंटाइन की कलाई पकड़ी, उसे कोट से झटक कर अलग किया, सीधा एक तरफ फैलाया और तब तक मरोड़ा जब तक कि उसकी ढीली-ढाली उंगलियां खुल नहीं गईं और काली पिस्तौल कालीन पर गिर नहीं गई।

ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी ने झटपट पिस्तौल उठा ली।

गले पर उंगलियां होने के कारण मुश्किल से बोलते हुए काहिरा ने कहा, "यह दूसरी बार है जब तुमने मुझ पर हाथ उठाया है।" हालांकि गले पर दबाव के कारण उसकी आंखें उभरी हुई थीं, फिर भी वे ठंडी और भयावह थीं।

“हाँ,” स्पेड गुर्राया। “और जब तुम्हें थप्पड़ पड़ेगा, तो तुम उसे सहोगे और पसंद भी करोगे।” उसने कायरो की कलाई छोड़ी और अपने मोटे खुले हाथ से उसके चेहरे के किनारे पर तीन बार बेरहमी से वार किया।

कैरो ने स्पेड के चेहरे पर थूकने की कोशिश की, लेकिन लेवेंटाइन के सूखे मुंह के कारण यह केवल गुस्से का एक इशारा मात्र रह गया। स्पेड ने उसके मुंह पर एक जोरदार थप्पड़ मारा, जिससे उसका निचला होंठ कट गया।

घर की घंटी बजी।

कैरो की निगाहें गलियारे के दरवाजे की ओर जाने वाले रास्ते पर टिक गईं। उसकी आँखों में अब क्रोध नहीं था, बल्कि सतर्कता छाई हुई थी। लड़की हांफते हुए रास्ते की ओर मुड़ी। उसके चेहरे पर डर साफ दिख रहा था। स्पेड ने कुछ पल के लिए कैरो के होंठ से टपकते खून को उदास निगाहों से देखा, फिर पीछे हट गया और लेवेंटाइन के गले से अपना हाथ हटा लिया।
"कौन है?" लड़की ने फुसफुसाते हुए स्पेड के करीब आकर पूछा; और कायरो की निगाहें भी उसी सवाल को पूछने के लिए पीछे मुड़ गईं।
स्पेड ने चिड़चिड़ाते हुए जवाब दिया: "मुझे नहीं पता।"
घंटी फिर बजी, इस बार और भी ज़ोर से।
"ठीक है, चुप रहो," स्पेड ने कहा और दरवाजा बंद करते हुए कमरे से बाहर चला गया।

■

स्पेड ने गलियारे की बत्ती जलाई और कॉरिडोर का दरवाजा खोला। लेफ्टिनेंट डंडी और टॉम पोलहॉस वहां मौजूद थे।
“हेलो, सैम,” टॉम ने कहा। “हमें लगा था कि शायद तुम अभी तक सोए नहीं होगे।”
डंडी ने सिर हिलाया, लेकिन कुछ नहीं कहा।
स्पेड ने सौम्य भाव से कहा: "नमस्ते। आप लोग मिलने-जुलने के लिए बढ़िया समय चुनते हैं। इस बार क्या समय है?"
फिर डंडी ने धीमी आवाज़ में कहा: "हम आपसे बात करना चाहते हैं, स्पेड।"
“तो?” स्पेड दरवाजे पर खड़ा होकर उसे रोक रहा था। “बोलिए, बोलिए।”
टॉम पोलहॉस ने आगे बढ़कर कहा: "हमें यहां खड़े होकर ऐसा करने की जरूरत नहीं है, है ना?"
स्पेड दरवाजे पर खड़ा होकर बोला: "आप अंदर नहीं आ सकते।" उसके लहजे में थोड़ी सी माफी का भाव था।
स्पेड के बराबर कद-काठी होने के बावजूद, टॉम के मोटे चेहरे पर दोस्ताना तिरस्कार का भाव आ गया, हालाँकि उसकी छोटी-छोटी चतुर आँखों में एक चमक थी। "क्या बकवास है, सैम?" उसने विरोध करते हुए अपना बड़ा हाथ शरारती अंदाज़ में स्पेड की छाती पर रख दिया।
स्पेड धक्का देने वाले हाथ के सहारे झुक गया, भेड़िया जैसी मुस्कान के साथ बोला, "क्या तुम मुझे धमकाने वाले हो, टॉम?"
टॉम बड़बड़ाया, "अरे, भगवान के लिए," और अपना हाथ हटा लिया।
डंडी ने अपने दांत आपस में चटकाए और उनके बीच से कहा: "हमें अंदर आने दो।"
स्पेड के होंठ उसके नुकीले दांत पर फड़फड़ाए। उसने कहा, "तुम अंदर नहीं आ सकते। अब क्या करोगे? अंदर आने की कोशिश करोगे? या यहीं अपनी बात रखोगे? या फिर नरक में जाओगे?"
टॉम कराह उठा।

डंडी, अभी भी दांत पीसते हुए बोला: "स्पेड, अगर तुम थोड़ा हमारे साथ सहयोग कर लो तो अच्छा होगा। तुम इससे भी बच निकले हो और उससे भी, लेकिन तुम इसे हमेशा जारी नहीं रख सकते।"
"जब मौका मिले तब मुझे रोक लेना," स्पेड ने घमंडी लहजे में जवाब दिया।
“मैं यही करूँगा।” डंडी ने अपने हाथ पीछे किए और अपना सख्त चेहरा जासूस की ओर उठाया। “ऐसी अफवाहें चल रही हैं कि तुम और आर्चर की पत्नी उसे धोखा दे रहे थे।”
स्पेड हँस पड़ा। "ऐसा लगता है जैसे यह विचार तुमने खुद सोचा हो।"
तो फिर इसमें कुछ भी नहीं है?
"कुछ भी नहीं।"
डंडी ने कहा, "ऐसी चर्चा है कि उसने उससे तलाक लेने की कोशिश की ताकि वह आपके साथ रह सके, लेकिन उसने उसे तलाक नहीं दिया। क्या इसमें कोई सच्चाई है?"
"नहीं।"
डंडी ने गंभीर स्वर में आगे कहा, "ऐसी भी चर्चा है कि इसी वजह से उन्हें मुश्किल में डाला गया।"
स्पेड को हल्की सी हंसी आई। उसने कहा, "लालची मत बनो। एक ही समय में मुझ पर एक से ज़्यादा हत्याओं का आरोप लगाने की कोशिश मत करो। तुम्हारा यह पहला विचार कि मैंने थर्सबी को इसलिए मारा क्योंकि उसने माइल्स को मार डाला था, तब बेबुनियाद हो जाता है जब तुम माइल्स की हत्या का आरोप भी मुझ पर लगाते हो।"
“तुमने मुझे कभी यह कहते नहीं सुना कि तुमने किसी को मारा है,” डंडी ने जवाब दिया। “तुम ही हो जो बार-बार यह बात उठाते हो। लेकिन मान लो कि मैंने मार दिया। तुम उन दोनों को गायब कर सकते थे। इसका भी एक तरीका है।”
“हम्म। मैं माइल्स की हत्या करके उसकी पत्नी को हासिल कर सकता था, और फिर थर्सबी की हत्या करके माइल्स की हत्या का इल्जाम उस पर लगा सकता था। ये तो बहुत बढ़िया तरीका है, या तब होगा जब मैं किसी और को मार डालूंगा और थर्सबी की हत्या का इल्जाम उस पर लगा दूंगा। मैं ये कब तक करता रहूंगा? क्या अब से सैन फ्रांसिस्को में होने वाली हर हत्या के लिए तुम मेरे कंधे पर हाथ रखोगे?”
टॉम ने कहा: "अरे, सैम, ये मज़ाक बंद करो। तुम अच्छी तरह जानते हो कि हमें भी ये उतना ही नापसंद है जितना तुम्हें, लेकिन हमें अपना काम करना है।"
मुझे उम्मीद है कि आपके पास हर सुबह जल्दी आकर ढेर सारे बेवकूफी भरे सवाल पूछने के अलावा कुछ और काम भी होगा।
"और झूठे जवाबों को धिक्कार है," डंडी ने जानबूझकर कहा।
“आराम से रहो,” स्पेड ने उसे चेतावनी दी।
डंडी ने उसे ऊपर से नीचे तक देखा और फिर उसकी आँखों में सीधे देखते हुए कहा, "अगर तुम कहते हो कि तुम्हारे और आर्चर की पत्नी के बीच कुछ नहीं था, तो तुम झूठे हो, और मैं तुम्हें यही बता रहा हूँ।"

टॉम की छोटी-छोटी आँखों में हैरानी का भाव आ गया।
स्पेड ने अपनी जीभ की नोक से अपने होंठों को गीला किया और पूछा: "क्या यही वो गर्म नोक है जो तुम्हें रात के इस अजीब समय में यहाँ ले आई है?"
"यह उनमें से एक है।"
और बाकी लोग?
डंडी ने अपने होंठों के कोने नीचे खींच लिए। "हमें अंदर आने दो।" उसने उस दरवाजे की ओर इशारा करते हुए सिर हिलाया जहाँ स्पेड खड़ा था।
स्पेड ने भौंहें चढ़ाईं और अपना सिर हिलाया।
डंडी के होंठों के कोने एक गंभीर संतुष्टि भरी मुस्कान में बदल गए। "इसमें कुछ तो सच्चाई रही होगी," उसने टॉम से कहा।
टॉम ने अपने पैर हिलाए और दोनों आदमियों की ओर देखे बिना बुदबुदाया: "भगवान जाने।"
“ये क्या है?” स्पेड ने पूछा। “ये कोई खेल है?”
“ठीक है, स्पेड, हम चल रहे हैं।” डंडी ने अपना ओवरकोट बंद किया। “हम बीच-बीच में तुमसे मिलने आते रहेंगे। शायद हमें मना करने में तुम सही हो। इस बारे में सोच लो।”
“हम्म,” स्पेड ने मुस्कुराते हुए कहा। “आपको देखकर कभी भी खुशी होगी, लेफ्टिनेंट, और जब भी मैं व्यस्त नहीं रहूंगा, मैं आपको अंदर आने दूंगा।”
स्पेड के लिविंग रूम में एक आवाज चीखी: “मदद! मदद! पुलिस! मदद!” ऊंची, पतली और तीखी आवाज जोएल कायरो की थी।
लेफ्टिनेंट डंडी दरवाजे से मुंह मोड़ने से रुक गए, स्पेड का फिर से सामना किया और दृढ़ता से कहा: "मुझे लगता है कि हम अंदर जा रहे हैं।"
उन्हें एक संक्षिप्त संघर्ष, एक प्रहार और एक दबी हुई चीख की आवाज सुनाई दी।
स्पेड के चेहरे पर एक ऐसी मुस्कान आई जिसमें खुशी का कोई भाव नहीं था। उसने कहा, "मुझे लगता है तुम हो," और रास्ते से हट गया।
जब पुलिस जासूस अंदर आ गए तो उसने गलियारे का दरवाजा बंद कर दिया और उनके पीछे-पीछे बैठक कक्ष में चला गया।

8
घोड़े के पंख

ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी मेज के पास वाली कुर्सी पर दुबकी बैठी थी। उसकी कोहनियाँ उसके गालों पर थीं, और घुटने इस तरह मुड़े हुए थे कि उसके चेहरे का निचला हिस्सा ढका हुआ था। उसकी आँखों के चारों ओर सफेद घेरे थे और वह भयभीत थी।

जोएल कायरो उसके सामने झुका खड़ा था, एक हाथ में वह पिस्तौल पकड़े हुए था जो स्पेड ने उससे छीन ली थी। उसका दूसरा हाथ उसके माथे पर था। उस हाथ की उंगलियों से खून बहकर उसकी आंखों तक जा रहा था। उसके कटे होंठ से खून की एक पतली धार उसकी ठुड्डी पर तीन लहरदार रेखाएं बना रही थी।

कैरो ने जासूसों की बात अनसुनी कर दी। वह अपने सामने दुबकी हुई लड़की को घूर रहा था। उसके होंठ रुक-रुक कर हिल रहे थे, लेकिन उनसे कोई स्पष्ट ध्वनि नहीं निकल रही थी।

तीनों में से सबसे पहले बैठक कक्ष में प्रवेश करने वाला डंडी, तेजी से काहिरा के पास गया, अपने ओवरकोट के नीचे अपनी कमर पर एक हाथ रखा, लेवेंटाइन की कलाई पर एक हाथ रखा और गुर्राते हुए बोला: "तुम यहाँ क्या कर रहे हो?"

कैरो ने खून से सना हुआ हाथ अपने सिर से हटाया और उसे लेफ्टिनेंट के चेहरे के पास ले जाकर लहराया। हाथ से ढका हुआ हाथ हटते ही, उसके माथे पर तीन इंच का फटा हुआ घाव दिखाई दिया। "यही तो उसने किया है," वह चिल्लाया। "इसे देखो।"

लड़की ने अपने पैर ज़मीन पर रखे और काहिरा की कलाई पकड़े हुए डंडी से लेकर उनके पीछे खड़े टॉम पोलहॉस और दरवाज़े के फ्रेम से टिके हुए स्पेड तक, सबकी नज़रें सतर्कता से देखने लगी। स्पेड का चेहरा शांत था। जब उसकी नज़र लड़की से मिली, तो उसकी पीली-भूरी आँखों में एक पल के लिए शरारती हास्य की चमक आई और फिर वे भावहीन हो गईं।

"क्या तुमने ऐसा किया?" डंडी ने काहिरा के कटे हुए सिर की ओर इशारा करते हुए लड़की से पूछा।

उसने एक बार फिर स्पेड की ओर देखा। उसकी आँखों में जो आकर्षण था, स्पेड ने उसका कोई जवाब नहीं दिया। वह दरवाजे के चौखट से टिककर खड़ा रहा और एक उदासीन दर्शक की तरह शालीनता और तटस्थ भाव से कमरे में मौजूद लोगों को देखता रहा।

लड़की ने अपनी निगाहें डंडी की ओर उठाईं। उसकी आँखें चौड़ी, गहरी और गंभीर थीं। उसने धीमी, कांपती हुई आवाज़ में कहा, "मुझे करना पड़ा। जब उसने मुझ पर हमला किया, तब मैं यहाँ उसके साथ बिल्कुल अकेली थी। मैं नहीं कर सकी— मैंने उसे रोकने की कोशिश की। मैं— मैं खुद को उसे गोली मारने के लिए तैयार नहीं कर पाई।"

“अरे, तुम झूठे!” कायरो चिल्लाया, और डंडी की पकड़ से अपनी पिस्तौल वाला हाथ छुड़ाने की नाकाम कोशिश की। “अरे, तुम गंदे झूठे!” वह डंडी की ओर मुड़ा। “वह बहुत बड़ा झूठ बोल रही है। मैं नेक इरादे से यहाँ आया था और उन दोनों ने मुझ पर हमला किया, और जब तुम आए तो वह तुमसे बात करने के लिए बाहर चला गया, उसे यहाँ पिस्तौल के साथ छोड़कर, और फिर उसने कहा कि तुम्हारे जाने के बाद वे मुझे मार डालेंगे, और मैंने मदद के लिए पुकारा, ताकि तुम मुझे यहाँ मरने के लिए न छोड़ दो, और फिर उसने मुझे पिस्तौल से मारा।”
“लो, मुझे ये चीज़ दो,” डंडी ने कहा और काहिरा के हाथ से पिस्तौल ले ली। “अब ये बात साफ कर लो। तुम यहाँ किसलिए आए हो?”
“उन्होंने मुझे बुलवाया।” कायरो ने अपना सिर घुमाकर स्पेड को चुनौती भरे लहजे में देखा। “उन्होंने मुझे फोन किया और यहाँ आने के लिए कहा।”
स्पेड ने नींद भरी निगाहों से लेवेंटाइन की ओर देखा और कुछ नहीं कहा।
डंडी ने पूछा: "उसे किसलिए चाहिए था?"
कैरो ने अपने खून से लथपथ माथे और ठोड़ी को बैंगनी रंग की धारियों वाले रेशमी रूमाल से पोंछने तक कोई जवाब नहीं दिया। तब तक उसके हावभाव में आक्रोश की जगह सावधानी झलक रही थी। "उसने कहा कि वह—वे—मुझसे मिलना चाहते थे। मुझे नहीं पता था कि किसलिए।"
टॉम पोलहॉस ने अपना सिर नीचे झुकाया, रुमाल से हवा में फैली साइप्रस की खुशबू को सूंघा और स्पेड की ओर घूरते हुए सवालिया निगाह से देखा। स्पेड ने उसे आँख मारी और सिगरेट बनाना जारी रखा।
डंडी ने पूछा: "तो फिर क्या हुआ?"
“फिर उन्होंने मुझ पर हमला किया। उसने पहले मुझे मारा, फिर उसने मेरा गला दबाया और मेरी जेब से पिस्तौल छीन ली। मुझे नहीं पता कि अगर तुम उस समय वहाँ न पहुँचते तो वे आगे क्या करते। मुझे पूरा यकीन है कि वे मुझे वहीं मार डालते। जब वह घंटी का जवाब देने बाहर गया तो उसने उसे पिस्तौल के साथ यहीं मेरे ऊपर नज़र रखने के लिए छोड़ दिया।”
ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी कुर्सी से उछल पड़ीं और रोते हुए बोलीं, "तुम उससे सच क्यों नहीं उगलवाते?" और काहिरा के गाल पर एक थप्पड़ मार दिया।
काहिरा ने अस्पष्ट रूप से चिल्लाया।
डंडी ने उस हाथ से लड़की को कुर्सी पर वापस धकेल दिया जिससे वह लेवेंटाइन का हाथ नहीं पकड़े हुए था और गुर्राते हुए कहा, "अभी ऐसा नहीं चलेगा।"
स्पेड ने सिगरेट जलाते हुए धुएं के बीच से हल्की सी मुस्कान बिखेरी और टॉम से कहा: "वह आवेगशील है।"
“हां,” टॉम ने सहमति जताई।
डंडी ने लड़की को घूरते हुए पूछा, "तुम हमसे क्या उम्मीद करती हो कि हम सच को क्या मानें?"

“उसने जो कहा वो नहीं,” उसने जवाब दिया। “उसने जो कुछ भी कहा, वो नहीं।” वह स्पेड की ओर मुड़ी। “क्या ऐसा है?”
“मुझे कैसे पता?” स्पेड ने जवाब दिया। “जब यह सब हुआ, तब मैं रसोई में ऑमलेट बना रहा था, है ना?”
उसने माथे पर शिकन डाली और उलझन से भरी आँखों से उसे गौर से देखा।
टॉम ने घृणा से घुरघुराया।
डंडी, अभी भी उस लड़की पर गुस्से से घूरते हुए, स्पेड के भाषण को अनसुना कर उससे पूछा: "अगर वह सच नहीं बोल रहा है, तो मदद के लिए चीख-पुकार उसने क्यों की, तुमने क्यों नहीं?"
"ओह, जब मैंने उसे मारा तो वह डर के मारे मर ही गया था," उसने लेवेंटाइन की ओर तिरस्कारपूर्ण दृष्टि से देखते हुए उत्तर दिया।
काहिरा का चेहरा खून से सना न होने के बावजूद लाल हो गया। वह चिल्लाया: "छी! एक और झूठ!"
उसने उसके पैर पर लात मारी, उसकी नीली चप्पल की ऊँची एड़ी उसके घुटने के ठीक नीचे लगी। डंडी ने उसे उससे दूर खींच लिया, जबकि बड़ा टॉम उसके पास आकर खड़ा हो गया और गुर्राते हुए बोला: "बहन, तमीज़ से पेश आओ। ऐसे बर्ताव करना ठीक नहीं है।"
"तो फिर उससे सच उगलवाओ," उसने चुनौती भरे लहजे में कहा।
“हम यह ठीक से कर लेंगे,” उसने वादा किया। “बस ज्यादा ज़ोर-ज़बरदस्ती मत करना।”
डंडी ने अपनी हरी, चमकदार और संतुष्ट आँखों से स्पेड को देखते हुए अपने अधीनस्थ से कहा: "ठीक है, टॉम, मुझे नहीं लगता कि उन सभी को अंदर खींचने में हमें कोई गलती होगी।"
टॉम ने उदास भाव से सिर हिलाया।
स्पेड दरवाजे से बाहर निकला और कमरे के बीचोंबीच जाकर, मेज पर रखी ट्रे में अपनी सिगरेट गिरा दी। उसकी मुस्कान और व्यवहार सौहार्दपूर्ण और संयमित थे। उसने कहा, "जल्दी मत करो। सब कुछ समझाया जा सकता है।"
“मैं शर्त लगाता हूँ,” डंडी ने व्यंग्य करते हुए सहमति जताई।
स्पेड ने लड़की को झुककर प्रणाम किया। उन्होंने कहा, "मिस ओ'शॉघनेसी, क्या मैं आपको लेफ्टिनेंट डंडी और डिटेक्टिव-सार्जेंट पोलहॉस से मिलवा सकता हूँ?" उन्होंने डंडी को झुककर प्रणाम किया। "मिस ओ'शॉघनेसी मेरी कर्मचारी हैं।"
जोएल कैरो ने आक्रोशपूर्वक कहा: “ऐसा नहीं है। वह—”
स्पेड ने काफी ऊंची, लेकिन फिर भी सौहार्दपूर्ण आवाज में उसे बीच में ही रोक दिया: “मैंने उसे अभी हाल ही में, कल ही काम पर रखा है। ये श्रीमान जोएल कायरो हैं, थर्सबी के मित्र—या कम से कम परिचित—हैं। वो आज दोपहर मेरे पास आए और मुझे थर्सबी के पास मौजूद किसी ऐसी चीज को ढूंढने के लिए काम पर रखने की कोशिश की, जिसके बारे में कहा जा रहा था कि उसकी हत्या के समय उसके पास थी। जिस तरह से उसने मुझे बताया, वह संदिग्ध लग रहा था, इसलिए मैंने उसे छूने से इनकार

कर दिया। फिर उसने बंदूक निकाल ली—खैर, इस बात को छोड़िए जब तक कि एक-दूसरे पर आरोप लगाने की नौबत न आ जाए। खैर, मिस ओ'शॉघनेसी से बात करने के बाद, मुझे लगा कि शायद मैं उससे माइल्स और थर्सबी की हत्याओं के बारे में कुछ जानकारी निकलवा सकूं, इसलिए मैंने उसे यहां बुलाया। हो सकता है हमने उससे कुछ सवाल सख्ती से पूछे हों, लेकिन उसे कोई चोट नहीं आई, इतनी नहीं कि उसे मदद के लिए चिल्लाना पड़े। मुझे पहले ही उससे उसकी बंदूक वापस लेनी पड़ी थी।"

जैसे-जैसे स्पेड बोलता गया, काहिरा के लाल हुए चेहरे पर चिंता झलकने लगी। उसकी आँखें बार-बार ऊपर-नीचे हिल रही थीं, और फर्श तथा स्पेड के भावहीन चेहरे के बीच बेचैनी से अपना ध्यान भटका रही थीं।

डंडी ने काहिरा का सामना किया और कड़े शब्दों में पूछा: "अच्छा, इस पर आपका क्या कहना है?"

लगभग एक मिनट तक कैरो लेफ्टिनेंट की छाती को घूरता रहा और कुछ नहीं बोला। जब उसने नज़रें उठाईं तो उनमें शर्म और सतर्कता झलक रही थी। "मुझे नहीं पता कि मुझे क्या कहना चाहिए," उसने धीरे से कहा। उसकी शर्मिंदगी वास्तविक लग रही थी।

"तथ्य बताने की कोशिश करो," डंडी ने सुझाव दिया।

“तथ्य?” काहिरा की आंखें फड़कने लगीं, हालांकि उनकी निगाहें लेफ्टिनेंट से हटी नहीं। “मुझे क्या भरोसा है कि तथ्यों पर विश्वास किया जाएगा?”

“टालमटोल करना बंद करो। तुम्हें बस इतना करना है कि शिकायत में शपथ लो कि उन्होंने तुम्हें छेड़ा है और वारंट क्लर्क तुम्हारी बात पर इतना विश्वास कर लेगा कि वह वारंट जारी कर देगा जिससे हम उन्हें जेल में डाल सकेंगे।”

स्पेड ने मजाकिया लहजे में कहा: "ठीक है, काहिरा। उसे खुश कर दो। उससे कहो कि तुम ऐसा करोगे, और फिर हम तुम्हारे खिलाफ कसम खाएंगे, और वह हम सभी को हरा देगा।"

कैरो ने अपना गला साफ किया और घबराकर कमरे में चारों ओर देखा, उसने वहां मौजूद किसी की भी आंखों में नहीं देखा।

डंडी ने नाक से एक हल्की सी फुफकार भरी सांस छोड़ी जो पूरी तरह से खर्राटे जैसी नहीं थी और कहा: "अपनी टोपियाँ ले आओ।"

चिंता और सवाल से भरी काहिरा की आँखों का सामना स्पेड की व्यंग्यात्मक निगाहों से हुआ। स्पेड ने उसे आँख मारी और गद्देदार झूले की बाजू पर बैठ गया। "अच्छा, बच्चों," उसने लेवेंटाइन और उस लड़की की ओर मुस्कुराते हुए कहा, उसकी आवाज़ और मुस्कान में केवल खुशी झलक रही थी, "हमने इसे अच्छे से पेश किया।"

डंडी के सख्त चौकोर चेहरे पर जरा सा भी उदासी छा गई। उसने दृढ़ता से दोहराया: "अपनी टोपियाँ ले आओ।"

स्पेड ने लेफ्टिनेंट की ओर मुस्कुराते हुए देखा, कुर्सी के आर्मरेस्ट पर और अधिक आरामदायक स्थिति में आ गया और आलस्य से पूछा: "क्या आपको पता नहीं चलता कि आपके साथ मजाक किया जा रहा है?"

टॉम पोलहॉस का चेहरा लाल और चमकीला हो गया।

डंडी का चेहरा, जो अभी भी गहरा होता जा रहा था, स्थिर था, सिवाय इसके कि उसके होंठ सख्ती से हिलते हुए बोले: "नहीं, लेकिन हम इसे हॉल में पहुँचने तक इंतजार करेंगे।"

स्पेड उठा और अपने हाथ पतलून की जेबों में डाल लिए। वह सीधा खड़ा हो गया ताकि लेफ्टिनेंट को और भी नीचे से देख सके। उसकी मुस्कान एक ताना थी और उसके हाव-भाव की हर पंक्ति में आत्मविश्वास झलक रहा था।

“डंडी, हिम्मत है तो हमें पकड़ो,” उसने कहा। “हम सैन फ्रांसिस्को के हर अखबार में तुम्हारा मज़ाक उड़ाएंगे। तुम्हें क्या लगता है कि हममें से कोई भी एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत करने की कसम खाएगा? होश में आओ। तुम्हें बेवकूफ बनाया गया है। जब घंटी बजी तो मैंने मिस ओ'शॉघनेसी और कायरो से कहा: ‘ये बदमाश बैल फिर आ गए। ये बहुत परेशान कर रहे हैं। चलो इन पर एक मज़ाक करते हैं। जब तुम इन्हें चलते हुए सुनो तो तुममें से कोई एक चीखना, और फिर हम देखेंगे कि हम इन्हें गिरने से पहले कितनी दूर तक खींच सकते हैं।’ और—”

ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी अपनी कुर्सी पर आगे की ओर झुक गईं और जोर-जोर से हंसने लगीं।

कैरो चौंक गया और मुस्कुराया। उसकी मुस्कान में कोई जीवंतता नहीं थी, लेकिन उसने उसे अपने चेहरे पर बनाए रखा।

टॉम ने गुस्से से घूरते हुए बुदबुदाया: "बस करो, सैम।"

स्पेड हँसते हुए बोला, "लेकिन बात तो यही थी। हम—"

“और उसके सिर और मुंह पर ये घाव?” डंडी ने तिरस्कारपूर्वक पूछा। “ये कहाँ से आए?”

"उससे पूछो," स्पेड ने सुझाव दिया। "हो सकता है शेविंग करते समय उसे चोट लग गई हो।"

कैरो ने सवाल पूछे जाने से पहले ही जल्दी-जल्दी बोलना शुरू कर दिया, और बोलते समय चेहरे की मांसपेशियां कांप रही थीं, मानो वह अपनी मुस्कान को बनाए रखने की कोशिश कर रहा हो। “मैं गिर गया। जब तुम अंदर आए, तब हम पिस्तौल के लिए हाथापाई करने का नाटक कर रहे थे, लेकिन मैं गिर गया। हम हाथापाई का नाटक कर रहे थे, तभी कालीन के किनारे से मेरा पैर फिसल गया और मैं गिर गया।”

डंडी ने कहा: "यह सब बकवास है।"

स्पेड ने कहा: “कोई बात नहीं, डंडी, मानो या न मानो। बात ये है कि ये हमारी कहानी है और हम इस पर कायम रहेंगे। अखबार इसे छापेंगे ही, चाहे उन्हें यकीन हो या न हो, और ये दोनों ही तरह से उतना ही मज़ेदार होगा, या शायद उससे भी ज़्यादा। अब तुम क्या करोगे? पुलिसवाले से मज़ाक करना कोई

गुनाह तो नहीं है, है ना? तुम्हारे पास यहाँ किसी के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। हमने तुम्हें जो कुछ भी बताया, वो सब मज़ाक का हिस्सा था। अब तुम क्या करोगे?”

डंडी ने स्पेड की ओर पीठ करके काइरो को कंधों से पकड़ लिया। "तुम इससे बच नहीं सकते," उसने लेवेंटाइन को हिलाते हुए गुर्राया। "तुमने मदद के लिए गुहार लगाई थी, इसलिए तुम्हें इसे स्वीकार करना होगा।"

“जी नहीं, महोदय,” कायरो हकलाते हुए बोला। “यह एक मज़ाक था। उसने कहा कि आप उसके दोस्त हैं और समझ जाएंगे।”

स्पेड हंस पड़ा।

डंडी ने काइरो को एक कलाई और गर्दन के पिछले हिस्से से पकड़कर घसीटा। उसने कहा, "बंदूक रखने के लिए मैं तुम्हें अपने साथ ले जाऊंगा। और तुम सबको भी साथ ले जाऊंगा यह देखने के लिए कि इस मजाक पर कौन हंसता है।"

काहिरा की भयभीत निगाहें अचानक एक तरफ घूमकर स्पेड के चेहरे पर टिक गईं।

स्पेड ने कहा: “बेवकूफ मत बनो, डंडी। बंदूक तो कारखाने का ही हिस्सा थी। ये मेरी ही है।” वह हँसा। “काश ये बत्तीस कैलिबर की होती, वरना शायद तुम पता लगा पाते कि थर्सबी और माइल्स को इसी बंदूक से गोली मारी गई थी।”

डंडी ने काइरो को छोड़ा, अपनी एड़ी पर घूमा और उसकी दाहिनी मुट्ठी स्पेड की ठोड़ी पर लगी।

ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी ने एक छोटी सी चीख निकाली।

टक्कर लगते ही स्पेड की मुस्कान पल भर के लिए गायब हो गई, लेकिन तुरंत ही उसमें एक स्वप्निल भाव जुड़ गया। उसने एक छोटा सा कदम पीछे लेकर खुद को संभाला और उसके मोटे, ढलानदार कंधे कोट के नीचे फड़कने लगे। इससे पहले कि वह मुक्का उठा पाता, टॉम पोलहॉस दोनों आदमियों के बीच आ गया और स्पेड की ओर मुँह करके खड़ा हो गया, अपने तगड़े पेट और बाहों की निकटता से स्पेड की बाहों को जकड़ लिया।

“नहीं, नहीं, भगवान के लिए!” टॉम ने विनती की।

कुछ देर तक स्थिर रहने के बाद स्पेड की मांसपेशियां शिथिल हो गईं। "तो फिर इसे जल्दी से यहां से बाहर निकालो," उसने कहा। उसकी मुस्कान फिर से गायब हो गई थी, जिससे उसका चेहरा उदास और कुछ पीला पड़ गया था।

स्पेड के करीब रहते हुए, स्पेड की बाहों पर अपनी बाहें रखे हुए, टॉम ने अपना सिर घुमाकर लेफ्टिनेंट डंडी की ओर देखा। टॉम की छोटी-छोटी आँखों में तिरस्कार का भाव था।

डंडी की मुट्ठियाँ उसके शरीर के सामने कसी हुई थीं और उसके पैर फर्श पर मजबूती से और थोड़ा अलग-अलग रखे हुए थे, लेकिन उसके चेहरे की उग्रता हरी पुतलियों और ऊपरी पलकों के बीच दिखाई देने वाली सफेद पतली लकीरों से कुछ हद तक कम हो गई थी।

“उनके नाम और पते पता करो,” उसने आदेश दिया।

टॉम ने काहिरा की ओर देखा, जिसने तुरंत कहा: "जोएल काहिरा, होटल बेल्वेडेरे।"
टॉम के लड़की से सवाल करने से पहले ही स्पेड बोल पड़ा, "आप मिस ओ'शॉघनेसी से मेरे माध्यम से कभी भी संपर्क कर सकते हैं।"
टॉम ने डंडी की ओर देखा। डंडी गुर्राया: "उसका पता पता करो।"
स्पेड ने कहा: "उनका पता मेरे कार्यालय के पते पर उपलब्ध है।"
डंडी एक कदम आगे बढ़ा और लड़की के सामने रुक गया। उसने पूछा, "तुम कहाँ रहती हो?"
स्पेड ने टॉम से कहा, "इसे यहाँ से बाहर निकालो। मैं इससे तंग आ चुका हूँ।"
टॉम ने स्पेड की कठोर और चमकती आँखों की ओर देखा और बुदबुदाया: "आराम से रहो, सैम।" उसने अपना कोट बंद किया और डंडी की ओर मुड़कर बनावटी सहजता से पूछा, "तो बस इतना ही?" और दरवाजे की ओर एक कदम बढ़ाया।
डंडी के गुस्से भरे चेहरे से उसकी अनिर्णय की स्थिति छिपी नहीं रह सकी।
कैरो अचानक दरवाजे की ओर बढ़ा और बोला: "मैं भी जा रहा हूँ, अगर श्री स्पेड कृपा करके मुझे मेरी टोपी और कोट दे दें।"
स्पेड ने पूछा: "इतनी जल्दी क्या है?"
डंडी ने गुस्से से कहा: "यह सब मजाक में था, लेकिन फिर भी आपको उनके साथ यहां अकेले रह जाने से डर लगता है।"
“बिल्कुल नहीं,” लेवेंटाइन ने बेचैनी से हिलते हुए, उन दोनों में से किसी की ओर न देखते हुए जवाब दिया, “लेकिन काफी देर हो चुकी है और—और मैं जा रहा हूँ। अगर आपको कोई आपत्ति न हो तो मैं आपके साथ बाहर चलूँगा।”
डंडी ने अपने होंठ कसकर बंद कर लिए और कुछ नहीं बोला। उसकी हरी आँखों में एक चमक थी।
स्पेड गलियारे में स्थित कोठरी में गया और काहिरा की टोपी और कोट ले आया। स्पेड का चेहरा भावहीन था। कोट पहनाने में मदद करने के बाद जब वह पीछे हटा और टॉम से बोला, "उसे कहो कि बंदूक वहीं छोड़ दे," तो उसकी आवाज़ में भी वही भावहीनता थी।
डंडी ने काइरो की पिस्तौल उसके ओवरकोट की जेब से निकाली और मेज पर रख दी। वह सबसे पहले बाहर निकला, काइरो उसके पीछे-पीछे चल रहा था। टॉम स्पेड के सामने रुका और बुदबुदाया, "भगवान करे तुम्हें पता हो कि तुम क्या कर रहे हो," कोई जवाब न मिलने पर उसने आह भरी और बाकी लोगों के पीछे-पीछे बाहर चला गया। स्पेड उनके पीछे गलियारे के मोड़ तक गया, जहाँ वह तब तक खड़ा रहा जब तक टॉम ने गलियारे का दरवाजा बंद नहीं कर दिया।

9
ब्रिगिड

स्पेड लिविंग रूम में लौटा और सोफे के एक कोने पर बैठ गया, कोहनियाँ घुटनों पर टिकाए, गाल हाथों में दबाए, फर्श की ओर देखते हुए, न कि ब्रिजिड ओ'शॉघनेसी की ओर जो आर्मचेयर पर बैठी उसे देखकर हल्की सी मुस्कान बिखेर रही थी। उसकी आँखें मोहक थीं। नाक के ऊपर भौंहों के बीच की झुर्रियाँ गहरी थीं। साँस लेने के साथ ही उसके नथुने अंदर-बाहर हो रहे थे।

जब यह स्पष्ट हो गया कि वह उसकी ओर नहीं देखने वाला है, तो ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी ने मुस्कुराना बंद कर दिया और बढ़ती बेचैनी के साथ उसे देखने लगी।

अचानक उसके चेहरे पर क्रोध की लालिमा छा गई और वह कर्कश, भारी आवाज में बोलने लगा। अपने गुस्से से लाल चेहरे को हाथों में थामे, ज़मीन पर घूरते हुए, उसने लगातार पाँच मिनट तक डंडी को अपशब्द कहे, अश्लील, अपमानजनक, बार-बार, कर्कश आवाज में।

फिर उसने अपने हाथों से अपना चेहरा हटाया, लड़की की तरफ देखा, शरमाते हुए मुस्कुराया और बोला: “बचकाना है ना? मुझे पता है, लेकिन कसम से, मुझे बिना पलटवार किए मार खाना बिल्कुल पसंद नहीं।” उसने सावधानी से अपनी ठुड्डी को छुआ। “वैसे भी वो कोई बहुत ज़ोरदार मुक्का नहीं था।” वह हँसा और सोफे पर आराम से लेट गया, पैर मोड़कर। “जीतने के लिए ये कीमत तो मामूली सी है।” उसकी भौंहें पल भर के लिए सिकुड़ गईं। “लेकिन मैं इसे याद रखूंगा।”

लड़की फिर से मुस्कुराते हुए अपनी कुर्सी से उठी और उसके बगल में सोफे पर बैठ गई। उसने कहा, "तुम अब तक के सबसे मनमौजी इंसान हो जिन्हें मैं जानती हूँ। क्या तुम हमेशा इतने ही अकड़ू रहते हो?"

मैंने उसे मुझे मारने दिया, है ना?

"ओह, हाँ, लेकिन एक पुलिस अधिकारी।"

“बात वो नहीं थी,” स्पेड ने समझाया। “बात ये थी कि अपना आपा खोकर और मुझ पर हमला करके उसने हद पार कर दी। अगर मैं उससे भिड़ जाता तो वो पीछे नहीं हट सकता था। उसे अपना काम करना ही पड़ता, और हमें मुख्यालय में ये बेतुकी कहानी सुनानी पड़ती।” उसने लड़की को ध्यान से देखा और पूछा: “तुमने काहिरा के साथ क्या किया?”

“कुछ नहीं।” उसका चेहरा लाल हो गया। “मैंने उन्हें जाने तक उसे शांत रखने के लिए डराने की कोशिश की, लेकिन या तो वह बहुत डर गया या जिद्दी हो गया और चिल्लाने लगा।”

“और फिर तुमने उसे बंदूक से मारा?”

मुझे ऐसा करना पड़ा। उसने मुझ पर हमला किया था।

“तुम्हें पता नहीं है कि तुम क्या कर रहे हो।” स्पेड की मुस्कान में उसकी झुंझलाहट छिपी नहीं थी। “मैंने तुमसे यही कहा था: तुम बस अंदाजे और भगवान भरोसे ही काम चला रहे हो।”
"मुझे माफ कर दो," उसने पश्चाताप से भरे चेहरे और आवाज में कहा, "सैम।"
“हाँ, बिलकुल।” उसने अपनी जेब से तंबाकू और कागज़ निकाले और सिगरेट बनाने लगा। “अब काहिरा से तुम्हारी बात हो गई। अब मुझसे बात करो।”
उसने अपनी उंगली मुंह पर रखी और चौड़ी आँखों से कमरे के दूसरी ओर खालीपन को घूरने लगी, फिर सिकुड़ी हुई आँखों से उसने स्पेड की ओर एक नज़र डाली। वह सिगरेट बनाने में मग्न था। "ओह, हाँ," उसने कहना शुरू किया, "बिल्कुल—" उसने उंगली मुंह से हटाई और अपनी नीली पोशाक को घुटनों पर ठीक किया। उसने अपने घुटनों को देखकर भौंहें सिकोड़ीं।
स्पेड ने अपनी सिगरेट को चाटा, सील बंद की और लाइटर ढूंढते हुए पूछा, "तो?"
“लेकिन,” उसने शब्दों के बीच रुकते हुए कहा, मानो वह शब्दों को बहुत सावधानी से चुन रही हो, “मुझे उससे बात पूरी करने का समय ही नहीं मिला।” उसने अपने घुटनों की ओर देखना बंद किया और स्पष्ट आँखों से स्पेड की ओर देखा। “हमारी बातचीत शुरू होने से पहले ही लगभग बीच में ही रुक गई।”
स्पेड ने सिगरेट जलाई और ज़ोर से हँसा, उसका सारा धुआँ निकल गया। "क्या मैं उसे फ़ोन करके वापस आने के लिए कहूँ?"
उसने सिर हिलाया, मुस्कुराई नहीं। सिर हिलाते हुए उसकी आँखें पलकों के बीच बार-बार घूम रही थीं, लेकिन उसकी नज़रें स्पेड की आँखों पर टिकी हुई थीं। उसकी आँखों में जिज्ञासा थी।
स्पेड ने अपना हाथ उसकी पीठ पर रखा और अपने से दूर वाले चिकने, नंगे, सफेद कंधे पर हाथ फेरा। वह उसकी बांह के सहारे पीछे झुक गई। उसने कहा: "ठीक है, मैं सुन रहा हूँ।"
उसने शरारती अंदाज़ में मुस्कुराते हुए अपना सिर घुमाकर उससे पूछा: "क्या इसके लिए आपको अपना हाथ वहाँ रखने की ज़रूरत है?"
“नहीं।” उसने अपना हाथ उसके कंधे से हटा लिया और अपनी बांह को उसके पीछे नीचे गिरा दिया।
"तुम तो बिलकुल अप्रत्याशित हो," उसने धीरे से कहा।
उन्होंने सिर हिलाया और सौहार्दपूर्ण ढंग से कहा: "मैं अभी भी सुन रहा हूँ।"
"समय देखो!" उसने चिल्लाते हुए किताब के ऊपर रखी अलार्म घड़ी की ओर उंगली हिलाई, जिसकी बेढंगी सुइयां ढाई बज रही थीं।
"हाँ, आज शाम काफी व्यस्त रही।"
“मुझे जाना होगा।” वह सोफे से उठी। “यह बहुत बुरा है।”
स्पेड नहीं उठा। उसने सिर हिलाकर कहा, "जब तक तुम मुझे इसके बारे में नहीं बता देते, तब तक नहीं।"
"लेकिन समय तो देखो," उसने विरोध करते हुए कहा, "तुम्हें बताने में घंटों लग जाएंगे।"
"तो फिर उन्हें ही यह काम करना होगा।"

“क्या मैं कैदी हूँ?” उसने खुशी से पूछा।
“इसके अलावा, बाहर वो बच्चा है। शायद वो अभी तक घर जाकर सोया नहीं है।”
उसकी खुशी गायब हो गई। "क्या आपको लगता है कि वह अभी भी वहीं है?"
"ऐसा होने की संभावना है।"
वह कांप उठी। "क्या आप पता लगा सकते हैं?"
मैं नीचे जाकर देख सकता हूँ।
"ओह, यह तो—क्या आप करेंगे?"
स्पेड ने कुछ देर तक उसके चिंतित चेहरे को देखा और फिर सोफे से उठते हुए बोला, "ज़रूर।" उसने अलमारी से टोपी और ओवरकोट निकाला। "मैं लगभग दस मिनट में चला जाऊंगा।"
"सावधान रहना," उसने विनती करते हुए कहा और उसके पीछे-पीछे गलियारे के दरवाजे तक चली गई।
उसने कहा, "मैं करूँगा," और बाहर चला गया।
जब स्पेड पोस्ट स्ट्रीट में दाखिल हुआ तो वह बिल्कुल खाली थी। वह एक ब्लॉक पूरब की ओर चला, सड़क पार की, दूसरी तरफ दो ब्लॉक पश्चिम की ओर चला, फिर से सड़क पार की और अपने भवन में लौट आया। उसे गैरेज में कार पर काम कर रहे दो मैकेनिकों के अलावा कोई और नहीं दिखा।
जब उसने अपने अपार्टमेंट का दरवाजा खोला तो ब्रिगेड ओ'शॉघनेसी गलियारे के मोड़ पर खड़ी थी, और काहिरा की पिस्तौल को अपनी बगल में सीधा नीचे की ओर पकड़े हुए थी।
"वह अभी भी वहीं है," स्पेड ने कहा।
उसने अपने होंठ के अंदरूनी हिस्से को दांतों से दबाया और धीरे से मुड़कर बैठक कक्ष में वापस चली गई। स्पेड उसके पीछे-पीछे अंदर आया, अपनी टोपी और ओवरकोट एक कुर्सी पर रखा, बोला, "तो हमें बात करने का समय मिल जाएगा," और रसोई में चला गया।
जब वह दरवाजे पर आई, तब तक वह कॉफी पॉट को चूल्हे पर रख चुका था और फ्रेंच ब्रेड की एक पतली लोफ काट रहा था। वह दरवाजे पर खड़ी होकर उसे मग्न निगाहों से देखती रही। उसके बाएं हाथ की उंगलियां लापरवाही से उस पिस्तौल के ऊपरी भाग और बैरल को सहला रही थीं, जिसे वह अभी भी अपने दाहिने हाथ में पकड़े हुए थी।
"टेबल क्लॉथ वहीं है," उसने नाश्ते के लिए बने एक हिस्से के रूप में इस्तेमाल होने वाली अलमारी की ओर ब्रेड काटने वाले चाकू से इशारा करते हुए कहा।
उसने मेज सजाई जबकि उसने कटी हुई छोटी-छोटी अंडाकार ब्रेड पर लिवरवर्ट फैलाया या उनके बीच ठंडा कॉर्नड बीफ़ रखा। फिर उसने कॉफ़ी डाली, एक छोटी बोतल से उसमें ब्रांडी मिलाई और वे मेज पर बैठ गए। वे एक बेंच पर अगल-बगल बैठे। उसने पिस्तौल को अपने पास वाली बेंच के किनारे पर रख दिया।
उन्होंने कहा, "आप अभी, खाना खाते-खाते, शुरू कर सकते हैं।"

उसने उसकी तरफ मुंह बनाया, शिकायत की, "तुम तो सबसे ज्यादा जिद्दी इंसान हो," और एक सैंडविच का टुकड़ा खा लिया।
“हाँ, और जंगली और अप्रत्याशित। यह कौन सा पक्षी है, यह बाज़ है, जिसके बारे में हर कोई इतना उत्साहित है?”
उसने मुंह में रखे मांस और रोटी को चबाया, निगल लिया, सैंडविच के किनारे पर मांस और रोटी को निकालने से बने छोटे से अर्धचंद्राकार निशान को ध्यान से देखा और पूछा: "मान लो मैं तुम्हें न बताऊं? मान लो मैं तुम्हें इसके बारे में कुछ भी न बताऊं? तुम क्या करोगे?"
"आपका मतलब उस पक्षी के बारे में है?"
मेरा मतलब है, पूरी बात के बारे में।
"मुझे ज्यादा हैरानी नहीं होगी अगर मुझे पता हो कि आगे क्या करना है," उसने मुस्कुराते हुए उससे कहा, जिससे उसके जबड़े के दांतों के किनारे दिखाई दे रहे थे।
“और वो क्या होगा?” उसने सैंडविच से नज़र हटाकर उसके चेहरे पर डाली। “मैं यही तो जानना चाहती थी: तुम आगे क्या करोगे?”
उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।
उसके चेहरे पर व्यंग्य भरी मुस्कान झलक रही थी। "कुछ जंगली और अप्रत्याशित?"
“शायद। लेकिन मुझे नहीं लगता कि अब इसे छुपाने से तुम्हें कुछ फायदा होगा। यह धीरे-धीरे सामने आ ही रहा है। इसमें से बहुत कुछ मुझे नहीं पता, लेकिन कुछ बातें मुझे पता हैं, और कुछ का मैं अंदाज़ा लगा सकता हूँ, और अगर मुझे ऐसा ही एक और दिन मिल जाए, तो जल्द ही मुझे इसके बारे में ऐसी बातें पता चल जाएँगी जो तुम्हें नहीं पता होंगी।”
“मुझे लगता है अब आपको पता चल गया होगा,” उसने अपने सैंडविच को दोबारा देखते हुए, गंभीर चेहरे के साथ कहा। “लेकिन—ओह!—मैं इससे बहुत थक गई हूँ, और मुझे इसके बारे में बात करना बिल्कुल पसंद नहीं है। क्या यह बेहतर नहीं होगा कि हम थोड़ा इंतज़ार करें और आपको इसके बारे में जानने दें, जैसा कि आपने कहा है?”
स्पेड हँस पड़ा। “मुझे नहीं पता। आपको खुद ही इसका पता लगाना होगा। मेरा सीखने का तरीका है मशीनरी में बेतरतीब और अप्रत्याशित गड़बड़ी करना। मुझे कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते आप आश्वस्त हों कि उड़ते हुए टुकड़ों में से कोई भी आपको चोट नहीं पहुँचाएगा।”
उसने अपने नंगे कंधों को बेचैनी से हिलाया, लेकिन कुछ नहीं कहा। कई मिनट तक वे चुपचाप खाते रहे, वह शांत भाव से, वह सोच-विचार करते हुए। फिर उसने धीमी आवाज़ में कहा: "मुझे तुमसे डर लगता है, और यही सच है।"
उन्होंने कहा: "यह सच नहीं है।"
“हाँ,” उसने उसी धीमी आवाज़ में ज़ोर देकर कहा। “मैं दो आदमियों को जानती हूँ जिनसे मुझे डर लगता है और मैंने उन दोनों को आज रात देखा है।”

स्पेड ने कहा, "मैं समझ सकता हूँ कि तुम काहिरा से क्यों डरते हो। वह तुम्हारी पहुँच से बाहर है।"
“और आप नहीं हैं?”
“उस तरह से नहीं,” उसने कहा और मुस्कुराया।
वह शरमा गई। उसने भूरे रंग के लिवरवर्ट से ढकी रोटी का एक टुकड़ा उठाया। उसने उसे अपनी थाली में रख दिया। उसने अपने सफेद माथे पर शिकन डाली और बोली: "यह एक काली आकृति है, जैसा कि आप जानते हैं, चिकनी और चमकदार, एक पक्षी की, शायद बाज या फाल्कन की, लगभग इतनी ही ऊँचाई की।" उसने अपने हाथों को एक फुट की दूरी पर फैलाया।
“इसे महत्वपूर्ण क्या बनाता है?”
कॉफी और ब्रांडी की एक-दो घूंट पीने के बाद उसने सिर हिलाया। "मुझे नहीं पता," उसने कहा। "वे मुझे कभी नहीं बताएंगे। उन्होंने मुझसे वादा किया था कि अगर मैं उनकी मदद करूँगी तो वे मुझे पाँच सौ पाउंड देंगे। फिर जो से मिलने के बाद, फ्लॉयड ने कहा कि वह मुझे सात सौ पचास पाउंड देगा।"
तो इसकी कीमत पचहत्तर सौ डॉलर से अधिक होनी चाहिए?
“ओह, उससे कहीं ज़्यादा,” उसने कहा। “उन्होंने यह दिखावा नहीं किया कि वे मेरे साथ बराबर का हिस्सा बाँट रहे हैं। वे बस मुझे अपनी मदद के लिए काम पर रख रहे थे।”
“उनकी मदद कैसे करें?”
उसने अपना प्याला दोबारा होठों तक उठाया। स्पेड, अपनी पीली-भूरी आँखों की दबंग निगाहें उसके चेहरे से हटाए बिना, सिगरेट बनाने लगा। उनके पीछे चूल्हे पर परकोलेटर उबल रहा था।
"उन्हें उस आदमी से इसे हासिल करने में मदद करने के लिए, जिसके पास यह था," उसने अपना कप नीचे रखते हुए धीरे से कहा, "एक रूसी जिसका नाम केमिडोव था।"
"कैसे?"
“ओह, लेकिन यह महत्वपूर्ण नहीं है,” उसने आपत्ति जताते हुए कहा, “और इससे आपको कोई मदद नहीं मिलेगी”—वह बेशर्मी से मुस्कुराई—“और निश्चित रूप से यह आपका मामला नहीं है।”
“यह कांस्टेंटिनोपल में था?”
वह हिचकिचाई, सिर हिलाया और बोली: "मारमोरा।"
उसने सिगरेट लहराते हुए उससे कहा: "बताओ, फिर क्या हुआ?"
“बस इतना ही। मैंने आपको बताया है। उन्होंने मुझसे मदद के बदले पाँच सौ पाउंड देने का वादा किया था और मैंने दे भी दिए। फिर हमें पता चला कि जो कैरो हमें छोड़कर भागने वाला था, बाज़ को अपने साथ ले जाकर और हमें कुछ भी नहीं छोड़कर। तो हमने भी उसके साथ ठीक वैसा ही किया। लेकिन फिर भी मेरी हालत पहले से बेहतर नहीं हुई, क्योंकि फ्लॉयड का मुझे सात सौ पचास पाउंड देने का कोई इरादा ही नहीं था, जिसका उसने मुझसे वादा किया था। यहाँ पहुँचने तक मुझे यह पता चल चुका था। उसने कहा था कि हम न्यूयॉर्क जाएँगे, जहाँ वह उसे बेचकर मुझे मेरा हिस्सा दे देगा, लेकिन मुझे

समझ आ गया था कि वह मुझसे झूठ बोल रहा है।" गुस्से से उसकी आँखें बैंगनी हो गई थीं। "और इसीलिए मैं आपके पास आई हूँ ताकि आप मुझे बाज़ का पता लगाने में मदद करें।"
"और मान लीजिए कि आपको वह मिल गया होता? तब क्या होता?"
"तब मैं मिस्टर फ्लॉयड थर्सबी के साथ शर्तों पर बातचीत करने की स्थिति में होता।"
स्पेड ने उसे तिरछी नज़रों से देखते हुए कहा: "लेकिन तुम्हें यह नहीं पता होता कि इसे कहाँ ले जाना है ताकि तुम्हें उससे ज़्यादा पैसे मिल सकें, वह बड़ी रकम जिसके लिए वह इसे बेचने की उम्मीद कर रहा था?"
"मुझे पता नहीं था," उसने कहा।
स्पेड ने अपनी थाली में डाली राख को घूरते हुए कहा, "इतने पैसे खर्च करने का क्या मतलब है?" उसने पूछा। "तुम्हें कुछ तो अंदाजा होगा, कम से कम अनुमान तो लगा सको।"
मुझे इस बारे में जरा भी जानकारी नहीं है।
उसने गुस्से से उसकी ओर देखते हुए पूछा, "यह किस चीज से बना है?"
"पोर्सिलेन या काला पत्थर। मुझे नहीं पता। मैंने इसे कभी छुआ नहीं है। मैंने इसे सिर्फ एक बार, कुछ मिनटों के लिए देखा है। जब हमने इसे पहली बार हासिल किया था, तब फ्लॉयड ने मुझे इसे दिखाया था।"
स्पेड ने अपनी सिगरेट का आखिरी सिरा प्लेट में मसल दिया और कप में रखी कॉफी और ब्रांडी का एक घूंट लिया। उसके चेहरे से गुस्सा गायब हो गया था। उसने नैपकिन से अपने होंठ पोंछे, उसे मेज पर पटक दिया और लापरवाही से बोला: "तुम झूठे हो।"
वह उठी और मेज के छोर पर खड़ी हो गई, शर्म से लाल और गुलाबी पड़ते चेहरे के साथ गहरी आँखों से उसे नीचे देखती हुई बोली, "मैं झूठी हूँ। मैं हमेशा से झूठी रही हूँ।"
"इसके बारे में शेखी मत बघारो। ये बचकाना है।" उनकी आवाज़ में हास्य था। वे मेज और बेंच के बीच से बाहर आए। "क्या उस कहानी में ज़रा भी सच्चाई थी?"
उसने अपना सिर झुका लिया। उसकी काली पलकों पर नमी की चमक थी। "कुछ," उसने फुसफुसाते हुए कहा।
"कितना?"
"नहीं—बहुत ज्यादा नहीं।"
स्पेड ने उसके ठोड़ी के नीचे हाथ रखकर उसका सिर उठाया। उसने उसकी नम आँखों में देखकर हँसते हुए कहा, "हमारे पास पूरी रात है। मैं थोड़ी और ब्रांडी कॉफी में मिलाता हूँ और हम फिर कोशिश करेंगे।"
उसकी पलकें झुक गईं। "ओह, मैं बहुत थक गई हूँ," उसने कांपती हुई आवाज़ में कहा, "इन सब से, खुद से, झूठ बोलने और झूठ गढ़ने से, और यह न जानने से कि झूठ क्या है और सच क्या है, मैं बहुत थक गई हूँ। काश मैं—"

उसने अपने हाथ स्पेड के गालों पर रखे, अपना खुला मुंह उसके मुंह से सटा दिया, और अपना शरीर उसके शरीर से सटा लिया।

स्पेड ने अपनी बाहों में उसे कसकर पकड़ लिया, उसकी नीली आस्तीनों में मांसपेशियां उभरी हुई थीं, एक हाथ उसके सिर को थामे हुए था, उंगलियां उसके लाल बालों में आधी खोई हुई थीं, दूसरा हाथ उसकी पतली पीठ पर धीरे-धीरे फेर रहा था। उसकी आंखें पीली चमक रही थीं।

10
बेल्वेडेरे दीवान

दिन निकलने के साथ ही रात धुंधली सी हो गई थी, तभी स्पेड उठ बैठा। उसके बगल में ब्रिगेड ओ'शॉघनेसी की धीमी साँसें गहरी नींद में होने का संकेत दे रही थीं। स्पेड चुपचाप बिस्तर और शयनकक्ष से बाहर निकला और दरवाजा बंद कर लिया। उसने बाथरूम में कपड़े बदले। फिर उसने सो रही लड़की के कपड़ों की जाँच की, उसके कोट की जेब से पीतल की एक चपटी चाबी निकाली और बाहर चला गया।

वह कोरोनेट होटल गया और चाबी से इमारत में और उसके अपार्टमेंट में दाखिल हो गया। देखने में तो उसके अंदर जाने में कोई छुपकर होने का आभास नहीं था: वह निडरता और सीधे-सीधे अंदर चला गया। कानों को तो उसकी आवाज लगभग सुनाई ही नहीं दी: उसने बहुत ही कम आवाज की।

लड़की के कमरे में उसने सारी बत्तियाँ जला दीं। उसने पूरे कमरे को कोने-कोने तक छान मारा। उसकी आँखें और मोटी उंगलियाँ बिना किसी जल्दबाजी के, बिना कहीं रुके, बिना अटके, बिना पीछे हटे, हर कोने को बारीकी से टटोलते हुए, विशेषज्ञ की तरह आत्मविश्वास से परखती रहीं। हर दराज, अलमारी, छोटा कोना, डिब्बा, थैला, संदूक—चाहे खुला हो या बंद—को खोलकर उसकी हर चीज़ को आँखों और उंगलियों से परखा गया। हर कपड़े को हाथों से परखा गया, हाथों ने उभारों को महसूस किया और कानों ने उंगलियों के बीच कागज की सरसराहट सुनी। उसने बिस्तर से चादरें हटा दीं। उसने कालीनों के नीचे और हर फर्नीचर के नीचे देखा। उसने पर्दों को नीचे खींचकर देखा कि कहीं कुछ छिपा तो नहीं रखा गया है। उसने खिड़कियों से झाँककर देखा कि बाहर की तरफ उनके नीचे कुछ लटका तो नहीं है। उसने ड्रेसिंग टेबल पर रखे पाउडर और क्रीम के डिब्बों में कांटे से कुरेदा। उसने एटमाइज़र और बोतलों को रोशनी में रखकर देखा। उसने बर्तन, कड़ाही, खाना और खाने के डिब्बे देखे। उसने कूड़ेदान को अखबार की चादरों पर खाली किया। उसने बाथरूम के फ्लश बॉक्स का ढक्कन खोला, उसे खाली किया और उसमें झाँका। उसने बाथटब, वॉशबेसिन, सिंक और कपड़े धोने के टब के नालों पर लगी धातु की जाली की जाँच और परीक्षण किया।

उन्हें काली चिड़िया नहीं मिली। उन्हें ऐसी कोई चीज़ नहीं मिली जिसका काली चिड़िया से कोई संबंध प्रतीत होता हो। उन्हें केवल एक सप्ताह पुरानी रसीद मिली, जो ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी द्वारा एक महीने के अपार्टमेंट के किराए के लिए दी गई थी। उन्हें जो एकमात्र चीज़ मिली जिसने उन्हें अपनी खोज रोककर देखने के लिए प्रेरित किया, वह थी एक बंद ड्रेसिंग टेबल की दराज में रखे बहुरंगी बक्से में रखे कुछ बेहतरीन गहने।

काम खत्म करने के बाद उसने एक कप कॉफी बनाई और पी ली। फिर उसने रसोई की खिड़की का ताला खोला, अपनी जेब में रखे चाकू से उसके ताले के किनारे को थोड़ा खरोंचा, खिड़की खोली (जो आग से बचाव वाली सीढ़ी के ऊपर थी), बैठक में सोफे से अपनी टोपी और ओवरकोट उठाया और जिस तरह आया था उसी तरह अपार्टमेंट से निकल गया।

घर जाते समय वह एक दुकान पर रुका, जिसे एक सूजी हुई आंखों वाला, कांपता हुआ, मोटा दुकानदार खोल रहा था, और उसने संतरे, अंडे, ब्रेड रोल, मक्खन और क्रीम खरीदी।

स्पेड चुपचाप अपने अपार्टमेंट में चला गया, लेकिन इससे पहले कि वह गलियारे का दरवाजा बंद कर पाता, ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी चिल्लाई: "वह कौन है?"

“युवा स्पेड नाश्ता लेकर आया है।”

"ओह, तुमने मुझे डरा दिया!"

जिस कमरे का दरवाजा उसने बंद किया था, वह खुला हुआ था। लड़की कांपते हुए बिस्तर के किनारे बैठी थी, उसका दाहिना हाथ तकिए के नीचे छिपा हुआ था।

स्पेड ने अपने पैकेट रसोई की मेज पर रखे और बेडरूम में चला गया। वह लड़की के बगल में बिस्तर पर बैठ गया, उसके चिकने कंधे को चूमा और बोला: "मैं यह देखना चाहता था कि वह लड़का अभी भी काम पर है या नहीं, और नाश्ते के लिए कुछ सामान लेने आया था।"

"क्या वह है?"

"नहीं।"

उसने आह भरी और उसके कंधे से टिक गई। "मैं जाग उठी और तुम यहाँ नहीं थे, फिर मैंने किसी के आने की आवाज़ सुनी। मैं बहुत डर गई थी।"

स्पेड ने अपनी उंगलियों से उसके लाल बालों को चेहरे से पीछे हटाया और कहा: "मुझे माफ करना, मेरी प्यारी। मुझे लगा था कि तुम सोती रहोगी। क्या तुमने रात भर बंदूक अपने तकिए के नीचे रखी थी?"

“नहीं। आप जानते हैं कि मैंने ऐसा नहीं किया। मैं डर के मारे उछल पड़ा और उसे ले आया।”

उसने नाश्ता बनाया और फिर चुपके से पीतल की चपटी चाबी उसके कोट की जेब में रख दी, जबकि वह नहाकर कपड़े पहन रही थी।

वह बाथरूम से 'एन क्यूबा' गाना सीटी बजाते हुए बाहर आई। उसने पूछा, "क्या मैं बिस्तर ठीक कर दूं?"

“यह बहुत अच्छा होगा। अंडों को कुछ मिनट और चाहिए।”

जब वह रसोई में लौटी तो नाश्ता मेज पर लगा हुआ था। वे वहीं बैठ गए जहाँ वे पिछली रात बैठे थे और उन्होंने भरपेट भोजन किया।

“अब उस पक्षी के बारे में क्या?” स्पेड ने खाना खाते हुए थोड़ी देर बाद सुझाव दिया।

उसने अपना कांटा नीचे रखा और उसकी ओर देखा। उसने अपनी भौंहें सिकोड़ीं और मुंह छोटा और कस लिया। "आज सुबह, इतनी सुबह, मुझसे इस बारे में बात करने को मत कहो," उसने विरोध किया। "मैं नहीं चाहती और न ही करूंगी।"

"यह तो बहुत ही जिद्दी और बदचलन औरत है," उसने उदास होकर कहा और ब्रेड का एक टुकड़ा अपने मुंह में डाल लिया।

स्पेड का पीछा कर रहा युवक उस समय नज़र नहीं आया जब स्पेड और ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी टैक्सी की ओर फुटपाथ पार कर रहे थे। टैक्सी का कोई पीछा नहीं कर रहा था। टैक्सी के कोरोनेट पहुंचने पर न तो वह युवक और न ही कोई अन्य आवारागर्दी करने वाला व्यक्ति उसके आसपास दिखाई दिया।

ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी ने स्पेड को अपने साथ अंदर नहीं जाने दिया। "इस समय शाम की पोशाक में घर आना वैसे भी काफी बुरा है, ऊपर से किसी को साथ लाना तो और भी बुरा है। मुझे उम्मीद है कि मेरी मुलाकात किसी से न हो।"

"आज रात का खाना?"

"हाँ।"

उन्होंने चुंबन किया। वह कोरोनेट में चली गई। उसने ड्राइवर से कहा: "होटल बेल्वेडेरे।"

जब वह बेल्वेडेरे होटल पहुँचा तो उसने देखा कि जो युवक उसका पीछा कर रहा था, वह लॉबी में एक सोफे पर बैठा था जहाँ से लिफ्ट दिखाई दे रही थी। जाहिर तौर पर वह युवक अखबार पढ़ रहा था।

डेस्क पर पहुँचकर स्पेड को पता चला कि काहिरा मौजूद नहीं है। उसने भौंहें चढ़ाईं और अपने निचले होंठ को दबाया। उसकी आँखों में पीली रोशनी की किरणें नाचने लगीं। "धन्यवाद," उसने क्लर्क से धीरे से कहा और मुँह फेर लिया।

टहलते हुए, वह लॉबी पार करके उस सोफे तक पहुंचा जहां से लिफ्ट दिखाई देती थी और उस युवक के बगल में बैठ गया - उससे एक फुट से भी कम दूरी पर - जो जाहिर तौर पर अखबार पढ़ रहा था।

वह युवक अखबार से नज़रें नहीं हटा रहा था। इतनी कम दूरी से देखने पर वह निश्चित रूप से बीस वर्ष से कम आयु का प्रतीत हो रहा था। उसके चेहरे की बनावट उसकी कद-काठी के अनुरूप छोटी और सुगठित थी। उसकी त्वचा बेहद गोरी थी। उसके गालों की सफेदी दाढ़ी की घनी वृद्धि और रक्त की चमक दोनों से कम नहीं हुई थी। उसके कपड़े न तो नए थे और न ही साधारण से अधिक उत्तम थे, लेकिन उनमें और उनके पहनने के तरीके में एक कठोर, मर्दाना, सलीके की झलक थी।

स्पेड ने लापरवाही से पूछा, "वह कहाँ है?" और साथ ही उसने तंबाकू को एक घुमावदार भूरे कागज पर गिरा दिया ताकि वह उसे पकड़ सके।

लड़के ने अपना कागज़ नीचे रखा और चारों ओर देखा, एक उद्देश्यपूर्ण धीमी गति से आगे बढ़ते हुए, मानो उसकी स्वाभाविक फुर्ती पर कोई रोक लगी हो। उसने अपनी छोटी भूरी आँखों से, जिन पर कुछ लंबी घुमावदार पलकें थीं, स्पेड की छाती को देखा। उसने अपने युवा चेहरे की तरह ही भावहीन, संयमित और ठंडी आवाज़ में कहा: "क्या?"

“वह कहाँ है?” स्पेड सिगरेट पीने में व्यस्त था।
"कौन?"
"परी।"
भूरी आँखों की निगाह स्पेड की छाती पर जाकर उसकी मैरून टाई की गाँठ पर टिक गई। "तुम क्या कर रहे हो, जैक?" लड़के ने पूछा। "क्या तुम मुझसे मज़ाक कर रहे हो?"
“मैं तुम्हें बता दूंगा जब मैं तैयार हो जाऊंगा।” स्पेड ने अपनी सिगरेट चाटी और लड़के की ओर दोस्ताना मुस्कान के साथ देखा। “न्यूयॉर्क से हो, है ना?”
लड़का स्पेड की टाई को घूरता रहा और कुछ नहीं बोला। स्पेड ने सिर हिलाया मानो लड़के ने हाँ कह दी हो और पूछा: "बाउम्स रश?"
लड़का कुछ देर तक स्पेड की टाई को घूरता रहा, फिर उसने अपना अखबार उठाया और वापस उसी पर ध्यान देने लगा। "दफा हो जाओ," उसने मुंह के एक कोने से कहा।
स्पेड ने अपनी सिगरेट जलाई, सोफे पर आराम से पीछे झुक गया और सौम्य लापरवाही से बोला: "तुम्हारे काम खत्म होने से पहले तुम्हें मुझसे बात करनी होगी, बेटे—तुममें से कुछ को करनी ही होगी—और तुम जी को बता देना कि मैंने ऐसा कहा है।"
लड़के ने अपना कागज़ जल्दी से नीचे रख दिया और स्पेड की ओर मुँह करके, अपनी उदास भूरी आँखों से उसकी टाई को घूरने लगा। लड़के के छोटे हाथ उसके पेट पर फैले हुए थे। "माँगते रहोगे तो तुम्हें मिल जाएगा, खूब सारा।" उसकी आवाज़ धीमी, सपाट और धमकी भरी थी। "मैंने तुम्हें कहा था दफ़ा हो जाओ। दफ़ा हो जाओ।"
स्पेड तब तक इंतज़ार करता रहा जब तक कि चश्मा पहने एक मोटे आदमी और पतली टांगों वाली एक गोरी लड़की उसकी आवाज़ से ओझल नहीं हो गए। फिर वह हँसते हुए बोला, “सेवंथ एवेन्यू पर तो ये खूब चलता। लेकिन अब तुम रोमविले में नहीं हो। तुम मेरे कस्बे में हो।” उसने सिगरेट का धुआँ अंदर खींचा और उसे एक लंबे, हल्के बादल की तरह बाहर निकाला। “तो, वो कहाँ है?”
लड़के ने दो शब्द बोले, पहला एक छोटा सा कर्कश क्रियापद, दूसरा "तुम"।
“इस तरह बात करने से लोगों के दांत टूट जाते हैं।” स्पेड की आवाज़ में अभी भी सौहार्द था, हालांकि उसका चेहरा भावहीन हो गया था। “अगर तुम यहाँ रुकना चाहते हो तो शिष्टता से पेश आओ।”
लड़के ने अपने दोनों शब्द दोहराए।
स्पेड ने अपनी सिगरेट सोफे के बगल में रखे एक ऊंचे पत्थर के जार में डाल दी और हाथ उठाकर सिगार स्टैंड के एक कोने पर कई मिनटों से खड़े एक व्यक्ति का ध्यान अपनी ओर खींचा। उस व्यक्ति ने सिर हिलाया और उनकी ओर बढ़ा। वह मध्यम कद का, गोल और पीला चेहरा लिए, गठीला शरीर वाला, गहरे रंग के साफ-सुथरे कपड़े पहने एक अधेड़ उम्र का व्यक्ति था।
"हेलो, सैम," उसने पास आते हुए कहा।
"हैलो, ल्यूक।"

उन्होंने हाथ मिलाया और ल्यूक ने कहा: "देखो, माइल्स के बारे में सुनकर बहुत बुरा लगा।"
“हम्म, बुरी किस्मत।” स्पेड ने अपने बगल में सोफे पर बैठे लड़के की ओर इशारा करते हुए सिर हिलाया। “तुम इन घटिया बंदूकधारियों को अपने लॉबी में क्यों घूमने देते हो, जिनके कपड़ों में उनके हथियार भरे हुए हैं?”
“जी?” ल्यूक ने अचानक सख्त हुए चेहरे पर चालाक भूरी आँखों से लड़के को गौर से देखा। “तुम्हें यहाँ क्या चाहिए?” उसने पूछा।
लड़का खड़ा हो गया। स्पेड भी खड़ा हो गया। लड़के ने दोनों आदमियों को, उनकी टाई को बारी-बारी से देखा। ल्यूक की टाई काली थी। उनके सामने खड़ा लड़का किसी स्कूली बच्चे जैसा लग रहा था।
ल्यूक ने कहा: "ठीक है, अगर तुम्हें कुछ नहीं चाहिए, तो चले जाओ और वापस मत आना।"
लड़के ने कहा, "मैं तुम लोगों को नहीं भूलूंगा," और बाहर चला गया।
उन्होंने उसे बाहर जाते हुए देखा। स्पेड ने अपनी टोपी उतारी और अपने गीले माथे को रूमाल से पोंछा।
होटल के जासूस ने पूछा: "यह क्या है?"
“मुझे क्या पता,” स्पेड ने जवाब दिया। “बस संयोग से मेरी नज़र उस पर पड़ गई। क्या आप जोएल कायरो (छह बजकर पैंतीस मिनट) के बारे में कुछ जानते हैं?”
“ओह, वो वाला!” होटल के जासूस ने घूरते हुए कहा।
वह यहां कब से है?
“चार दिन हो गए। यह पांचवा दिन है।”
"उसकी क्या खबर है?"
"सैम, तुम मुझे बता नहीं सकते। मुझे उसकी शक्ल के अलावा उससे कोई शिकायत नहीं है।"
"पता लगाओ कि वह कल रात आया था या नहीं?"
“कोशिश करो,” होटल के जासूस ने वादा किया और चला गया। स्पेड उसके लौटने तक सोफे पर बैठा रहा। “नहीं,” ल्यूक ने बताया, “वह अपने कमरे में नहीं सोया। क्या बात है?”
"कुछ नहीं।"
"सच-सच बता दो। तुम जानते हो कि मैं चुप रहूंगा, लेकिन अगर कुछ गड़बड़ है तो हमें इसके बारे में पता होना चाहिए ताकि हम अपना बिल वसूल सकें।"
“ऐसा कुछ नहीं है,” स्पेड ने उसे आश्वस्त करते हुए कहा। “दरअसल, मैं उसके लिए थोड़ा काम कर रहा हूँ। अगर वह गलत होता तो मैं तुम्हें बता देता।”
"बेहतर होगा कि आप ऐसा करें। क्या आप चाहते हैं कि मैं उस पर नज़र रखूँ?"
"शुक्रिया, ल्यूक। इसमें कोई हर्ज नहीं है। आजकल जिनके लिए आप काम कर रहे हैं, उनके बारे में जितना हो सके उतना जानना जरूरी है।"

लिफ्ट के दरवाज़े पर लगी घड़ी में ग्यारह बजकर इक्कीस मिनट हो रहे थे जब जोएल कायरो सड़क से अंदर आया। उसके माथे पर पट्टी बंधी थी। उसके कपड़े लगातार कई घंटों तक पहने रहने के कारण बेजान और पुराने लग रहे थे। उसका चेहरा पीला पड़ गया था, होंठ और पलकें लटकी हुई थीं।
स्पेड ने डेस्क के सामने उससे मुलाकात की। "सुप्रभात," स्पेड ने सहजता से कहा।
कैरो ने अपने थके हुए शरीर को सीधा किया और उसके चेहरे की लटकती रेखाएं तन गईं। "सुप्रभात," उसने बिना किसी उत्साह के जवाब दिया।
कुछ देर का विराम रहा।
स्पेड ने कहा: "चलो कहीं ऐसी जगह चलते हैं जहाँ हम बात कर सकें।"
कैरो ने अपनी ठुड्डी ऊपर उठाई। "मुझे क्षमा करें," उसने कहा। "निजी तौर पर हमारी बातचीत ऐसी नहीं रही कि मैं उसे जारी रखने के लिए उत्सुक हूँ। सीधे-सीधे बोलने के लिए मुझे क्षमा करें, लेकिन यही सच है।"
“तुम्हारा मतलब कल रात से है?” स्पेड ने सिर और हाथों से अधीरता का इशारा किया। “मैं और क्या कर सकता था? मुझे लगा था कि तुम देख लोगे। अगर तुम उससे झगड़ा करोगे, या उसे तुमसे झगड़ा करने दोगे, तो मुझे भी उसका साथ देना पड़ेगा। मुझे नहीं पता वो कमीनी चिड़िया कहाँ है। तुम्हें नहीं पता। उसे पता है। अगर मैं उसका साथ नहीं दूंगा तो हमें वो कैसे मिलेगी?”
काहिरा हिचकिचाया और संदेह भरे लहजे में बोला: "मुझे कहना होगा कि आपके पास हमेशा एक सहज स्पष्टीकरण तैयार रहता है।"
स्पेड ने तेवर चढ़ाए। “तुम मुझसे क्या चाहते हो? क्या मैं हकलाना सीख लूँ? चलो, हम यहाँ आकर बात कर सकते हैं।” वह सोफे की ओर आगे बढ़ा।
जब वे बैठ गए तो उसने पूछा: "क्या डंडी आपको हॉल तक ले चलेगा?"
"हाँ।"
“उन्होंने आप पर कितने समय तक काम किया?”
“कुछ ही समय पहले तक, और मेरी इच्छा के बिल्कुल विरुद्ध।” काहिरा के चेहरे और आवाज में दर्द और आक्रोश का भाव स्पष्ट था। “मैं इस मामले को ग्रीस के महावाणिज्य दूतावास और एक वकील के समक्ष अवश्य उठाऊँगी।”
"आगे बढ़ो, और देखो इससे तुम्हें क्या मिलता है। तुमने पुलिस को अपने बारे में क्या उगलने दिया?"
कैरो की मुस्कान में एक बनावटी संतुष्टि झलक रही थी। "बिल्कुल नहीं। मैंने वही किया जो आपने पहले अपने कमरे में बताया था।" उसकी मुस्कान गायब हो गई। "हालांकि मैं चाहता था कि आपने कोई और तर्कसंगत कहानी बनाई होती। मुझे उसे दोहराते हुए बहुत अजीब लग रहा था।"
स्पेड ने व्यंग्यात्मक मुस्कान के साथ कहा, "ज़रूर," लेकिन इसकी मूर्खता ही इसे अच्छा बनाती है। क्या आपको यकीन है कि आपने उन्हें कुछ नहीं दिया?
"आप इस पर भरोसा कर सकते हैं, मिस्टर स्पेड, मैंने नहीं किया।"

स्पेड ने उनके बीच चमड़े की सीट पर उंगलियां थपथपाईं। “तुम्हें डंडी से फिर फोन आएगा। उसके सामने चुप रहना, सब ठीक रहेगा। कहानी की बेवकूफी की चिंता मत करो। अगर कहानी समझदारी भरी होती तो हम सब जेल में होते।” वह खड़ा हो गया। “अगर तुम पूरी रात पुलिस की घेराबंदी में खड़े रहे हो तो तुम्हें नींद चाहिए होगी। फिर मिलते हैं।”

एफ़ी पेरिन टेलीफ़ोन पर "नहीं, अभी नहीं" कह रही थी, तभी स्पेड अपने बाहरी कार्यालय में दाखिल हुआ। उसने चारों ओर देखा और उसके होंठों ने एक खामोश शब्द बनाया: "इवा।" उसने अपना सिर हिलाया। "हाँ, जैसे ही वह आएगा, मैं उसे आपसे फ़ोन करने के लिए कह दूँगी," उसने ज़ोर से कहा और रिसीवर को वापस रख दिया। "आज सुबह उसने तीसरी बार फ़ोन किया है," उसने स्पेड को बताया।

उसने अधीरता से गुर्राने की आवाज निकाली।

लड़की ने अपनी भूरी आँखों से अंदर के दफ्तर की ओर इशारा किया। “आपकी मिस ओ'शॉघनेसी अंदर हैं। वह नौ बजकर कुछ मिनट बाद से इंतजार कर रही हैं।”

स्पेड ने मानो पहले से ही इसकी उम्मीद करते हुए सिर हिलाया और पूछा: "और क्या?"

“सार्जेंट पोलहॉस ने फोन किया था। उन्होंने कोई संदेश नहीं छोड़ा।”

"उसे मेरे लिए ले आओ।"

और जी ने फोन किया।

स्पेड की आँखें चमक उठीं। उसने पूछा: "कौन?"

“जी. उसने यही कहा था।” विषय के प्रति उसकी व्यक्तिगत उदासीनता का भाव बिल्कुल स्पष्ट था। “जब मैंने उसे बताया कि आप नहीं हैं, तो उसने कहा: ‘जब वह आए, तो कृपया उसे बता देना कि जी., जिसे उसका संदेश मिल गया था, ने फोन किया था और फिर से फोन करेगा?’।”

स्पेड ने अपने होंठ ऐसे सिकोड़े जैसे किसी स्वादिष्ट चीज़ का स्वाद चख रहा हो। "शुक्रिया, प्रिये," उसने कहा। "देखो, क्या तुम टॉम पोलहॉस को ला सकती हो।" उसने अंदर का दरवाज़ा खोला और अपने निजी कार्यालय में चला गया, और दरवाज़ा पीछे से बंद कर लिया।

ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी, जो कार्यालय में अपनी पहली मुलाकात के समय के कपड़ों में थीं, उनकी डेस्क के बगल वाली कुर्सी से उठीं और तेज़ी से उनकी ओर आईं। उन्होंने बताया, "मेरे अपार्टमेंट में कोई आया था। सब कुछ अस्त-व्यस्त है, हर तरफ़ से।"

वह थोड़ा हैरान लग रहा था। "कुछ चोरी हुआ?"

“मुझे ऐसा नहीं लगता। मुझे नहीं पता। मुझे वहाँ रुकने से डर लग रहा था। मैंने जितनी जल्दी हो सके कपड़े बदले और यहाँ आ गई। ओह, तुमने उस लड़के को अपने पीछे आने दिया होगा!”

स्पेड ने सिर हिलाया। "नहीं, एंजेल।" उसने अपनी जेब से दोपहर के अखबार की एक प्रति निकाली, उसे खोला और उसे एक चौथाई कॉलम दिखाया जिसका शीर्षक था 'चीख-चीख कर चोर भागा'।

कैरोलिन बील नाम की एक युवती, जो सटर स्ट्रीट के एक अपार्टमेंट में अकेली रहती थी, उस सुबह चार बजे अपने बेडरूम में किसी के चलने की आवाज से जाग गई। वह चीख पड़ी। सामान ढोने वाला भाग

गया। उसी इमारत में अकेली रहने वाली दो अन्य महिलाओं ने बाद में सुबह अपने अपार्टमेंट में चोरों के आने के संकेत पाए। तीनों के अपार्टमेंट से कुछ भी नहीं चुराया गया था।
“वहीं मैंने उसे चकमा दिया,” स्पेड ने बताया। “मैं उस इमारत में घुसी और पीछे के दरवाजे से निकल गई। इसीलिए तीनों महिलाएं अकेली रहती थीं। उसने उन अपार्टमेंटों में तलाशी ली जिनके प्रवेश रजिस्टर में महिलाओं के नाम दर्ज थे, और वह छद्म नाम से आपकी तलाश कर रहा था।”
"लेकिन जब हम वहां थे, तब वह आपके घर पर नजर रख रहा था," उसने आपत्ति जताई।
स्पेड ने कंधे उचकाते हुए कहा, "ऐसा सोचने का कोई कारण नहीं है कि वह अकेला काम कर रहा है। या हो सकता है कि जब उसे लगा कि तुम रात भर मेरे यहाँ रुकने वाली हो, तब वह सटर स्ट्रीट गया हो। कई संभावनाएं हैं, लेकिन मैंने उसे कोरोनेट तक नहीं पहुंचाया।"
वह संतुष्ट नहीं थी। "लेकिन उसने इसे ढूंढ लिया, या किसी ने ढूंढ लिया।"
“ज़रूर।” उसने उसके पैरों की ओर देखते हुए भौंहें चढ़ाईं। “मुझे लगता है कि शायद वह काहिरा में था। वह पूरी रात अपने होटल में नहीं था, कुछ मिनट पहले ही पहुँचा। उसने मुझे बताया कि वह पूरी रात पुलिस की पूछताछ में खड़ा रहा। मुझे हैरानी हो रही है।” वह मुड़ा, दरवाज़ा खोला और एफ़ी पेरिन से पूछा: “क्या टॉम मिल गया?”
“वह यहाँ नहीं है। मैं कुछ मिनटों में फिर कोशिश करूँगा।”
“धन्यवाद।” स्पेड ने दरवाजा बंद किया और ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी की ओर मुड़ा।
उसने नम आँखों से उसकी ओर देखा। "क्या तुम आज सुबह जो से मिलने गए थे?" उसने पूछा।
"हाँ।"
वह हिचकिचाई। "क्यों?"
“क्यों?” उसने मुस्कुराते हुए उसकी ओर देखा। “क्योंकि, मेरी सच्ची जान, इस उलझे हुए मामले की सारी अधूरी बातों पर नज़र रखना ज़रूरी है, तभी मैं इसे समझ पाऊँगा।” उसने उसके कंधों पर हाथ रखा और उसे अपनी घूमने वाली कुर्सी पर ले गया। उसने उसकी नाक की नोक पर हल्का सा चुंबन किया और उसे कुर्सी पर बिठा दिया। वह उसके सामने मेज पर बैठ गया। उसने कहा: “अब हमें तुम्हारे लिए एक नया घर ढूंढना होगा, है ना?”
उसने जोर देकर सिर हिलाया। "मैं वहां वापस नहीं जाऊंगी।"
उसने अपनी जांघों के पास वाली मेज पर हाथ फेरा और सोच में डूबा हुआ चेहरा बनाया। "मुझे लगता है मुझे हल मिल गया है," उसने थोड़ी देर बाद कहा। "एक मिनट रुको।" वह बाहर वाले दफ्तर में चला गया और दरवाजा बंद कर दिया।
एफी पेरिन ने टेलीफोन की ओर हाथ बढ़ाते हुए कहा: "मैं फिर से कोशिश करूंगी।"
"उसके बाद, क्या आपकी महिला की अंतरात्मा अब भी आपको यही बताती है कि वह किसी देवी जैसी है?"

उसने तीखी निगाहों से उसकी ओर देखा। "मुझे अब भी विश्वास है कि चाहे वह किसी भी तरह की मुसीबत में फंसी हो, वह ठीक है, अगर आपका यही मतलब है।"
“मेरा मतलब यही है,” उसने कहा। “क्या तुम उसे उठाने के लिए काफी मजबूत हो?”
"कैसे?"
"क्या आप उसे कुछ दिनों के लिए अपने यहाँ ठहरा सकते हैं?"
"आपका मतलब घर पर?"
“हाँ। उसके घर में चोरी हो गई है। इस हफ्ते यह दूसरी बार हुआ है। अगर वह अकेली न रहे तो उसके लिए बेहतर होगा। अगर आप उसे अपने घर में पनाह दे दें तो बहुत मदद मिलेगी।”
एफी पेरिन आगे झुकी और गंभीरता से पूछा: "क्या वह सचमुच खतरे में है, सैम?"
"मुझे लगता है वह है।"
उसने अपने होंठ को नाखून से खरोंचा। “इससे तो माँ डर के मारे लाल हो जाएँगी। मुझे उन्हें बताना होगा कि वो कोई गुप्त गवाह हैं या कुछ ऐसा जिसे आप आखिरी समय तक छुपा कर रख रहे हैं।”
“तुम बहुत प्यारी हो,” स्पेड ने कहा। “उसे अभी बाहर ले चलो। मैं उससे चाबी ले लूंगा और उसके अपार्टमेंट से जो भी उसे चाहिए वो ले आऊंगा। देखते हैं। तुम दोनों को यहाँ से साथ जाते हुए नहीं देखा जाना चाहिए। तुम अभी घर जाओ। टैक्सी ले लो, लेकिन ध्यान रखना कि कोई तुम्हारा पीछा न करे। शायद कोई पीछा न करे, लेकिन फिर भी सावधानी बरतें। मैं उसे थोड़ी देर में दूसरी टैक्सी में भेज दूंगा, ताकि वो भी किसी के पीछे न आए।”

11
मोटा आदमी

ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी को एफी पेरिन के घर भेजने के बाद जब स्पेड अपने कार्यालय लौटे तो टेलीफोन की घंटी बज रही थी। वे टेलीफोन की ओर गए।

“हैलो... जी हाँ, मैं स्पेड हूँ... जी हाँ, मुझे समझ आ गया। मैं आपसे बात करने का इंतज़ार कर रहा था... कौन? ... श्री गुटमैन? ओह, जी हाँ, ज़रूर! ... अब—जितना जल्दी हो उतना अच्छा... बारह बज रहे हैं... ठीक है। पंद्रह मिनट कहिए... ठीक है।”

स्पेड टेलीफोन के बगल में अपनी डेस्क के कोने पर बैठा था और सिगरेट बना रहा था। उसका मुंह एक सख्त, संतुष्ट 'v' आकार में बंद था। सिगरेट बनाते हुए अपनी उंगलियों को देखते हुए उसकी आंखें सीधी ऊपर उठी पलकों के ऊपर सुलग रही थीं।

दरवाजा खुला और इवा आर्चर अंदर आई।

स्पेड ने "हैलो, हनी" कहा, उसकी आवाज़ उतनी ही सौम्य और सौहार्दपूर्ण थी जितना कि उसका चेहरा अचानक से हो गया था।

“ओह, सैम, मुझे माफ़ कर दो! मुझे माफ़ कर दो!” वह रुंधे हुए गले से रोई। वह दरवाजे के ठीक अंदर खड़ी थी, अपने छोटे दस्ताने पहने हाथों में काले किनारे वाला रूमाल दबा रही थी, और डरी हुई लाल और सूजी हुई आँखों से उसके चेहरे को घूर रही थी।

वह डेस्क के कोने पर अपनी सीट से नहीं उठा। उसने कहा: “ठीक है। कोई बात नहीं। भूल जाओ।”

“लेकिन, सैम,” वह विलाप करते हुए बोली, “मैंने ही उन पुलिसवालों को वहाँ भेजा था। मैं ईर्ष्या से पागल हो गई थी, और मैंने उन्हें फोन करके कहा था कि अगर वे वहाँ जाएँगे तो उन्हें माइल्स की हत्या के बारे में कुछ पता चल जाएगा।”

आपको ऐसा क्यों लगा?

“ओह, मैंने ऐसा नहीं किया! लेकिन मैं गुस्से में थी, सैम, और मैं तुम्हें चोट पहुँचाना चाहती थी।”

“इससे हालात बेहद अजीब हो गए थे।” उसने अपना हाथ उसके कंधे पर रखा और उसे अपने करीब खींच लिया। “लेकिन अब सब ठीक है, बस अब ऐसे कोई बेतुके विचार मन में मत लाना।”

“मैं ऐसा कभी नहीं करूंगी,” उसने वादा किया। “लेकिन कल रात तुम मेरे साथ अच्छे से पेश नहीं आए। तुम ठंडे और दूर-दूर से पेश आए और मुझसे छुटकारा पाना चाहते थे, जबकि मैं तुम्हें चेतावनी देने के लिए इतनी देर तक वहाँ आई थी, और तुम—”

“मुझे किस बारे में चेतावनी देनी है?”

“फिल के बारे में। उसे पता चल गया है कि तुम मुझसे प्यार करती हो, और माइल्स ने उसे मेरे तलाक चाहने के बारे में बताया था, हालांकि उसे कभी पता नहीं चला कि किस वजह से। अब फिल को लगता है कि तुमने उसके भाई को इसलिए मार डाला क्योंकि उसने मुझे तलाक नहीं दिया ताकि हम शादी कर सकें। उसने मुझसे कहा कि उसे इस बात पर यकीन है, और कल वह जाकर पुलिस को बता गया।”
“यह तो अच्छी बात है,” स्पेड ने धीरे से कहा। “और तुम मुझे चेतावनी देने आए थे, और क्योंकि मैं व्यस्त था, तुम उठ खड़े हुए और इस बदमाश फिल आर्चर को गड़बड़ करने में मदद की।”
“मुझे माफ कर दो,” वह सिसकते हुए बोली, “मुझे पता है तुम मुझे माफ नहीं करोगे। मैं—मैं माफी मांगती हूँ, माफी मांगती हूँ, माफी मांगती हूँ।”
“तुम्हें होना भी चाहिए,” उसने सहमति जताते हुए कहा, “अपने लिए भी और मेरे लिए भी। फिल के बयान के बाद क्या डंडी तुमसे मिलने आया था? या ब्यूरो से कोई आया था?”
“नहीं।” अलार्म ने अपनी आँखें और मुँह खोला।
“वे ढूंढ लेंगे,” उसने कहा, “और बेहतर यही होगा कि आप उन्हें यहां न ढूंढने दें। क्या आपने फोन करते समय उन्हें अपनी पहचान बताई थी?”
"अरे नहीं! मैंने बस उनसे इतना कहा कि अगर वे तुरंत आपके अपार्टमेंट में जाएंगे तो उन्हें हत्या के बारे में कुछ पता चल जाएगा और मैंने फोन काट दिया।"
आपने कहाँ से फोन किया था?
“तुम्हारे घर के ऊपर वाली दवा की दुकान। ओह, सैम, मेरे प्यारे, मैं—”
उसने उसके कंधे पर थपथपाया और प्यार से कहा: “यह एक बेवकूफी भरा काम था, ठीक है, लेकिन अब हो गया। तुम बेहतर होगा कि घर जाओ और पुलिस को बताने के लिए कुछ बातें सोच लो। पुलिस तुम्हें फोन करेगी। शायद सबसे अच्छा यही होगा कि तुम सीधे-सीधे ‘ना’ कह दो।” उसने दूर कहीं देखते हुए भौंहें चढ़ाईं। “या शायद तुम्हें पहले सिड वाइज़ से मिलना चाहिए।” उसने अपना हाथ उसके कंधे से हटाया, अपनी जेब से एक कार्ड निकाला, उसकी पीठ पर तीन लाइनें लिखीं और उसे दे दिया। “तुम सिड को सब कुछ बता सकती हो।” उसने भौंहें चढ़ाईं। “या लगभग सब कुछ। जिस रात माइल्स को गोली लगी थी, उस रात तुम कहाँ थी?”
"घर," उसने बिना झिझक के जवाब दिया।
उसने मुस्कुराते हुए अपना सिर हिलाया।
“मैं थी,” उसने जोर देकर कहा।
“नहीं,” उसने कहा, “लेकिन अगर यही तुम्हारी कहानी है तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। सिड से मिलो। वह अगले कोने पर है, गुलाबी रंग की इमारत में, कमरा नंबर आठ सौ सत्ताईस।”
उसकी नीली आँखों ने उसकी पीली-भूरी आँखों में झाँकने की कोशिश की। "तुम्हें ऐसा क्यों लगता है कि मैं घर पर नहीं थी?" उसने धीरे से पूछा।
"इसके अलावा और कुछ नहीं, बस इतना पता है कि तुम नहीं थे।"

“लेकिन मैं थी, मैं थी।” उसके होंठ टेढ़े हो गए और उसकी आँखों में गुस्सा झलक रहा था। “एफ़ी पेरिन ने तुम्हें यह बताया था,” उसने गुस्से से कहा। “मैंने उसे मेरे कपड़ों को देखते और इधर-उधर ताक-झांक करते देखा था। तुम जानते हो कि वह मुझे पसंद नहीं करती, सैम। तुम उसकी बातों पर क्यों विश्वास करते हो, जबकि तुम जानते हो कि वह मुझे मुसीबत में डालने के लिए कुछ भी कर सकती है?”
“हे भगवान, तुम औरतें,” स्पेड ने नरमी से कहा। उसने अपनी कलाई पर बंधी घड़ी देखी। “तुम्हें जल्दी चलना होगा, प्यारी। मुझे एक अपॉइंटमेंट के लिए देर हो रही है। तुम जो चाहो करो, लेकिन अगर मैं तुम्हारी जगह होता तो सिड को सच बताता या कुछ भी नहीं बताता। मतलब, जो बातें तुम उसे नहीं बताना चाहतीं, उन्हें छोड़ दो, लेकिन उनकी जगह कुछ भी मनगढ़ंत कहानी मत बनाओ।”
“मैं तुमसे झूठ नहीं बोल रही, सैम,” उसने विरोध किया।
"बिल्कुल नहीं," उसने कहा और खड़ा हो गया।
उसने अपने पंजों पर खड़े होकर अपना चेहरा उसके करीब लाने की कोशिश की। "क्या तुम्हें मुझ पर विश्वास नहीं है?" उसने फुसफुसाते हुए कहा।
मुझे आपकी बात पर विश्वास नहीं है।
और तुम मुझे मेरे किए के लिए माफ नहीं करोगे?
“हाँ, बिल्कुल।” उसने अपना सिर झुकाया और उसके होंठों को चूमा। “कोई बात नहीं। अब जाओ।”
उसने उसे बाहों में भर लिया। "क्या तुम मेरे साथ मिस्टर वाइज से मिलने नहीं चलोगे?"
“मैं नहीं कर सकती, और मैं तो बस रास्ते में आ जाऊंगी।” उसने उसकी बाहों पर थपथपाया, उन्हें अपने शरीर से हटाया और दस्ताने और आस्तीन के बीच उसकी बाईं कलाई को चूमा। उसने अपने हाथ उसके कंधों पर रखे, उसे दरवाजे की ओर घुमाया और हल्के से धक्का देकर छोड़ दिया। “चली जाओ,” उसने आदेश दिया।
अलेक्जेंड्रिया होटल के सुइट 12-सी का महोगनी का दरवाज़ा उस लड़के ने खोला जिससे स्पेड ने बेल्वेडेरे लॉबी में बात की थी। स्पेड ने सौम्य भाव से "हैलो" कहा। लड़के ने कुछ नहीं कहा। वह दरवाज़ा खुला पकड़े एक तरफ खड़ा रहा।
स्पेड अंदर गया। एक मोटा आदमी उससे मिलने आया।
वह मोटा आदमी बेढंगा था, उसके गुलाबी गाल, होंठ, ठुड्डी और गर्दन फूले हुए थे, उसका पेट एक बड़े, मुलायम अंडे के आकार का था जो उसके पूरे धड़ को ढके हुए था, और उसकी भुजाएँ और टांगें शंकु के आकार की लटकती हुई थीं। जैसे ही वह स्पेड से मिलने के लिए आगे बढ़ा, उसके सारे फूल हर कदम के साथ अलग-अलग उठते, हिलते और गिरते रहे, मानो गुच्छेदार साबुन के बुलबुले अभी उस पाइप से निकले हों जिससे वे अभी निकले ही न हों। उसकी आँखें, जिनके चारों ओर चर्बी के गुच्छे थे, काली और चिकनी थीं। उसके चौड़े सिर पर काले घुंघराले बाल थे। उसने एक काला कटआउट कोट, काली बनियान, गुलाबी मोती वाली काली साटन एस्कॉट टाई, धारीदार ग्रे ऊनी पतलून और पेटेंट चमड़े के जूते पहने हुए थे।

उनकी आवाज भारी और धीमी थी। "आह, मिस्टर स्पेड," उन्होंने उत्साह से कहा और एक हाथ को एक मोटे गुलाबी तारे की तरह आगे बढ़ाया।
स्पेड ने हाथ पकड़ा, मुस्कुराया और कहा: "आप कैसे हैं, श्री गुटमैन?"
स्पेड का हाथ पकड़े हुए, मोटे आदमी ने उसके बगल में मुड़कर अपना दूसरा हाथ स्पेड की कोहनी पर रखा और उसे हरे रंग के कालीन पर से ले जाकर मेज के बगल में रखी हरे रंग की मखमली कुर्सी तक पहुँचाया। मेज पर एक साइफन, कुछ गिलास, एक ट्रे में जॉनी वॉकर व्हिस्की की एक बोतल, सिगार का एक डिब्बा (कोरोनास डेल रिट्ज़), दो अखबार और एक छोटा और सादा पीला सोपस्टोन बॉक्स रखा था।
स्पेड हरी कुर्सी पर बैठ गया। मोटा आदमी बोतल और साइफन से दो गिलास भरने लगा। लड़का गायब हो गया था। कमरे की तीन दीवारों में लगे दरवाजे बंद थे। स्पेड के पीछे वाली चौथी दीवार में दो खिड़कियाँ थीं जिनसे गेरी स्ट्रीट का नजारा दिखता था।
“शुरुआत अच्छी हुई है, महोदय,” मोटे आदमी ने हाथ में बढ़ाया हुआ गिलास लिए हुए मुड़ते हुए कहा। “मुझे उस आदमी पर भरोसा नहीं है जो कहता है कि कब पीना है। अगर उसे ज्यादा पीने से बचने के लिए सावधानी बरतनी पड़ती है, तो इसका मतलब है कि जब वह पी लेता है तो उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता।”
स्पेड ने गिलास उठाया और मुस्कुराते हुए उस पर झुककर अभिवादन करने की शुरुआत की।
मोटे आदमी ने अपना गिलास उठाया और उसे खिड़की की रोशनी में पकड़ लिया। उसने गिलास में उठते बुलबुलों को देखकर सहमति में सिर हिलाया। उसने कहा, "जी महोदय, सीधी बात और स्पष्ट समझ के लिए चीयर्स!"
उन्होंने पिया और अपने गिलास नीचे रख दिए।
उस मोटे आदमी ने स्पेड की ओर चतुराई से देखा और पूछा: "क्या तुम चुप रहने वाले आदमी हो?"
स्पेड ने सिर हिलाया। "मुझे बात करना अच्छा लगता है।"
“बेहतर से बेहतर!” मोटे आदमी ने कहा। “मुझे चुप रहने वाले आदमी पर भरोसा नहीं है। वो अक्सर बोलने के लिए गलत समय चुनता है और गलत बातें कह देता है। बोलना एक ऐसी चीज है जिसे आप समझदारी से नहीं कर सकते जब तक आप इसका अभ्यास न करें।” उसने अपने गिलास के ऊपर से मुस्कुराते हुए कहा, “हम साथ रहेंगे, महोदय, बिल्कुल।” उसने अपना गिलास मेज पर रखा और स्पेड को कोरोनास डेल रिट्ज़ का डिब्बा बढ़ाया। “एक सिगार, महोदय।”
स्पेड ने एक सिगार लिया, उसका सिरा काटा और उसे जलाया। इसी बीच, मोटे आदमी ने एक और हरी मखमली कुर्सी को स्पेड की कुर्सी के सामने सुविधाजनक दूरी पर खींच लिया और दोनों कुर्सियों के पास एक सिगार स्टैंड रख दिया। फिर उसने मेज से अपना गिलास उठाया, डिब्बे से एक सिगार निकाला और कुर्सी पर बैठ गया। उसकी आंखें हिलना बंद हो गईं और आराम से स्थिर हो गईं। उसने

राहत की सांस ली और कहा: "अब, महोदय, अगर आप चाहें तो हम बात करेंगे। और मैं आपको साफ-साफ बता दूं कि मैं एक ऐसा आदमी हूं जिसे बात करना पसंद है, और मुझे बात करना पसंद है।"
“बहुत बढ़िया। क्या हम काली चिड़िया के बारे में बात करेंगे?”
मोटे आदमी ने ठहाका लगाया और उसकी हंसी के साथ उसके बल्ब ऊपर-नीचे हिलने लगे। "क्या हम करेंगे?" उसने पूछा और "हाँ, करेंगे," उसने जवाब दिया। उसका गुलाबी चेहरा खुशी से चमक रहा था। "आप मेरे लिए बिल्कुल सही आदमी हैं, महोदय, मेरे जैसे ही। घुमा-फिराकर बात नहीं करते, सीधे मुद्दे पर आते हैं। 'क्या हम काली चिड़िया के बारे में बात करेंगे?' हाँ, करेंगे। मुझे यह पसंद आया, महोदय। मुझे काम करने का यह तरीका पसंद है। चलिए, काली चिड़िया के बारे में जरूर बात करते हैं, लेकिन पहले, महोदय, कृपया मेरे एक सवाल का जवाब दीजिए, भले ही यह शायद अनावश्यक हो, ताकि हम शुरू से ही एक-दूसरे को समझ सकें। आप यहाँ मिस ओ'शॉघनेसी के प्रतिनिधि के रूप में आए हैं?"
स्पेड ने मोटे आदमी के सिर के ऊपर धुएँ का एक लंबा तिरछा गुबार उड़ाया। उसने अपनी सिगार के राख से सने सिरे को देखते हुए सोच-विचार करते हुए कहा, “मैं हाँ या ना नहीं कह सकता। अभी तक इस बारे में कुछ भी निश्चित नहीं है।” उसने मोटे आदमी की ओर देखा और भौंहें चढ़ाना बंद कर दिया। “यह परिस्थितियों पर निर्भर करता है।”
"पर निर्भर करता है-?"
स्पेड ने सिर हिलाया। "अगर मुझे पता होता कि यह किस पर निर्भर करता है तो मैं हां या ना कह सकता था।"
उस मोटे आदमी ने अपने गिलास से एक घूंट लिया, उसे निगल लिया और सुझाव दिया: "शायद यह जोएल काइरो पर निर्भर करता है?"
स्पेड का दिया गया जवाब "शायद" अस्पष्ट था। उसने शराब पी।
मोटा आदमी तब तक आगे झुका जब तक उसका पेट उसे रोक नहीं पाया। उसकी मुस्कान और उसकी मीठी आवाज़ दोनों ही लुभावनी थीं। "तो फिर, सवाल यह है कि आप इनमें से किसका प्रतिनिधित्व करेंगे?"
आप इसे इस तरह कह सकते हैं।
“यह दोनों में से एक होगा?”
मैंने ऐसा नहीं कहा।
उस मोटे आदमी की आँखों में चमक आ गई। उसकी आवाज़ धीमी होकर कांपती हुई फुसफुसाहट में बदल गई और उसने पूछा: "और कौन है वहाँ?"
स्पेड ने अपनी सिगार को अपनी छाती की ओर इशारा करते हुए कहा, "ये मैं हूँ।"
मोटा आदमी अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर धंस गया और अपने शरीर को ढीला छोड़ दिया। उसने संतुष्टि भरी लंबी सांस छोड़ी। "वाह, बहुत बढ़िया, महोदय," उसने धीमी आवाज़ में कहा। "वाह, बहुत बढ़िया। मुझे वो आदमी पसंद है जो साफ़-साफ़ कह दे कि वो सिर्फ़ अपने बारे में सोच रहा है। क्या हम

सबको नहीं? मुझे उस आदमी पर भरोसा नहीं होता जो कहता है कि वो अपने बारे में नहीं सोच रहा। और जो आदमी सच कह रहा होता है कि वो अपने बारे में नहीं सोच रहा, उस पर तो मुझे सबसे ज़्यादा अविश्वास होता है, क्योंकि वो बेवकूफ़ है और ऐसा बेवकूफ़ जो प्रकृति के नियमों के विरुद्ध जा रहा है।"
स्पेड ने धुआं छोड़ा। उसका चेहरा विनम्रतापूर्वक ध्यानमग्न था। उसने कहा: "हम्म। अब चलिए काली चिड़िया के बारे में बात करते हैं।"
मोटे आदमी ने दयालुता से मुस्कुराते हुए कहा, "चलिए।" उसने आँखें सिकोड़ीं, जिससे उसकी आँखों में जमा चर्बी के गुच्छों के कारण केवल एक काली चमक ही दिखाई दे रही थी। "श्रीमान स्पेड, क्या आपको अंदाज़ा है कि उस काली चिड़िया से कितना पैसा कमाया जा सकता है?"
"नहीं।"
वह मोटा आदमी फिर आगे झुका और अपना फूला हुआ गुलाबी हाथ स्पेड की कुर्सी के बाजू पर रख दिया। "खैर, महोदय, अगर मैंने आपको सच-सच बता दिया—हे भगवान, अगर मैंने आपको आधा भी बता दिया!—तो आप मुझे झूठा कहेंगे।"
स्पेड मुस्कुराया। उसने कहा, "नहीं, ऐसा मैं सोच भी न सकूँ। लेकिन अगर आप जोखिम नहीं उठाना चाहते, तो मुझे बता दीजिए कि यह क्या है और मैं मुनाफ़ा हिसाब लगा लूँगा।"
मोटे आदमी ने हंसते हुए कहा, “आप ऐसा नहीं कर सकते, महोदय। ऐसा कोई नहीं कर सकता जिसे इस तरह की चीजों का बहुत अनुभव न हो, और”—वह थोड़ा रुका—“इस तरह की कोई और चीज होती ही नहीं।” हंसते-हंसते उसकी आंखें आपस में टकरा गईं। फिर अचानक उसकी हंसी रुक गई। हंसी गायब होने के कारण उसके मोटे होंठ खुले रह गए। उसने स्पेड को ऐसी एकाग्रता से देखा जैसे उसे कुछ दिखाई ही न दे रहा हो। उसने पूछा, “क्या मतलब, तुम्हें नहीं पता कि यह क्या है?” आश्चर्य से उसकी आवाज का भारीपन गायब हो गया।
स्पेड ने लापरवाही से अपनी सिगार को हिलाया। "अरे यार," उसने हल्के स्वर में कहा, "मुझे पता है कि यह कैसा दिखना चाहिए। मुझे पता है कि आप लोग इसे जीवन में कितना महत्व देते हैं। लेकिन मुझे नहीं पता कि यह असल में क्या है।"
“उसने तुम्हें नहीं बताया?”
“मिस ओ’शॉघनेसी?”
जी हाँ। एक प्यारी लड़की है, महोदय।
“हम्म। नहीं।”
उस मोटे आदमी की आँखें गुलाबी मांस के गुच्छों के पीछे घात लगाकर बैठी काली चमक जैसी थीं। उसने अस्पष्ट स्वर में कहा, "उसे ज़रूर पता होगा," और फिर, "और काहिरा को भी नहीं पता था?"
"कैरो बहुत सतर्क है। वह इसे खरीदने को तैयार है, लेकिन वह मुझे कुछ भी ऐसा बताने का जोखिम नहीं उठाएगा जो मुझे पहले से पता न हो।"

मोटे आदमी ने अपनी जीभ से अपने होंठ गीले किए। उसने पूछा, "वह इसे कितने में खरीदने को तैयार है?"
"दस हजार डॉलर।"
मोटे आदमी ने तिरस्कारपूर्वक हंसते हुए कहा, "दस हज़ार, और डॉलर, ध्यान रहे, पाउंड भी नहीं। यही तो ग्रीक भाषा में कहते हैं। हम्फ़! और तुमने इस पर क्या कहा?"
मैंने कहा कि अगर मैं इसे उसे सौंप देता हूं तो मुझे दस हजार की उम्मीद होगी।
“अरे हाँ, अगर! आपने बड़ी अच्छी बात कही, महोदय।” मोटे आदमी के माथे पर धुंधली सी शिकन आ गई। “उन्हें पता होना चाहिए,” उसने धीमी आवाज़ में कहा, फिर बोला: “क्या उन्हें पता है? क्या वे जानते हैं कि यह पक्षी क्या है, महोदय? आपका क्या विचार है?”
“मैं इसमें आपकी मदद नहीं कर सकता,” स्पेड ने स्वीकार किया। “हमारे पास ज्यादा सबूत नहीं हैं। कायरो ने न तो यह कहा कि उसने ऐसा किया और न ही यह कहा कि उसने ऐसा नहीं किया। उसने कहा कि उसने ऐसा नहीं किया, लेकिन मैंने मान लिया कि वह झूठ बोल रही थी।”
“यह करना नासमझी नहीं थी,” मोटे आदमी ने कहा, लेकिन उसका ध्यान स्पष्ट रूप से अपने शब्दों पर नहीं था। उसने अपना सिर खुजाया। वह इतना भौंहें सिकोड़ता रहा कि उसके माथे पर लाल निशान पड़ गए। वह अपनी कुर्सी पर उतना ही बेचैन होता रहा जितना कि उसका शरीर और कुर्सी का आकार उसे बेचैन होने की अनुमति देते थे। उसने अपनी आँखें बंद कीं, फिर अचानक उन्हें चौड़ा खोला और स्पेड से कहा: “शायद वे नहीं करते।” उसके गोल-मटोल गुलाबी चेहरे से चिंता की लकीरें धीरे-धीरे गायब हो गईं और फिर, उससे भी तेज़ी से, एक अवर्णनीय खुशी का भाव आ गया। “अगर वे नहीं करते,” वह चिल्लाया, और फिर बोला: “अगर वे नहीं करते, तो इस पूरी दुनिया में मैं ही अकेला हूँ जो करता हूँ!”
स्पेड ने अपने होंठों को सिकोड़कर एक कसी हुई मुस्कान बनाई। उन्होंने कहा, "मुझे खुशी है कि मैं सही जगह आया हूं।"
मोटे आदमी ने भी मुस्कुराया, लेकिन कुछ अस्पष्ट रूप से। उसके चेहरे से खुशी गायब हो गई थी, हालांकि वह मुस्कुराता रहा, और उसकी आँखों में सतर्कता आ गई थी। उसका चेहरा एक चौकस मुस्कुराता हुआ मुखौटा था जो उसके विचारों और स्पेड के बीच छिपा हुआ था। स्पेड से नज़रें बचाते हुए, उसकी नज़रें स्पेड की कोहनी के पास रखे गिलास पर टिक गईं। उसका चेहरा चमक उठा। "हे भगवान, महोदय," उसने कहा, "आपका गिलास खाली है।" वह उठा और मेज पर गया और दो पेय पदार्थों को मिलाने के लिए गिलास, साइफन और बोतल को खड़खड़ाया।
स्पेड अपनी कुर्सी पर तब तक स्थिर बैठा रहा जब तक कि उस मोटे आदमी ने बड़े ही सलीके से झुककर और मज़ाकिया अंदाज़ में "अरे महोदय, इस तरह की दवा से आपको कभी कोई नुकसान नहीं होगा!" कहते हुए उसका भरा हुआ गिलास उसे थमा नहीं दिया। फिर स्पेड उठा और उस मोटे आदमी के पास

खड़ा हो गया, उसे नीचे देखते हुए, स्पेड की आँखें कठोर और चमकदार थीं। उसने अपना गिलास उठाया। उसकी आवाज़ सधी हुई और चुनौती भरी थी: "स्पष्टवादिता और स्पष्ट समझ के लिए।"

मोटे आदमी ने ठहाका लगाया और वे पीने लगे। मोटा आदमी बैठ गया। उसने दोनों हाथों से अपना गिलास अपने पेट से सटा लिया और स्पेड की ओर मुस्कुराते हुए कहा: "खैर, महोदय, यह आश्चर्यजनक है, लेकिन यह सच हो सकता है कि उन दोनों में से कोई भी ठीक से नहीं जानता कि वह पक्षी क्या है, और इस पूरी दुनिया में कोई भी नहीं जानता कि वह क्या है, सिवाय आपके विनम्र सेवक, कैस्पर गुटमैन, एस्क्वायर के।"

“शानदार।” स्पेड पैर फैलाकर खड़ा था, एक हाथ उसकी पतलून की जेब में था और दूसरे हाथ में गिलास। “जब तुमने मुझे बताया है कि हम दोनों ही लोग यह बात जानते होंगे।”

“गणितीय रूप से सही है, महोदय”—मोटे आदमी की आँखों में चमक आ गई—“लेकिन”—उसकी मुस्कान फैल गई—“मुझे पक्का नहीं पता कि मैं आपको बताने वाला हूँ या नहीं।”

“बेवकूफ मत बनो,” स्पेड ने धैर्यपूर्वक कहा। “तुम जानते हो कि यह क्या है। मैं जानता हूँ कि यह कहाँ है। इसीलिए तो हम यहाँ हैं।”

"तो महोदय, यह कहाँ है?"

स्पेड ने सवाल को नजरअंदाज कर दिया।

मोटे आदमी ने अपने होंठ सिकोड़े, भौंहें उठाईं और अपना सिर थोड़ा बाईं ओर झुकाया। उसने शांत भाव से कहा, “देखिए, मुझे आपको वह सब बताना होगा जो मैं जानता हूँ, लेकिन आप मुझे वह नहीं बताएँगे जो आप जानते हैं। यह तो न्यायसंगत नहीं है, महोदय। नहीं, नहीं, मुझे नहीं लगता कि हम इस तरह से व्यापार कर सकते हैं।”

स्पेड का चेहरा पीला और कठोर हो गया। वह धीमी, गुस्से भरी आवाज़ में तेज़ी से बोला: “फिर से सोचो और जल्दी सोचो। मैंने तुम्हारे उस बदमाश को कहा था कि तुम्हें मुझसे बात करनी होगी तभी तुम्हारा काम आगे बढ़ेगा। मैं तुम्हें अभी बता रहा हूँ कि तुम्हें आज ही बात करनी होगी, नहीं तो तुम्हारा काम तमाम। मेरा समय क्यों बर्बाद कर रहे हो? तुम और तुम्हारा घटिया राज़! हे भगवान! मुझे अच्छी तरह पता है कि वे गुप्त तिजोरियों में क्या रखते हैं, लेकिन उससे मुझे क्या फायदा? मैं तुम्हारे बिना भी काम चला सकता हूँ। भगवान तुम्हें नरक में भेजे! शायद तुम भी मेरे बिना काम चला सकते थे अगर तुम मुझसे दूर रहते। अब नहीं। सैन फ्रांसिस्को में नहीं। या तो तुम अंदर आओगे या बाहर जाओगे—और आज ही।”

वह मुड़ा और गुस्से में बेपरवाही से अपना गिलास मेज पर फेंक दिया। गिलास लकड़ी से टकराया, टूट गया और उसका सारा तरल पदार्थ और चमकदार टुकड़े मेज और फर्श पर बिखर गए। स्पेड, उस धमाके की आवाज को अनसुना करते हुए, उस मोटे आदमी का फिर से सामना करने के लिए मुड़ा।

उस मोटे आदमी ने गिलास के भाग्य पर स्पेड की तरह ही कोई ध्यान नहीं दिया: होंठ सिकोड़े हुए, भौहें उठी हुई, सिर थोड़ा बाईं ओर झुका हुआ, उसने स्पेड के गुस्से भरे भाषण के दौरान अपने गुलाबी चेहरे वाले भावहीन चेहरे को बनाए रखा था, और अब भी उसने इसे बरकरार रखा।
स्पेड, अब भी गुस्से में, बोला: "और एक और बात, मैं नहीं चाहता—"
स्पेड के बाईं ओर का दरवाज़ा खुला। स्पेड को अंदर लाने वाला लड़का अंदर आया। उसने दरवाज़ा बंद किया, अपने हाथों को कमर पर रखकर उसके सामने खड़ा हो गया और स्पेड को देखने लगा। लड़के की आँखें चौड़ी और गहरी थीं, पुतलियाँ भी चौड़ी थीं। उसकी नज़र स्पेड के शरीर पर कंधों से घुटनों तक घूमी और फिर ऊपर उठकर उस रूमाल पर टिक गई जिसका मैरून किनारा स्पेड के भूरे कोट की जेब से झाँक रहा था।
“एक और बात,” स्पेड ने लड़के को घूरते हुए दोहराया: “जब तक तुम फैसला नहीं कर लेते, उस गुंडे को मुझसे दूर रखो। मैं उसे मार डालूँगा। मुझे वो पसंद नहीं है। वो मुझे डराता है। जैसे ही वो मेरे रास्ते में आएगा, मैं उसे मार डालूँगा। मैं उसे ज़रा भी मौका नहीं दूँगा। मैं उसे कोई चांस नहीं दूँगा। मैं उसे मार डालूँगा।”
लड़के के होंठों पर एक धुंधली सी मुस्कान उभरी। उसने न तो अपनी आँखें उठाईं और न ही कुछ बोला।
मोटे आदमी ने सहनशीलता से कहा: "खैर, महोदय, मुझे कहना पड़ेगा कि आपका स्वभाव बहुत उग्र है।"
“गुस्सा?” स्पेड पागलों की तरह हँसा। वह उस कुर्सी की ओर बढ़ा जिस पर उसकी टोपी गिरी थी, टोपी उठाई और अपने सिर पर रख ली। उसने अपना लंबा हाथ आगे बढ़ाया, जिसकी तर्जनी उंगली मोटे आदमी के पेट की ओर इशारा कर रही थी। उसकी गुस्से भरी आवाज़ कमरे में गूँज उठी। “अच्छी तरह सोच लो, खूब सोचो। साढ़े पाँच बजे तक का समय है। उसके बाद या तो तुम अंदर रहोगे या बाहर, हमेशा के लिए।” उसने अपना हाथ नीचे किया, एक पल के लिए उस मोटे आदमी को घूरा, लड़के को घूरा और उस दरवाजे की ओर चला गया जिससे वह अंदर आया था। दरवाजा खोलते ही वह मुड़ा और कड़े स्वर में बोला: “साढ़े पाँच बजे—फिर पर्दा गिर जाएगा।”
स्पेड की छाती को घूरते हुए लड़के ने वही दो शब्द दोहराए जो उसने बेल्वेडेरे की लॉबी में दो बार कहे थे। उसकी आवाज़ तेज़ नहीं थी। उसमें कड़वाहट थी।
स्पेड बाहर निकला और उसने दरवाजा जोर से बंद कर दिया।

12
हिंडोला

स्पेड गुटमैन के फ्लोर से लिफ्ट में नीचे आया। उसका चेहरा पीला और नम था, लेकिन होंठ सूखे और खुरदुरे थे। जब उसने चेहरा पोंछने के लिए रुमाल निकाला, तो उसने देखा कि उसका हाथ कांप रहा है। उसने मुस्कुराते हुए इतनी ज़ोर से कहा, "उफ़!" कि लिफ्ट ऑपरेटर ने पीछे मुड़कर पूछा, "महोदय?"

स्पेड गेरी स्ट्रीट से होते हुए पैलेस होटल गए, जहाँ उन्होंने दोपहर का भोजन किया। जब वे बैठे, तब तक उनके चेहरे की पीलापन, होंठों का सूखापन और हाथों का कांपना बंद हो चुका था। उन्होंने भूख से भरा भोजन किया और फिर सिड वाइज के कार्यालय चले गए।

जब स्पेड अंदर आया, तो वाइज़ नाखून चबा रहा था और खिड़की की ओर घूर रहा था। उसने अपना हाथ मुंह से हटाया, कुर्सी घुमाकर स्पेड की ओर किया और बोला: "देखो। एक कुर्सी आगे खिसकाओ।"

स्पेड ने कागजों से लदी बड़ी मेज के एक तरफ कुर्सी खिसकाई और बैठ गया। "श्रीमती आर्चर अंदर आ सकती हैं?" उसने पूछा।

“हाँ।” वाइज़ की आँखों में हल्की सी चमक दिखाई दी। “क्या तुम उस महिला से शादी करने जा रहे हो, सैमी?”

स्पेड ने नाक से झुंझलाहट भरी आह भरी। "हे भगवान, अब तुम ये सब शुरू करो!" उसने बड़बड़ाया।

वकील के होंठों के कोनों पर एक हल्की सी थकी हुई मुस्कान उभरी। उन्होंने कहा, "अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आपको एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।"

स्पेड ने सिगरेट बनाते हुए नज़रें ऊपर उठाईं और चिढ़कर बोला, "तुम्हारा मतलब है कि तुम हो? अच्छा, यही तो तुम्हारा काम है। उसने तुम्हें क्या बताया?"

“आपके बारे में?”

"मुझे जो कुछ भी जानना चाहिए, उसके बारे में।"

वाइज़ ने अपने बालों में उंगलियां फिराईं और रूसी को अपने कंधों पर बिखेर दिया। "उसने मुझे बताया कि उसने माइल्स से तलाक लेने की कोशिश की थी ताकि वह—"

“मुझे यह सब पता है,” स्पेड ने उसे बीच में ही रोकते हुए कहा। “आप इसे छोड़ सकते हैं। सीधे उस हिस्से पर आइए जो मुझे नहीं पता।”

मुझे कैसे पता चलेगा कि वह कितना—?

“सिड, बहाने बनाना बंद करो।” स्पेड ने अपनी सिगरेट के सिरे पर लाइटर की लौ लगाई। “उसने तुम्हें क्या बताया जो वह मुझसे छिपाना चाहती थी?”

वाइज़ ने स्पेड की ओर तिरस्कार भरी नज़र से देखा। "अब, सैमी," उसने कहना शुरू किया, "यह ठीक नहीं है—"
स्पेड ने छत की ओर देखते हुए कराहते हुए कहा, "हे भगवान, ये मेरा ही वकील है जिसने मुझसे खूब पैसा कमाया है और मुझे उसके सामने घुटने टेककर उससे भीख मांगनी पड़ रही है!" उसने वाइज की ओर झुकते हुए कहा, "तुम्हें क्या लगता है मैंने उसे तुम्हारे पास किसलिए भेजा है?"
वाइज़ ने थकी हुई सी मुस्कराहट दिखाई। "तुम्हारे जैसा एक और ग्राहक मिल गया तो मैं पागलखाने में या सैन क्वेंटिन में होता," उसने शिकायत की।
“आप अपने ज्यादातर ग्राहकों के साथ होते। क्या उसने आपको बताया कि जिस रात उसकी हत्या हुई थी, उस रात वह कहाँ थी?”
"हाँ।"
"कहाँ?"
"उसके पीछे-पीछे।"
स्पेड सीधा बैठ गया और पलकें झपकाईं। उसने अविश्वास से कहा, "हे भगवान, ये औरतें!" फिर वह हँसा, आराम से बैठ गया और पूछा, "अच्छा, उसने क्या देखा?"
वाइज़ ने सिर हिलाया। “कुछ खास नहीं। उस शाम जब वह खाने के लिए घर आया तो उसने उसे बताया कि सेंट मार्क में उसकी एक लड़की के साथ डेट है, उसे चिढ़ाते हुए कहा कि यही उसके लिए मनचाहा तलाक पाने का मौका है। पहले तो उसे लगा कि वह बस उसे परेशान करने की कोशिश कर रहा है। वह जानता था—”
“मुझे परिवार का इतिहास पता है,” स्पेड ने कहा। “इसे छोड़ो। मुझे बताओ कि उसने क्या किया।”
“अगर आप मुझे मौका देंगी तो मैं करूँगा। उसके चले जाने के बाद वह सोचने लगी कि शायद उसकी कोई डेट रही हो। आप जानते हैं माइल्स। यह तो उसकी आदत ही होगी कि—”
आप माइल्स के किरदार को भी छोड़ सकते हैं।
“मुझे तुम्हें कुछ भी नहीं बताना चाहिए,” वकील ने कहा। “तो उसने गैराज से उनकी कार ली और सेंट मार्क होटल चली गई, सड़क के दूसरी तरफ खड़ी कार में बैठी रही। उसने उसे होटल से बाहर आते देखा और देखा कि वह एक आदमी और एक लड़की का पीछा कर रहा था—उसने कहा कि उसने उसी लड़की को कल रात तुम्हारे साथ देखा था—जो उससे थोड़ा आगे निकले थे। तब उसे पता चल गया कि वह काम कर रहा था, उससे मज़ाक कर रहा था। मुझे लगता है कि वह निराश और गुस्से में थी—जब उसने मुझे इसके बारे में बताया तो उसकी आवाज़ में यही भाव था। उसने माइल्स का तब तक पीछा किया जब तक उसे यकीन नहीं हो गया कि वह उन दोनों का पीछा कर रहा है, और फिर वह तुम्हारे अपार्टमेंट में गई। तुम घर पर नहीं थे।”
“उस समय क्या समय हुआ था?” स्पेड ने पूछा।
“वह तुम्हारे घर कब पहुंची? पहली बार साढ़े नौ और दस बजे के बीच।”

“पहली बार?”
“हाँ। वह लगभग आधे घंटे तक गाड़ी चलाती रही और फिर दोबारा कोशिश की। इस हिसाब से लगभग साढ़े दस बज रहे होंगे। आप अभी भी बाहर थे, इसलिए वह वापस शहर लौट आई और आधी रात के बाद तक समय बिताने के लिए एक फिल्म देखने चली गई, क्योंकि उसे लगा कि तब तक आपको घर पर मिलने की संभावना अधिक होगी।”
स्पेड ने भौंहें चढ़ाईं। "क्या वह साढ़े दस बजे फिल्म देखने गई थी?"
“तो उसने बताया—पॉवेल स्ट्रीट वाला वो सिनेमाघर जो सुबह एक बजे तक खुला रहता है। उसने कहा कि वो घर नहीं जाना चाहती थी, क्योंकि वो नहीं चाहती थी कि माइल्स के आने पर वो वहाँ रहे। लगता है, इससे माइल्स हमेशा नाराज़ हो जाता था, खासकर अगर आधी रात के आसपास का समय हो। वो सिनेमाघर बंद होने तक वहीं रुकी रही।” वाइज़ के शब्द अब धीमे हो गए थे और उसकी आँखों में व्यंग्य की चमक थी। “उसने कहा कि तब तक उसने तुम्हारे घर दोबारा न जाने का फैसला कर लिया था। उसने कहा कि उसे नहीं पता था कि तुम्हें इतनी देर रात उसका आना पसंद आएगा या नहीं। इसलिए वो एलिस स्ट्रीट वाले टैट्स में गई, कुछ खाया और फिर अकेले घर चली गई।” वाइज़ अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गया और स्पेड के बोलने का इंतज़ार करने लगा।
स्पेड के चेहरे पर कोई भाव नहीं था। उसने पूछा: "क्या तुम उस पर विश्वास करते हो?"
“क्या तुम नहीं हो?” वाइज ने उत्तर दिया।
मुझे कैसे पता चलेगा? मुझे कैसे पता चलेगा कि यह कोई ऐसी बात नहीं है जो तुमने मुझे बताने के लिए आपस में मिलकर रची हो?
वाइज़ मुस्कुराया। "तुम अजनबियों के लिए ज़्यादा चेक तो नहीं भुनाते, है ना, सैमी?"
“टोकरियाँ भरकर नहीं। तो फिर क्या हुआ? माइल्स घर पर नहीं था। तब तक कम से कम दो बज चुके होंगे—ज़रूर बज चुके होंगे—और वह मर चुका था।”
“माइल्स घर पर नहीं था,” वाइज़ ने कहा। “ऐसा लगता है कि इसी वजह से वह फिर से नाराज़ हो गई—पहले माइल्स घर पर नहीं था, फिर वह भी घर पर नहीं थी, जिससे वह नाराज़ हो गई। इसलिए उसने कार को गैरेज से दोबारा निकाला और आपके घर वापस चली गई।”
“और मैं घर पर नहीं था। मैं नीचे माइल्स के शव को देख रहा था। हे भगवान, क्या गजब का चक्कर था। फिर क्या हुआ?”
“वह घर गई, और उसका पति अभी भी वहाँ नहीं था, और जब वह कपड़े उतार रही थी, तभी आपका दूत उसकी मृत्यु की खबर लेकर आया।”
स्पेड ने बड़ी सावधानी से एक और सिगरेट रोल करके जलाने तक कुछ नहीं कहा। फिर उसने कहा: “मुझे लगता है कि यह ठीक-ठाक विश्लेषण है। यह ज्ञात तथ्यों में से अधिकांश से मेल खाता प्रतीत होता है। यह कारगर साबित होना चाहिए।”

वाइज़ ने अपनी उंगलियों से अपने बालों को फिर से संवारा और कुछ रूसी को कंधों पर गिरा दिया। उसने उत्सुकता भरी निगाहों से स्पेड के चेहरे को देखा और पूछा: "लेकिन तुम्हें इस पर विश्वास नहीं है?"

स्पेड ने अपने होठों के बीच से सिगरेट निकाली। "मैं इस पर विश्वास करता हूँ या अविश्वास करता हूँ, सिड। मुझे इसके बारे में कुछ भी पता नहीं है।"

वकील के होंठों पर एक व्यंग्यात्मक मुस्कान फैल गई। उसने थके हुए अंदाज़ में अपने कंधे हिलाए और कहा: "हाँ, सही कहा—मैं तुम्हें धोखा दे रहा हूँ। तुम एक ईमानदार वकील क्यों नहीं रख लेते—जिस पर तुम भरोसा कर सको?"

“वो आदमी मर गया।” स्पेड खड़ा हो गया। उसने वाइज़ पर ताना मारा। “इतने चिढ़ रहे हो, है ना? मेरे पास सोचने के लिए पहले से ही काफ़ी कुछ नहीं है: अब मुझे तुम्हारे साथ भी विनम्रता से पेश आना याद रखना होगा। मैंने क्या किया? अंदर आते समय घुटने टेकना भूल गया?”

सिड वाइज ने शरमाते हुए मुस्कुराया। "तुम तो बड़े ही शानदार हो, सैमी," उसने कहा।

जब स्पेड ने प्रवेश किया तो एफी पेरिन उसके बाहरी कार्यालय के बीच में खड़ी थी। उसने चिंतित भूरी आँखों से उसकी ओर देखा और पूछा: "क्या हुआ?"

स्पेड का चेहरा सख्त हो गया। "वहाँ क्या हुआ?" उसने पूछा।

वह क्यों नहीं आई?

स्पेड ने दो लंबे कदम बढ़ाए और एफी पेरिन को कंधों से पकड़ लिया। "क्या वह वहाँ नहीं पहुँची?" उसने उसके डरे हुए चेहरे के सामने चिल्लाकर कहा।

उसने अपना सिर गुस्से से इधर-उधर हिलाया। "मैंने बहुत देर तक इंतज़ार किया, लेकिन वह नहीं आई, और आपसे फोन पर बात भी नहीं हो पाई, इसलिए मैं नीचे आ गई।"

स्पेड ने झटके से अपने हाथ उसके कंधों से हटाए, उन्हें अपनी पतलून की जेबों में डाला, गुस्से से भरी ऊंची आवाज में बोला, "एक और चक्कर," और अपने निजी दफ्तर में चला गया। फिर बाहर आकर उसने आदेश दिया, "अपनी माँ को फोन करो। पता करो कि वह आई है या नहीं।"

जब लड़की फोन पर बात कर रही थी, तब वह दफ्तर में इधर-उधर घूम रहा था। "नहीं," उसने फोन खत्म होने पर कहा। "क्या—क्या आपने उसे टैक्सी से भेजा था?"

उसकी हल्की सी आवाज़ का मतलब शायद हाँ था।

“क्या आपको यकीन है कि वो— किसी ने उसका पीछा जरूर किया होगा!”

स्पेड ने इधर-उधर घूमना बंद कर दिया। उसने कमर पर हाथ रखकर लड़की को घूरा। उसने ऊँची और कठोर आवाज़ में उससे कहा, “किसी ने उसका पीछा नहीं किया। क्या तुम मुझे भोला-भाला बच्चा समझती हो? मैंने उसे टैक्सी में बिठाने से पहले पूरी तरह से जाँच कर ली थी, और ज़्यादा आश्वस्त होने के लिए मैं उसके साथ एक दर्जन ब्लॉक तक गया था, और टैक्सी से उतरने के बाद भी मैंने उसके साथ आधा दर्जन ब्लॉक तक जाँच की थी।”

"ठीक है लेकिन-"
“लेकिन वह वहाँ नहीं पहुँची। तुमने मुझे बताया है। मुझे इस पर विश्वास है। क्या तुम्हें लगता है कि मुझे लगता है कि वह वहाँ पहुँच गई थी?”
एफी पेरिन ने नाक सिकोड़ी। उसने कहा, "तुम बिलकुल एक शरारती स्कूली बच्चे की तरह बर्ताव करते हो।"
स्पेड ने गले से एक कर्कश आवाज निकाली और गलियारे के दरवाजे की ओर बढ़ा। उसने कहा, "मैं बाहर जाकर उसे ढूंढूंगा, चाहे मुझे सीवर ही क्यों न खोदने पड़ें। जब तक मैं वापस न आऊं या मुझसे कोई खबर न मिले, यहीं रुको। भगवान के लिए, चलो कुछ सही काम करते हैं।"
वह बाहर गया, लिफ्ट तक आधी दूरी तय की और फिर वापस लौट आया। जब उसने दरवाजा खोला तो एफी पेरिन अपनी डेस्क पर बैठी थी। उसने कहा: "तुम्हें यह बात समझ लेनी चाहिए कि जब मैं इस तरह बात करता हूँ तो मेरी बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।"
“अगर तुम्हें लगता है कि मैं तुम्हारी तरफ ध्यान देती हूँ तो तुम पागल हो,” उसने जवाब दिया, “बस”—उसने अपनी बाहें मोड़ीं और अपने कंधों को छुआ, और उसके होंठ अनिश्चितता से फड़फड़ाए —“मैं दो हफ्तों तक शाम का गाउन नहीं पहन पाऊँगी, तुम बड़े जाहिल।”
उसने विनम्रता से मुस्कुराते हुए कहा, "मैं किसी काम का नहीं हूँ, डार्लिंग," उसने झुककर अभिवादन किया और फिर बाहर चला गया।
स्पेड जिस चौराहे पर गया, वहाँ दो पीली टैक्सियाँ खड़ी थीं। उनके ड्राइवर आपस में खड़े होकर बातें कर रहे थे। स्पेड ने पूछा: "दोपहर में यहाँ मौजूद लाल चेहरे वाला गोरा ड्राइवर कहाँ है?"
“बहुत सारा सामान है,” ड्राइवरों में से एक ने कहा।
क्या वह यहाँ वापस आएगा?
"मुझे भी ऐसा ही लगता है।"
दूसरे ड्राइवर ने पूरब की ओर सिर झुकाया। "वह अब आ रहा है।"
स्पेड कोने तक चलकर फुटपाथ के किनारे खड़ा रहा, जब तक कि लाल चेहरे वाला गोरा ड्राइवर अपनी टैक्सी पार्क करके बाहर नहीं निकल गया। फिर स्पेड उसके पास गया और बोला: “दोपहर के समय मैं एक महिला के साथ आपकी टैक्सी में बैठा। हम स्टॉकटन स्ट्रीट से होते हुए सैक्रामेंटो होते हुए जोन्स तक गए, जहाँ मैं उतर गया।”
“हाँ, बिल्कुल,” लाल चेहरे वाले उस आदमी ने कहा। “मुझे याद है।”
मैंने तुमसे कहा था कि उसे नाइंथ एवेन्यू वाले नंबर पर ले जाओ। तुम उसे वहाँ नहीं ले गए। तुम उसे कहाँ ले गए थे?
ड्राइवर ने अपने गंदे हाथ से अपना गाल रगड़ा और संदेह भरी निगाहों से स्पेड की ओर देखा। "मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता।"

“कोई बात नहीं,” स्पेड ने उसे आश्वस्त करते हुए अपना एक कार्ड दिया। “लेकिन अगर आप सावधानी बरतना चाहते हैं, तो हम आपके कार्यालय तक जाकर आपके अधीक्षक की अनुमति ले सकते हैं।”
मुझे लगता है कि सब ठीक है। मैं उसे फेरी बिल्डिंग ले गया था।
"खुद से?"
"हाँ ज़रूर।"
"क्या आप उसे पहले कहीं और नहीं ले गए थे?"
“नहीं। बात कुछ इस तरह थी: तुम्हें छोड़ने के बाद मैं सैक्रामेंटो चला गया, और जब हम पोल्क पहुंचे तो उसने शीशे पर दस्तक दी और कहा कि उसे अखबार चाहिए, इसलिए मैं कोने पर रुका और एक बच्चे को सीटी बजाकर बुलाया, और उसे उसका अखबार मिल गया।”
“कौन सा पेपर?”
“वह फोन आया। फिर मैं सैक्रामेंटो में थोड़ा और आगे गया, और जैसे ही हमने वैन नेस नदी पार की, उसने फिर से शीशे पर दस्तक दी और कहा कि उसे फेरी बिल्डिंग ले चलो।”
"क्या वह उत्साहित थी या कुछ और?"
"मुझे तो ऐसा कुछ नजर नहीं आया।"
और जब आप फेरी बिल्डिंग पहुंचे?
"उसने मुझे पैसे देकर मामला सुलझा दिया, बस इतना ही।"
"क्या वहां कोई उसका इंतजार कर रहा है?"
"अगर वे थे तो मैंने उन्हें नहीं देखा।"
वह किस तरफ गई?
"फेरी पर? मुझे नहीं पता। शायद ऊपर, या सीढ़ियों की तरफ।"
"क्या वह अखबार अपने साथ ले जाए?"
"हां, जब उसने मुझे पैसे दिए तो उसने इसे अपनी बगल में दबा रखा था।"
"बाहर गुलाबी चादर वाली, या सफेद वाली?"
"अरे यार, कैप्टन, मुझे तो याद ही नहीं है।"
स्पेड ने ड्राइवर को धन्यवाद दिया, कहा, "अपने लिए एक सिगरेट ले लो," और उसे एक चांदी का डॉलर दिया।
स्पेड ने 'द कॉल' की एक प्रति खरीदी और उसे हवा से बचने के लिए एक कार्यालय भवन के प्रवेश कक्ष में ले गया ताकि वह उसकी जांच कर सके।
उनकी नज़रें तेज़ी से पहले पन्ने की सुर्खियों और दूसरे व तीसरे पन्ने की सुर्खियों पर दौड़ीं। चौथे पन्ने पर "नकली नोट बनाने के आरोप में संदिग्ध गिरफ्तार" शीर्षक के नीचे उनकी नज़रें एक पल के लिए ठहरीं, और फिर पाँचवें पन्ने पर "बे का युवक गोली मारकर मौत की कामना कर रहा है" शीर्षक के नीचे भी। छठे और सातवें पन्ने पर उन्हें कुछ भी दिलचस्प नहीं लगा। आठवें पन्ने पर "गोलीबारी के बाद

सैन फ्रांसिस्को में चोर होने के आरोप में तीन लड़के गिरफ्तार" शीर्षक ने उनका ध्यान एक पल के लिए खींचा, और उसके बाद पैंतीसवें पन्ने तक उन्हें कुछ भी नज़र नहीं आया, जिस पर मौसम, माल ढुलाई, कृषि, वित्त, तलाक, जन्म, विवाह और मृत्यु की खबरें थीं। उन्होंने मृतकों की सूची पढ़ी, छत्तीसवें और सैंतीसवें पन्ने (वित्तीय समाचार) को पलटा, अड़तीसवें और अंतिम पन्ने पर उनकी नज़रें टिकने के लिए कुछ नहीं मिला, उन्होंने आह भरी, अखबार को मोड़कर अपनी कोट की जेब में रखा और एक सिगरेट बनाई।

वह पांच मिनट तक दफ्तर के प्रवेश द्वार पर खड़ा सिगरेट पीता रहा और उदास होकर इधर-उधर देखता रहा। फिर वह स्टॉकटन स्ट्रीट की ओर चला, एक टैक्सी रोकी और कोरोनेट होटल चला गया।

उसने इमारत में प्रवेश किया और ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी के अपार्टमेंट में उसी चाबी से दाखिल हुआ जो उसने उसे दी थी। पिछली रात पहनी हुई नीली गाउन उसके बिस्तर के नीचे टंगी हुई थी। उसकी नीली मोज़े और चप्पलें बेडरूम के फर्श पर पड़ी थीं। उसके ड्रेसिंग टेबल के दराज में गहनों से भरा बहुरंगी डिब्बा अब ड्रेसिंग टेबल के ऊपर खाली पड़ा था। स्पेड ने उसे देखकर भौंहें चढ़ाईं, अपनी जीभ होठों पर फिराईं, कमरों में इधर-उधर देखा लेकिन किसी चीज को छुआ नहीं, फिर कोरोनेट से निकलकर वापस शहर की ओर चल दिया।

स्पेड के दफ्तर की इमारत के प्रवेश द्वार पर उनका सामना उस लड़के से हुआ जिसे उन्होंने गुटमैन के यहाँ छोड़ा था। लड़के ने स्पेड के रास्ते में आकर प्रवेश द्वार को रोक दिया और कहा: "चलो, वह तुमसे मिलना चाहता है।"

लड़के के हाथ उसके ओवरकोट की जेबों में थे। उसकी जेबें उसके हाथों की वजह से जितनी फूली होनी चाहिए थीं, उससे कहीं ज़्यादा फूली हुई थीं।

स्पेड मुस्कुराया और व्यंग्यपूर्ण लहजे में बोला, "मुझे उम्मीद नहीं थी कि आप पांच बजकर पच्चीस मिनट तक आएंगे। आशा है मैंने आपको ज्यादा इंतजार नहीं कराया होगा।"

लड़के ने अपनी आँखें स्पेड के मुँह की ओर उठाईं और शारीरिक पीड़ा से व्याकुल व्यक्ति की दबी हुई आवाज़ में बोला: "अगर तुम मुझे ऐसे ही चलाते रहे तो तुम्हें अपनी नाभि से लोहा निकालना पड़ेगा।"

स्पेड खिलखिलाकर हँसा। उसने उत्साह से कहा, "जितना सस्ता बदमाश होगा, उतनी ही भड़कीली बातें करेगा। चलो चलते हैं।"

वे सटर स्ट्रीट पर कंधे से कंधा मिलाकर चलने लगे। लड़के ने अपने हाथ ओवरकोट की जेबों में रखे हुए थे। वे एक ब्लॉक से थोड़ा अधिक चुपचाप चले। फिर स्पेड ने प्यार से पूछा: "बेटे, तुमने कितने समय से करौंदे नहीं पाले हैं?"

लड़के ने यह नहीं दिखाया कि उसने प्रश्न सुना है।

“क्या तुमने कभी—?” स्पेड ने कहना शुरू किया और रुक गया। उसकी पीली आँखों में एक हल्की सी चमक आ गई। उसने फिर उस लड़के से बात नहीं की।

वे अलेक्जेंड्रिया होटल में दाखिल हुए, बारहवीं मंजिल तक गए और गुटमैन के सुइट की ओर गलियारे में चलने लगे। गलियारे में और कोई नहीं था।

स्पेड थोड़ा पीछे रह गया, इसलिए जब वे गुटमैन के दरवाजे से पंद्रह फीट की दूरी पर पहुँचे, तो वह लड़के से लगभग डेढ़ फीट पीछे था। वह अचानक एक तरफ झुका और लड़के की कोहनियों के ठीक नीचे दोनों हाथों से उसे पीछे से पकड़ लिया। उसने लड़के के हाथों को आगे की ओर धकेला, जिससे उसके ओवरकोट की जेबों में मौजूद हाथों ने ओवरकोट को उसके सामने ऊपर उठा दिया। लड़का छटपटाया और कराहने लगा, लेकिन उस विशालकाय आदमी की पकड़ में वह बेबस था। लड़के ने लात मारी, लेकिन उसके पैर स्पेड के फैले हुए पैरों के बीच से निकल गए।

स्पेड ने लड़के को ज़मीन से सीधा उठाया और फिर ज़ोर से उसके पैरों पर पटक दिया। मोटे कालीन पर इस टक्कर से हल्की सी आवाज़ हुई। टक्कर के समय स्पेड के हाथ नीचे फिसले और लड़के की कलाई पर फिर से मज़बूती से पकड़ बना ली। लड़का, दांत भींचे हुए, उस आदमी के बड़े हाथों से छूटने की कोशिश करता रहा, लेकिन वह खुद को छुड़ा नहीं सका, उस आदमी के हाथों को अपने हाथों पर रेंगने से रोक नहीं सका। लड़के के दांत ज़ोर से आपस में रगड़ खा रहे थे, जिससे स्पेड की सांसों की आवाज़ में एक अजीब सी आवाज़ घुलमिल गई, क्योंकि स्पेड लड़के के हाथों को कुचल रहा था।

वे काफी देर तक तनावग्रस्त और स्थिर रहे। फिर लड़के की बाहें ढीली पड़ गईं। स्पेड ने लड़के को छोड़ दिया और पीछे हट गया। स्पेड के दोनों हाथों में, जो लड़के के ओवरकोट की जेबों से निकले थे, एक-एक भारी स्वचालित पिस्तौल थी।

लड़का मुड़ा और स्पेड की ओर देखा। लड़के का चेहरा एकदम सफेद और भावहीन था। उसने अपने हाथ अपने ओवरकोट की जेबों में रखे हुए थे। उसने स्पेड की छाती की ओर देखा और कुछ नहीं बोला।

स्पेड ने पिस्तौलें अपनी जेबों में रख लीं और व्यंग्य भरी मुस्कान के साथ बोला, "चलो," उसने कहा। "इससे तुम अपने बॉस के चहेते बन जाओगे।"

वे गुटमैन के दरवाजे पर गए और स्पेड ने दस्तक दी।

13

सम्राट का उपहार

गुटमैन ने दरवाजा खोला। उनके मोटे चेहरे पर खुशी की मुस्कान खिल उठी। उन्होंने हाथ बढ़ाते हुए कहा, "आह, अंदर आइए, महोदय! आने के लिए धन्यवाद। अंदर आइए।"

स्पेड ने हाथ मिलाया और अंदर चला गया। लड़का उसके पीछे-पीछे अंदर गया। मोटे आदमी ने दरवाजा बंद कर दिया। स्पेड ने लड़के की जेब से पिस्तौलें निकालीं और गुटमैन को देते हुए कहा, “ये लो। इसे इनके साथ इधर-उधर घूमने मत दो। ये खुद को चोट पहुँचा लेगा।”

मोटे आदमी ने खिलखिलाकर हंसते हुए पिस्तौलें उठा लीं। "वाह वाह!" उसने कहा, "यह क्या है?" उसने स्पेड से लड़के की ओर देखा।

स्पेड ने कहा: "एक विकलांग अखबार बेचने वाले ने उन्हें उससे छीन लिया था, लेकिन मैंने उससे उन्हें वापस दिलवा दिया।"

सफेद चेहरे वाले लड़के ने गुटमैन के हाथों से पिस्तौलें छीन लीं और उन्हें अपनी जेब में रख लिया। लड़का कुछ नहीं बोला।

गुटमैन फिर हँसा। “अरे वाह, महोदय,” उसने स्पेड से कहा, “आप तो वाकई एक अद्भुत व्यक्ति हैं। अंदर आइए। बैठिए। मुझे अपनी टोपी दीजिए।”

लड़का प्रवेश द्वार के दाहिनी ओर स्थित दरवाजे से कमरे से बाहर निकल गया।

उस मोटे आदमी ने स्पेड को मेज के पास एक हरी मखमली कुर्सी पर बिठाया, उसे सिगार थमाकर उसमें आग लगाई, व्हिस्की और कार्बोनेटेड पानी मिलाया, एक गिलास स्पेड के हाथ में दिया और दूसरा गिलास पकड़े हुए स्पेड के सामने बैठ गया।

“अब महोदय,” उसने कहा, “मुझे उम्मीद है कि आप मुझे इसके लिए माफी मांगने देंगे—”

“उस बात को छोड़ो,” स्पेड ने कहा। “चलो काली चिड़िया के बारे में बात करते हैं।”

उस मोटे आदमी ने अपना सिर बाईं ओर झुकाया और स्पेड को स्नेह भरी निगाहों से देखा। "ठीक है, महोदय," उसने सहमति जताते हुए कहा। "चलिए।" उसने अपने हाथ में पकड़े गिलास से एक घूंट लिया। "यह आपके लिए अब तक की सबसे आश्चर्यजनक बात होने वाली है, महोदय, और मैं यह बात इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि मुझे पता है कि आपके जैसे उच्च कोटि के व्यक्ति ने अपने समय में कुछ आश्चर्यजनक बातें जरूर सुनी होंगी।"

स्पेड ने विनम्रतापूर्वक सिर हिलाया।

उस मोटे आदमी ने अपनी आँखें सिकोड़कर पूछा: "महोदय, आप सेंट जॉन ऑफ जेरूसलम के अस्पताल के संगठन के बारे में क्या जानते हैं, जिसे बाद में नाइट्स ऑफ रोड्स और अन्य नामों से जाना गया?"

स्पेड ने अपनी सिगार लहराई। "ज्यादा कुछ याद नहीं—बस उतना ही जितना मैंने स्कूल में इतिहास में पढ़ा था—धर्मयुद्ध या कुछ ऐसा ही।"
“बहुत बढ़िया। अब आपको याद नहीं है कि सुलेमान महान ने उन्हें 1523 में रोड्स से खदेड़ दिया था?”
"नहीं।"
“जी हाँ, महोदय, उन्होंने ऐसा किया और वे क्रीट में बस गए। और वे वहाँ सात साल तक रहे, 1530 तक, जब उन्होंने सम्राट चार्ल्स पंचम को राजी कर लिया कि वे उन्हें”—गुटमैन ने अपनी तीन फूली हुई उंगलियाँ उठाकर गिना—“माल्टा, गोज़ो और त्रिपोली दे दें।”
"हाँ?"
“जी जनाब, लेकिन इन शर्तों के साथ: उन्हें हर साल सम्राट को एक बाज़ भेंट करना होगा”—उन्होंने उंगली उठाते हुए कहा—“यह स्वीकार करते हुए कि माल्टा अभी भी स्पेन के अधीन है, और यदि वे कभी द्वीप छोड़ते हैं तो वह स्पेन को वापस मिल जाएगा। समझे? सम्राट उन्हें यह दे रहे हैं, लेकिन तभी जब वे इसका उपयोग करेंगे, और वे इसे किसी और को दे या बेच नहीं सकते।”
"हाँ।"
उस मोटे आदमी ने अपने कंधों के ऊपर से तीनों बंद दरवाजों की ओर देखा, अपनी कुर्सी को स्पेड्स के कुछ इंच और करीब खिसकाया, और अपनी आवाज को धीमी, कर्कश फुसफुसाहट में बदल दिया: "क्या आपको उस समय उस संगठन की असीम, अथाह संपत्ति का कोई अंदाजा है?"
स्पेड ने कहा, "अगर मुझे याद है, तो वे काफी हद तक ठीक हो चुके थे।"
गुटमैन ने मुस्कुराते हुए कहा, "महज़ अच्छी हालत थी, महोदय, यह कहना तो बहुत हल्का होगा।" उनकी फुसफुसाहट धीमी और मधुर हो गई। "वे धन-दौलत में डूबे हुए थे, महोदय। आपको इसका अंदाज़ा भी नहीं है। हममें से किसी को भी नहीं है। वर्षों तक उन्होंने सारसेन्स पर अत्याचार किया, न जाने क्या-क्या लूट का माल लूटा - रत्न, कीमती धातुएँ, रेशम, हाथीदांत - पूरब का सबसे उत्तम माल। यह इतिहास है, महोदय। हम सब जानते हैं कि उनके लिए, और टेम्प्लर्स के लिए भी, पवित्र युद्ध मुख्य रूप से लूट का मामला था।"
“खैर, सम्राट चार्ल्स ने उन्हें माल्टा दे दिया है, और किराए के तौर पर वे सालाना सिर्फ एक मामूली पक्षी मांगते हैं, बस औपचारिकता के तौर पर। इन अपार धनवान शूरवीरों के लिए अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने का कोई तरीका ढूंढना स्वाभाविक ही था। जी हाँ, उन्होंने यही किया, और उन्हें एक सुखद विचार आया कि पहले साल के भेंट के रूप में चार्ल्स को एक मामूली जीवित पक्षी नहीं, बल्कि एक शानदार सोने का बाज़ भेजा जाए, जो उनके खजाने के सबसे उत्तम रत्नों से सिर से पैर तक जड़ा हो। और—याद रखिए, जी—उनके पास बेहतरीन बाज़ थे, एशिया के सबसे उत्तम।” गुटमैन ने फुसफुसाना बंद कर दिया। उनकी चिकनी काली आँखों ने स्पेड के शांत चेहरे को देखा। उस मोटे आदमी ने पूछा: “खैर, आपको यह कैसा लगा?”
"मुझें नहीं पता।"

मोटे आदमी ने आत्मसंतुष्टि से मुस्कुराते हुए कहा, “ये तथ्य हैं, ऐतिहासिक तथ्य, स्कूल की किताबों का इतिहास नहीं, मिस्टर वेल्स का इतिहास नहीं, लेकिन फिर भी इतिहास तो है ही।” वह आगे की ओर झुका। “बारहवीं शताब्दी से लेकर अब तक के इस संगठन के अभिलेखागार अभी भी माल्टा में हैं। वे पूरी तरह से सुरक्षित तो नहीं हैं, लेकिन जो कुछ भी वहाँ मौजूद है, उसमें कम से कम तीन”—उसने तीन उंगलियाँ ऊपर उठाईं—“संदर्भ हैं जो इस रत्नजड़ित बाज़ के अलावा किसी और चीज़ से संबंधित नहीं हो सकते। जे. डेलाविल ले रूल्क्स की पुस्तक 'लेस आर्काइव्स डे ल'ऑर्ड्रे डे सेंट-जीन' में इसका उल्लेख है—स्पष्ट रूप से नहीं, लेकिन फिर भी एक उल्लेख है। और पाओली की पुस्तक 'डेल' ओरिजिन एड इंस्टिट्यूटो डेल सैक्रो मिलिटार ऑर्डिन' का अप्रकाशित—क्योंकि उनकी मृत्यु के समय यह अधूरा था—पूरक उन तथ्यों का स्पष्ट और निर्विवाद विवरण देता है जो मैं आपको बता रहा हूँ।”

“ठीक है,” स्पेड ने कहा।

“जी हाँ, महोदय। ग्रैंड मास्टर विलियर्स डी ल'इस्ले डी'एडम ने सेंट एंजेलो के किले में तुर्की के गुलामों से एक फुट ऊँची रत्नजड़ित चिड़िया बनवाई और उसे स्पेन में मौजूद चार्ल्स के पास भेज दिया। उन्होंने इसे कॉर्मियर या कोरवेरे नामक एक फ्रांसीसी शूरवीर के नेतृत्व वाली एक नौका में भेजा, जो उस समय शाही परिवार का सदस्य था।” उनकी आवाज़ फिर धीमी होकर फुसफुसाहट में बदल गई। “यह कभी स्पेन नहीं पहुँची।” उन्होंने दबे हुए होंठों से मुस्कुराते हुए पूछा: “आप बारबारोसा, रेडबियर्ड, खैर-ए-दीन के बारे में जानते हैं? नहीं? अल्जीयर्स से निकलने वाले समुद्री लुटेरों के एक प्रसिद्ध एडमिरल। खैर, महोदय, उन्होंने नाइट्स गैली पर कब्जा कर लिया और उस पक्षी को ले गए। वह पक्षी अल्जीयर्स चला गया। यह एक तथ्य है। यह तथ्य फ्रांसीसी इतिहासकार पियरे डैन ने अल्जीयर्स से लिखे अपने एक पत्र में लिखा था। उन्होंने लिखा था कि वह पक्षी सौ साल से भी अधिक समय तक वहीं रहा, जब तक कि उसे सर फ्रांसिस वर्नी, उस अंग्रेज साहसी व्यक्ति द्वारा नहीं ले जाया गया, जो कुछ समय के लिए अल्जीरियाई समुद्री लुटेरों के साथ था। शायद ऐसा न हो, लेकिन पियरे डैन का मानना था कि ऐसा था, और मेरे लिए यही काफी है।”

"लेडी फ्रांसिस वर्नी की 'सत्रहवीं शताब्दी के दौरान वर्नी परिवार के संस्मरण' में इस पक्षी के बारे में कुछ भी नहीं लिखा है। मैंने खोजा है। और यह लगभग निश्चित है कि 1615 में मेसिना के एक अस्पताल में सर फ्रांसिस की मृत्यु के समय उनके पास यह पक्षी नहीं था। वे पूरी तरह कंगाल थे। लेकिन, महोदय, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पक्षी सिसिली गया था। वह वहाँ था और 1713 में राजा बनने के कुछ समय बाद विक्टर एमेडियस द्वितीय के पास आ गया, और जब उन्होंने गद्दी छोड़ने के बाद चैम्बरी में शादी की, तो यह उनकी पत्नी को दिए गए उपहारों में से एक था। यह एक तथ्य है, महोदय। 'स्टोरिया डेल रेग्नो डी विटोरियो एमेडियो द्वितीय' के लेखक कारुट्टी ने स्वयं इसकी पुष्टि की है।"

“हो सकता है कि अमादेओ और उनकी पत्नी इसे अपने साथ ट्यूरिन ले गए हों जब उन्होंने अपना पदत्याग वापस लेने की कोशिश की थी। खैर, इसके बाद यह एक स्पेनिश व्यक्ति के पास मिला जो

1734 में नेपल्स पर कब्ज़ा करने वाली सेना में था—डॉन जोस मोनिनो वाई रेडोंडो, काउंट ऑफ फ्लोरिडाबियान्का के पिता, जो चार्ल्स तृतीय के मुख्य मंत्री थे। ऐसा कोई सबूत नहीं है कि यह कम से कम 1740 में कार्लिस्ट युद्ध के अंत तक उस परिवार के पास नहीं रहा। फिर यह पेरिस में लगभग उसी समय दिखाई दिया जब पेरिस उन कार्लिस्टों से भरा हुआ था जिन्हें स्पेन से बाहर निकलना पड़ा था। उनमें से कोई इसे अपने साथ लाया होगा, लेकिन जो भी हो, यह संभव है कि उसे इसके असली मूल्य के बारे में कुछ भी पता न हो। स्पेन में कार्लिस्ट संकट के दौरान एहतियात के तौर पर इसे रंग या एनामेल से ढक दिया गया था ताकि यह एक साधारण सी दिखने वाली काली मूर्ति से ज़्यादा कुछ न लगे। और इस भेष में, महोदय, आप कह सकते हैं कि इसे सत्तर वर्षों तक पेरिस में इधर-उधर फेंका गया। निजी मालिकों और डीलरों द्वारा, जो इतने मूर्ख थे कि वे यह नहीं देख पाए कि असलियत क्या थी।"

मोटे आदमी ने रुककर मुस्कुराया और अफसोस से सिर हिलाया। फिर वह बोला, “महोदय, सत्तर वर्षों तक यह अद्‌भुत वस्तु, जैसा कि आप कह सकते हैं, पेरिस की गलियों में पड़ी एक फुटबॉल की तरह थी—जब तक कि 1911 में चारिलॉस कॉन्स्टेंटिनिड्स नामक एक यूनानी व्यापारी ने इसे एक गुमनाम दुकान में नहीं खोज लिया। चारिलॉस को यह समझने और इसे हासिल करने में ज़्यादा समय नहीं लगा कि यह क्या है। इनेमल की कोई भी मोटाई उसकी नज़रों और नाक से इसकी कीमत नहीं छिपा सकी। खैर, महोदय, चारिलॉस ही वह व्यक्ति था जिसने इसके इतिहास का अधिकांश हिस्सा खोजा और इसकी पहचान की कि यह वास्तव में क्या है। मुझे इसकी भनक लगी और आखिरकार मैंने उससे इसका अधिकांश इतिहास उगलवा लिया, हालाँकि मैंने बाद में कुछ और विवरण जोड़े हैं।”

“चारिलाओस को अपनी खोज को तुरंत पैसे में बदलने की कोई जल्दी नहीं थी। वह जानता था कि—यद्यपि इसका आंतरिक मूल्य बहुत अधिक था—एक बार इसकी प्रामाणिकता निर्विवाद रूप से सिद्ध हो जाने पर, इससे कहीं अधिक, एक जबरदस्त कीमत प्राप्त की जा सकती थी। संभवतः उसने पुराने धार्मिक संगठन के आधुनिक वंशजों में से किसी एक के साथ व्यापार करने की योजना बनाई थी—जैसे कि इंग्लैंड का सेंट जॉन ऑफ जेरूसलम का संगठन, प्रशिया का जोहानिटरॉर्डन, या माल्टा के संप्रभु संगठन का इतालवी या जर्मन संगठन—ये सभी धनी संगठन थे।”

मोटे आदमी ने अपना गिलास उठाया, उसकी खालीपन पर मुस्कुराया और उसे और स्पेड्स का गिलास भरने के लिए उठ खड़ा हुआ। "अब तुम्हें मुझ पर थोड़ा-बहुत यकीन होने लगा है?" उसने साइफन चलाते हुए पूछा।

मैंने यह नहीं कहा कि मैंने ऐसा नहीं किया।

“नहीं,” गुटमैन हँसते हुए बोले। “लेकिन आप कैसे दिख रहे थे!” वे बैठ गए, खूब पानी पिया और एक सफेद रुमाल से अपना मुँह पोंछा। “जी महोदय, इसके इतिहास पर शोध करते समय इसे सुरक्षित रखने के लिए, चारिलाओस ने पक्षी पर दोबारा एनामेल चढ़ाया था, बिल्कुल वैसे ही जैसे वह अब है। इसे हासिल करने के ठीक एक साल बाद—यानी शायद मेरे द्वारा उससे कबूल करवाने के तीन महीने बाद—मैंने लंदन में टाइम्स अखबार उठाया और पढ़ा कि उसके प्रतिष्ठान में चोरी हुई थी और उसकी हत्या

कर दी गई थी। मैं अगले ही दिन पेरिस में था।" उन्होंने दुख से सिर हिलाया। "पक्षी गायब हो गया था। हे भगवान, मैं तो बौखला गया था। मुझे यकीन नहीं था कि किसी और को पता होगा कि वह क्या था। मुझे यकीन नहीं था कि उसने मेरे अलावा किसी और को बताया होगा। बहुत सारा सामान चोरी हो गया था। इससे मुझे लगा कि चोर ने पक्षी को भी अपने बाकी लूटे हुए सामान के साथ ले लिया होगा, यह जाने बिना कि वह क्या था। क्योंकि मैं आपको यकीन दिलाता हूँ कि जो चोर उसकी कीमत जानता होगा, वह किसी और चीज का बोझ नहीं उठाएगा—जी नहीं, कम से कम राजसी गहनों से कम किसी चीज का तो बिल्कुल नहीं।"

उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और मन ही मन सोचते हुए संतुष्टि भरी मुस्कान दी। फिर उसने आँखें खोलीं और बोला, "यह सत्रह साल पहले की बात है। खैर, महोदय, उस पक्षी को ढूंढने में मुझे सत्रह साल लग गए, लेकिन मैंने उसे ढूंढ लिया। मैं उसे चाहता था, और मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूँ जो कुछ चाहने पर आसानी से निराश हो जाए।" उसकी मुस्कान और चौड़ी हो गई। "मैं उसे चाहता था और मैंने उसे पा लिया। मैं उसे चाहता हूँ और मैं उसे पाकर रहूँगा।" उसने अपना गिलास खाली किया, अपने होंठ फिर से पोंछे और अपना रुमाल जेब में रख लिया। "मैंने इसका पता कॉन्स्टेंटिनोपल के बाहरी इलाके में एक रूसी जनरल—केमिडोव—के घर से लगाया। उसे इसके बारे में कुछ भी पता नहीं था। उसके लिए यह महज़ एक काले रंग की बनी मूर्ति थी, लेकिन उसकी स्वाभाविक ज़िद्दीपन—एक रूसी जनरल का स्वाभाविक ज़िद्दीपन—ने उसे तब भी मुझे बेचने से रोक दिया जब मैंने उसे प्रस्ताव दिया। शायद अपनी उत्सुकता में मैं थोड़ा अनाड़ी हो गया, हालाँकि बहुत ज़्यादा नहीं। मुझे नहीं पता। लेकिन मुझे यह ज़रूर चाहिए था और मुझे डर था कि यह बेवकूफ सिपाही कहीं अपनी संपत्ति की छानबीन न करने लगे, कहीं मूर्ति का कुछ हिस्सा न निकाल दे। इसलिए मैंने कुछ—अह—एजेंटों को इसे लाने के लिए भेजा। खैर, महोदय, वे इसे ले आए और मुझे नहीं मिला।" वह खड़ा हुआ और अपना खाली गिलास मेज पर ले गया। "लेकिन मैं इसे लेकर आऊँगा। आपका गिलास, महोदय।"

"तो फिर यह पक्षी आपमें से किसी का नहीं है?" स्पेड ने पूछा, "बल्कि जनरल केमिडोव का है?"

"क्या यह किसी की संपत्ति है?" मोटे आदमी ने हंसते हुए कहा। "जी जनाब, आप कह सकते हैं कि यह स्पेन के राजा की संपत्ति थी, लेकिन मुझे नहीं लगता कि आप ईमानदारी से किसी और को इस पर स्पष्ट अधिकार दे सकते हैं—सिवाय कब्जे के अधिकार के।" उसने कुड़कुड़ाते हुए कहा, "इतनी कीमत की कोई वस्तु जो इस तरह से एक हाथ से दूसरे हाथ में जाती रही हो, वह स्पष्ट रूप से उसी की संपत्ति है जो उसे हासिल कर सकता है।"

"तो अब यह मिस ओ'शॉघनेसी का है?"

"नहीं, महोदय, सिवाय मेरे प्रतिनिधि के रूप में।"

स्पेड ने व्यंग्यपूर्वक कहा, "ओह।"

गुटमैन ने अपने हाथ में पकड़ी व्हिस्की की बोतल के ढक्कन को ध्यान से देखते हुए पूछा: "अब इसमें कोई शक नहीं कि उसे यह मिल गया है?"

"ज्यादा नहीं।"
"कहाँ?"
मुझे ठीक से पता नहीं है।
मोटे आदमी ने बोतल को धड़ाम से मेज पर रख दिया। "लेकिन तुमने कहा था कि तुमने किया था," उसने विरोध किया।
स्पेड ने लापरवाही से एक हाथ से इशारा किया। "मेरा मतलब था कि जब समय आएगा तो मुझे पता है कि इसे कहाँ से प्राप्त करना है।"
गुटमैन के चेहरे की गुलाबी पुतलियाँ और भी अधिक प्रसन्नता से सज उठीं। "और आप?" उसने पूछा।
"हाँ।"
"कहाँ?"
स्पेड मुस्कुराया और बोला, "यह काम मुझ पर छोड़ दो। यह मेरा हिस्सा है।"
"कब?"
जब मैं तैयार हो जाऊंगी।
उस मोटे आदमी ने अपने होंठ सिकोड़े और थोड़ी सी बेचैनी के साथ मुस्कुराते हुए पूछा: "मिस्टर स्पेड, मिस ओ'शॉघनेसी अब कहाँ हैं?"
"मेरे हाथों में, सुरक्षित रूप से रखा हुआ।"
गुटमैन ने सहमति जताते हुए मुस्कुराया। "मुझे आप पर पूरा भरोसा है, महोदय," उन्होंने कहा। "अच्छा, महोदय, इससे पहले कि हम कीमतों पर चर्चा करने बैठें, कृपया मुझे इस सवाल का जवाब दें: आप बाज़ का उत्पादन कितनी जल्दी कर सकते हैं—या कितनी जल्दी करने को तैयार हैं?"
"कुछ दिन।"
मोटे आदमी ने सिर हिलाया। “यह संतोषजनक है। हम— लेकिन मैं हमारा खाना भूल गया।” वह मेज की ओर मुड़ा, व्हिस्की डाली, उसमें थोड़ा पानी छिड़का, स्पेड की कोहनी के पास एक गिलास रखा और अपना गिलास ऊपर उठाया। “ठीक है, महोदय, चलिए, यह सौदा अच्छा हो और हम दोनों को पर्याप्त लाभ मिले।”
उन्होंने शराब पी। मोटा आदमी बैठ गया। स्पेड ने पूछा: "आपके हिसाब से उचित सौदा क्या होता है?"
गुटमैन ने अपना गिलास रोशनी में उठाया, उसे स्नेह से देखा, एक और लंबा घूंट लिया और बोला: “महोदय, मेरे पास दो प्रस्ताव हैं, और दोनों ही उचित हैं। आप अपनी पसंद चुनिए। बाज़ को मेरे पास पहुँचाते ही मैं आपको पच्चीस हज़ार डॉलर दूँगा, और न्यूयॉर्क पहुँचते ही पच्चीस हज़ार डॉलर और दूँगा; या फिर बाज़ की कीमत का एक चौथाई—पच्चीस प्रतिशत—मैं आपको दूँगा। लीजिए, महोदय: लगभग तुरंत पचास हज़ार डॉलर या दो महीने के भीतर कहीं अधिक बड़ी रकम।”
स्पेड ने पीकर पूछा: "कितना अधिक?"

“बहुत ज़्यादा,” मोटे आदमी ने दोहराया। “कौन जानता है कितना ज़्यादा? क्या मैं एक लाख कहूँ, या ढाई लाख? अगर मैं न्यूनतम संभावित राशि बताऊँ तो क्या आप मुझ पर विश्वास करेंगे?”
"क्यों नहीं?"
उस मोटे आदमी ने अपने होंठों को चटकाया और अपनी आवाज़ को धीमी, गुनगुनाने जैसी आवाज़ में कहा, "महोदय, आप पाँच लाख के बारे में क्या कहेंगे?"
स्पेड ने अपनी आँखें सिकोड़ीं। "तो तुम्हें लगता है कि वह बेवकूफ दो मिलियन का है?"
गुटमैन ने शांत भाव से मुस्कुराते हुए पूछा, "आपके अपने शब्दों में, क्यों नहीं?"
स्पेड ने अपना गिलास खाली किया और उसे मेज पर रख दिया। उसने सिगार मुंह में डाला, बाहर निकाला, उसे देखा और फिर वापस मुंह में रख लिया। उसकी पीली-भूरी आँखें थोड़ी धुंधली थीं। उसने कहा: "यह तो बहुत बड़ी रकम है।"
मोटे आदमी ने सहमति जताते हुए कहा, "यह तो बहुत ज़्यादा पैसा है।" वह आगे झुका और स्पेड के घुटने पर थपथपाया। "यह तो न्यूनतम से न्यूनतम राशि है—वरना चारिलॉस कॉन्स्टेंटिनिड्स बिलकुल बेवकूफ था—और वह नहीं था।"
स्पेड ने सिगार को फिर से अपने मुंह से निकाला, उसे घृणा से देखते हुए भौंहें चढ़ाईं और उसे सिगार स्टैंड पर रख दिया। उसने अपनी आँखें कसकर बंद कीं, फिर खोलीं। उनमें धुंधलापन और गहरा हो गया था। उसने कहा: "न्यूनतम, है ना? और अधिकतम?" अधिकतम शब्द के बाद स्पष्ट रूप से 'श' की ध्वनि आई।
“अधिकतम सीमा?” गुटमैन ने अपना खाली हाथ हथेली ऊपर की ओर करके आगे बढ़ाया। “मैं अनुमान लगाने से इनकार करता हूँ। आप मुझे पागल समझेंगे। मुझे नहीं पता। यह कहना असंभव है कि यह कितना ऊपर जा सकता है, महोदय, और यही एकमात्र सत्य है।”
स्पेड ने अपने लटके हुए निचले होंठ को ऊपरी होंठ से कसकर दबा लिया। उसने अधीरता से अपना सिर हिलाया। उसकी आँखों में भय की एक तीखी चमक उभरी—लेकिन गहरे होते धुंधलेपन ने उसे ढक लिया। वह कुर्सी के बाजूबंदों का सहारा लेकर खड़ा हुआ। उसने फिर से अपना सिर हिलाया और एक अनिश्चित कदम आगे बढ़ाया। वह ज़ोर से हँसा और बुदबुदाया: "तुम्हें नरक में जाना पड़े।"
गुटमैन उछल पड़ा और अपनी कुर्सी पीछे धकेल दी। उसके मोटे-मोटे स्तन हिल रहे थे। उसकी आँखें तैलीय गुलाबी चेहरे में काले गड्ढों जैसी लग रही थीं।
स्पेड ने अपना सिर इधर-उधर घुमाया, जब तक कि उसकी धुंधली आँखें दरवाजे पर टिक नहीं गईं—भले ही पूरी तरह से उस पर केंद्रित न हो गईं। उसने एक और अनिश्चित कदम बढ़ाया।
उस मोटे आदमी ने तीखी आवाज में कहा: "विल्मर!"
एक दरवाजा खुला और लड़का अंदर आ गया।

स्पेड ने तीसरा कदम बढ़ाया। उसका चेहरा अब पीला पड़ गया था, और जबड़े की मांसपेशियां उसके कानों के नीचे ट्यूमर की तरह उभरी हुई थीं। चौथे कदम के बाद भी उसके पैर सीधे नहीं हुए और उसकी मटमैली आंखें पलकों से लगभग ढकी हुई थीं। उसने अपना पांचवा कदम बढ़ाया।

लड़का चलकर स्पेड के पास आया और उसके थोड़ा आगे खड़ा हो गया, लेकिन स्पेड और दरवाजे के ठीक बीच में नहीं। लड़के का दाहिना हाथ उसके कोट के अंदर उसके दिल पर था। उसके होंठों के कोने फड़क रहे थे।

स्पेड ने अपना छठा कदम आजमाया।

लड़के का पैर अचानक स्पेड के पैर के सामने आ गया। स्पेड उस पैर से टकराकर लड़खड़ा गया और ज़मीन पर औंधा गिर पड़ा। लड़का अपना दाहिना हाथ कोट के नीचे रखकर स्पेड को देखने लगा। स्पेड उठने की कोशिश करने लगा। लड़के ने अपना दाहिना पैर पीछे खींचकर स्पेड की कनपटी पर लात मार दी। लात लगने से स्पेड एक तरफ लुढ़क गया। उसने फिर उठने की कोशिश की, पर उठ नहीं पाया और सो गया।

14

कबूतर

■

सुबह छह बजकर कुछ मिनट पर, लिफ्ट से बाहर निकलते हुए स्पेड ने अपने कार्यालय के दरवाजे के धुंधले शीशे से पीली रोशनी चमकती देखी। वह अचानक रुक गया, अपने होंठ भींचे, गलियारे में ऊपर-नीचे देखा और तेज, शांत कदमों से दरवाजे की ओर बढ़ गया।

उसने दरवाज़े के हैंडल पर हाथ रखा और उसे इतनी सावधानी से घुमाया कि न तो कोई खड़खड़ाहट हुई और न ही कोई आवाज़। उसने हैंडल को तब तक घुमाया जब तक वह और आगे नहीं घूम सका: दरवाज़ा बंद हो गया था। हैंडल को पकड़े हुए, उसने उसे अपने बाएं हाथ में ले लिया। अपने दाहिने हाथ से उसने अपनी जेब से चाबियां सावधानी से निकालीं, ताकि वे आपस में न खनकें। उसने दफ्तर की चाबी को बाकी चाबियों से अलग किया और बाकी चाबियों को हथेली में दबाकर ताले में डाल दिया। चाबी डालने की आवाज़ नहीं हुई। उसने अपने पैरों के पंजों पर संतुलन बनाया, गहरी सांस ली, दरवाज़ा खोला और अंदर चला गया।

एफ़ी पेरिन अपनी कोहनियों पर सिर रखकर सो रही थी, उसकी कोहनियाँ डेस्क पर टिकी थीं। उसने अपना कोट पहना हुआ था और स्पेड्स के ओवरकोट में से एक को अपने चारों ओर केप की तरह लपेटा हुआ था।

स्पेड ने दबी हुई हंसी के साथ सांस छोड़ी, दरवाजा बंद किया और अंदर के दरवाजे की ओर चल दिया। अंदर का दफ्तर खाली था। वह लड़की के पास गया और उसके कंधे पर हाथ रखा।

वह हिली, नींद में सिर उठाया और पलकें झपकाईं। अचानक वह सीधी होकर बैठ गई और आँखें चौड़ी कर लीं। उसने स्पेड को देखा, मुस्कुराई, कुर्सी पर पीछे झुक गई और उंगलियों से अपनी आँखें मलने लगी। "तो आखिरकार तुम वापस आ ही गए?" उसने कहा। "कितना समय हो गया है?"

“छह बज गए हैं। तुम यहाँ क्या कर रहे हो?”

वह कांप उठी, स्पेड के ओवरकोट को अपने चारों ओर कसकर लपेट लिया और जम्हाई ली। "आपने मुझसे कहा था कि जब तक आप वापस न आ जाएं या फोन न कर दें, तब तक यहीं रुकूं।"

"ओह, आप उस लड़के की बहन हैं जो जलते हुए डेक पर खड़ा था?"

“मैं ऐसा नहीं करने वाली थी—” वह रुक गई और खड़ी हो गई, जिससे उसका कोट उसके पीछे कुर्सी पर गिर गया। उसने अपनी गहरी, उत्तेजित आँखों से उसकी टोपी के नीचे उसकी कनपटी को देखा और कहा: “ओह, तुम्हारा सिर! क्या हुआ?”

उनकी दाहिनी कनपटी काली और सूजी हुई थी।

“मुझे नहीं पता कि मैं गिरा था या किसी ने मुझे घूंसा मारा था। मुझे नहीं लगता कि इससे कुछ खास चोट लगी है, लेकिन बहुत दर्द हो रहा है।” उसने बस उंगलियों से उसे छुआ, सिहर उठा, अपने दर्द भरे चेहरे को एक गंभीर मुस्कान में बदल दिया और समझाया: “मैं मिलने गया था, मुझे बेहोश करने वाली दवाइयाँ खिलाई गईं और बारह घंटे बाद जब मुझे होश आया तो मैं एक आदमी के फर्श पर पड़ा हुआ था।”

उसने हाथ बढ़ाकर उसके सिर से टोपी उतार दी। “यह बहुत बुरा है,” उसने कहा। “आपको डॉक्टर को दिखाना होगा। आप इस हालत में घूम नहीं सकते।”

“सिरदर्द को छोड़कर, जितना दिख रहा है उतना बुरा नहीं है, और वो भी शायद ड्रॉप्स की वजह से ही है।” वो दफ्तर के कोने में रखी अलमारी के पास गया और एक रुमाल पर ठंडा पानी डाला। “मेरे जाने के बाद कुछ पता चला?”

"क्या तुम्हें मिस ओ'शॉघनेसी मिलीं, सैम?"

“अभी तक नहीं। मेरे जाने के बाद कुछ पता चला?”

“जिला अटॉर्नी के कार्यालय से फोन आया था। वह आपसे मिलना चाहते हैं।”

"वह स्वयं?"

“हां, मैंने भी यही समझा था। और एक लड़का एक संदेश लेकर आया था—कि श्री गुटमैन साढ़े पांच बजे से पहले आपसे बात करके बहुत प्रसन्न होंगे।”

स्पेड ने पानी बंद किया, रूमाल को निचोड़ा और रूमाल को अपने माथे पर रखे हुए अलमारी से बाहर आया। उसने कहा, "मुझे यह मिला। मैं नीचे उस लड़के से मिला और श्री गुटमैन से बात करने पर मुझे यह मिला।"

"क्या फोन करने वाला जी था, सैम?"

"हाँ।"

और क्या—?

स्पेड ने लड़की को घूरते हुए मानो अपने विचारों को व्यवस्थित करने के लिए शब्दों का इस्तेमाल कर रहा हो, बोला: “वह कुछ ऐसा चाहता है जो उसे लगता है कि मैं उसे दिला सकता हूँ। मैंने उसे समझाया कि अगर उसने साढ़े पाँच बजे से पहले मुझसे सौदा नहीं किया, तो मैं उसे वह चीज़ मिलने से रोक सकता हूँ। फिर—हाँ—ज़रूर—जब मैंने उसे बताया कि उसे कुछ दिन इंतज़ार करना पड़ेगा, तब उसने मुझे वह बेकार चीज़ खिलाई। ऐसा नहीं लगता कि उसने सोचा होगा कि मैं मर जाऊँगा। उसे पता होता कि मैं दस-बारह घंटे में उठकर चलने-फिरने लगूँगा। तो शायद जवाब यह है कि उसने सोचा होगा कि अगर मैं इस तरह से स्थिर हो जाऊँ कि बीच में दखल न दे सकूँ, तो वह उस समय में मेरी मदद के बिना ही वह चीज़ हासिल कर लेगा।” उसने तेवर चढ़ाए। “भगवान करे वह गलत हो।” उसकी घूरती नज़रें थोड़ी नरम हुईं। “क्या तुम्हें ओ'शॉघनेसी से कोई खबर मिली?”

लड़की ने सिर हिलाकर ना कहा और पूछा: "क्या इसका उससे कोई लेना-देना है?"

"कुछ।"
“यह चीज़ जो वह चाहता है, वह उसकी है?”
या फिर स्पेन के राजा को। प्रियतमा, क्या तुम्हारा कोई चाचा है जो विश्वविद्यालय में इतिहास या कुछ और पढ़ाता है?
“एक चचेरा भाई। क्यों?”
"अगर हम चार सदियों पुराने एक कथित ऐतिहासिक रहस्य से उसका जीवन रोशन कर दें, तो क्या हम उस पर भरोसा कर सकते हैं कि वह इसे कुछ समय के लिए छुपा कर रखेगा?"
"ओह, हाँ, वह अच्छे इंसान हैं।"
ठीक है। अपनी पेंसिल और किताब ले आओ।
वह उन्हें लेकर अपनी कुर्सी पर बैठ गई। स्पेड ने अपने रूमाल पर और ठंडा पानी डाला और उसे अपने माथे पर रखकर उसके सामने खड़ा हो गया और बाज़ की कहानी सुनाने लगा, जैसा उसने गुटमैन से सुना था। यह कहानी चार्ल्स पंचम द्वारा हॉस्पिटेलर्स को दिए गए अनुदान से लेकर कार्लिस्ट आगमन के समय पेरिस में उस नक्काशीदार पक्षी के आगमन तक की थी, लेकिन इससे आगे नहीं। गुटमैन द्वारा उल्लिखित लेखकों और उनकी रचनाओं के नामों में वह अटक गया, लेकिन किसी तरह उच्चारण में समानता लाने में कामयाब रहा। बाकी इतिहास उसने एक प्रशिक्षित साक्षात्कारकर्ता की सटीकता के साथ दोहराया।
जब उसने लिखना समाप्त किया तो लड़की ने अपनी नोटबुक बंद कर दी और मुस्कुराते हुए शरमाते हुए उसकी ओर देखा। "ओह, यह कितना रोमांचक है!" उसने कहा। "यह तो..."
“हाँ, या फिर बेतुका। अब तुम इसे अपने चचेरे भाई को पढ़कर सुनाओगे और उससे पूछोगे कि वह इसके बारे में क्या सोचता है? क्या उसने कभी ऐसी कोई चीज़ देखी है जिसका इससे कुछ संबंध हो? क्या यह संभव है? क्या यह मुमकिन है—कम से कम मुमकिन भी? या फिर यह सब बकवास है? अगर उसे और समय चाहिए तो ठीक है, लेकिन अभी उससे कुछ राय ले लो। और भगवान के लिए, उसे यह बात किसी को न बताने के लिए कहना।”
“मैं अभी जाती हूँ,” उसने कहा, “और तुम जाकर अपने सिर के बारे में डॉक्टर से सलाह लो।”
हम पहले नाश्ता करेंगे।
नहीं, मैं बर्कले में खाना खाऊंगा। मुझे यह जानने का बेसब्री से इंतजार है कि टेड इस बारे में क्या सोचता है।
“अच्छा,” स्पेड ने कहा, “अगर वह तुम पर हंसे तो रोना-धोना शुरू मत कर देना।”
महल में इत्मीनान से नाश्ता करने के बाद, जिसके दौरान उन्होंने दोनों सुबह के अखबार पढ़े, स्पेड घर गए, दाढ़ी बनाई, स्नान किया, अपनी चोटिल कनपटी पर बर्फ रगड़ी और नए कपड़े पहने।
वह कोरोनेट स्थित ब्रिगेड ओ'शॉघनेसी के अपार्टमेंट में गया। अपार्टमेंट में कोई नहीं था। पिछली बार आने के बाद से उसमें कुछ भी नहीं बदला था।

वह अलेक्जेंड्रिया होटल गया। गुटमैन वहाँ नहीं था। गुटमैन के सुइट में ठहरे अन्य मेहमान भी वहाँ नहीं थे। स्पेड को पता चला कि अन्य मेहमान उस मोटे आदमी का सचिव विल्मर कुक और उसकी सत्रह वर्षीय बेटी रिया थी, जिसकी भूरी आँखें और सुनहरे बाल थे और होटल के कर्मचारियों के अनुसार वह बहुत सुंदर थी। स्पेड को बताया गया कि गुटमैन का परिवार दस दिन पहले न्यूयॉर्क से होटल पहुँचा था और अभी तक चेक आउट नहीं किया था।

स्पेड बेलवेडेर होटल गया और वहां उसने होटल के कैफे में होटल के जासूस को खाना खाते हुए पाया।

“सुप्रभात, सैम। बैठो और एक अंडा खाओ।” होटल के जासूस ने स्पेड की कनपटी को घूरते हुए कहा, “भगवान कसम, किसी ने तुम पर खूब मिर्ची स्प्रे किया है!”

“धन्यवाद, मैंने अपना काम कर लिया है,” स्पेड ने बैठते हुए कहा, और फिर अपने कनपटी की ओर इशारा करते हुए कहा: “यह जितना दिखता है उससे कहीं ज़्यादा खराब है। मेरे काहिरा का व्यवहार कैसा है?”

“कल वो आपके जाने के आधे घंटे बाद ही निकला था और तब से मैंने उसे नहीं देखा। वो कल रात भी यहाँ नहीं सोया।”

उसे बुरी आदतें लग रही हैं।

"अच्छा, उस जैसे आदमी को इतने बड़े शहर में अकेला छोड़ दो। सैम, तुम्हें गोली किसने मारी?"

“यह काहिरा नहीं था।” स्पेड ने ल्यूक के टोस्ट को ढकने वाले छोटे चांदी के गुंबद को ध्यान से देखा। “उसके बाहर रहने के दौरान उसके कमरे को ढकने की क्या संभावना है?”

“ठीक है। तुम जानते हो कि मैं हमेशा तुम्हारे साथ हर हद तक जाने को तैयार हूँ।” ल्यूक ने अपनी कॉफी पीछे धकेली, कोहनियाँ मेज पर रखीं और स्पेड को घूरते हुए कहा, “लेकिन मुझे लगता है कि तुम मेरे साथ हर हद तक नहीं जाओगे। सैम, इस आदमी के बारे में सच में क्या चल रहा है? तुम्हें मेरे साथ ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है। तुम जानते हो कि मैं आम आदमी हूँ।”

स्पेड ने चांदी के गुंबद से अपनी निगाहें उठाईं। उसकी निगाहें स्पष्ट और बेबाक थीं। "हाँ, बिल्कुल," उसने कहा। "मैं कुछ छुपा नहीं रहा हूँ। मैंने तुम्हें साफ-साफ बता दिया है। मैं उसके लिए काम कर रहा हूँ, लेकिन उसके कुछ दोस्त मुझे संदिग्ध लगते हैं और मुझे उस पर थोड़ा शक है।"

"जिस बच्चे को हमने कल भगाया था, वह उसका दोस्त था।"

“हां, ल्यूक, वह था।”

और उन्हीं में से एक ने माइल्स को धक्का देकर दूसरी तरफ धकेल दिया।

स्पेड ने अपना सिर हिलाया। "थर्सबी ने माइल्स को मार डाला।"

और उसे किसने मारा?

स्पेड मुस्कुराया। उसने कहा, "यह एक रहस्य होना चाहिए था, लेकिन पुलिस के अनुसार, मैंने गोपनीय रूप से ऐसा किया।"

ल्यूक ने कराहते हुए कहा और खड़ा हो गया: "सैम, तुम्हें समझना बहुत मुश्किल है। चलो, एक बार देख लेते हैं।"

वे डेस्क पर इतनी देर रुके कि ल्यूक ने "इसे ठीक कर दिया ताकि अगर वह आए तो हमें घंटी सुनाई दे", और फिर काहिरा के कमरे में चले गए। काहिरा का बिस्तर साफ-सुथरा था, लेकिन कूड़ेदान में पड़े कागज, टेढ़े-मेढ़े लगे पर्दे और बाथरूम में पड़े कुछ सिकुड़े हुए तौलिये यह दर्शाते थे कि उस सुबह सफाईकर्मी नहीं आई थी।

कैरो के सामान में एक चौकोर ट्रंक, एक सूटकेस और एक ग्लैडस्टोन बैग शामिल थे। उनके बाथरूम की अलमारी सौंदर्य प्रसाधनों से भरी हुई थी—पाउडर, क्रीम, मलहम, परफ्यूम, लोशन और टॉनिक के डिब्बे, जार और बोतलें। अलमारी में दो सूट और एक ओवरकोट तीन जोड़ी जूतों के ऊपर टंगे हुए थे, जिन्हें बड़े करीने से सिलवाया गया था।

सूटकेस और छोटा बैग खुले हुए थे। जब तक स्पेड ने दूसरी जगह तलाशी पूरी की, तब तक ल्यूक ने ट्रंक का ताला खोल दिया था।

“अभी तक कुछ नहीं मिला,” स्पेड ने कहा और वे कार के ट्रंक में हाथ डालने लगे।

उन्हें वहां कुछ भी ऐसा नहीं मिला जिसमें उनकी रुचि हो।

"क्या हमें कोई खास चीज ढूंढनी है?" ल्यूक ने ट्रंक को दोबारा लॉक करते हुए पूछा।

“नहीं। कहा जाता है कि वह कांस्टेंटिनोपल से यहाँ आया था। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या वह सच में कांस्टेंटिनोपल से आया था। मुझे ऐसा कुछ भी नहीं मिला है जिससे यह साबित हो कि वह कांस्टेंटिनोपल से नहीं आया था।”

उसका धंधा क्या है?

स्पेड ने सिर हिलाया। "यह भी एक ऐसी बात है जो मैं जानना चाहता हूँ।" वह कमरे के उस पार गया और कूड़ेदान के ऊपर झुक गया। "खैर, यही हमारा आखिरी मौका है।"

उसने टोकरी से एक अखबार निकाला। पिछले दिन का 'कॉल' अखबार देखकर उसकी आँखें चमक उठीं। अखबार को इस तरह मोड़ा गया था कि वर्गीकृत विज्ञापन वाला पृष्ठ बाहर की ओर था। उसने अखबार खोला, उस पृष्ठ को ध्यान से देखा, और वहाँ उसकी नज़रों को कुछ भी अटपटा नहीं लगा।

उसने अखबार को पलटकर अंदर की ओर मुड़े हुए पन्ने को देखा, जिस पन्ने पर वित्तीय और व्यापारिक समाचार, मौसम, जन्म, विवाह, तलाक और मृत्यु की खबरें थीं। नीचे बाईं ओर से दूसरे कॉलम के निचले हिस्से का लगभग दो इंच से थोड़ा अधिक भाग फटा हुआ था।

फटे हुए हिस्से के ठीक ऊपर एक छोटा सा कैप्शन था: आज पहुंचा, जिसके बाद लिखा था:

रात 12:20 बजे—एस्टोरिया से कैपाक।

सुबह 5:05 बजे—ग्रीनवुड से हेलेन पी. डू।

सुबह 5:06 बजे—अलबाराडो, बैंडोन से।

आंसू अगली पंक्ति से गुजर गया, जिससे केवल उतने ही अक्षर बचे रहे जिनसे सिडनी से होने का अनुमान लगाया जा सके।
स्पेड ने कॉल को डेस्क पर रख दिया और फिर से कूड़ेदान में देखा। उसे रैपिंग पेपर का एक छोटा सा टुकड़ा, एक डोरी, दो मोज़े के टैग, छह जोड़ी मोजों की एक सेल टिकट और कूड़ेदान के निचले हिस्से में अखबार का एक छोटा सा गोला मिला।
उसने गेंद को सावधानी से खोला, मेज पर फैलाकर सीधा किया और उसे कॉल के फटे हुए हिस्से में फिट कर दिया। किनारों से तो फिटिंग एकदम सही थी, लेकिन मुड़े हुए टुकड़े के ऊपरी हिस्से और सिडनी से आने वाले संभावित संदेश के बीच आधा इंच जगह खाली थी, जो छह या सात नावों के आगमन की घोषणा के लिए पर्याप्त थी। उसने पन्ने को पलटा और देखा कि गायब हिस्से के दूसरी तरफ केवल एक स्टॉकब्रोकर के विज्ञापन का एक अर्थहीन कोना ही हो सकता था।
ल्यूक ने उसके कंधे पर झुकते हुए पूछा: "यह सब क्या है?"
ऐसा लगता है कि सज्जन को नाव में दिलचस्पी है।
“खैर, इसके खिलाफ कोई कानून नहीं है, या है?” ल्यूक ने कहा, जबकि स्पेड फटे हुए पन्ने और मुड़े हुए टुकड़े को एक साथ मोड़कर अपनी कोट की जेब में रख रहा था। “अब तुम सब यहाँ से जाओगे?”
“जी हाँ। बहुत-बहुत धन्यवाद, ल्यूक। क्या तुम उसके आते ही मुझे फोन कर दोगे?”
"ज़रूर।"
स्पेड कॉल के बिजनेस ऑफिस गया, पिछले दिन के अंक की एक प्रति खरीदी, उसे शिपिंग समाचार पृष्ठ पर खोला और काहिरा के कूड़ेदान से निकाले गए पृष्ठ से उसकी तुलना की। गायब हिस्से में लिखा था:
सुबह 5:17 बजे—सिडनी और पापीते से ताहिती का दृश्य।
सुबह 6:05 बजे—एस्टोरिया से एडमिरल पीपल्स।
सुबह 8:07 बजे—सैन पेड्रो से कैडोपीक का दृश्य।
सुबह 8:17 बजे—सैन पेड्रो से सिल्वरैडो।
सुबह 8:05 बजे—हांगकांग से ला पालोमा।
सुबह 9:03 बजे—सिएटल से डेज़ी ग्रे।
उसने सूची को धीरे-धीरे पढ़ा और जब वह पढ़ चुका तो उसने अपने नाखून से हांगकांग को रेखांकित किया, अपनी जेब में रखे चाकू से कागज से आने वालों की सूची काट दी, बाकी कागज और काहिरा का पन्ना कूड़ेदान में डाल दिया और अपने कार्यालय लौट गया।
वह अपनी मेज पर बैठ गया, टेलीफोन-पुस्तिका में एक नंबर ढूंढा और टेलीफोन का इस्तेमाल किया।
“केर्नी, एक बजकर चार मिनट, एक मिनट… कल सुबह हांगकांग से आई पालोमा कहाँ खड़ी है?” उन्होंने सवाल दोहराया। “धन्यवाद।”
उसने कुछ देर के लिए अपने अंगूठे से रिसीवर का हुक दबाए रखा, फिर उसे छोड़ा और बोला: “डेवनपोर्ट 20 20, कृपया… जासूस ब्यूरो, कृपया… क्या सार्जेंट पोलहॉस वहाँ हैं?… धन्यवाद… हेलो,

टॉम, मैं सैम स्पेड बोल रहा हूँ... हाँ, मैंने कल दोपहर आपसे संपर्क करने की कोशिश की थी... ज़रूर, मान लीजिए आप मेरे साथ दोपहर के भोजन पर चलते हैं... ठीक है।"
उसने रिसीवर को अपने कान से लगाए रखा जबकि उसका अंगूठा फिर से हुक पर काम कर रहा था।
"डेवनपोर्ट, एक बजकर सात बजकर, कृपया... नमस्कार, मैं सैमुअल स्पेड बोल रहा हूँ। मेरी सचिव को कल संदेश मिला था कि श्री ब्रायन मुझसे मिलना चाहते हैं। क्या आप उनसे पूछ सकते हैं कि उनके लिए सबसे सुविधाजनक समय क्या रहेगा?... जी हाँ, स्पेड, स्पेड।" एक लंबा विराम। "जी हाँ... ढाई बजकर? ठीक है। धन्यवाद।"
उसने पाँचवें नंबर पर कॉल किया और कहा: "हेलो डार्लिंग, क्या मैं सिड से बात कर सकता हूँ? ... हेलो सिड—सैम। आज दोपहर ढाई बजे मेरी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी से मुलाकात है। क्या तुम मुझे लगभग चार बजे एक बार फोन कर दोगे—यहाँ या वहाँ—बस यह देखने के लिए कि मैं किसी मुसीबत में तो नहीं हूँ? ... तुम्हारी शनिवार दोपहर की गोल्फ़ भाड़ में जाए: तुम्हारा काम मुझे जेल से बचाना है... ठीक है, सिड। अलविदा।"
उसने टेलीफोन को एक तरफ धकेल दिया, जम्हाई ली और अंगड़ाई ली, अपने चोटिल कनपटी को छुआ, घड़ी देखी और सिगरेट बनाकर जलाई। वह नींद में ही सिगरेट पीता रहा जब तक कि एफी पेरिन अंदर नहीं आ गई।

■

एफी पेरिन मुस्कुराते हुए, चमकती आँखों और गुलाबी चेहरे के साथ अंदर आई। उसने बताया, "टेड का कहना है कि ऐसा हो सकता है, और वह उम्मीद करता है कि ऐसा ही हो। उसका कहना है कि वह इस क्षेत्र का विशेषज्ञ नहीं है, लेकिन नाम और तारीखें सही हैं, और कम से कम आपके किसी भी स्रोत या उनके कार्यों को पूरी तरह से नकली नहीं कहा जा सकता। वह इसे लेकर बहुत उत्साहित है।"
"यह बहुत बढ़िया है, बशर्ते वह इसे नकली साबित करने के लिए बहुत उत्साहित न हो जाए।"
"अरे नहीं, वो ऐसा नहीं करेगा—टेड तो बिलकुल नहीं! वो अपने काम में इतना माहिर है कि ऐसा कर ही नहीं सकता।"
"हाँ, पूरा पेरिन परिवार ही शानदार है," स्पेड ने कहा, "तुम और तुम्हारी नाक पर लगा कालिख का धब्बा भी कमाल का है।"
"ये पेरीन नहीं, क्रिस्टी हैं।" उसने अपना सिर झुकाकर अपने मेकअप टेबल के शीशे में अपनी नाक देखी। "लगता है ये आग से लगी होगी।" उसने रूमाल के कोने से दाग को पोंछा।
उन्होंने पूछा, "क्या पेरीन-क्रिस्टी का उत्साह बर्कले में जोश भर देगा?"
उसने गुलाबी रंग के पाउडर से अपनी नाक थपथपाते हुए उसकी तरफ मुंह बनाया और कहा, "जब मैं वापस आई तो एक नाव में आग लगी हुई थी। वे उसे घाट से खींचकर ला रहे थे और उसका धुआं हमारी नाव पर चारों तरफ फैल गया।"

स्पेड ने अपने हाथ कुर्सी के आर्मरेस्ट पर रखे। उसने पूछा, "क्या आप नाव का नाम देखने के लिए काफी करीब थे?"
“हाँ। ला पालोमा। क्यों?”
स्पेड ने उदास मुस्कान के साथ कहा, "मुझे बिलकुल नहीं पता क्यों, बहन।"

15
हर सनकी

स्पेड और डिटेक्टिव-सार्जेंट पोलहॉस ने स्टेट्स हॉफ ब्राऊ में बड़े जॉन की एक मेज पर अचार वाले सूअर के पैर खाए।

पोलहॉस ने प्लेट और मुंह के बीच में एक कांटे पर हल्के चमकीले रंग की जेली को संतुलित करते हुए कहा: "अरे, सुनो, सैम! उस रात की बात भूल जाओ। वह पूरी तरह गलत था, लेकिन तुम जानते हो कि अगर तुम किसी को इस तरह से उकसाओगे तो कोई भी अपना आपा खो सकता है।"

स्पेड ने पुलिस-जासूस की ओर ध्यान से देखा। उसने पूछा, "क्या आप मुझसे इसी बारे में मिलना चाहते थे?"

पोलहॉस ने सिर हिलाया, जेली का एक टुकड़ा मुंह में डाला, उसे निगल लिया और अपने सिर हिलाने को स्पष्ट करते हुए कहा: "ज्यादातर।"

"क्या डंडी ने तुम्हें भेजा है?"

पोलहॉस ने घृणा से मुंह बनाया। "तुम जानते हो उसने ऐसा नहीं किया। वह तुम्हारी तरह ही जिद्दी है।"

स्पेड मुस्कुराया और सिर हिलाया। "नहीं, वह नहीं है, टॉम," उसने कहा। "वह बस खुद को ऐसा समझता है।"

टॉम ने गुस्से से मुंह बनाया और चाकू से सूअर के पैर पर वार करने लगा। "क्या तुम कभी बड़े नहीं होगे?" उसने बड़बड़ाते हुए कहा। "तुम्हें किस बात की इतनी शिकायत है? उसने तुम्हें चोट नहीं पहुंचाई। तुम जीत गए। इस बात का क्या मतलब है कि तुम बेवजह मुसीबत मोल ले रहे हो।"

स्पेड ने अपने चाकू और कांटे को सावधानी से एक साथ अपनी प्लेट पर रखा और अपने हाथ प्लेट के बगल में मेज पर रख दिए। उसकी मुस्कान फीकी और भावहीन थी। "शहर के सभी बदमाश मेरे लिए थोड़ा और दुख बढ़ाने की कोशिश में दिन-रात लगे हुए हैं, ऐसे में थोड़ा और दुख बढ़ा देने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। मुझे तो पता भी नहीं चलेगा कि दुख है।"

पोलहॉस का चेहरा और भी लाल हो गया। उन्होंने कहा: "यह बात मुझसे कहने के लिए बहुत अच्छी है।"

स्पेड ने अपना चाकू और कांटा उठाया और खाना शुरू कर दिया। पोलहॉस ने भी खाना खाया।

इसी बीच स्पेड ने पूछा: "क्या आपको खाड़ी में जलती हुई नाव दिखाई दे रही है?"

“मैंने धुआँ देखा। सैम, समझदारी से काम लो। डंडी गलत था और वह यह जानता है। तुम इस बात को यहीं क्यों नहीं छोड़ देते?”

"क्या मुझे जाकर उसे बताना चाहिए कि मुझे उम्मीद है कि मेरी ठुड्डी से उसकी मुट्ठी को चोट नहीं लगी होगी?"
पोलहॉस ने बेरहमी से अपने सूअर के पैर को काटा।
स्पेड ने कहा: "क्या फिल आर्चर के पास कोई और दिलचस्प जानकारी है?"
“अरे यार! डंडी को नहीं लगता था कि तुमने माइल्स को गोली मारी है, लेकिन वो गोली का पीछा करने के अलावा और क्या कर सकता था? उसकी जगह तुम भी यही करते, और तुम ये बात जानते हो।”
“जी?” स्पेड की आँखों में द्वेष झलक रहा था। “उसे ऐसा क्यों लगा कि मैंने यह नहीं किया? आपको ऐसा क्यों लगता है कि मैंने नहीं किया? या आपको ऐसा नहीं लगता?”
पोलहॉस का लाल चेहरा फिर से लाल हो गया। उसने कहा: "थर्सबी ने माइल्स को गोली मारी।"
"तुम्हें लगता है उसने ऐसा किया।"
“उसने किया। वह वेब्ले उसी का था, और माइल्स के शरीर में जो गोली लगी वह उसी से निकली थी।”
“पक्का?” स्पेड ने पूछा।
“पक्का यकीन है,” पुलिस-जासूस ने जवाब दिया। “हमने एक लड़के को पकड़ा है—थर्सबी के होटल में एक बेलहॉप—जिसने इसे उसी सुबह अपने कमरे में देखा था। उसने इसे खास तौर पर देखा क्योंकि उसने पहले कभी ऐसा नहीं देखा था। मैंने भी कभी नहीं देखा। आप कहते हैं कि अब ये बनते नहीं हैं। ऐसा मुमकिन नहीं है कि आसपास दूसरा हो और—वैसे भी—अगर यह थर्सबी का नहीं था तो उसके वाले का क्या हुआ? और यही वो बंदूक है जिससे माइल्स को लगी गोली निकली थी।” उसने रोटी का एक टुकड़ा अपने मुंह में डाला, फिर उसे वापस खींच लिया और पूछा:
“तुम कहते हो कि तुमने इन्हें पहले भी देखा है: ये कहाँ था?” उसने रोटी अपने मुँह में डाली।
"युद्ध से पहले इंग्लैंड में।"
"जी हां, आप यहीं हैं।"
स्पेड ने सिर हिलाया और कहा: "तो फिर थर्सबी ही एकमात्र ऐसा व्यक्ति बचता है जिसे मैंने मारा है।"
पोलहॉस अपनी कुर्सी पर बेचैनी से हिलने लगा और उसका चेहरा लाल और चमक रहा था। "हे भगवान, क्या तुम इसे कभी नहीं भूलोगे?" उसने गंभीर स्वर में शिकायत की। "यह बात अब खत्म हो चुकी है। तुम भी उतना ही जानते हो जितना मैं। जिस तरह से तुम छोटी-छोटी बातों पर शिकायत करते हो, उससे तो लगता है कि तुम खुद इतने बुरे इंसान नहीं हो। लगता है कि तुम कभी किसी के साथ वही हरकतें नहीं करते जो हमने तुम्हारे साथ कीं?"
"तुम्हारा मतलब है कि तुमने मुझे खींचने की कोशिश की, टॉम—सिर्फ कोशिश की।"
पोलहॉस ने मन ही मन कुछ अपशब्द कहे और सूअर के पैर के बचे हुए टुकड़े पर झपट्टा मारा।
स्पेड ने कहा: “ठीक है। तुम जानते हो कि यह बात सामने आ चुकी है और मैं भी जानता हूँ कि यह बात सामने आ चुकी है। डंडी को क्या पता?”
उसे पता है कि यह बात सामने आ चुकी है।

“उसे किसने जगाया?”
“अरे सैम, उसने कभी सोचा भी नहीं था कि तुम—” स्पेड की मुस्कान ने पोलहॉस को चौंका दिया। उसने वाक्य अधूरा छोड़ दिया और कहा: “हमें थर्सबी के बारे में एक रिकॉर्ड मिला है।”
“जी? वो कौन था?”
पोलहॉस की पैनी छोटी भूरी आँखों ने स्पेड के चेहरे को गौर से देखा। स्पेड ने चिड़चिड़ाते हुए कहा, "काश, मुझे इस कारोबार के बारे में उतना ही ज्ञान होता जितना आप जैसे होशियार लोग समझते हैं!"
"काश हम सब ऐसा कर पाते," पोलहॉस ने शिकायत की। “खैर, जब हमें पहली बार उसके बारे में पता चला, तो वह सेंट लुइस का एक बंदूकधारी था। उसे वहाँ कई बार अलग-अलग कामों के लिए पकड़ा गया था, लेकिन वह ईगन गिरोह का सदस्य था, इसलिए उसके खिलाफ कभी कुछ खास कार्रवाई नहीं की गई। मुझे नहीं पता कि उसने वह अड्डा कैसे छोड़ा, लेकिन न्यूयॉर्क में एक बार उसे कई स्टस-गेम्स में तोड़फोड़ करने के आरोप में पकड़ा गया—उसके नशे की वजह से उसकी पोल खुल गई—और फॉलन के उसे छुड़ाने से पहले वह एक साल जेल में रहा। कुछ साल बाद उसने जोलिएट में एक और नशेड़ी को पिस्तौल से पीटने के आरोप में कुछ समय जेल में बिताया, लेकिन उसके बाद वह डिक्सी मोनाहन के साथ जुड़ गया और जब भी वह किसी काम में लगता, उसे बाहर निकलने में कोई परेशानी नहीं होती थी। उस समय डिक्सी शिकागो के जुए में निक द ग्रीक जितना ही बड़ा नाम था। यह थर्सबी डिक्सी का अंगरक्षक था और जब डिक्सी का बाकी लोगों से कुछ कर्ज़ों को लेकर झगड़ा हुआ, जिन्हें वह चुका नहीं सका या चुकाना नहीं चाहता था, तो वह उसके साथ भाग गया। यह कुछ साल पहले की बात है। लगभग उसी समय जब न्यूपोर्ट बीच बोटिंग क्लब बंद हुआ था। मुझे नहीं पता कि इसमें डिक्सी का कोई हाथ था या नहीं। खैर, तब से न तो उसे और न ही थर्सबी को पहली बार देखा गया है।
“क्या डिक्सी को कहीं देखा गया है?” स्पेड ने पूछा।
पोलहॉस ने सिर हिलाया। "नहीं।" उसकी छोटी आँखें तेज़ और जिज्ञासु हो गईं। "ऐसा तब तक नहीं हो सकता जब तक आपने उसे खुद न देखा हो या आपको पता न हो कि किसी ने उसे देखा है।"
स्पेड अपनी कुर्सी पर आराम से पीछे झुक गया और सिगरेट बनाने लगा। उसने हल्के स्वर में कहा, "मैंने नहीं बनाई है। यह सब मेरे लिए बिल्कुल नया है।"
"मुझे लगता है ऐसा ही है," पोलहॉस ने चिढ़कर कहा।
स्पेड ने मुस्कुराते हुए उससे पूछा: "तुम्हें थर्सबी के बारे में ये सारी खबरें कहाँ से मिलीं?"
“इसमें से कुछ रिकॉर्ड में है। बाकी—खैर—हमें इधर-उधर से मिल गया है।”
"उदाहरण के लिए, काहिरा से?" अब स्पेड की आँखों में जिज्ञासा की चमक दिखाई दी।
पोलहॉस ने अपना कॉफी का कप नीचे रखा और सिर हिलाया। "इस बारे में एक शब्द भी नहीं। तुमने उस आदमी को हमारे लिए ज़हर दिया था।"
स्पेड हँस पड़ा। "तुम्हारा मतलब है कि तुम और डंडी जैसे दो उच्च कोटि के जासूसों ने उस भोले-भाले अपराधी पर पूरी रात काम किया और उसे पकड़ नहीं पाए?"

“तुम्हारा मतलब क्या है—पूरी रात?” पोलहॉस ने विरोध किया। “हमने उस पर दो घंटे से भी कम समय तक काम किया। हमने देखा कि कोई नतीजा नहीं निकल रहा है, इसलिए हमने उसे छोड़ दिया।”
स्पेड फिर हँसा और अपनी घड़ी देखी। उसने जॉन की ओर देखा और बिल माँगा। "आज दोपहर मेरी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी से मुलाक़ात है," उसने पोलहॉस से कहा, जब वे अपने बचे हुए पैसे का इंतज़ार कर रहे थे।
“क्या उसने तुम्हें बुलवाया?”
"हाँ।"
पोलहॉस ने अपनी कुर्सी पीछे धकेली और खड़े हो गए; मोटे पेट वाले लंबे, मजबूत और शांत स्वभाव के व्यक्ति। उन्होंने कहा, "अगर आप उसे बताएँगे कि मैंने आपसे इस तरह बात की है, तो आप मुझ पर कोई एहसान नहीं करेंगे।"
तेज कानों वाला एक दुबला-पतला युवक स्पेड को जिला अटॉर्नी के कार्यालय में ले गया। स्पेड मुस्कुराते हुए सहजता से अंदर गया और बोला: "हैलो, ब्रायन!"
जिला अटॉर्नी ब्रायन खड़े हुए और अपना हाथ डेस्क के पार बढ़ाया। वे मध्यम कद के, सुनहरे बालों वाले व्यक्ति थे, जिनकी उम्र लगभग पैंतालीस वर्ष थी। उनकी नीली आँखें आक्रामक थीं, जिन पर काले रिबन वाले चश्मे लगे थे, उनका मुँह किसी वक्ता की तरह बड़ा था और ठुड्डी पर चौड़े गड्ढे थे। जब उन्होंने कहा, "कैसे हो, स्पेड?" तो उनकी आवाज़ में छिपी शक्ति गूंज रही थी।
उन्होंने हाथ मिलाया और बैठ गए।
जिला अटॉर्नी ने अपनी मेज पर रखे चार बटनों में से एक मोती के बटन पर अपनी उंगली रखी, फिर दरवाजा खोलने वाले उस दुबले-पतले युवक से कहा, "श्री थॉमस और हीली को अंदर आने के लिए कहिए," और फिर अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुकते हुए, स्पेड से विनम्रतापूर्वक कहा: "आप और पुलिस के बीच कुछ खास तालमेल नहीं बन रहा है, है ना?"
स्पेड ने अपने दाहिने हाथ की उंगलियों से लापरवाही भरा इशारा किया। "कुछ गंभीर नहीं है," उसने हल्के से कहा। "डंडी कुछ ज्यादा ही उत्साहित हो जाता है।"
दरवाजा खुला और दो आदमी अंदर आए। उनमें से एक, जिसे स्पेड ने "हैलो, थॉमस!" कहा, तीस साल का एक मोटा-ताज़ा आदमी था, जिसकी त्वचा धूप से झुलसी हुई थी और उसके कपड़े व बाल भी उसी तरह बिखरे हुए थे। उसने अपने झुर्रियों वाले हाथ से स्पेड के कंधे पर थपथपाया, पूछा, "कैसे हो?" और उसके बगल में बैठ गया। दूसरा आदमी उससे छोटा और बेजान था। वह बाकियों से थोड़ा हटकर बैठ गया और अपने घुटने पर एक स्टेनोग्राफर की नोटबुक रखी, जिस पर उसने एक हरी पेंसिल पकड़ी हुई थी।
स्पेड ने उसकी ओर देखा, हँसा और ब्रायन से पूछा: "क्या मैं जो कुछ भी कहूँगा, उसका इस्तेमाल मेरे खिलाफ किया जाएगा?"

जिला अटॉर्नी मुस्कुराए। “यह बात हमेशा सही होती है।” उन्होंने अपना चश्मा उतारा, उसे देखा और फिर नाक पर लगा लिया। उन्होंने चश्मे के ज़रिए स्पेड की ओर देखा और पूछा: “थर्सबी को किसने मारा?”

स्पेड ने कहा: "मुझे नहीं पता।"

ब्रायन ने अपने काले चश्मे के रिबन को अंगूठे और उंगलियों के बीच रगड़ा और समझदारी से कहा: "शायद आप नहीं जानते, लेकिन आप निश्चित रूप से एक बेहतरीन अनुमान लगा सकते हैं।"

"शायद, लेकिन मैं ऐसा नहीं करूंगा।"

जिला अटॉर्नी ने अपनी भौहें ऊपर उठाईं।

“मैं ऐसा नहीं करूँगा,” स्पेड ने दोहराया। वह शांत भाव से बोले। “मेरा अनुमान बहुत अच्छा हो सकता है, या बहुत बुरा भी हो सकता है, लेकिन श्रीमती स्पेड ने अपने बच्चों को इतना मूर्ख नहीं पाला कि वे एक जिला अटॉर्नी, एक सहायक जिला अटॉर्नी और एक स्टेनोग्राफर के सामने अनुमान लगाएँ।”

"अगर आपके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो आपको ऐसा क्यों नहीं करना चाहिए?"

स्पेड ने हल्के लहजे में जवाब दिया, "हर किसी के पास कुछ न कुछ छिपाने के लिए होता है।"

"और आप है-?"

"ये तो मेरे अनुमान हैं।"

जिला अटॉर्नी ने अपनी डेस्क की ओर देखा और फिर स्पेड की ओर। उन्होंने अपने चश्मे को नाक पर और ठीक से टिकाया। उन्होंने कहा, "अगर आप नहीं चाहते कि स्टेनोग्राफर यहाँ रहे, तो हम उसे हटा सकते हैं। मैंने उसे केवल सुविधा के लिए बुलाया था।"

“मुझे उससे ज़रा भी आपत्ति नहीं है,” स्पेड ने जवाब दिया। “मैं अपनी कही हर बात को लिखवाने और उस पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हूँ।”

“हमारा इरादा आपसे किसी भी दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर करवाने का नहीं है,” ब्रायन ने उन्हें आश्वस्त किया। “मैं चाहता हूँ कि आप इसे औपचारिक पूछताछ न समझें। और कृपया यह न सोचें कि पुलिस द्वारा बनाए गए सिद्धांतों पर मुझे ज़रा भी विश्वास है—भरोसा तो दूर की बात है।”

"नहीं?"

एक कण भी नहीं।

स्पेड ने आह भरी और पैर मोड़ लिए। "मुझे इस बात की खुशी है।" उसने अपनी जेबों में तंबाकू और कागज़ टटोले। "तुम्हारा सिद्धांत क्या है?"

ब्रायन अपनी कुर्सी पर आगे की ओर झुक गया और उसकी आँखें लेंस की तरह कठोर और चमकदार थीं। "मुझे बताओ कि आर्चर किसके लिए थर्सबी का पीछा कर रहा था और मैं तुम्हें बता दूंगा कि थर्सबी को किसने मारा।"

स्पेड की हंसी संक्षिप्त और तिरस्कारपूर्ण थी। उन्होंने कहा, "तुम डंडी की तरह ही गलत हो।"

“मुझे गलत मत समझो, स्पेड,” ब्रायन ने अपनी उंगलियों से मेज पर थपथपाते हुए कहा। “मैं यह नहीं कह रहा कि तुम्हारे मुवक्किल ने थर्सबी की हत्या की या करवाई, लेकिन मैं यह जरूर कह रहा हूं कि तुम्हारे मुवक्किल को जानने के बाद, मुझे बहुत जल्द पता चल जाएगा कि थर्सबी की हत्या किसने की।”
स्पेड ने अपनी सिगरेट जलाई, उसे होठों से हटाया, फेफड़ों से धुआं बाहर निकाला और मानो उलझन में पड़कर बोला: "मुझे यह बात ठीक से समझ नहीं आई।"
“क्या आप नहीं जानते? तो मान लीजिए मैं इसे इस तरह कहूँ: डिक्सी मोनाहन कहाँ है?”
स्पेड के चेहरे पर वही उलझन का भाव बरकरार रहा। उन्होंने कहा, "इस तरह से कहने से कोई खास मदद नहीं मिलेगी। मुझे अब भी समझ नहीं आया।"
जिला अटॉर्नी ने अपना चश्मा उतारा और ज़ोर देने के लिए उसे हिलाया। उन्होंने कहा: “हम जानते हैं कि थर्सबी मोनाहन का अंगरक्षक था और जब मोनाहन ने शिकागो से गायब होना उचित समझा, तो वह उसके साथ गया था। हम जानते हैं कि मोनाहन ने गायब होने से पहले लगभग दो लाख डॉलर के दांव पर पैसे नहीं दिए थे। हमें अभी तक नहीं पता कि उसके लेनदार कौन थे।” उन्होंने फिर से चश्मा पहना और गंभीर मुस्कान के साथ कहा, “लेकिन हम सभी जानते हैं कि जब कोई जुआरी दांव पर पैसे नहीं देता है, और उसके अंगरक्षक को उसके लेनदार ढूंढ लेते हैं, तो उसके साथ क्या होने की संभावना होती है। ऐसा पहले भी हो चुका है।”
स्पेड ने अपनी जीभ होठों पर फिराई और अपने होठों को दांतों पर कसकर एक भद्दी मुस्कान में बदल दिया। झुकी हुई भौंहों के नीचे उसकी आँखें चमक रही थीं। उसकी लाल गर्दन कॉलर के किनारे से बाहर निकली हुई थी। उसकी आवाज़ धीमी, कर्कश और जोशीली थी। "अच्छा, तुम क्या सोचते हो? क्या मैंने उसे उसके लेनदारों के लिए मारा? या बस उसे ढूंढकर उन्हें खुद मारने दिया?"
“नहीं, नहीं!” जिला अटॉर्नी ने विरोध किया। “आप मुझे गलत समझ रहे हैं।”
"मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि मैं ऐसा करूँ," स्पेड ने कहा।
“उनका मतलब यह नहीं था,” थॉमस ने कहा।
“तो फिर उसका मतलब क्या था?”
ब्रायन ने हाथ हिलाया। "मेरा मतलब सिर्फ इतना है कि आप अनजाने में ही इसमें शामिल हो सकते थे। ऐसा हो सकता था..."
“मैं समझ गया,” स्पेड ने ताना मारते हुए कहा। “तुम मुझे शरारती नहीं समझते। तुम बस मुझे बेवकूफ समझते हो।”
“बकवास,” ब्रायन ने ज़ोर देकर कहा: “मान लीजिए कोई आपके पास आता है और आपको मोनाहन को ढूंढने के लिए कहता है, यह कहते हुए कि उनके पास यह मानने के कारण हैं कि वह शहर में है। वह व्यक्ति आपको पूरी तरह से झूठी कहानी सुना सकता है—ऐसी एक दर्जन या उससे अधिक कहानियाँ भी चल सकती हैं—या कह सकता है कि वह एक कर्जदार था जो भाग गया था, बिना आपको कोई भी विवरण दिए। आप कैसे पता लगा सकते हैं कि इसके पीछे क्या है? आपको कैसे पता चलेगा कि यह

कोई साधारण जासूसी का काम नहीं है? और इन परिस्थितियों में, आप निश्चित रूप से इसमें अपनी भूमिका के लिए ज़िम्मेदार नहीं ठहराए जा सकते, जब तक कि"—उसकी आवाज़ थोड़ी भारी हो गई और उसके शब्द स्पष्ट और साफ सुनाई देने लगे—"आपने हत्यारे की पहचान या उसे पकड़ने में मदद करने वाली जानकारी छिपाकर खुद को एक साथी न बना लिया हो।"

स्पेड के चेहरे से गुस्सा गायब हो रहा था। उसकी आवाज़ में अब गुस्सा नहीं था जब उसने पूछा: "क्या आपका यही मतलब था?"

"एकदम सही।"

"ठीक है। तो फिर कोई मनमुटाव नहीं है। लेकिन आप गलत हैं।"

"इसे साबित करो।"

स्पेड ने अपना सिर हिलाया। "मैं अभी आपको यह साबित नहीं कर सकता। लेकिन मैं आपको बता सकता हूँ।"

"तो मुझे बताओ।"

"मुझे कभी किसी ने डिक्सी मोनाहन के बारे में कुछ भी करने के लिए काम पर नहीं रखा।"

ब्रायन और थॉमस ने एक-दूसरे की ओर देखा। ब्रायन की निगाहें फिर से स्पेड पर पड़ीं और उसने कहा: "लेकिन, तुम्हारे खुद के बयान के अनुसार, किसी ने तुम्हें उसके अंगरक्षक थर्सबी के बारे में कुछ करने के लिए काम पर रखा था।"

"हां, उनके पूर्व अंगरक्षक थर्सबी के बारे में।"

"पूर्व?"

"हां, पूर्व।"

"क्या आपको पता है कि थर्सबी का मोनाहन से अब कोई संबंध नहीं था? क्या आपको यह बात पक्के तौर पर पता है?"

स्पेड ने अपना हाथ बढ़ाया और अपनी सिगरेट का बचा हुआ टुकड़ा डेस्क पर रखी ऐशट्रे में गिरा दिया। उसने बेपरवाही से कहा, "मुझे कुछ भी पक्के तौर पर नहीं पता, सिवाय इसके कि मेरे मुवक्किल को मोनाहन में कोई दिलचस्पी नहीं थी, कभी नहीं थी। मैंने सुना है कि थर्सबी मोनाहन को लेकर पूरब गया था और वहाँ उसे खो दिया।"

जिला अटॉर्नी और उनके सहायक ने एक बार फिर एक-दूसरे की ओर देखा।

थॉमस ने, एक ऐसे लहजे में जिसकी सहजता में उत्साह पूरी तरह से छिपा नहीं था, कहा: "इससे एक और पहलू सामने आता है। मोनाहन के दोस्तों ने मोनाहन को धोखा देने के लिए थर्सबी को पीट-पीट कर बाहर कर दिया होगा।"

स्पेड ने कहा, "मरे हुए जुआरियों के कोई दोस्त नहीं होते।"

"इससे दो नए रास्ते खुलते हैं," ब्रायन ने कहा। वह पीछे झुककर कुछ सेकंड तक छत को घूरता रहा, फिर झट से सीधा बैठ गया। उसके चेहरे पर वक्ता वाली चमक थी। "बात तीन बातों पर आकर रुकती

है। पहली: थर्सबी की हत्या शिकागो में उन जुआरियों ने की थी जिन्हें मोनाहन ने धोखा दिया था। उन्हें पता नहीं था कि थर्सबी ने मोनाहन को धोखा दिया था—या उन्हें इस बात पर यकीन नहीं था—इसलिए उन्होंने उसकी हत्या कर दी क्योंकि वह मोनाहन का साथी था, या उसे रास्ते से हटाने के लिए ताकि वे मोनाहन तक पहुँच सकें, या इसलिए कि उसने उन्हें मोनाहन तक ले जाने से इनकार कर दिया था। दूसरी: उसकी हत्या मोनाहन के दोस्तों ने की थी। या तीसरी: उसने मोनाहन को उसके दुश्मनों के हाथों बेच दिया और फिर उनसे झगड़ा हो गया और उन्होंने उसकी हत्या कर दी।"

"या फिर चौथा विकल्प," स्पेड ने हंसमुख मुस्कान के साथ सुझाव दिया: "उनकी मृत्यु बुढ़ापे के कारण हुई। आप लोग मजाक तो नहीं कर रहे हैं?"

दोनों आदमी स्पेड को घूरते रहे, लेकिन किसी ने कुछ नहीं कहा। स्पेड ने मुस्कुराते हुए दोनों में से एक को देखा और बनावटी दया भाव से सिर हिलाया। "तुम्हारे दिमाग में अर्नोल्ड रोथस्टीन ही छाया हुआ है," उसने कहा।

ब्रायन ने अपने बाएं हाथ के पिछले हिस्से को अपने दाहिने हाथ की हथेली पर ज़ोर से मारा। "इन तीन श्रेणियों में से किसी एक में समाधान छिपा है।" उसकी आवाज़ में अब पहले जैसी ताकत नहीं थी। उसका दाहिना हाथ, जिसकी केवल तर्जनी उंगली बाहर निकली हुई थी, मुट्ठी की तरह ऊपर उठा और फिर झटके से नीचे आकर स्पेड की छाती पर जा लगा। "और आप हमें वह जानकारी दे सकते हैं जिससे हम श्रेणी का निर्धारण कर सकें।"

स्पेड ने बड़ी सुस्ती से कहा, "जी?" उसका चेहरा गंभीर था। उसने अपनी उंगली से अपने निचले होंठ को छुआ, उंगली को देखा और फिर उसी से अपनी गर्दन के पीछे खुजली की। उसके माथे पर झुर्रियाँ पड़ गई थीं। उसने नाक से ज़ोर से साँस छोड़ी और उसकी आवाज़ चिड़चिड़ी सी गुर्राहट थी। "ब्रायन, तुम वो जानकारी नहीं चाहोगे जो मैं तुम्हें दे सकता हूँ। तुम उसका इस्तेमाल नहीं कर पाओगे। इससे जुआरी के बदले की सारी योजना धरी की धरी रह जाएगी।"

ब्रायन सीधा बैठ गया और अपने कंधे तन गए। उसकी आवाज़ सख्त थी, लेकिन उसमें कोई धौंस नहीं थी। "इसका फैसला करने वाले आप नहीं हैं। सही हो या गलत, मैं फिर भी जिला अटॉर्नी हूँ।"

स्पेड के उठे होंठ से उसका नुकीला दांत दिखाई दिया। "मुझे लगा था कि यह एक अनौपचारिक बातचीत है।"

ब्रायन ने कहा, "मैं चौबीसों घंटे कानून का शपथ ग्रहण किया हुआ अधिकारी हूं, और न तो औपचारिकता और न ही अनौपचारिकता आपको मुझसे अपराध के सबूत छिपाने का औचित्य प्रदान करती है, सिवाय इसके कि"—उन्होंने अर्थपूर्ण ढंग से सिर हिलाया—"कुछ संवैधानिक आधारों पर।"

"तुम्हारा मतलब है कि इससे मैं फँस सकता हूँ?" स्पेड ने पूछा। उसकी आवाज़ शांत थी, लगभग मज़ाकिया सी, लेकिन उसके चेहरे पर भाव नहीं थे। "खैर, मेरे पास इससे बेहतर सबूत हैं, या ऐसे सबूत जो मेरे लिए ज़्यादा फ़ायदेमंद हैं। मेरे मुवक्किलों को गोपनीयता का पूरा अधिकार है। हो सकता है मुझे ग्रैंड जूरी या यहाँ तक कि कोरोनर जूरी के सामने पेश होना पड़े, लेकिन मुझे अभी तक बुलाया नहीं

गया है, और यह पक्का है कि जब तक मजबूरी न हो, मैं अपने मुवक्किलों के कारोबार का प्रचार नहीं करूँगा। फिर भी, तुमने और पुलिस दोनों ने मुझ पर पिछली रात की हत्याओं में शामिल होने का आरोप लगाया है। मुझे तुम दोनों से पहले भी परेशानी हो चुकी है। जहाँ तक मुझे लगता है, तुम जो मुसीबत खड़ी करने की कोशिश कर रहे हो, उससे खुद को बचाने का मेरा सबसे अच्छा मौका हत्यारों को पकड़कर लाना है। और उन्हें पकड़ने, बाँधने और पुलिस के सामने लाने का मेरा एकमात्र मौका तुमसे और पुलिस से दूर रहना है, क्योंकि तुम दोनों में से किसी को भी इस सब के बारे में कुछ भी पता नहीं है।" वह उठा और स्टेनोग्राफर से बात करने के लिए उसने अपना सिर कंधे के ऊपर से घुमाया और पूछा, "सब ठीक चल रहा है ना, बेटे? या मैं तुम्हारे लिए बहुत तेज़ तो नहीं चल रहा?"

स्टेनोग्राफर ने हैरानी भरी निगाहों से उसकी ओर देखा और जवाब दिया: "नहीं महोदय, मैं सब कुछ सही लिख रही हूँ।"

“शाबाश,” स्पेड ने कहा और फिर ब्रायन की ओर मुड़ा। “अब अगर तुम बोर्ड के पास जाकर उन्हें बताना चाहते हो कि मैं न्याय में बाधा डाल रहा हूँ और मेरा लाइसेंस रद्द करने की मांग करना चाहते हो, तो कर लो। तुमने पहले भी कोशिश की है और उससे तुम्हें सिर्फ़ हंसी ही मिली है।” उसने अपनी टोपी उठाई।

ब्रायन ने कहना शुरू किया: "लेकिन यहाँ देखो—"

स्पेड ने कहा, “और मुझे अब ये अनौपचारिक बातचीत नहीं चाहिए। मुझे आपको या पुलिस को कुछ नहीं बताना है और शहर के हर सनकी अधिकारी द्वारा मुझे तरह-तरह के नामों से पुकारे जाने से मैं तंग आ चुका हूँ। अगर आप मुझसे मिलना चाहते हैं, तो मुझे गिरफ्तार कर लीजिए या समन जारी कर दीजिए या कुछ और कीजिए, मैं अपने वकील के साथ आ जाऊँगा।” उसने अपनी टोपी सिर पर रखी, कहा, “शायद पूछताछ में मिलेंगे,” और गुस्से में बाहर निकल गया।

16
तीसरी हत्या

स्पेड होटल सटर में गए और अलेक्जेंड्रिया को फोन किया। गुटमैन वहां नहीं थे। गुटमैन के दल का कोई भी सदस्य वहां नहीं था। स्पेड ने बेल्वेडेरे को फोन किया। काहिरा वहां नहीं थे, उस दिन भी नहीं आए थे।

स्पेड अपने कार्यालय चला गया।

बाहर के कमरे में एक सांवला, चिकना आदमी शानदार कपड़े पहने इंतजार कर रहा था। एफी पेरिन ने उस सांवले आदमी की ओर इशारा करते हुए कहा: "श्रीमान स्पेड, ये सज्जन आपसे मिलना चाहते हैं।"

स्पेड मुस्कुराया, झुककर अभिवादन किया और अंदर का दरवाजा खोला। "अंदर आइए।" अंदर जाने से पहले स्पेड ने एफी पेरिन से पूछा: "उस दूसरे मामले के बारे में कोई खबर है?"

"जी नहीं, महोदय।"

सांवले रंग का वह आदमी मार्केट स्ट्रीट में एक सिनेमाघर का मालिक था। उसे शक था कि उसका एक कैशियर और एक चौकीदार मिलकर उसे धोखा देने की साजिश रच रहे हैं। स्पेड ने उसे जल्दी-जल्दी सारी कहानी सुनाई, "मामला सुलझाने" का वादा किया, पचास डॉलर मांगे और ले लिए, और आधे घंटे से भी कम समय में उससे पीछा छुड़ा लिया।

जब शोमैन के पीछे गलियारे का दरवाजा बंद हो गया, तो एफी पेरिन अंदरूनी दफ्तर में आईं। धूप से झुलसे उनके चेहरे पर चिंता और सवालिया निशान थे। उन्होंने पूछा, "क्या तुम्हें वह अभी तक नहीं मिली?"

उसने अपना सिर हिलाया और अपनी उंगलियों से अपने चोटिल कनपटी को हल्के-हल्के गोलाकार तरीके से सहलाता रहा।

“यह कैसा है?” उसने पूछा।

"ठीक है, लेकिन मुझे बहुत सिरदर्द हो रहा है।"

वह उसके पीछे गई, उसका हाथ नीचे किया और अपनी पतली उंगलियों से उसकी कनपटी को सहलाया। वह पीछे की ओर झुक गया, यहाँ तक कि उसके सिर का पिछला हिस्सा कुर्सी के ऊपर से होते हुए उसकी छाती से लग गया। उसने कहा: "तुम एक परी हो।"

उसने अपना सिर आगे झुकाया और उसके चेहरे की ओर देखा। “तुम्हें उसे ढूंढना ही होगा, सैम। एक दिन से ज़्यादा समय है और वह—”

वह हिला और अधीरता से उसकी बात काटते हुए बोला: "मुझे कुछ करना नहीं है, लेकिन अगर आप मुझे एक-दो मिनट के लिए अपना सिर टिकाने देंगी तो मैं बाहर जाकर उसे ढूंढ लूंगा।"

उसने धीरे से कहा, "बेचारा सिर," और कुछ देर चुपचाप उसे सहलाती रही। फिर उसने पूछा, "तुम्हें पता है वो कहाँ है? क्या तुम्हें कोई अंदाज़ा है?"

टेलीफोन की घंटी बजी। स्पेड ने टेलीफोन उठाया और बोला: “हेलो... हाँ, सिड, सब ठीक रहा, धन्यवाद... नहीं... ज़रूर। वो बदतमीज़ी कर रहा था, पर मैं भी... वो जुआरियों के युद्ध का झूठा सपना देख रहा है... खैर, बिछड़ते समय हमने चुंबन नहीं किया। मैंने अपना वज़न बता दिया और उसे छोड़कर चली गई... ये तो तुम्हारे लिए चिंता की बात है... ठीक है। अलविदा।” उसने टेलीफोन नीचे रख दिया और कुर्सी पर पीछे झुक गया।

एफी पेरिन उसके पीछे से आई और उसके बगल में खड़ी हो गई। उसने पूछा, "क्या तुम्हें लगता है कि तुम जानते हो कि वह कहाँ है, सैम?"

“मुझे पता है वह कहाँ गई है,” उसने अनिच्छा भरे स्वर में उत्तर दिया।

“कहाँ?” वह उत्साहित थी।

"उस नाव की ओर नीचे जाओ जिसे तुमने जलते हुए देखा था।"

उसकी आँखें तब तक खुली रहीं जब तक कि उनके भूरे रंग के चारों ओर सफेद रंग दिखाई देने लगा।

"तुम वहाँ नीचे गए थे।" यह कोई सवाल नहीं था।

“मैंने ऐसा नहीं किया,” स्पेड ने कहा।

“सैम,” वह गुस्से से चिल्लाई, “हो सकता है वो हो—”

“वह वहाँ गई थी,” उसने चिड़चिड़े स्वर में कहा। “उसे अगवा नहीं किया गया था। नाव के आने की खबर सुनकर वह तुम्हारे घर जाने के बजाय वहाँ चली गई। खैर, अब क्या करूँ? क्या मुझे अपने ग्राहकों के पीछे भागकर उनसे मदद माँगनी चाहिए?”

लेकिन, सैम, जब मैंने तुम्हें बताया था कि नाव में आग लग गई है!

"यह दोपहर का समय था और मेरी पोलहॉस के साथ और ब्रायन के साथ एक-एक मुलाकात तय थी।"

उसने पलकें भींचकर उसे घूरा। "सैम स्पेड," उसने कहा, "जब तुम चाहो तो भगवान का बनाया सबसे घिनौना आदमी बन सकते हो। क्योंकि उसने तुमसे बिना पूछे कुछ किया, तुम यहाँ बैठे कुछ नहीं कर रहे, जबकि तुम जानते हो कि वह खतरे में है, जबकि तुम जानते हो कि वह हो सकती है..."

स्पेड का चेहरा लाल हो गया। उसने हठपूर्वक कहा, "वह अपना ख्याल रखने में काफी सक्षम है और जब उसे लगता है कि उसे मदद की जरूरत है और जब उसे उचित लगता है, तो वह जानती है कि मदद के लिए कहाँ आना है।"

“ये तो सरासर बदले की भावना है,” लड़की चिल्लाई, “और बस यही बात है! तुम इसलिए नाराज़ हो क्योंकि उसने अपनी मर्ज़ी से कुछ किया, तुम्हें बिना बताए। उसे क्यों नहीं बताना चाहिए? तुम इतने ईमानदार नहीं हो, और तुमने उसके साथ इतनी सच्चाई से बात भी नहीं की है कि वह तुम पर पूरी तरह भरोसा करे।”

स्पेड ने कहा: "बस बहुत हो गया।"

उसकी आवाज़ सुनकर उसकी गर्म आँखों में पल भर के लिए बेचैनी झलक गई, लेकिन उसने अपना सिर झटक दिया और वो झलक गायब हो गई। उसका मुँह कसकर सिकुड़ा हुआ था। उसने कहा, “अगर तुम अभी इसी वक्त नीचे नहीं गए, सैम, तो मैं जाऊँगी और पुलिस को भी वहाँ ले जाऊँगी।” उसकी आवाज़ काँप रही थी, टूट रही थी, पतली और विलाप भरी थी। “ओह, सैम, जाओ!”

वह उसे कोसते हुए खड़ा हो गया। फिर बोला, “हे भगवान! यहाँ बैठकर तुम्हारी बकवास सुनने से तो मेरे सिर को आराम ही मिलेगा।” उसने अपनी घड़ी देखी। “तुम ताला लगाकर घर चली जाओ तो बेहतर होगा।”

उसने कहा, “मैं नहीं जाऊंगी। मैं यहीं तुम्हारे वापस आने तक इंतजार करूंगी।”

उसने कहा, "जो मन करे वो करो," फिर उसने अपनी टोपी पहनी, झिझका, उसे उतार दिया और हाथ में लेकर बाहर चला गया।

■

डेढ़ घंटे बाद, शाम पांच बजकर बीस मिनट पर, स्पेड लौटा। वह खुश था। अंदर आकर उसने पूछा: "तुम्हारे साथ तालमेल बिठाना इतना मुश्किल क्यों है, प्रिय?"

"मुझे?"

“हाँ, तुम।” उसने एफी पेरिन की नाक की नोक पर उंगली रखकर उसे चपटा कर दिया। उसने अपने हाथ उसकी कोहनियों के नीचे रखे, उसे सीधा उठाया और उसकी ठोड़ी पर चुंबन किया। उसने उसे फिर से फर्श पर बिठाया और पूछा: “मेरे जाने के बाद कुछ कर रही थी?”

“बेलवेडेर में ल्यूक—उसका नाम क्या है?—ने फोन करके बताया कि काहिरा वापस आ गया है। लगभग आधे घंटे पहले की बात है।”

स्पेड ने अपना मुंह झटकाकर बंद किया, एक लंबा कदम बढ़ाते हुए मुड़ा और दरवाजे की ओर चल पड़ा।

“क्या तुम्हें वो मिली?” लड़की ने पुकारा।

"वापस आकर इसके बारे में बताऊंगा," उसने बिना रुके जवाब दिया और जल्दी से बाहर निकल गया।

स्पेड अपने दफ्तर से निकलने के दस मिनट के भीतर ही एक टैक्सी से बेल्वेडेरे होटल पहुँच गया। वहाँ उसे लॉबी में ल्यूक मिला। होटल का जासूस मुस्कुराते हुए और सिर हिलाते हुए स्पेड से मिलने आया। उसने कहा, "पंद्रह मिनट देर हो गई। आपकी चिड़िया चली गई है।"

स्पेड ने अपनी किस्मत को कोसा।

“चेकआउट हो गया—सारा सामान लेकर चला गया,” ल्यूक ने कहा। उसने अपनी बनियान की जेब से एक पुरानी मेमोरेंडम-बुक निकाली, अंगूठा चाटा, पन्ने पलटे और स्पेड को खोलकर दिखा दी। “ये उस टैक्सी का नंबर है जिसने उसे लाया था। बस इतना ही पता है।”

“धन्यवाद।” स्पेड ने एक लिफाफे के पीछे लिखा नंबर कॉपी किया। “कोई अग्रेषण पता है?”

“नहीं। वह बस एक बड़ा सूटकेस लेकर अंदर आया, ऊपर गया, सामान पैक किया, फिर अपना सामान लेकर नीचे आया, बिल का भुगतान किया, टैक्सी ली और चला गया। किसी को भी यह पता नहीं चला कि उसने ड्राइवर से क्या कहा।”
"उसके ट्रंक के बारे में क्या ख्याल है?"
ल्यूक का निचला होंठ लटक गया। "हे भगवान!" उसने कहा, "मैं यह भूल ही गया था! चलो भी।"
वे काहिरा के कमरे में गए। संदूक वहीं था। वह बंद था, पर ताला नहीं लगा था। उन्होंने ढक्कन उठाया। संदूक खाली था।
ल्यूक ने कहा: "तुम्हें इसके बारे में क्या पता है!"
स्पेड ने कुछ नहीं कहा।
स्पेड अपने कार्यालय में वापस चला गया। एफी पेरिन ने उत्सुकता भरी निगाहों से उसकी ओर देखा।
"उसे बहुत याद किया," स्पेड ने बुदबुदाते हुए कहा और अपने निजी कमरे में चला गया।
वह उसके पीछे-पीछे अंदर गई। वह अपनी कुर्सी पर बैठ गया और सिगरेट बनाने लगा। वह उसके सामने डेस्क पर बैठ गई और अपने पैर की उंगलियों को कुर्सी के एक कोने पर रख दिया।
“मिस ओ’शॉघनेसी के बारे में क्या?” उसने पूछा।
“मुझे भी उसकी याद आ रही थी,” उसने जवाब दिया, “लेकिन वह वहाँ थी।”
"ला पालोमा पर?"
उन्होंने कहा, "ला एक घटिया संयोजन है।"
“बस करो। अच्छे से पेश आओ, सैम। मुझे बताओ।”
उसने अपनी सिगरेट जलाई, लाइटर जेब में रखा, उसके पैरों पर थपथपाया और बोला: “हाँ, ला पालोमा। वह कल दोपहर के कुछ देर बाद वहाँ पहुँची थी।” उसने अपनी भौंहें सिकोड़ीं। “इसका मतलब है कि फेरी बिल्डिंग पर टैक्सी से उतरने के बाद वह सीधे वहीं चली गई। वह जगह बस कुछ ही घाट दूर है। कैप्टन जहाज पर नहीं थे। उनका नाम जैकोबी है और उसने उनका नाम लेकर उनसे बात की थी। वह व्यापार के सिलसिले में शहर के ऊपरी हिस्से में गए हुए थे। इसका मतलब है कि उन्हें उसकी उम्मीद नहीं थी, या कम से कम उस समय तो नहीं। वह वहाँ तब तक इंतज़ार करती रही जब तक वह चार बजे वापस नहीं आ गए। तब से लेकर खाने के समय तक उन्होंने सारा समय उनके केबिन में बिताया और उसने उनके साथ खाना खाया।”
उसने धुआँ अंदर लिया और बाहर निकाला, अपना सिर एक तरफ घुमाकर अपने होंठ से पीले रंग का तंबाकू का टुकड़ा थूका और आगे बोला: “खाने के बाद कैप्टन जैकोबी के पास तीन और मेहमान आए। उनमें से एक गुटमैन था, एक काहिरा और एक वो लड़का था जिसने कल गुटमैन का संदेश आपको दिया था। ये तीनों ब्रिगेड के साथ आए और पाँचों ने कैप्टन के केबिन में खूब बातें कीं। क्रू से कुछ पता लगाना मुश्किल है, लेकिन उनके बीच झगड़ा हुआ और उसी रात करीब ग्यारह बजे कैप्टन के केबिन में एक गोली चली। चौकीदार भागकर नीचे गया, लेकिन कैप्टन उससे बाहर मिले और कहा कि सब ठीक है।

केबिन के एक कोने में एक ताजा गोली का निशान है, जो इतना ऊपर है कि लगता है गोली किसी के शरीर को भेदकर वहाँ नहीं पहुँची होगी। जहाँ तक मुझे पता चला, सिर्फ एक ही गोली चली थी। लेकिन जहाँ तक मुझे पता चला, वह बहुत दूर की बात नहीं थी।"

उसने तेवर चढ़ाए और फिर से धुआँ अंदर खींचा। "खैर, वे आधी रात के आसपास चले गए—कैप्टन और उनके चारों मेहमान एक साथ—और वे सब ठीक-ठाक चल रहे थे। यह जानकारी मुझे चौकीदार से मिली। उस समय ड्यूटी पर मौजूद कस्टम हाउस के अधिकारियों से मैं संपर्क नहीं कर पाया हूँ। बस इतनी ही जानकारी है। कैप्टन तब से वापस नहीं आए हैं। आज दोपहर उनकी कुछ शिपिंग एजेंटों के साथ जो मुलाकात थी, वह पूरी नहीं हुई, और वे भी उन्हें आग के बारे में बताने के लिए नहीं मिल पाए हैं।"

"और आग का क्या हुआ?" उसने पूछा।

स्पेड ने कंधे उचकाते हुए कहा, "मुझे नहीं पता। यह आज सुबह देर से जहाज के पिछले हिस्से में, तहखाने में मिला था। शायद यह कल किसी समय शुरू हुआ होगा। उन्होंने इसे निकाल तो लिया, लेकिन इससे काफी नुकसान हुआ। कप्तान की अनुपस्थिति में कोई इसके बारे में ज्यादा बात नहीं करना चाहता था। यह तो..."

गलियारे का दरवाजा खुला। स्पेड चुप हो गया। एफी पेरिन डेस्क से नीचे कूदी, लेकिन उसके पहुँचने से पहले ही एक आदमी ने उससे जुड़ा दरवाजा खोल दिया।

"स्पेड कहाँ है?" उस आदमी ने पूछा।

उसकी आवाज़ सुनकर स्पेड अपनी कुर्सी पर सीधा और सतर्क हो गया। उसकी आवाज़ दर्द से कर्कश और खुरदरी थी, मानो वह अपने दो शब्दों को उस तरल पदार्थ में डूबने से बचाने की कोशिश कर रहा हो जो उसके नीचे और पीछे बह रहा था।

भयभीत होकर एफी पेरिन उस आदमी के रास्ते से हट गई।

वह दरवाजे पर खड़ा था, उसकी मुलायम टोपी उसके सिर और दरवाजे के फ्रेम के बीच दबी हुई थी: उसकी लंबाई लगभग सात फीट थी। एक काला ओवरकोट, जो लंबा और सीधा था और किसी म्यान की तरह था, गले से घुटनों तक बटनों से बंद था, जिससे उसका दुबलापन और भी स्पष्ट दिख रहा था। उसके कंधे उभरे हुए, ऊँचे, पतले और कोणीय थे। उसका हड्डियों से भरा चेहरा—मौसम की मार से खुरदरा और उम्र की झुर्रियों से भरा—गीली रेत के रंग का था और गालों और ठोड़ी पर पसीने से भीगा हुआ था। उसकी आँखें गहरी, लाल और गुस्से से भरी हुई थीं, निचली पलकें नीचे लटकी हुई थीं जिससे गुलाबी भीतरी झिल्ली दिखाई दे रही थी। उसकी छाती के बाईं ओर, पीले पंजे जैसी काली आस्तीन वाली बांह से कसकर पकड़ी हुई, भूरे कागज में लिपटी एक पार्सल थी जो पतली रस्सी से बंधी थी—एक अंडाकार पार्सल जो अमेरिकी फुटबॉल से थोड़ा बड़ा था।

लंबा आदमी दरवाजे पर खड़ा था और ऐसा कुछ भी नहीं दिख रहा था जिससे लगे कि उसने स्पेड को देखा है। उसने कहा, "तुम्हें पता है—" और फिर उसके गले में तरल पदार्थ उबलने लगा और उसकी

बाकी बातें दब गईं। उसने अपना दूसरा हाथ उस हाथ पर रख दिया जिसमें उसने अंडाकार आकृति पकड़ी हुई थी। खुद को एकदम सीधा रखते हुए, गिरने से बचने के लिए हाथ आगे बढ़ाए बिना, वह एक पेड़ की तरह आगे की ओर गिर पड़ा।

स्पेड, जिसका चेहरा भावहीन और फुर्तीला था, अपनी कुर्सी से उछलकर गिरा और गिरते हुए आदमी को पकड़ लिया। स्पेड के पकड़ते ही आदमी का मुंह खुला और थोड़ा सा खून निकला, और भूरे रंग में लिपटा पार्सल उसके हाथों से गिरकर फर्श पर लुढ़कता हुआ तब तक चला जब तक कि डेस्क के एक पैर ने उसे रोक नहीं दिया। फिर आदमी के घुटने मुड़े और वह कमर से झुक गया और उसका पतला शरीर म्याननुमा ओवरकोट के अंदर लचीला हो गया, जो स्पेड की बाहों में इतना लटक गया कि स्पेड उसे फर्श से उठा नहीं सका।

स्पेड ने उस आदमी को सावधानीपूर्वक नीचे उतारा और उसे बाईं ओर ज़मीन पर लिटा दिया। उस आदमी की आँखें - काली और लाल, लेकिन अब पागलपन से भरी नहीं - खुली और स्थिर थीं। उसका मुँह खुला हुआ था जैसे उससे खून निकला हो, लेकिन अब उससे खून नहीं निकला था, और उसका पूरा लंबा शरीर उस ज़मीन की तरह स्थिर था जिस पर वह लेटा था।

स्पेड ने कहा: "दरवाजा बंद कर दो।"

जब एफी पेरिन दांत किटकिटाते हुए गलियारे के दरवाजे का ताला खोलने की कोशिश कर रही थी, तभी स्पेड उस दुबले-पतले आदमी के पास घुटनों के बल बैठ गया, उसे पीठ के बल लिटाया और उसके ओवरकोट के अंदर हाथ फेरा। थोड़ी देर बाद जब उसने हाथ बाहर निकाला तो वह खून से सना हुआ था। अपने खून से सने हाथ को देखकर स्पेड के चेहरे पर जरा सा भी भाव नहीं बदला। उस हाथ को ऊपर उठाए हुए, जहाँ वह किसी चीज को न छुए, उसने दूसरे हाथ से अपनी जेब से लाइटर निकाला। उसने लाइटर जलाया और उसे पहले एक आँख के पास और फिर दूसरी आँख के पास ले गया। आँखें—पलकें, पुतलियाँ, आइरिस और पुतलियाँ—स्थिर, जमी हुई सी थीं।

स्पेड ने लौ बुझाई और लाइटर को अपनी जेब में रख लिया। वह घुटनों के बल रेंगते हुए मृत व्यक्ति के पास गया और अपने एक साफ हाथ से उसके ओवरकोट के बटन खोलकर उसे खोल दिया। ओवरकोट के अंदर खून लगा हुआ था और उसके नीचे पहनी हुई नीली डबल-ब्रेस्टेड जैकेट पूरी तरह भीगी हुई थी। जैकेट के कॉलर, जहाँ वे व्यक्ति की छाती को पार कर रहे थे, और उसके ठीक नीचे कोट के दोनों किनारे गीले और फटे हुए छेदों से भरे हुए थे।

स्पेड उठा और बाहरी कार्यालय में स्थित वॉशबेसिन की ओर गया।

कमजोर और कांपती हुई एफी पेरिन, गलियारे के दरवाजे के हैंडल पर एक हाथ और उसके शीशे पर अपनी पीठ टिकाकर खुद को सीधा रखते हुए फुसफुसाई: "क्या—क्या वह—?"

“हाँ। सीने में गोली लगी थी, शायद आधा दर्जन बार।” स्पेड ने अपने हाथ धोना शुरू कर दिया।

“क्या हमें—?” उसने कहना शुरू किया, लेकिन उसने उसे बीच में ही रोक दिया: “अब डॉक्टर के लिए बहुत देर हो चुकी है और कुछ भी करने से पहले मुझे सोचना होगा।” उसने हाथ धोना खत्म किया और

कटोरे को खंगालने लगा। “वो इन सब चीज़ों के साथ ज़्यादा दूर नहीं आ सकता था। अगर वो— तो आखिर वो कुछ कहने के लिए थोड़ी देर खड़ा क्यों नहीं हो सका?” उसने लड़की पर भौंहें चढ़ाईं, फिर से हाथ धोए और एक तौलिया उठाया। “खुद को संभालो। भगवान के लिए, अब मेरे सामने उल्टी मत करो!” उसने तौलिया नीचे फेंक दिया और अपने बालों में उंगलियां फिराईं। “हम उस बंडल को देखेंगे।”
वह फिर से भीतरी दफ्तर में गया, मरे हुए आदमी के पैरों के ऊपर से कदम रखते हुए आगे बढ़ा और भूरे कागज में लिपटा पार्सल उठा लिया। उसका वजन महसूस करते ही उसकी आँखें चमक उठीं। उसने उसे अपनी मेज पर रखा और उसे इस तरह पलट दिया कि रस्सी का गाँठ वाला हिस्सा ऊपर आ जाए। गाँठ सख्त और कसी हुई थी। उसने अपनी जेब से चाकू निकाला और रस्सी काट दी।
लड़की दरवाजे से बाहर निकलकर, अपना चेहरा दूसरी तरफ करके, मृत व्यक्ति के चारों ओर घूमते हुए स्पेड के पास आ गई। जब वह वहाँ डेस्क के एक कोने पर हाथ रखे खड़ी थी और उसे रस्सी खोलते और भूरे कागज को हटाते हुए देख रही थी, तो उसके चेहरे पर घबराहट की जगह उत्साह झलकने लगा।
"क्या तुम्हें लगता है कि यह वही है?" उसने फुसफुसाते हुए पूछा।
“जल्द ही पता चल जाएगा,” स्पेड ने कहा, उसकी बड़ी उंगलियाँ मोटे भूरे कागज़ के तीन पन्नों के भीतरी छिलके को खोलने में व्यस्त थीं, जो भूरे कागज़ को हटाने से सामने आया था। उसका चेहरा कठोर और भावहीन था। उसकी आँखें चमक रही थीं। जब उसने भूरा कागज़ हटाया तो उसके सामने हल्के रंग के लकड़ी के बुरादे का एक अंडाकार ढेर था, जो कसकर बंधा हुआ था। उसकी उंगलियों ने उस ढेर को फाड़ दिया और फिर उसके सामने एक फुट ऊँची चिड़िया की आकृति थी, जो कोयले की तरह काली थी और जहाँ लकड़ी की धूल और लकड़ी के बुरादे के टुकड़ों से पॉलिश फीकी नहीं पड़ी थी, वहाँ चमकदार थी।
स्पेड हँसा। उसने पक्षी पर हाथ रखा। उसकी फैली हुई उंगलियों में स्वामित्व का भाव था। उसने अपना दूसरा हाथ एफी पेरीन के चारों ओर लपेटा और उसके शरीर को अपने शरीर से सटा लिया। "हमने उस चीज़ को पकड़ लिया है, परी," उसने कहा।
“आह!” उसने कहा, “मुझे चोट लग रही है।”
उसने अपना हाथ उससे छुड़ाया, काले पक्षी को दोनों हाथों में उठाया और उस पर चिपकी हुई लकड़ी की परत को हटाने के लिए उसे हिलाया। फिर वह उसे अपने सामने पकड़े हुए पीछे हट गया और उस पर जमी धूल को झाड़ते हुए विजयी भाव से उसे देखने लगा।
एफी पेरिन ने खौफनाक चेहरा बनाया और चीखते हुए उसके पैरों की ओर इशारा किया।
उसने अपने पैरों की ओर देखा। उसके आखिरी पीछे हटने के कदम से उसकी बाईं एड़ी मृत व्यक्ति के हाथ से छू गई थी, जिससे एड़ी और फर्श के बीच हथेली के किनारे पर एक चौथाई इंच मांस दब गया था। स्पेड ने झटक कर अपना पैर हाथ से दूर कर लिया।
टेलीफोन की घंटी बजी।

उसने लड़की को सिर हिलाकर इशारा किया। वह डेस्क की ओर मुड़ी और रिसीवर कान से लगा लिया। उसने कहा: “हेलो... हाँ... कौन? ... ओह, हाँ!” उसकी आँखें बड़ी हो गईं। “हाँ... हाँ... लाइन पर बने रहो...” उसका मुँह अचानक डर से चौड़ा हो गया। वह चिल्लाई: “हेलो! हेलो! हेलो!” उसने रिसीवर को ऊपर-नीचे हिलाया और दो बार “हेलो!” कहा। फिर वह सिसकते हुए घूमी और स्पेड की ओर मुड़ी, जो अब उसके बिल्कुल पास था। “यह मिस ओ'शॉघनेसी थीं,” उसने घबराकर कहा। “वह तुम्हें बुला रही हैं। वह अलेक्जेंड्रिया में हैं—खतरे में हैं। उनकी आवाज़—ओह, कितनी भयानक थी, सैम!—और उनके बात पूरी करने से पहले ही उनके साथ कुछ हो गया। जाओ उनकी मदद करो, सैम!”

स्पेड ने बाज़ को मेज पर रख दिया और उदास चेहरे से घूरने लगा। "मुझे पहले इस साथी का काम तमाम करना होगा," उसने फर्श पर पड़े पतले शव की ओर अंगूठा दिखाते हुए कहा।

वह मुट्ठियों से उसकी छाती पीटते हुए रोते हुए बोली: “नहीं, नहीं—तुम्हें उसके पास जाना होगा। सैम, क्या तुम नहीं समझते? उसके पास वो चीज़ थी जो उसकी थी और वो उसे लेकर तुम्हारे पास आया। क्या तुम नहीं समझते? वो उसकी मदद कर रहा था और उन्होंने उसे मार डाला और अब वो— ओह, तुम्हें जाना ही होगा!”

“ठीक है।” स्पेड ने उसे धक्का देकर दूर किया और अपनी मेज पर झुककर काली चिड़िया को उसके कागज़ के घोंसले में वापस रख दिया, कागज़ को उसके चारों ओर लपेटते हुए तेज़ी से काम करते हुए एक बड़ा और भद्दा पैकेट बना दिया। “मेरे जाते ही पुलिस को फ़ोन कर देना। उन्हें बताना कि क्या हुआ, लेकिन किसी का नाम मत लेना। तुम्हें नहीं पता। मुझे फ़ोन आया था और मैंने तुम्हें बताया था कि मुझे बाहर जाना है, लेकिन मैंने यह नहीं बताया कि कहाँ।” उसने उलझी हुई रस्सी को कोसते हुए उसे सीधा किया और पैकेट बाँधना शुरू कर दिया। “इस बात को भूल जाओ। जैसा हुआ वैसा ही बताओ, लेकिन यह भूल जाओ कि उसके पास कोई बंडल था।” उसने अपने निचले होंठ को चबाया। “जब तक वे तुम्हें पकड़ न लें। अगर उन्हें इसके बारे में पता चल गया तो तुम्हें मानना पड़ेगा। लेकिन ऐसा होने की संभावना नहीं है। अगर उन्हें पता चल गया तो मैं बंडल अपने साथ ले गया, बिना खोले।” उसने गाँठ बाँधना पूरा किया और पार्सल को अपनी बाईं बांह के नीचे दबाकर सीधा खड़ा हो गया। “बात साफ़ समझ लो। सब कुछ वैसे ही हुआ जैसे हुआ था, बस इस बेवकूफ़ के बारे में मत बताना, जब तक कि उन्हें पहले से पता न हो। इनकार मत करो—बस इसका ज़िक्र मत करो। और फ़ोन कॉल मुझे आया था—तुम्हें नहीं। और तुम्हें इस आदमी से किसी और के संबंध के बारे में कुछ नहीं पता। तुम उसके बारे में कुछ नहीं जानते और जब तक तुम मुझसे मिल नहीं लेते, मेरे बारे में बात नहीं कर सकते। समझ गए?”

“हां, सैम। कौन—क्या तुम जानते हो कि वह कौन है?”

वह भेड़िया जैसी मुस्कान के साथ बोला, "नहीं," लेकिन मुझे लगता है कि वह कैप्टन जैकोबी थे, ला पालोमा के सरदार।" उसने अपनी टोपी उठाई और पहन ली। उसने मृत व्यक्ति को ध्यान से देखा और फिर कमरे के चारों ओर देखा।

“जल्दी करो, सैम,” लड़की ने विनती की।

“ज़रूर,” उसने अनमने ढंग से कहा, “मैं जल्दी करता हूँ। पुलिस के आने से पहले ज़मीन से लकड़ी के उन कुछ टुकड़ों को हटा देने में कोई हर्ज़ नहीं है। और शायद तुम्हें सिड से संपर्क करने की कोशिश करनी चाहिए।” “नहीं,” उसने अपनी ठुड्डी सहलाई। “हम उसे कुछ देर के लिए इससे दूर रखेंगे। यह बेहतर लगेगा। मैं दरवाज़ा तब तक बंद रखूँगा जब तक वे नहीं आ जाते।” उसने अपना हाथ ठुड्डी से हटाया और उसके गाल को सहलाया। “तुम बहुत अच्छे इंसान हो, बहन,” उसने कहा और बाहर चला गया।

17

शनिवार रात

■

पार्सल को हल्के से बगल में दबाए, फुर्ती से चलते हुए, और सतर्कता दर्शाने के लिए केवल अपनी आंखों को लगातार इधर-उधर घुमाते हुए, स्पेड अपने कार्यालय भवन से केर्नी और पोस्ट स्ट्रीट तक गया, जो आंशिक रूप से एक गली और एक संकरे रास्ते से होकर गुजरता था, जहां उसने एक गुजरती हुई टैक्सी को रोका।

टैक्सी उसे फिफ्थ स्ट्रीट स्थित पिकविक स्टेज टर्मिनल तक ले गई। उसने वहाँ पार्सल रूम में चेक जमा कराया, चेक को एक स्टांप लगे लिफाफे में डाला, उस पर एम. एफ. हॉलैंड और सैन फ्रांसिस्को डाकघर का बॉक्स नंबर लिखा, लिफाफे को सील किया और उसे डाक पेटी में डाल दिया। स्टेज टर्मिनल से दूसरी टैक्सी उसे अलेक्जेंड्रिया होटल ले गई।

स्पेड सूट 12-सी में गए और दरवाज़ा खटखटाया। दूसरी बार खटखटाने पर दरवाज़ा एक छोटी, सुनहरे बालों वाली लड़की ने खोला, जिसने चमकीले पीले रंग का ड्रेसिंग गाउन पहना हुआ था—वह छोटी लड़की जिसका चेहरा पीला और धुंधला था और जो दोनों हाथों से दरवाज़े के अंदरूनी हैंडल को कसकर पकड़े हुए हांफते हुए बोली: “श्रीमान स्पेड?”

स्पेड ने "हां" कहा और लड़खड़ाती हुई उसे पकड़ लिया।

उसका शरीर उसकी बांह पर पीछे की ओर झुक गया और उसका सिर सीधा पीछे की ओर झुक गया, जिससे उसके छोटे सुनहरे बाल उसकी खोपड़ी पर लटक रहे थे और उसका पतला गला ठुड्डी से लेकर छाती तक एक दृढ़ वक्र बना रहा था।

स्पेड ने अपना सहारा देने वाला हाथ उसकी पीठ पर और ऊपर सरकाया और झुककर अपना दूसरा हाथ उसके घुटनों के नीचे डालने की कोशिश की, लेकिन तभी वह हिली, विरोध करने लगी, और उसके होंठों से, जो मुश्किल से हिले, अस्पष्ट शब्द निकले: "नहीं! माँ, मुझे नहीं चाहिए!"

स्पेड ने उसे चलने के लिए मजबूर किया। उसने दरवाज़ा लात मारकर बंद कर दिया और हरे कालीन वाले कमरे में उसे दीवार से दीवार तक इधर-उधर घुमाया। उसकी एक बांह उसके छोटे से शरीर के चारों ओर थी, वही बांह उसकी बगल में थी, और दूसरी बांह उसकी दूसरी बांह को थामे हुए थी। जब वह लड़खड़ाती, तो स्पेड उसे सीधा रखता, उसके डगमगाने को रोकता, उसे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता रहता, लेकिन उसके लड़खड़ाते पैरों को अपना पूरा भार उठाने के लिए मजबूर करता। वे फर्श पर इधर-उधर चलते रहे, लड़की लड़खड़ाती हुई, बेमेल कदमों से, जबकि स्पेड अपने पैरों के पंजों पर खड़ा था और लड़की के लड़खड़ाने से उसका संतुलन अप्रभावित था। उसका चेहरा सफ़ेद और भावहीन था, जबकि स्पेड का चेहरा उदास था, उसकी आंखें हर तरफ एक साथ देखने के लिए कठोर हो गई थीं।

वह उससे नीरस स्वर में बात करता रहा: “यही तो करना है। बाएँ, दाएँ, बाएँ, दाएँ। यही तो करना है। एक, दो, तीन, चार, एक, दो, तीन, अब हम मुड़ते हैं।” दीवार से मुड़ते हुए उसने उसे हिलाया। “अब वापस। एक, दो, तीन, चार। अपना सिर ऊपर रखो। यही तो करना है। शाबाश। बाएँ, दाएँ, बाएँ, दाएँ। अब हम फिर मुड़ते हैं।” उसने उसे फिर हिलाया। “यही तो करना है। चलो, चलो, चलो, चलो। एक, दो, तीन, चार। अब हम चक्कर लगाते हैं।” उसने उसे और ज़ोर से हिलाया और उनकी गति बढ़ा दी। “यही तो तरकीब है। बाएँ, दाएँ, बाएँ, दाएँ। हमें जल्दी है। एक, दो, तीन....”

वह कांप उठी और ज़ोर से घूंट भरी। स्पेड ने उसकी बांह और बगल को सहलाना शुरू किया और अपना मुंह उसके कान के पास ले गया। “ठीक है। तुम अच्छा कर रही हो। एक, दो, तीन, चार। तेज़, तेज़, तेज़, तेज़। बस। कदम, कदम, कदम, कदम। उन्हें उठाओ और नीचे रखो। यही तो करना है। अब हम मुड़ते हैं। बाएँ, दाएँ, बाएँ, दाएँ। उन्होंने क्या किया—तुम्हें नशा दिया? वही नशा जो उन्होंने मुझे दिया था?”

उसकी पलकें एक पल के लिए उसकी धुंधली सुनहरी-भूरी आंखों के ऊपर उठीं और वह अंतिम व्यंजन को छोड़कर "हां" के सभी शब्द कहने में कामयाब रही।

वे दोनों कमरे में इधर-उधर घूम रहे थे, लड़की अब लगभग दौड़ती हुई स्पेड के साथ कदम मिलाकर चल रही थी, स्पेड दोनों हाथों से पीले रेशमी कपड़े के ऊपर से उसके शरीर को थपथपा रहा था और मसल रहा था, लगातार बातें कर रहा था जबकि उसकी आँखें कठोर, उदासीन और चौकस थीं। “बाएँ, दाएँ, बाएँ, दाएँ, बाएँ, दाएँ, मुड़ो। यही है वो लड़की। एक, दो, तीन, चार, एक, दो, तीन, चार। हिम्मत रखो। यही तो चाहिए। एक, दो…”

उसकी पलकें एक इंच के बहुत छोटे हिस्से जितनी उठीं और उनके नीचे उसकी आंखें कमजोरी से इधर-उधर हिलने लगीं।

“ठीक है,” उसने अपनी नीरसता को तोड़ते हुए, स्पष्ट स्वर में कहा। “इन्हें खुला रखो। इन्हें खूब खोलो—खूब खोलो!” उसने उसे हिलाया।

उसने विरोध में कराहते हुए कहा, लेकिन उसकी पलकें और ऊपर उठ गईं, हालांकि उसकी आँखों में कोई रोशनी नहीं थी। उसने हाथ उठाया और जल्दी-जल्दी उसके गाल पर छह-सात बार थप्पड़ मारे। वह फिर कराह उठी और उससे दूर हटने की कोशिश की। उसकी बांह ने उसे थाम लिया और उसे दीवार से दीवार तक अपने साथ घसीटता चला गया।

“चलते रहो,” उसने कठोर स्वर में आदेश दिया, और फिर पूछा: “तुम कौन हो?”

उनकी "रिया गुटमैन" की भाषा जटिल थी लेकिन समझने योग्य थी।

“बेटी?”

“हाँ।” अब वह अंतिम व्यंजन से उतनी ही दूर थी जितनी कि श।

ब्रिगिड कहाँ है?

वह उसकी बाहों में छटपटाने लगी और अपने दोनों हाथों से उसका एक हाथ पकड़ लिया। उसने झट से अपना हाथ छुड़ा लिया और उसे देखा। उसकी पीठ पर डेढ़ इंच या उससे अधिक लंबी एक पतली लाल खरोंच थी।

“ये क्या बकवास है?” वह गुर्राया और उसके हाथों को गौर से देखने लगा। उसका बायां हाथ खाली था। जब उसने उसका दायां हाथ जबरदस्ती खोला, तो उसमें तीन इंच लंबी जेड पत्थर की बनी स्टील की फूलों की पिन पड़ी थी। “ये क्या बकवास है?” वह फिर गुर्राया और पिन को उसकी आंखों के सामने उठाकर दिखाने लगा।

पिन देखकर वह सिसक उठी और अपना ड्रेसिंग गाउन खोल दिया। उसने उसके नीचे पहना हुआ क्रीम रंग का पजामा-कोट हटाया और उसे अपने बाएं स्तन के नीचे का शरीर दिखाया—सफेद मांस पर पतली लाल रेखाएं बनी हुई थीं, जिन पर छोटे-छोटे लाल बिंदु थे, जहां पिन ने खरोंच और छेद कर दिए थे। “जागते रहने के लिए... चलते रहना... जब तक तुम नहीं आए... उसने कहा था कि तुम आओगे... बहुत लंबा समय लगा।” वह लड़खड़ा गई।

स्पेड ने अपना हाथ उसके चारों ओर कसकर लपेट लिया और कहा: "चलो।"

उसने उसकी बांह से खुद को छुड़ाने की कोशिश की और छटपटाते हुए फिर से उसका सामना किया। "नहीं... तुम्हें बताऊं... सो जाओ... उसे बचाओ..."

“ब्रिगिड?” उसने पूछा।

“हाँ... उसे ले गई... बर-बर्लिंगेम... छब्बीस अंको... जल्दी करो... बहुत देर हो गई...” उसका सिर उसके कंधे पर गिर गया।

स्पेड ने उसका सिर ज़ोर से ऊपर उठाया। "उसे वहाँ कौन ले गया? तुम्हारे पिता?"

“हाँ... विल्मर... काहिरा।” वह छटपटाने लगी और उसकी पलकें फड़कने लगीं लेकिन खुली नहीं। “... उसे मार डालो।” उसका सिर फिर से नीचे गिर गया, और उसने उसे फिर से ऊपर उठा दिया।

“जैकोबी को किसने गोली मारी?”

ऐसा लग रहा था मानो उसने सवाल सुना ही न हो। उसने बड़ी दयनीयता से अपना सिर ऊपर उठाने और आँखें खोलने की कोशिश की। वह बुदबुदाई: “जाओ... वो...”

उसने उसे बेरहमी से हिलाया। "डॉक्टर के आने तक जागते रहो।"

डर ने उसकी आँखें खोलीं और पल भर के लिए उसके चेहरे से उदासी का बादल छँट गया। “नहीं, नहीं,” वह भारी आवाज़ में रोई, “पिताजी... मुझे मार डालिए... कसम खाइए कि नहीं... उन्हें पता चल जाएगा... मैंने उसके लिए ऐसा किया... वादा कीजिए... नहीं... सो पाऊँगी... ठीक है... सुबह...”

उसने उसे फिर से हिलाया। "क्या तुम्हें यकीन है कि तुम सोकर सब ठीक कर लोगी?"

“ये।” उसका सिर फिर नीचे झुक गया।

“तुम्हारा बिस्तर कहाँ है?”

उसने हाथ उठाने की कोशिश की, लेकिन हाथ कालीन के अलावा किसी और चीज़ की ओर इशारा करने से पहले ही यह प्रयास उसके लिए असहनीय हो गया। एक थके हुए बच्चे की आह भरते हुए उसने अपने पूरे शरीर को ढीला छोड़ दिया और वह लुढ़क गई।

स्पेड ने उसे अपनी बाहों में उठा लिया— जैसे ही वह डूबने लगी, उसे गोद में उठा लिया—और उसे आराम से अपने सीने से लगाए हुए, तीनों दरवाजों में से सबसे नज़दीकी दरवाजे की ओर गया। उसने दरवाज़े की कुंडी खोलने के लिए हैंडल को घुमाया, अपने पैर से दरवाज़ा धक्का देकर खोला और एक गलियारे में चला गया जो खुले हुए बाथरूम के दरवाजे से होते हुए एक शयनकक्ष की ओर जाता था। उसने बाथरूम में देखा, पाया कि वह खाली था, और लड़की को उठाकर शयनकक्ष में ले गया। वहाँ कोई नहीं था। जो कपड़े दिखाई दे रहे थे और अलमारी पर रखी चीज़ों से पता चलता था कि वह एक पुरुष का कमरा था।

स्पेड लड़की को उठाकर हरे कालीन वाले कमरे में ले गया और सामने वाले दरवाजे से अंदर जाने की कोशिश की। वहाँ से वह एक और गलियारे में पहुँचा, एक और खाली बाथरूम के पास से गुज़रते हुए, एक ऐसे शयनकक्ष में पहुँचा जो साज-सज्जा में स्त्रीत्व से परिपूर्ण था। उसने चादरें हटाईं और लड़की को बिस्तर पर लिटाया, उसकी चप्पलें उतारीं, उसे थोड़ा ऊपर उठाया ताकि पीली ड्रेसिंग गाउन उतार सके, उसके सिर के नीचे तकिया लगाया और उसे कंबल ओढ़ा दिया।

फिर उसने कमरे की दोनों खिड़कियाँ खोलीं और उनकी ओर पीठ करके सो रही लड़की को घूरने लगा। उसकी साँसें तेज़ थीं, पर परेशान नहीं थीं। उसने भौंहें सिकोड़ीं और चारों ओर देखा, अपने होंठ आपस में भींचते हुए। शाम ढलने से कमरा धुंधला हो रहा था। वह उस मंद होती रोशनी में शायद पाँच मिनट तक खड़ा रहा। अंत में उसने अपने भारी-भरकम कंधों को अधीरता से हिलाया और सुइट का बाहरी दरवाज़ा खुला छोड़कर बाहर चला गया।

स्पेड पॉवेल स्ट्रीट स्थित पैसिफिक टेलीफोन एंड टेलीग्राफ कंपनी के स्टेशन गए और डेवनपोर्ट 2020 पर फोन किया। “आपातकालीन अस्पताल, कृपया… हेलो, एलेक्जेंड्रिया होटल के सुइट बारह सी में एक लड़की है जिसे नशीली दवा दी गई है… जी हाँ, बेहतर होगा कि आप किसी को भेजकर उसकी जांच करवाएं… मैं एलेक्जेंड्रिया होटल से मिस्टर हूपर बोल रहा हूँ।”

उसने रिसीवर को उसके हैंडल पर रखा और हँस पड़ा। उसने दूसरे नंबर पर कॉल किया और कहा: “हेलो, फ्रैंक। मैं सैम स्पेड बोल रहा हूँ… क्या आप मुझे एक ऐसी कार और ड्राइवर दे सकते हैं जो चुप रहे? … मुझे तुरंत प्रायद्वीप जाना है… बस कुछ ही घंटों में… ठीक है। उसे जॉन के यहाँ, एलिस स्ट्रीट पर, जितनी जल्दी हो सके मुझे लेने के लिए कह दीजिए।”

उसने दूसरे नंबर पर कॉल किया—अपने ऑफिस के नंबर पर—बिना कुछ बोले थोड़ी देर तक रिसीवर को अपने कान से लगाए रखा और फिर उसे वापस हुक पर रख दिया।

वह जॉन ग्रिल में गया, वेटर से चॉप्स, बेक्ड पोटैटो और कटे हुए टमाटर का अपना ऑर्डर जल्दी लाने को कहा, जल्दी-जल्दी खाया और अपनी कॉफी के साथ सिगरेट पी रहा था, तभी एक हट्टा-कट्टा

नौजवान, जिसकी पीली आँखों के ऊपर तिरछी सी चेकदार टोपी थी और जिसका चेहरा सख्त और हंसमुख था, ग्रिल में आया और उसकी मेज पर बैठ गया।
“सब तैयार है, मिस्टर स्पेड। इसमें भरपूर ईंधन भरा है और यह चलने के लिए बेताब है।”
“शानदार।” स्पेड ने अपना प्याला खाली किया और उस हट्टे-कट्टे आदमी के साथ बाहर चला गया।
“क्या तुम्हें पता है बर्लिंगेम में एंको एवेन्यू, या रोड, या बुलेवार्ड कहाँ है?”
"नहीं, लेकिन अगर वह वहां है तो हम उसे ढूंढ सकते हैं।"
"चलिए, ऐसा ही करते हैं," स्पेड ने अंधेरी कैडिलैक सेडान में ड्राइवर के बगल में बैठते हुए कहा। "हमें छब्बीस चाहिए, और जितनी जल्दी हो उतना अच्छा, लेकिन हम सीधे दरवाजे पर नहीं रुकना चाहते।"
"सही।"
वे लगभग आधा दर्जन ब्लॉक तक चुपचाप गाड़ी चलाते रहे। ड्राइवर ने कहा: "आपके साथी की गाड़ी को टक्कर लग गई, है ना, मिस्टर स्पेड?"
"अहां।"
ड्राइवर ने कहा, "यह तो बड़ी चालाक औरत है। आप इसे मेरे बदले में ले सकते हैं।"
"खैर, हैक-ड्राइवर हमेशा जीवित नहीं रहते।"
"शायद यह सही है," उस हट्टे-कट्टे आदमी ने स्वीकार किया, "लेकिन फिर भी, अगर मैं ऐसा नहीं करता हूं तो यह मेरे लिए हमेशा एक आश्चर्य की बात होगी।"
स्पेड सामने खालीपन में घूरता रहा और उसके बाद, जब तक ड्राइवर बातचीत करते-करते थक नहीं गया, तब तक उसने उदासीन भाव से हां और ना में जवाब दिया।
बर्लिंगेम के एक दवाखाने में ड्राइवर को एंको एवेन्यू पहुँचने का रास्ता पता चला। दस मिनट बाद उसने एक अंधेरे कोने के पास सेडान कार रोकी, बत्तियाँ बंद कीं और आगे वाले ब्लॉक की ओर हाथ हिलाया।
"वह रही," उसने कहा। "वह दूसरी तरफ होगी, शायद तीसरे या चौथे घर में।"
स्पेड ने कहा, "ठीक है," और कार से बाहर निकल गया। "इंजन चालू रखो। हमें जल्दी में निकलना पड़ सकता है।"
वह सड़क पार करके दूसरी तरफ चला गया। दूर आगे एक अकेली स्ट्रीटलाइट जल रही थी। दोनों ओर, जहाँ घर एक ब्लॉक में आधे दर्जन की दूरी पर बने थे, वहाँ रात के अंधेरे में कुछ गर्म बत्तियाँ जगमगा रही थीं। ऊँचा, पतला चाँद दूर की स्ट्रीटलाइट की तरह ठंडा और कमजोर था। सड़क के दूसरी ओर एक घर की खुली खिड़कियों से रेडियो की धीमी आवाज़ आ रही थी।
कोने से दूसरे घर के सामने स्पेड रुक गया। बाड़ के अनुपात से कहीं अधिक विशाल एक खंभे पर हल्के रंग की धातु से बने 2 और 6 अंक चमक रहे थे। उन पर एक चौकोर सफेद कार्ड कील से ठोका हुआ था। कार्ड के पास जाकर स्पेड ने देखा कि वह 'बिक्री या किराए के लिए' का बोर्ड था। खंभों के बीच कोई गेट नहीं था। स्पेड सीमेंट के रास्ते से होते हुए घर की ओर बढ़ा। वह बरामदे की सीढ़ियों के नीचे रास्ते पर

कुछ देर तक खड़ा रहा। घर से कोई आवाज नहीं आई। घर में अंधेरा था, सिवाय दरवाजे पर ठोके हुए एक और हल्के रंग के चौकोर कार्ड के।

स्पेड दरवाजे के पास गया और सुनने लगा। उसे कुछ सुनाई नहीं दिया। उसने दरवाजे के शीशे से झाँकने की कोशिश की। उसकी नज़र को रोकने के लिए कोई पर्दा नहीं था, बस अंदर अंधेरा था। वह दबे पांव एक खिड़की के पास गया और फिर दूसरी के पास। दरवाजे की तरह, उन खिड़कियों पर भी पर्दा नहीं था, बस अंदर अंधेरा था। उसने दोनों खिड़कियाँ खोलीं। वे बंद थीं। उसने दरवाजा भी खोला। वह भी बंद था।

वह बरामदे से निकला और अंधेरी, अपरिचित ज़मीन पर सावधानी से कदम रखते हुए, घर के चारों ओर उगी झाड़ियों के बीच से चलने लगा। बगल की खिड़कियाँ ज़मीन से पहुँचने के लिए बहुत ऊँची थीं। पिछला दरवाज़ा और पीछे की एकमात्र खिड़की, जहाँ तक वह पहुँच सकता था, बंद थीं।

स्पेड गेटपोस्ट के पास वापस गया और अपने हाथों में लौ को थामे हुए, लाइटर को 'बिक्री या किराए के लिए' के साइनबोर्ड के सामने उठाया। उस पर सैन माटेओ के एक रियल एस्टेट डीलर का नाम और पता छपा हुआ था और नीले रंग से पेंसिल से एक लाइन लिखी थी: की एट 31।

स्पेड सेडान कार में वापस लौटा और ड्राइवर से पूछा: "क्या तुम्हारे पास टॉर्च है?"

“ज़रूर।” उसने स्पेड को दे दिया। “क्या मैं किसी काम में आपकी मदद कर सकता हूँ?”

“शायद।” स्पेड सेडान कार में बैठ गया। “हम इकत्तीसवें नंबर तक चलेंगे। आप अपनी लाइटें इस्तेमाल कर सकते हैं।”

नंबर 31 एक चौकोर, भूरे रंग का मकान था जो 26 के ठीक सामने, लेकिन उससे थोड़ा आगे, सड़क के उस पार स्थित था। उसकी निचली मंजिल की खिड़कियों में रोशनी जगमगा रही थी। स्पेड बरामदे पर गया और घंटी बजाई। चौदह-पंद्रह साल की एक काले बालों वाली लड़की ने दरवाजा खोला। स्पेड ने झुककर मुस्कुराते हुए कहा: "मुझे नंबर छब्बीस की चाबी चाहिए।"

“मैं पापा को फोन करती हूँ,” उसने कहा और घर के अंदर जाकर “पापा!” चिल्लाने लगी।

एक गोल-मटोल, लाल चेहरे वाला, गंजा आदमी, जिसकी घनी मूंछें थीं, अखबार लिए हुए प्रकट हुआ।

स्पेड ने कहा: "मैं छब्बीस की चाबी पाना चाहूंगा।"

मोटे आदमी के चेहरे पर संदेह झलक रहा था। उसने कहा, "जूस चालू नहीं है। आपको कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था।"

स्पेड ने अपनी जेब थपथपाई। "मेरे पास एक टॉर्च है।"

मोटे आदमी का चेहरा और भी संशयपूर्ण लग रहा था। उसने बेचैनी से गला साफ किया और अपने हाथ में मौजूद अखबार को मसल दिया।

स्पेड ने उसे अपना एक बिजनेस कार्ड दिखाया, उसे वापस अपनी जेब में रख लिया और धीमी आवाज में कहा: "हमें सूचना मिली है कि वहां कुछ छिपा हो सकता है।"

मोटे आदमी के चेहरे और आवाज में उत्सुकता झलक रही थी। उसने कहा, "एक मिनट रुको। मैं तुम्हारे साथ चलता हूँ।"
कुछ देर बाद वह काले और लाल रंग के टैग से बंधी पीतल की चाबी लेकर वापस आया। कार के पास से गुजरते हुए स्पेड ने ड्राइवर को इशारा किया और ड्राइवर उनके साथ चल पड़ा।
"क्या हाल ही में कोई इस घर को देखने आया है?" स्पेड ने पूछा।
“मुझे तो नहीं पता,” मोटे आदमी ने जवाब दिया। “पिछले कुछ महीनों से चाबी के लिए कोई मेरे पास नहीं आया है।”
मोटा-ताज़ा आदमी चाबी लेकर आगे बढ़ता रहा और बरामदे तक पहुँच गया। फिर उसने चाबी स्पेड के हाथ में थमा दी, बुदबुदाते हुए कहा, "ये लो," और एक तरफ हट गया।
स्पेड ने दरवाज़ा खोला और धक्का देकर अंदर घुस गया। चारों ओर सन्नाटा और अंधेरा था। अंधेरे में भी, स्पेड ने अपने बाएं हाथ में टॉर्च पकड़ी और अंदर चला गया। ड्राइवर उसके ठीक पीछे आया और फिर थोड़ी दूरी पर मोटा आदमी भी उनके पीछे-पीछे आ गया। उन्होंने घर को ऊपर से नीचे तक तलाशा, पहले तो सावधानी से, फिर कुछ न मिलने पर, निडर होकर। घर पूरी तरह खाली था—स्पष्ट रूप से—और ऐसा कुछ भी नहीं था जिससे पता चले कि हफ्तों से कोई आया था।
“धन्यवाद, बस इतना ही,” कहते हुए स्पेड ने एलेक्जेंड्रिया के सामने सेडान कार छोड़ दी। वह होटल के अंदर डेस्क पर गए, जहाँ एक लंबे, गंभीर चेहरे वाले युवक ने कहा: “शुभ संध्या, श्रीमान स्पेड।”
“शुभ संध्या।” स्पेड ने उस युवक को डेस्क के एक कोने में खींच लिया। “ये गुटमैन्स—बारहवीं मंजिल पर—क्या वे अंदर हैं?”
युवक ने स्पेड की ओर एक त्वरित नज़र डालते हुए उत्तर दिया, "नहीं।" फिर उसने नज़रें हटा लीं, कुछ देर रुका, फिर स्पेड की ओर देखा और धीरे से बोला, "आज शाम उनके संबंध में एक अजीब घटना घटी है, श्रीमान स्पेड। किसी ने आपातकालीन अस्पताल में फोन करके बताया कि वहाँ एक बीमार लड़की है।"
“और ऐसा नहीं था?”
"अरे नहीं, वहां कोई नहीं था। वे शाम को पहले ही बाहर चले गए थे।"
स्पेड ने कहा: "खैर, इन शरारती लोगों को अपना मनोरंजन तो करना ही है। धन्यवाद।"
वह एक टेलीफोन बूथ पर गया, एक नंबर डायल किया और कहा: "हेलो... श्रीमती पेरिन? ... क्या एफी वहाँ है? ... हाँ, कृपया... धन्यवाद।"
“हेलो, एंजेल! क्या खबर है? … ठीक है, ठीक है! रुको। मैं बीस मिनट में बाहर आ रहा हूँ… ठीक है।”
आधे घंटे बाद स्पेड ने नाइंथ एवेन्यू में एक दो मंजिला ईंट की इमारत की घंटी बजाई। एफी पेरिन ने दरवाजा खोला। उसका मासूम चेहरा थका हुआ था और मुस्कुरा रहा था। "हेलो बॉस," उसने कहा। "अंदर आइए।" उसने धीमी आवाज़ में कहा: "अगर माँ तुमसे कुछ कहे, सैम, तो उनसे नरमी से पेश आना। वो बहुत ही नखरे वाली हैं।"

स्पेड ने आश्वस्त करते हुए मुस्कुराया और उसके कंधे पर थपथपाया।
उसने अपना हाथ उसकी बांह पर रखा। "मिस ओ'शॉघनेसी?"
“नहीं,” वह गुर्राया। “मैं एक पौधे से टकरा गया था। क्या आपको यकीन है कि यह उसकी ही आवाज़ थी?”
"हाँ।"
उसने अप्रिय सा मुंह बनाया। "खैर, यह सब बकवास था।"
वह उसे एक रोशन बैठक कक्ष में ले गई, आह भरी और एक चेस्टरफील्ड सोफे के एक कोने पर बैठ गई, अपनी थकावट के बावजूद मुस्कुराते हुए उसकी ओर देखा।
वह उसके बगल में बैठ गया और पूछा: “सब ठीक रहा? बंडल के बारे में किसी ने कुछ नहीं कहा?”
"कुछ नहीं। मैंने उन्हें वही बताया जो आपने मुझे बताने को कहा था, और उन्होंने यह मान लिया कि उस फोन कॉल का इससे कुछ लेना-देना था, और आप इसकी जांच-पड़ताल कर रहे थे।"
“क्या डंडी वहाँ है?”
“नहीं। हॉफ और ओ'गार और कुछ अन्य लोग थे जिन्हें मैं नहीं जानता था। मैंने कप्तान से भी बात की थी।”
“वे आपको हॉल में ले गए?”
"हां, उन्होंने मुझसे ढेर सारे सवाल पूछे, लेकिन यह सब - आप जानते हैं - नियमित प्रक्रिया थी।"
स्पेड ने अपनी हथेलियों को आपस में रगड़ा। "बढ़िया," उसने कहा और फिर भौंहें चढ़ाते हुए बोला, "हालांकि मुझे लगता है कि जब हम मिलेंगे तो वे मुझसे कहने के लिए बहुत कुछ सोच लेंगे। वो कमीना डंडी तो ज़रूर सोचेगा, और ब्रायन भी।" उसने अपने कंधे हिलाए। "क्या पुलिस के अलावा आपका कोई परिचित है जो यहाँ आ सके?"
“हां।” वह सीधी होकर बैठ गई। “वह लड़का—जो गुटमैन का संदेश लेकर आया था—वहां था। वह अंदर नहीं आया, लेकिन पुलिस ने वहां रहते हुए गलियारे का दरवाजा खुला छोड़ दिया था और मैंने उसे वहां खड़े देखा था।”
“आपने कुछ नहीं कहा?”
“अरे नहीं। आपने मना किया था। इसलिए मैंने उस पर ध्यान नहीं दिया और अगली बार जब मैंने देखा तो वह जा चुका था।”
स्पेड ने उसकी ओर देखकर मुस्कुराते हुए कहा, "बहन, तुम्हारी किस्मत ही ऐसी है कि पुलिस वाले पहले वहाँ पहुँच गए।"
"क्यों?"
“वो लड़का तो बिल्कुल ही घटिया है—ज़हर जैसा। क्या मरा हुआ आदमी जैकोबी था?”
"हाँ।"

उसने उसके हाथों को दबाया और खड़ा हो गया। “मैं अब जा रहा हूँ। तुम भी सो जाओ। अब तुम्हारी बारी है।”

वह उठी। "सैम, क्या बात है—?"

उसने अपना हाथ उसके मुंह पर रखकर उसकी बात रोक दी। "सोमवार तक रहने दो," उसने कहा। "मैं तुम्हारी माँ के मुझे पकड़ने और उसकी भेड़ को नालियों में घसीटने के लिए मुझे खूब डांटने से पहले चुपके से निकलना चाहता हूँ।"

आधी रात होने में कुछ ही मिनट बचे थे जब स्पेड अपने घर पहुँचा। उसने अपनी चाबी गली के दरवाजे के ताले में डाली। उसके पीछे फुटपाथ पर ऊँची एड़ी के जूतों की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। उसने चाबी छोड़ दी और मुड़ गया। ब्रिगेड ओ'शॉघनेसी दौड़कर सीढ़ियों से उसके पास आई। उसने उसे गले लगा लिया और हाँफते हुए बोली: "ओह, मुझे लगा था कि तुम कभी नहीं आओगे!" उसका चेहरा थका हुआ, व्याकुल और कंपकंपी से काँप रहा था।

जिस हाथ से वह उसे सहारा नहीं दे रही थी, उसी हाथ से उसने चाबी ढूंढी, दरवाजा खोला और उसे आधा उठाकर अंदर ले गया। "तुम इंतज़ार कर रही थी?" उसने पूछा।

“हाँ।” हाँफते हुए उसके शब्द रुक-रुक कर निकले। “गली के ऊपर एक दरवाज़े में।”

“क्या तुम सब ठीक कर सकते हो?” उसने पूछा। “या मैं तुम्हें उठाकर ले जाऊं?”

उसने अपना सिर उसके कंधे पर टिका दिया। "मैं ठीक हो जाऊंगी—जब मैं ऐसी जगह पहुंच जाऊंगी जहां मैं बैठ सकूं।"

वे लिफ्ट से स्पेड के फ्लोर तक गए और उसके अपार्टमेंट में चले गए। उसने उसका हाथ छोड़ा और उसके बगल में खड़ी हो गई—हाँफते हुए, दोनों हाथ अपनी छाती पर रखे हुए—जबकि उसने अपना दरवाजा खोला। उसने गलियारे की लाइट जला दी। वे अंदर गए। उसने दरवाजा बंद किया और फिर से उसका हाथ पकड़कर उसे लिविंग रूम की ओर ले गया। जब वे लिविंग रूम के दरवाजे से बस एक कदम दूर थे, तभी लिविंग रूम की लाइट जल गई।

लड़की चीख पड़ी और स्पेड से लिपट गई।

बैठक के दरवाजे के ठीक अंदर मोटा गुटमैन उन पर दयालुता से मुस्कुराता हुआ खड़ा था। उनके पीछे रसोई से लड़का विल्मर निकला। उसके छोटे हाथों में काली पिस्तौलें बड़ी-बड़ी लग रही थीं। कायरो बाथरूम से आया। उसके पास भी एक पिस्तौल थी।

गुटमैन ने कहा: “जी महोदय, जैसा कि आप स्वयं देख सकते हैं, हम सब यहाँ हैं। चलिए अंदर आइए, बैठिए, आराम से बातचीत कीजिए।”

18
द फॉल - गाय

ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी के चारों ओर अपनी बाहें डाले हुए स्पेड ने उसके सिर के ऊपर से हल्की सी मुस्कान के साथ कहा: "ज़रूर, हम बात करेंगे।"

जैसे ही गुटमैन दरवाजे से पीछे की ओर तीन लड़खड़ाते हुए कदम बढ़ाए, उनके बल्ब हिल उठे।

स्पेड और लड़की एक साथ अंदर गए। लड़का और कायरो उनके पीछे-पीछे अंदर गए। कायरो दरवाजे पर रुक गया। लड़के ने अपनी एक पिस्तौल छुपा ली और स्पेड के ठीक पीछे आ गया।

स्पेड ने अपना सिर काफी दूर घुमाकर अपने कंधे के ऊपर से लड़के को देखा और कहा: "दूर हट जाओ। तुम मेरी तलाशी नहीं लेने वाले हो।"

लड़के ने कहा: “स्थिर खड़े रहो। चुप रहो।”

स्पेड की सांसों के साथ उसकी नाक के नथुने अंदर-बाहर हो रहे थे। उसकी आवाज़ स्थिर थी। "दूर हट जाओ। अगर तुमने मुझे छुआ तो मैं तुम्हें बंदूक चलाने पर मजबूर कर दूंगा। अपने बॉस से पूछ लो कि क्या वो मुझे गोली मारना चाहता है, इससे पहले कि हम बात करें।"

“कोई बात नहीं, विल्मर,” मोटे आदमी ने कहा। उसने स्पेड की ओर स्नेहपूर्वक देखते हुए भौंहें चढ़ाईं। “तुम वाकई बड़े जिद्दी हो। चलो, बैठते हैं।”

स्पेड ने कहा, "मैंने तुमसे कहा था कि मुझे वो बदमाश पसंद नहीं है," और ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी को खिड़की के पास सोफे पर ले गया। वे एक-दूसरे के करीब बैठे थे, ब्रिगिड का सिर उसके बाएं कंधे पर टिका था और स्पेड का बायां हाथ उसके कंधों पर था। उसका कांपना और हांफना बंद हो गया था। गुटमैन और उसके साथियों के आने से मानो उसकी वो आज़ादी छिन गई थी जो जानवरों में होती है, वो ज़िंदा तो थी, होश में भी थी, लेकिन एक पौधे की तरह शांत थी।

गुटमैन गद्देदार झूला कुर्सी पर बैठ गया। कायरो ने मेज के पास वाली कुर्सी चुनी। लड़का विल्मर नहीं बैठा। वह उसी दरवाजे पर खड़ा रहा जहाँ कायरो खड़ा था, अपनी दिखाई देने वाली पिस्तौल को बगल में लटकाए हुए, लहराती पलकों के बीच से स्पेड के शव को देख रहा था। कायरो ने अपनी पिस्तौल अपने बगल में मेज पर रख दी।

स्पेड ने अपनी टोपी उतारकर सोफे के दूसरे छोर पर फेंक दी। उसने गुटमैन की ओर देखकर मुस्कुराया। उसके निचले होंठ का ढीलापन और ऊपरी पलकों का झुकाव, साथ ही चेहरे की बनावट, उसकी मुस्कान को किसी कामुक व्यक्ति की तरह अश्लील बना रहे थे। उसने कहा, "तेरी बेटी का पेट कितना सुंदर है, इतना सुंदर कि उसे पिनों से खरोंचने की ज़रूरत नहीं है।"

गुटमैन की मुस्कान मिलनसार थी, हालांकि थोड़ी बनावटी भी थी।

दरवाजे पर खड़ा लड़का एक छोटा कदम आगे बढ़ा और अपनी पिस्तौल कमर तक उठा ली। कमरे में मौजूद सभी लोग उसे देखने लगे। ब्रिगेड ओ'शॉघनेसी और जोएल काइरो की अलग-अलग नज़रों में, अजीब तरह से, एक ही तरह की निंदा का भाव था। लड़का शर्म से लाल हो गया, अपना आगे बढ़ा हुआ पैर पीछे खींच लिया, टांगें सीधी कीं, पिस्तौल नीचे कर ली और पहले की तरह खड़ा हो गया, अपनी पलकों के नीचे से स्पेड की छाती को घूरता रहा। शर्मिंदगी हल्की थी और पल भर के लिए ही रही, लेकिन उसके चेहरे पर, जो आमतौर पर इतना शांत और गंभीर रहता था, यह चौंकाने वाली थी।

गुटमैन ने अपनी चिकनी आँखों वाली चौड़ी मुस्कान फिर से स्पेड की ओर घुमाई। उसकी आवाज़ मधुर और फुसफुसाती हुई थी। "जी जनाब, यह तो अफसोस की बात थी, लेकिन आपको मानना पड़ेगा कि इसने अपना उद्देश्य पूरा कर दिया।"

स्पेड की भौंहें तन गईं। "कुछ भी हो सकता था," उसने कहा। "स्वाभाविक रूप से मैं बाज़ मिलते ही आपसे मिलना चाहता था। नकद भुगतान करने वाले ग्राहक—क्यों नहीं? मैं बर्लिंगेम इस उम्मीद से गया था कि मुझे ऐसी ही कोई मुलाकात मिलेगी। मुझे नहीं पता था कि आप आधे घंटे देर से इधर-उधर भटक रहे हैं, मुझे रास्ते से हटाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि जैकोबी मुझे ढूंढने से पहले आप उसे फिर से ढूंढ सकें।"

गुटमैन मुस्कुराया। उसकी हंसी में संतुष्टि के सिवा कुछ नहीं था। "खैर, महोदय," उसने कहा, "खैर, अगर आप यही चाहते थे तो हम यहाँ अपनी छोटी सी बैठक कर रहे हैं।"

“मुझे यही चाहिए था। आप पहली किस्त कब तक चुकाने और बाज़ को मुझसे लेने के लिए तैयार हैं?”

ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी सीधी होकर बैठ गईं और हैरानी भरी नीली आँखों से स्पेड को देखने लगीं। स्पेड ने लापरवाही से उनके कंधे पर थपथपाया। उनकी निगाहें गुटमैन पर टिकी हुई थीं। गुटमैन की आँखें उनके चेहरे पर उभरे मोटे बालों के बीच खुशी से चमक रही थीं। उन्होंने कहा, "अच्छा, महोदय, इसके बारे में क्या?" और अपना हाथ कोट के सीने के अंदर डाल लिया।

कैरो, हाथों को जांघों पर रखे, कुर्सी पर आगे की ओर झुका हुआ था और अपने कोमल होठों के बीच सांस ले रहा था। उसकी गहरी आँखों में वार्निश जैसी चमक थी। उसकी नज़रें सावधानी से स्पेड के चेहरे से गुटमैन के चेहरे पर और गुटमैन से स्पेड के चेहरे पर घूम रही थीं।

गुटमैन ने दोहराया, "जी महोदय, इसके बारे में," और अपनी जेब से एक सफेद लिफाफा निकाला। दस आँखें—लड़के की आँखें अब उसकी पलकों से आधी ढकी हुई थीं—लिफाफे को देख रही थीं। अपने सूजे हुए हाथों में लिफाफे को पलटते हुए, गुटमैन ने एक पल के लिए उसके खाली सफेद सामने के हिस्से और फिर उसके पीछे के हिस्से को देखा, जो खुला हुआ था और जिसका फ्लैप अंदर की ओर मुड़ा हुआ था। उसने अपना सिर उठाया, सौहार्दपूर्ण ढंग से मुस्कुराया, और लिफाफे को स्पेड की गोद में रख दिया।

लिफाफा मोटा तो नहीं था, लेकिन इतना भारी ज़रूर था कि सही दिशा में जा गिरा। वह स्पेड की छाती के निचले हिस्से से टकराया और उसकी जांघों पर जा गिरा। उसने जानबूझकर उसे उठाया और

दोनों हाथों से जानबूझकर खोला, लड़की के चारों ओर से अपना बायां हाथ हटा लिया था। लिफाफे के अंदर हज़ार-हज़ार डॉलर के नोट थे, चिकने, कड़े और नए। स्पेड ने उन्हें बाहर निकाला और गिना। दस नोट थे। स्पेड मुस्कुराते हुए ऊपर देखने लगा। उसने धीरे से कहा: "हम इससे भी ज़्यादा पैसों की बात कर रहे थे।"

“जी हाँ, महोदय, हम थे,” गुटमैन ने सहमति जताते हुए कहा, “लेकिन हम तब बातें कर रहे थे। यह असली पैसा है, देश का असली सिक्का है, महोदय। इस एक डॉलर से आप दस डॉलर की बातों से ज़्यादा खरीद सकते हैं।” खामोश हंसी ने उनके बल्ब हिला दिए। जब उनका शोरगुल शांत हुआ तो उन्होंने ज़्यादा गंभीरता से, लेकिन पूरी तरह से नहीं, कहा: “अब हममें से ज़्यादा लोगों का ख्याल रखना है।” उन्होंने अपनी चमकती आँखों और अपने मोटे सिर को हिलाकर काहिरा की ओर इशारा किया। “और —खैर, महोदय—हालात बदल गए हैं।”

जब गुटमैन बात कर रहा था, स्पेड ने दस नोटों के किनारों को ठीक से समेटकर वापस लिफाफे में रख दिया और लिफाफे का फ्लैप अंदर की ओर मोड़ दिया। अब, घुटनों पर कोहनी रखकर, वह आगे की ओर झुका हुआ बैठा था, और उंगली और अंगूठे से हल्के से पकड़े हुए लिफाफे को अपने पैरों के बीच लटकाए हुए था। मोटे आदमी को उसका जवाब लापरवाही भरा था: "ठीक है। अब तुम दोनों साथ हो, लेकिन बाज़ मेरे पास है।"

जोएल कैरो ने बोलना शुरू किया। अपने बदसूरत हाथों से कुर्सी की भुजाओं को पकड़े हुए, वह आगे की ओर झुका और अपनी पतली, तीखी आवाज़ में सलीके से बोला: "मुझे नहीं लगता कि आपको यह याद दिलाने की ज़रूरत होगी, श्री स्पेड, कि भले ही बाज़ आपके पास हो, लेकिन आप निश्चित रूप से हमारे कब्ज़े में हैं।"

स्पेड मुस्कुराया। उसने कहा, "मैं इस बात को लेकर परेशान नहीं होने की कोशिश कर रहा हूँ।" वह सीधा बैठ गया, लिफाफा सोफे पर एक तरफ रख दिया और गुटमैन से कहा, "पैसे की बात बाद में करेंगे। पहले एक और काम निपटाना है। हमें किसी को बलि का बकरा बनाना होगा।"

मोटे आदमी ने समझ न आने के कारण भौंहें चढ़ा लीं, लेकिन इससे पहले कि वह कुछ बोल पाता, स्पेड ने समझाना शुरू कर दिया: "पुलिस को एक पीड़ित चाहिए—कोई ऐसा जिस पर वे उन तीन हत्याओं का आरोप लगा सकें। हम—"

कैरो ने उत्तेजित और कांपती हुई आवाज में स्पेड की बात काटते हुए कहा, "दो—सिर्फ दो—हत्याएं, मिस्टर स्पेड। थर्सबी ने निस्संदेह आपके साथी की हत्या की है।"

“ठीक है, दो,” स्पेड गुर्राया। “इससे क्या फर्क पड़ता है? बात यह है कि हमें पुलिस को कुछ तो देना ही होगा—”

अब गुटमैन ने बीच में दखल देते हुए आत्मविश्वास भरी मुस्कान के साथ, सौम्य आश्वासन से कहा: “जी महोदय, हमने आपके बारे में जो देखा और सुना है, उससे तो लगता है कि हमें इस बारे में चिंता करने

की ज़रूरत नहीं है। पुलिस से निपटने का काम हम आप पर छोड़ सकते हैं। आपको हमारी अनुभवहीन मदद की ज़रूरत नहीं पड़ेगी।"

स्पेड ने कहा, "अगर आप ऐसा सोचते हैं, तो आपने अभी तक पर्याप्त देखा या सुना नहीं है।"

"अब आइए, श्रीमान स्पेड। आप हमसे इस समय यह उम्मीद नहीं कर सकते कि हम यह मान लें कि आप पुलिस से ज़रा भी डरते हैं, या आप स्थिति को संभालने में सक्षम नहीं हैं—"

स्पेड ने गले और नाक से घुरघुराहट भरी आवाज़ निकाली। वह आगे झुका, अपनी कोहनियों को फिर से घुटनों पर टिकाया और गुटमैन की बात को चिढ़कर बीच में ही रोकते हुए बोला, "मैं उनसे ज़रा भी नहीं डरता और मुझे पता है कि उनसे कैसे निपटना है। यही तो मैं तुम्हें बताना चाह रहा हूँ। उनसे निपटने का तरीका यह है कि उन्हें एक शिकार सौंप दिया जाए, कोई ऐसा जिस पर वे अपना सारा बोझ डाल सकें।"

"ठीक है महोदय, मैं मानता हूँ कि यह इसे करने का एक तरीका है, लेकिन—"

"'लेकिन' धिक्कार है!" स्पेड बोला। "यही एकमात्र रास्ता है।" लाल होते माथे के नीचे उसकी आँखें गर्म और गंभीर थीं। कनपटी पर लगा निशान जिगर के रंग का था। "मैं जानता हूँ कि मैं क्या कह रहा हूँ। मैं पहले भी इन सब से गुज़र चुका हूँ और आगे भी गुज़रने की उम्मीद करता हूँ। कभी न कभी मुझे सुप्रीम कोर्ट से लेकर नीचे तक सबको नर्क में जाने के लिए कहना पड़ा है, और मैं बच निकला हूँ। मैं इसलिए बच निकला क्योंकि मैंने खुद को कभी यह भूलने नहीं दिया कि हिसाब का दिन आने वाला है। मैं कभी नहीं भूलता कि जब हिसाब का दिन आएगा, तो मैं मुख्यालय में घुसने के लिए पूरी तरह तैयार रहना चाहता हूँ, अपने सामने एक पीड़ित को धकेलते हुए, यह कहते हुए: 'लो, बेवकूफों, ये रहा तुम्हारा अपराधी!' जब तक मैं ऐसा कर सकता हूँ, मैं अपनी नाक पर अंगूठा रखकर किताब में लिखे सभी कानूनों को धता बता सकता हूँ। पहली बार अगर मैं ऐसा नहीं कर पाया तो मेरा नाम कीचड़ है। अभी तक पहली बार नहीं हुआ है। यह पहली बार नहीं होने वाला है। यह बिल्कुल नहीं होगा।"

गुटमैन की आंखें झपकीं और उनकी चिकनाई संदिग्ध हो गई, लेकिन उन्होंने अपने चेहरे के अन्य भावों को उनके उभरे हुए गुलाबी मुस्कुराते हुए संतुष्ट भाव में बनाए रखा और उनकी आवाज में बेचैनी का कोई संकेत नहीं था। उन्होंने कहा: "यह एक ऐसी प्रणाली है जिसकी कई खूबियाँ हैं, महोदय—सचमुच! और अगर इस बार यह व्यावहारिक होती तो मैं सबसे पहले कहता: 'महोदय, इसे हर हाल में अपनाएँ।' लेकिन यह एक ऐसा मामला है जहाँ यह संभव नहीं है। यही बात बेहतरीन प्रणालियों के साथ भी होती है। एक समय ऐसा आता है जब आपको अपवाद बनाने पड़ते हैं, और एक समझदार व्यक्ति बेझिझक अपवाद बना देता है। खैर, महोदय, इस मामले में भी यही बात है और मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि मुझे लगता है कि अपवाद बनाने के लिए आपको बहुत अच्छा प्रतिफल मिल रहा है। अब शायद इसमें आपको पीड़ित को पुलिस के हवाले करने से थोड़ी ज़्यादा परेशानी होगी, लेकिन"—वह हँसे और अपने हाथ फैलाए—"आप थोड़ी-बहुत परेशानी से डरने वाले व्यक्ति नहीं हैं। आप जानते हैं कि काम कैसे करना है और आप जानते हैं कि चाहे कुछ भी हो जाए, अंत में आप अपने

पैरों पर खड़े हो जाएँगे।" उन्होंने अपने होंठ सिकोड़े और एक आँख आधी बंद कर ली। "आप यह कर लेंगे, महोदय।"

स्पेड की आँखों की गर्माहट गायब हो गई थी। उसका चेहरा मुरझाया हुआ और धंसा हुआ था। "मैं जानता हूँ मैं क्या कह रहा हूँ," उसने धीमी, जानबूझकर धैर्यपूर्ण आवाज़ में कहा। "यह मेरा शहर है और मेरा खेल है। मैं इस बार तो किसी तरह संभल गया—ज़रूर—लेकिन अगली बार अगर मैंने कुछ चालाकी दिखाने की कोशिश की तो वे मुझे इतनी तेज़ी से रोक देंगे कि मेरे दाँत ही निगल जाएँगे। भाड़ में जाए ये सब। तुम लोग न्यूयॉर्क या कॉन्स्टेंटिनोपल या कहीं और जाओगे। मेरा काम तो यहीं है।"

"लेकिन निश्चित रूप से," गुटमैन ने कहना शुरू किया, "आप कर सकते हैं—"

"मैं नहीं कर सकता," स्पेड ने गंभीरता से कहा। "मैं नहीं करूँगा। मैं सच कह रहा हूँ।" वह सीधा बैठ गया। उसके चेहरे पर एक प्यारी सी मुस्कान खिल उठी, जिससे उसका नीरस और बेजान चेहरा गायब हो गया। उसने जल्दी-जल्दी और मनभावन लहजे में कहा: "मेरी बात सुनो, गुटमैन। मैं तुम्हें बता रहा हूँ कि हम सबके लिए क्या बेहतर है। अगर हम पुलिस को बलि का बकरा नहीं देंगे, तो दस में से एक चांस है कि वे देर-सवेर बाज़ के बारे में जानकारी हासिल कर लेंगे। फिर तुम्हें उस जानकारी को लेकर छिपना पड़ेगा—चाहे तुम कहीं भी हो—और इससे तुम्हें कोई बड़ा फायदा नहीं होगा। उन्हें बलि का बकरा दे दो और वे वहीं रुक जाएँगे।"

"जी जनाब, यही तो असली बात है," गुटमैन ने जवाब दिया, और अब भी उसकी आँखों में हल्की सी बेचैनी झलक रही थी। "क्या वे यहीं रुक जाएँगे? या फिर बलि का बकरा बनाया गया व्यक्ति उनके लिए एक नया सुराग साबित होगा, जिससे उन्हें बाज़ के बारे में जानकारी मिलने की पूरी संभावना है? और दूसरी तरफ, क्या आप यह नहीं कहेंगे कि वे अभी रुक गए हैं, और हमारे लिए सबसे अच्छा यही होगा कि हम इस मामले को यहीं छोड़ दें?"

स्पेड के माथे पर एक नस उभरने लगी। "हे भगवान! तुम्हें भी नहीं पता कि असल में क्या हो रहा है," उसने संयमित स्वर में कहा। "वे सो नहीं रहे हैं, गुटमैन। वे छुपकर इंतज़ार कर रहे हैं। उन्हें पकड़ने की कोशिश करो। मैं इसमें बुरी तरह फंसा हुआ हूँ और वे यह जानते हैं। जब समय आएगा तो मैं कुछ करूँगा, तब तक तो ठीक है। लेकिन अगर मैंने कुछ नहीं किया तो सब ठीक नहीं रहेगा।" उसकी आवाज़ फिर से प्रेरक हो गई। "सुनो, गुटमैन, हमें उन्हें एक शिकार देना ही होगा। इससे बचने का कोई रास्ता नहीं है। चलो उन्हें उस बदमाश को सौंप देते हैं।" उसने दरवाजे पर खड़े लड़के की ओर देखकर मुस्कुराया। "उसने ही उन दोनों को गोली मारी थी—थर्सबी और जैकोबी को—है ना? खैर, वह इस काम के लिए बिल्कुल सही है। चलो उस पर ज़रूरी सबूत थोपते हैं और उसे उनके हवाले कर देते हैं।"

दरवाजे पर खड़े लड़के ने अपने होंठों के कोनों को सिकोड़कर शायद एक हल्की सी मुस्कान दी। स्पेड के प्रस्ताव का उस पर कोई और असर नहीं हुआ। जोएल कायरो का सांवला चेहरा खुला मुंह, खुली आंखें, पीलापन लिए हुए और हैरान था। वह मुंह से सांस ले रहा था, उसकी गोल, स्त्री जैसी छाती ऊपर-नीचे हो रही थी, जबकि वह स्पेड को घूर रहा था। ब्रिगेड ओ'शॉघनेसी स्पेड से दूर हट गई थी और सोफे पर

घूमकर उसे घूर रही थी। उसके चेहरे पर चौंकी हुई उलझन के पीछे एक तरह की बेतहाशा हंसी झलक रही थी।

गुटमैन कुछ देर तक स्थिर और भावहीन रहा। फिर उसने हंसने का फैसला किया। वह दिल खोलकर और देर तक हंसता रहा, तब तक नहीं रुका जब तक उसकी चमकदार आंखों में हंसी की चमक न आ गई। हंसना बंद करके उसने कहा: "अरे वाह, महोदय, आप तो बड़े ही दिलचस्प व्यक्ति हैं!" उसने अपनी जेब से एक सफेद रुमाल निकाला और अपनी आंखें पोंछीं। "जी हां, महोदय, यह कहना मुश्किल है कि आप आगे क्या करेंगे या कहेंगे, सिवाय इसके कि वह कुछ चौंकाने वाला ही होगा।"

“इसमें मज़ाक की कोई बात नहीं है।” स्पेड मोटे आदमी की हंसी से न तो नाराज़ हुआ और न ही प्रभावित। उसने ऐसे बात की जैसे वह किसी अड़ियल, लेकिन पूरी तरह से अविवेकी न होने वाले दोस्त से तर्क कर रहा हो। “यही हमारा सबसे अच्छा उपाय है। उसे पुलिस के हाथों में सौंपने के बाद, पुलिस —”

“लेकिन, मेरे प्रिय महोदय,” गुटमैन ने आपत्ति जताते हुए कहा, “क्या आप देख नहीं सकते? अगर मैंने एक पल के लिए भी ऐसा करने का सोचा— लेकिन यह भी हास्यास्पद है। मैं विल्मर को ठीक वैसे ही मानता हूँ जैसे वह मेरा अपना बेटा हो। सचमुच। लेकिन अगर मैंने एक पल के लिए भी आपके प्रस्ताव को मानने का सोचा, तो भला आपको क्या लगता है कि विल्मर पुलिस को बाज़ और हम सबके बारे में सारी बातें बताने से कैसे रुकेगा?”

स्पेड ने होंठों को कसकर मुस्कुराते हुए कहा, “अगर ज़रूरत पड़ी तो,” उसने धीरे से कहा, “हम उसे गिरफ़्तारी का विरोध करने के आरोप में मरवा सकते हैं। लेकिन हमें इतनी दूर जाने की ज़रूरत नहीं है। उसे जितना चाहे बोलने दो। मैं वादा करता हूँ कि कोई कुछ नहीं करेगा। इसे ठीक करना बहुत आसान है।”

गुटमैन के माथे की गुलाबी त्वचा सिकुड़ गई। उसने अपना सिर नीचे झुकाया, कॉलर पर अपनी ठुड्डियों को आपस में सटाते हुए पूछा: "कैसे?" फिर, अचानक, जिससे उसकी सारी चर्बी की मांसपेशियां कांप उठीं और आपस में टकराने लगीं, उसने अपना सिर उठाया, लड़के को देखने के लिए इधर-उधर घूमा और ज़ोर से हँस पड़ा। "विलमर, तुम्हें यह कैसा लगा? मज़ेदार है ना?"

लड़के की आँखें पलकों के नीचे ठंडी भूरी चमक रही थीं। उसने धीमी, स्पष्ट आवाज़ में कहा: "हाँ, यह मज़ेदार है—वह कमीना।"

स्पेड, ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी से बात कर रही थी: "अब कैसा लग रहा है, एंजेल? क्या अब बेहतर लग रहा है?"

“हाँ, काफी बेहतर, बस”—उसने अपनी आवाज़ इतनी धीमी कर ली कि आखिरी शब्द दो फीट की दूरी से भी समझ में नहीं आते—“मुझे डर लग रहा है।”

“चिंता मत करो,” उसने लापरवाही से कहा और उसके भूरे रंग के मोजे पहने घुटने पर हाथ रख दिया। “कुछ भी बुरा नहीं होने वाला है। क्या तुम कुछ पीना चाहोगी?”

“अभी नहीं, धन्यवाद।” उसकी आवाज़ फिर से भारी हो गई। “सावधान रहना, सैम।”
स्पेड मुस्कुराया और गुटमैन की ओर देखा, जो उसे ही देख रहा था। मोटे आदमी ने सौम्य मुस्कान के साथ कुछ पल चुप रहकर पूछा: "कैसे?"
स्पेड बेवकूफ था। "कैसे क्या?"
उस मोटे आदमी को और हँसी ज़रूरी लगी, और उसने स्पष्टीकरण दिया: “ठीक है, महोदय, अगर आप वाकई इस बारे में गंभीर हैं—आपके इस सुझाव के बारे में—तो कम से कम शिष्टाचारवश हम इतना तो कर ही सकते हैं कि आपकी बात सुन लें। अब आप इसे कैसे ठीक करेंगे ताकि विल्मर”—यहाँ वह फिर हँसने के लिए रुका—“हमें कोई नुकसान न पहुँचा सके?”
स्पेड ने अपना सिर हिलाया। "नहीं," उसने कहा, "मैं किसी की भी विनम्रता का इस तरह से फायदा नहीं उठाना चाहूंगा, चाहे वह कितनी भी सामान्य क्यों न हो। भूल जाओ।"
मोटे आदमी ने अपने चेहरे के दांत सिकोड़ लिए। "अब आइए, आइए," उसने विरोध करते हुए कहा, "आपने मुझे बहुत असहज कर दिया है। मुझे हंसना नहीं चाहिए था, और मैं अत्यंत विनम्रतापूर्वक और ईमानदारी से माफी मांगता हूं। श्रीमान स्पेड, मैं आपके किसी भी सुझाव का उपहास नहीं करना चाहता, चाहे मैं आपसे कितना भी असहमत क्यों न होऊं, क्योंकि आप जानते हैं कि मैं आपकी बुद्धिमत्ता का बहुत सम्मान और प्रशंसा करता हूं। अब ध्यान रहे, मुझे नहीं लगता कि आपका यह सुझाव किसी भी तरह से व्यावहारिक हो सकता है—भले ही मैं विल्मर के प्रति अपने खून के रिश्ते से भी अलग महसूस न करूं—लेकिन अगर आप आगे बढ़कर बाकी बातें बता दें, तो मैं इसे एक व्यक्तिगत उपकार और इस बात का संकेत मानूंगा कि आपने मेरी माफी स्वीकार कर ली है, महोदय।"
“ठीक है,” स्पेड ने कहा। “ब्रायन ज़्यादातर ज़िला वकीलों की तरह ही हैं। उन्हें इस बात की ज़्यादा चिंता रहती है कि कागज़ पर उनका रिकॉर्ड कैसा दिखेगा। वे किसी संदिग्ध मामले को लड़ने और उसे अपने खिलाफ़ जाने देने के बजाय उसे छोड़ देना ज़्यादा पसंद करते हैं। मुझे नहीं पता कि उन्होंने कभी जानबूझकर किसी ऐसे व्यक्ति को फंसाया हो जिसे वे निर्दोष मानते हों, लेकिन मैं कल्पना भी नहीं कर सकता कि अगर उन्हें किसी तरह से उनके अपराध का सबूत मिल जाए, या उसे तोड़-मरोड़ कर पेश कर दिया जाए, तो वे खुद को उन्हें निर्दोष मानने देंगे। एक आदमी को दोषी साबित करने के लिए वे आधे दर्जन उतने ही दोषी साथियों को आज़ाद छोड़ देंगे—भले ही उन सभी को दोषी ठहराने की कोशिश करने से उनका मामला उलझ जाए।”
“हम उसे यही विकल्प देंगे और वह इसे तुरंत मान लेगा। वह बाज़ के बारे में जानना नहीं चाहेगा। वह खुद को यह यकीन दिलाने में बहुत खुश होगा कि वह बदमाश उसे इसके बारे में जो कुछ भी बता रहा है, वह सब बकवास है, मामले को उलझाने की कोशिश है। यह काम मुझ पर छोड़ दो। मैं उसे दिखा सकता हूँ कि अगर वह सबको फंसाने की कोशिश में उलझता है, तो उसका मामला इतना पेचीदा हो जाएगा कि कोई भी जूरी उसे समझ नहीं पाएगी, जबकि अगर वह उस बदमाश पर अड़ा रहता है, तो उसे तुरंत सज़ा मिल सकती है।”

गुटमैन ने सौम्य असहमति जताते हुए धीरे से मुस्कुराते हुए अपना सिर एक तरफ हिलाया। "नहीं, महोदय," उन्होंने कहा, "मुझे डर है कि यह ठीक नहीं है, बिलकुल भी नहीं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि आपके जिला अटॉर्नी भी थर्सबी, जैकोबी और विल्मर को बिना किसी सबूत के कैसे जोड़ सकते हैं—"

“तुम्हें डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी की समझ नहीं है,” स्पेड ने उससे कहा। “थर्सबी का मामला तो सीधा-सादा है। वो भी बंदूकधारी था और तुम्हारा ये बदमाश भी। ब्रायन के पास तो पहले से ही इस बारे में एक थ्योरी है। इसमें कोई पेचीदगी नहीं होगी। अरे बाप रे! उस बदमाश को एक ही बार फांसी दी जा सकती है। थर्सबी की हत्या में दोषी ठहराए जाने के बाद जैकोबी की हत्या के लिए उस पर मुकदमा क्यों चलाया जाए? वे बस उसके खिलाफ मामला लिखकर रिकॉर्ड बंद कर देते हैं और बात वहीं खत्म हो जाती है। अगर, जैसा कि काफी हद तक मुमकिन है, उसने दोनों पर एक ही बंदूक चलाई थी, तो गोलियां मिल जाएंगी। सब लोग संतुष्ट हो जाएंगे।”

“हां, लेकिन—” गुटमैन ने कहना शुरू किया और लड़के की ओर देखने के लिए रुक गया।

लड़का दरवाजे से आगे बढ़ा, अकड़े हुए पैरों से, टांगें फैलाकर चलता हुआ, जब तक कि वह गुटमैन और काहिरा के बीचोंबीच, लगभग फर्श के मध्य में नहीं पहुँच गया। वह वहाँ रुक गया, कमर से थोड़ा आगे झुककर, कंधे आगे की ओर उठाए हुए। उसके हाथ में पिस्तौल अभी भी बगल में लटकी हुई थी, लेकिन उसकी पकड़ पर उंगलियों के जोड़ सफेद पड़ गए थे। उसका दूसरा हाथ दूसरी तरफ एक छोटी, सख्त मुट्ठी की तरह नीचे था। उसके चेहरे की अटूट युवावस्था ने उसके चेहरे पर व्याप्त तीव्र घृणा और निर्मम द्वेष को एक अवर्णनीय क्रूरता और अमानवीय रूप दे दिया था। उसने स्पेड से आवेश से भरी आवाज में कहा: "कमीने, उठ खड़ा हो और अपनी बंदूक लेकर जा!"

स्पेड ने लड़के को देखकर मुस्कुराया। उसकी मुस्कान चौड़ी नहीं थी, लेकिन उसमें झलकने वाला आनंद सच्चा और शुद्ध प्रतीत हो रहा था।

लड़के ने कहा, “अरे कमीने, उठो और हिम्मत है तो गोली चलाओ। मैं तुमसे जितनी सवारी ले सकता था, ले चुका हूँ।”

स्पेड की मुस्कान में शरारत और गहरी हो गई। उसने गुटमैन की ओर देखा और कहा: "युवा वाइल्ड वेस्ट।" उसकी आवाज़ उसकी मुस्कान से मेल खाती थी। "शायद तुम्हें उसे बताना चाहिए कि बाज़ पर कब्ज़ा करने से पहले मुझे गोली मारना तुम्हारे लिए नुकसानदायक होगा।"

गुटमैन की मुस्कुराने की कोशिश नाकाम रही, लेकिन उन्होंने अपने धब्बेदार चेहरे पर बनी उस चिड़चिड़ी मुस्कान को बरकरार रखा। उन्होंने सूखी जीभ से अपने सूखे होंठों को चाटा। उनकी आवाज़ इतनी कर्कश और खुरदरी थी कि पिता तुल्य चेतावनी देने का उनका प्रयास विफल रहा। “अब, अब, विल्मर,” उन्होंने कहा, “हम ये सब बर्दाश्त नहीं कर सकते। तुम्हें इन बातों को इतनी अहमियत नहीं देनी चाहिए। तुम—”

स्पेड से अपनी निगाहें हटाए बिना, लड़के ने दबी हुई आवाज़ में मुंह के एक कोने से कहा, "तो उसे मुझे परेशान करने से रोको। अगर उसने ऐसा करना जारी रखा तो मैं उसे बुरी तरह पीट दूंगा और मुझे ऐसा करने से कोई नहीं रोक पाएगा।"

“अब विल्मर,” गुटमैन ने कहा और स्पेड की ओर मुड़ा। अब उसके चेहरे और आवाज़ पर नियंत्रण था। “महोदय, जैसा कि मैंने पहले भी कहा था, आपकी योजना बिल्कुल भी व्यावहारिक नहीं है। इसके बारे में और कुछ न कहें।”

स्पेड ने उन दोनों को बारी-बारी से देखा। उसने मुस्कुराना बंद कर दिया था। उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं था। "मैं जो चाहूँ बोलता हूँ," उसने उनसे कहा।

“बिल्कुल,” गुटमैन ने तुरंत कहा, “और यही एक बात है जिसकी मैं हमेशा से आपमें प्रशंसा करता आया हूँ। लेकिन जैसा कि मैंने कहा, यह मामला बिल्कुल भी व्यावहारिक नहीं है, इसलिए इस पर आगे चर्चा करने का कोई फायदा नहीं है, जैसा कि आप खुद देख सकते हैं।”

“मैं इसे खुद नहीं देख सकता,” स्पेड ने कहा, “और तुमने मुझे इसे दिखाया भी नहीं है, और मुझे नहीं लगता कि तुम दिखा पाओगे।” उसने गुटमैन की ओर भौंहें चढ़ाते हुए कहा, “चलिए, बात साफ़ करते हैं। क्या मैं तुमसे बात करके समय बर्बाद कर रहा हूँ? मुझे लगा था कि यह तुम्हारा शो है। क्या मुझे किसी पंक से बात करनी चाहिए? मुझे पता है कि कैसे बात करते हैं।”

"नहीं, महोदय," गुटमैन ने उत्तर दिया, "आप मेरे साथ व्यवहार करने में बिल्कुल सही हैं।"

स्पेड ने कहा: “ठीक है। अब मेरे पास एक और सुझाव है। यह पहले वाले जितना अच्छा तो नहीं है, लेकिन कुछ न होने से तो बेहतर है। सुनना चाहोगे?”

"बिल्कुल।"

उन्हें काहिरा दे दो।

कैरो ने जल्दी से अपने बगल की मेज से पिस्तौल उठा ली। उसने दोनों हाथों से उसे अपनी गोद में कसकर पकड़ लिया। पिस्तौल का मुंह सोफे के एक तरफ फर्श की ओर थामे हुए था। उसका चेहरा फिर से पीला पड़ गया था। उसकी काली आँखें एक चेहरे से दूसरे चेहरे पर घूम रही थीं। उसकी आँखों की अपारदर्शिता के कारण वे सपाट और दो-आयामी लग रही थीं।

गुटमैन, मानो उसे अपनी सुनी हुई बात पर विश्वास ही न हो रहा हो, ने पूछा: "क्या करें?"

"पुलिस को काहिरा सौंप दो।"

गुटमैन हंसने ही वाला था, लेकिन हंसा नहीं। अंत में, उसने अनिश्चित स्वर में कहा: "वाह, भगवान की कसम!"

स्पेड ने कहा, "यह उन्हें उस बदमाश को सौंपने जितना अच्छा नहीं है। काइरो कोई बंदूकधारी नहीं है और उसके पास थर्सबी और जैकोबी को जिस बंदूक से गोली मारी गई थी, उससे छोटी बंदूक है। उसे फंसाने के लिए हमें और अधिक मेहनत करनी पड़ेगी, लेकिन यह पुलिस को किसी को भी न सौंपने से बेहतर है।"

कैरो ने आक्रोश से भरी तीखी आवाज में कहा, "मान लीजिए कि हम उन्हें आपको, मिस्टर स्पेड, या मिस ओ'शॉघनेसी को दे दें? अगर आप उन्हें किसी को देने पर इतने अड़े हैं, तो कैसा रहेगा यह?"
स्पेड ने लेवेंटाइन की ओर मुस्कुराते हुए शांत भाव से उत्तर दिया: “आप लोग बाज़ चाहते हैं। मेरे पास है। बलि का बकरा बनाना मेरी माँगी गई कीमत का हिस्सा है। जहाँ तक मिस ओ'शॉघनेसी की बात है”—उनकी भावहीन दृष्टि उनके सफेद, उलझन भरे चेहरे पर पड़ी और फिर काहिरा की ओर मुड़ी और उनके कंधे एक इंच के अंश की तरह ऊपर-नीचे हुए—“अगर आपको लगता है कि उन्हें इस भूमिका के लिए तैयार किया जा सकता है, तो मैं आपसे इस पर चर्चा करने के लिए पूरी तरह से तैयार हूँ।”
लड़की ने अपने हाथों से अपना गला ढक लिया, एक छोटी सी दबी हुई चीख निकाली और उससे और दूर चली गई।
कैरो, जिसका चेहरा और शरीर उत्तेजना से फड़क रहा था, ने कहा: "ऐसा लगता है कि आप भूल गए हैं कि आप किसी भी बात पर जोर देने की स्थिति में नहीं हैं।"
स्पेड एक कर्कश, उपहासपूर्ण हंसी हंसा।
गुटमैन ने दृढ़ता को सौम्य दिखाने की कोशिश करते हुए कहा: “आइए सज्जनों, हम अपनी चर्चा को सौहार्दपूर्ण स्तर पर ही रखें; लेकिन श्री कैरो की बातों में निश्चित रूप से कुछ सच्चाई है”—वह स्पेड को संबोधित कर रहे थे—“आपको इस पर विचार करना चाहिए—”
“बिल्कुल नहीं।” स्पेड ने अपने शब्दों को एक क्रूर और बेपरवाह अंदाज़ में कहा, जिससे उनमें नाटकीय प्रभाव या ज़ोर से बोलने से कहीं ज़्यादा वज़न आ गया। “अगर तुम मुझे मार डालोगे, तो तुम्हें चिड़िया कैसे मिलेगी? अगर मुझे पता है कि चिड़िया मिलने से पहले तुम मुझे नहीं मार सकते, तो तुम मुझे डराकर चिड़िया कैसे हासिल करोगे?”
गुटमैन ने अपना सिर बाईं ओर झुकाया और इन सवालों पर विचार किया। उसकी सिकुड़ी हुई पलकों के बीच उसकी आँखें चमक उठीं। कुछ देर बाद उसने अपना सौम्य जवाब दिया: "जी महोदय, हत्या करने और जान से मारने की धमकी देने के अलावा भी समझाने-बुझाने के अन्य तरीके हैं।"
“ज़रूर,” स्पेड सहमत हुआ, “लेकिन जब तक मौत का डर पीड़ित को काबू में रखने का काम न करे, तब तक इनका कोई खास फायदा नहीं। समझे? अगर तुमने कुछ भी ऐसा करने की कोशिश की जो मुझे पसंद नहीं आया, तो मैं उसे बर्दाश्त नहीं करूँगा। मैं इसे इस हद तक ले जाऊँगा कि या तो तुम्हें इसे रोकना पड़ेगा या मुझे मारना पड़ेगा, यह जानते हुए कि तुम मुझे मारने का जोखिम नहीं उठा सकते।”
“मैं समझ गया आप क्या कहना चाहते हैं।” गुटमैन हँस पड़ा। “यह एक ऐसा रवैया है, महोदय, जिसके लिए दोनों पक्षों को अत्यंत सावधानीपूर्वक निर्णय लेने की आवश्यकता है, क्योंकि जैसा कि आप जानते हैं, महोदय, जोश में आकर लोग अक्सर यह भूल जाते हैं कि उनका हित किसमें निहित है और भावनाओं में बह जाते हैं।”

स्पेड भी पूरी तरह से मुस्कुराता हुआ और बेपरवाह था। उसने कहा, "मेरी तरफ से यही तरकीब है कि मैं अपने खेल को इतना मजबूत बनाऊं कि आप उलझ जाएं, लेकिन साथ ही इतना गुस्सा भी न हो जाएं कि आप अपने विवेक के विरुद्ध जाकर मुझे मार डालें।"
गुटमैन ने स्नेहपूर्वक कहा: "हे भगवान, महोदय, आप तो एक अनोखे व्यक्ति हैं!"
जोएल कायरो अपनी कुर्सी से उछलकर खड़ा हो गया और लड़के के पीछे से घूमकर गुटमैन की कुर्सी के पीछे चला गया। वह गुटमैन की कुर्सी के पीछे झुक गया और अपने खाली हाथ से अपना मुंह और मोटे आदमी का कान ढकते हुए फुसफुसाया। गुटमैन ने आंखें बंद करके ध्यान से सुना।
स्पेड ने ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी की ओर देखकर मुस्कुराया। ब्रिगिड के होंठों पर हल्की सी मुस्कान आई, लेकिन उसकी आँखों में कोई बदलाव नहीं आया; उनकी भावहीन निगाहें वैसी ही रहीं। स्पेड लड़के की ओर मुड़ा: "बेटे, वे तुम्हें धोखा दे रहे हैं।"
लड़के ने कुछ नहीं कहा। उसके घुटनों में कंपन होने लगा जिससे उसकी पतलून के घुटने भी कांपने लगे।
स्पेड ने गुटमैन से कहा: "मुझे उम्मीद है कि आप इन जेबकतरा जैसे बदमाशों द्वारा लहराई जा रही बंदूकों से प्रभावित नहीं हो रहे होंगे।"
गुटमैन ने अपनी आँखें खोलीं। कायरो ने फुसफुसाना बंद कर दिया और मोटे आदमी की कुर्सी के पीछे सीधा खड़ा हो गया।
स्पेड ने कहा: “मैंने उन दोनों से उन्हें छीनने का अभ्यास किया है, इसलिए वहां कोई परेशानी नहीं होगी। वह बदमाश तो...”
भावुकता से बुरी तरह रुंधी हुई आवाज में लड़के ने चिल्लाकर कहा, "ठीक है!" और अपनी पिस्तौल को अपनी छाती के सामने ऊपर उठा लिया।
गुटमैन ने लड़के की कलाई पर अपना मोटा हाथ बढ़ाया, कलाई पकड़ ली और बंदूक के साथ कलाई को नीचे दबा दिया, जबकि गुटमैन का मोटा शरीर झूलती कुर्सी से जल्दी से उठ रहा था। जोएल कायरो लड़के के दूसरी तरफ भागा और उसकी दूसरी बांह पकड़ ली। वे लड़के से जूझने लगे, उसकी बांहों को नीचे की ओर धकेलते हुए, उन्हें दबाए रखते हुए, जबकि वह व्यर्थ ही उनसे बचने की कोशिश करता रहा। संघर्षरत समूह से शब्द निकले: लड़के के अस्पष्ट शब्दों के टुकड़े—"ठीक है... जाओ... कमीने... सिगरेट पियो"—गुटमैन का "अब, अब, विल्मर!" कई बार दोहराया गया; कायरो का "नहीं, कृपया, मत करो" और "ऐसा मत करो, विल्मर।"
भावहीन चेहरे और सपनों में खोई आँखों वाला स्पेड सोफे से उठा और समूह के पास गया। लड़का अपने ऊपर पड़े भार को सहन न कर पाने के कारण छटपटाना बंद कर चुका था। कायरो, अभी भी लड़के का हाथ पकड़े हुए, उसके सामने थोड़ा सा खड़ा था और उसे दिलासा देते हुए बातें कर रहा था। स्पेड ने कायरो को धीरे से एक तरफ धकेला और अपनी बाईं मुट्ठी लड़के की ठोड़ी पर मार दी। लड़के का सिर जितना पीछे जा सकता था, उतना पीछे की ओर झटका, जबकि उसके हाथ पकड़े हुए थे, और

फिर आगे की ओर आया। गुटमैन ने हताशा में कहा, "यहाँ, क्या—?" स्पेड ने अपनी दाहिनी मुट्ठी लड़के की ठोड़ी पर मार दी।

कैरो ने लड़के का हाथ छोड़ दिया, जिससे वह गुटमैन के विशाल गोल पेट पर गिर पड़ा। कैरो स्पेड पर झपटा और दोनों हाथों की मुड़ी हुई सख्त उंगलियों से उसके चेहरे पर खरोंचें मारीं। स्पेड ने गहरी सांस ली और लेवेंटाइन को धक्का देकर दूर कर दिया। कैरो फिर से उस पर झपटा। कैरो की आँखों में आंसू थे और उसके लाल होंठ गुस्से से कांप रहे थे, मानो शब्द गढ़ रहे हों, लेकिन उनसे कोई आवाज़ नहीं निकली।

स्पेड हँसा, गुर्राया, "हे भगवान, तुम तो बड़े बेवकूफ हो!" और खुले हाथ से काइरो के चेहरे पर एक जोरदार थप्पड़ मारा, जिससे वह मेज पर गिर पड़ा। काइरो ने संभला और तीसरी बार स्पेड पर झपटा। स्पेड ने अपनी लंबी, सख्त बाहों से दोनों हथेलियाँ उसके चेहरे पर रखकर उसे रोक दिया। काइरो अपनी छोटी बाहों से स्पेड के चेहरे तक पहुँचने में नाकाम रहा और उसने स्पेड की बाहों पर एक जोरदार थप्पड़ मारा।

“बस करो,” स्पेड गुर्राया। “मैं तुम्हें चोट पहुँचाऊँगा।”

काहिरा चिल्लाई, "ओह, तुम बड़े कायर हो!" और उससे पीछे हट गई।

स्पेड झुककर फर्श से काहिरा की पिस्तौल उठाई, फिर लड़के की। वह सीधा खड़ा हुआ और उन्हें अपने बाएं हाथ में पकड़े हुए, ट्रिगर गार्ड से पकड़कर उन्हें अपनी तर्जनी उंगली से उल्टा लटकाए रखा।

गुटमैन ने लड़के को झूला कुर्सी पर बिठा दिया और चिंता भरी आँखों से, अनिश्चित से सिकुड़े हुए चेहरे के साथ उसे देखता रहा। कायरो कुर्सी के बगल में घुटनों के बल बैठ गया और लड़के के एक बेजान हाथ को सहलाने लगा।

स्पेड ने अपनी उंगलियों से लड़के की ठोड़ी को छुआ, "कुछ भी नहीं टूटा," उसने कहा। "हम इसे सोफे पर लिटा देंगे।" उसने अपना दाहिना हाथ लड़के की बांह के नीचे और उसकी पीठ के चारों ओर रखा, अपना बायां हाथ लड़के के घुटनों के नीचे रखा, उसे बिना किसी स्पष्ट प्रयास के उठाया और सोफे पर ले गया।

ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी झट से उठी और स्पेड ने लड़के को वहीं लिटा दिया। स्पेड ने अपने दाहिने हाथ से लड़के के कपड़ों को थपथपाया, अपनी दूसरी पिस्तौल निकाली, उसे अपने बाएं हाथ में रखी पिस्तौलों के साथ रख दिया और सोफे की तरफ पीठ करके लेट गया। कायरो पहले से ही लड़के के सिर के पास बैठा था।

स्पेड ने अपने हाथ में पिस्तौलें आपस में टकराईं और गुटमैन की ओर देखकर खुशी से मुस्कुराया। "अच्छा," उसने कहा, "यह रहा हमारा बलि का बकरा।"

गुटमैन का चेहरा पीला पड़ गया था और उसकी आँखें धुंधली थीं। उसने स्पेड की तरफ नहीं देखा। वह फर्श की ओर देखता रहा और कुछ नहीं बोला।

स्पेड ने कहा: “फिर से बेवकूफी मत करना। तुमने काइरो को अपने कान में फुसफुसाने दिया और जब मैं उस बच्चे को पीट रहा था, तब तुमने उसे पकड़े रखा। तुम इसे हल्के में नहीं ले सकते और ऐसा करने की कोशिश में तुम्हें गोली लग सकती है।”
गुटमैन ने कालीन पर अपने पैर हिलाए और कुछ नहीं कहा।
स्पेड ने कहा: "और इसका दूसरा पहलू यह है कि या तो तुम अभी हां कह दोगे या मैं फाल्कन और तुम सब के सारे लोगों को मेरे हवाले कर दूंगा।"
गुटमैन ने अपना सिर उठाया और दांत पीसते हुए बुदबुदाया: "मुझे यह पसंद नहीं है, महोदय।"
“तुम्हें यह पसंद नहीं आएगा,” स्पेड ने कहा। “तो फिर?”
मोटे आदमी ने आह भरी, मुंह बनाया और उदास होकर जवाब दिया: "तुम इसे ले सकते हो।"
स्पेड ने कहा: "यह बहुत बढ़िया है।"

19
रूसी का हाथ

लड़का सोफे पर पीठ के बल लेटा हुआ था, एक छोटी सी आकृति जो सांसों के अलावा देखने में बिल्कुल मुर्दे जैसी लग रही थी। जोएल कायरो लड़के के बगल में बैठा था, उसके ऊपर झुका हुआ था, उसके गालों और कलाईयों को सहला रहा था, उसके माथे से बालों को पीछे हटा रहा था, उससे फुसफुसा रहा था और चिंता से उसके सफेद, शांत चेहरे को निहार रहा था।

ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी मेज और दीवार के बीच बने एक कोण में खड़ी थी। उसका एक हाथ मेज पर सपाट था, दूसरा उसकी छाती पर। उसने अपने निचले होंठ को दांतों से दबा रखा था और जब भी स्पेड उसकी ओर नहीं देख रहा होता, वह चोरी-छिपे उसकी ओर देखती थी। जब स्पेड उसकी ओर देखता, तो वह काहिरा और उस लड़के की ओर देखती।

गुटमैन के चेहरे से परेशानी के भाव गायब हो गए थे और चेहरा फिर से गुलाबी हो रहा था। उसने अपने हाथ अपनी पतलून की जेबों में डाल लिए थे। वह स्पेड के सामने खड़ा था और बिना किसी जिज्ञासा के उसे देख रहा था।

स्पेड ने लापरवाही से अपने मुट्ठी भर पिस्तौलों को खनकाते हुए, काहिरा की झुकी हुई पीठ की ओर इशारा किया और गुटमैन से पूछा: "क्या उसे कोई आपत्ति नहीं होगी?"

“मुझे नहीं पता,” मोटे आदमी ने शांत भाव से उत्तर दिया। “यह पूरी तरह से आप पर निर्भर करेगा, महोदय।”

स्पेड की मुस्कान ने उनकी वी-आकार की ठुड्डी को और भी स्पष्ट कर दिया। उन्होंने कहा: "काहिरा।"

लेवेंटाइन ने अपना उदास और चिंतित चेहरा कंधे के ऊपर से घुमा लिया।

स्पेड ने कहा: “उसे थोड़ी देर आराम करने दो। हम उसे पुलिस के हवाले करने जा रहे हैं। उसके होश में आने से पहले हमें सारी जानकारी जुटा लेनी चाहिए।”

कैरो ने कड़वाहट से पूछा: "क्या आपको नहीं लगता कि आपने इसके बिना भी उसके साथ काफी कुछ कर दिया है?"

स्पेड ने कहा: "नहीं।"

कैरो सोफे से उठा और उस मोटे आदमी के पास गया। “कृपया ऐसा मत कीजिए, श्री गुटमैन,” उसने विनती की। “आपको यह समझना होगा कि—”

स्पेड ने बीच में ही टोकते हुए कहा: “यह तो तय हो गया। सवाल यह है कि आप इसके बारे में क्या करने वाले हैं? अंदर आओगे? या बाहर निकल जाओगे?”

गुटमैन की मुस्कान थोड़ी उदास, बल्कि कुछ हद तक निराशाजनक थी, फिर भी उसने सिर हिलाया। "मुझे भी यह पसंद नहीं है," उसने लेवेंटाइन से कहा, "लेकिन अब हम कुछ नहीं कर सकते। सचमुच नहीं कर सकते।"

स्पेड ने पूछा: "कैरो, तुम क्या कर रहे हो? अंदर हो या बाहर?"

कैरो ने अपने होंठ गीले किए और धीरे से स्पेड की ओर मुड़ा। "मान लो," उसने कहा और फिर घबराकर बोला, "क्या मैं—? क्या मैं चुन सकता हूँ?"

"तुम कर सकते हो," स्पेड ने उसे गंभीरता से आश्वस्त किया, "लेकिन तुम्हें यह पता होना चाहिए कि अगर जवाब बाहर आ गया तो हम तुम्हें तुम्हारे प्रेमी के साथ पुलिस के हवाले कर देंगे।"

“अरे, श्रीमान स्पेड,” गुटमैन ने विरोध करते हुए कहा, “यह ठीक नहीं है—”

“हम उसे कभी भी हमें छोड़कर नहीं जाने देंगे,” स्पेड ने कहा। “वह या तो अंदर आएगा या बाहर जाएगा। हम बहुत सारे अधूरे काम नहीं छोड़ सकते।” उसने गुटमैन पर गुस्से से देखा और चिड़चिड़ाते हुए बोला: “हे भगवान! क्या यह पहली चीज़ है जो तुम लोगों ने चुराई है? तुम लोग तो बड़े ही निकम्मे हो! अब आगे क्या करोगे—जाकर प्रार्थना करोगे?” उसने अपना गुस्सा काहिरा की ओर किया। “तो? कौन सी?”

“तुमने मुझे कोई विकल्प नहीं दिया।” काहिरा के पतले कंधे निराशा से झुक गए। “मैं अंदर आती हूँ।”

“अच्छा,” स्पेड ने कहा और गुटमैन और ब्रिगेड ओ'शॉघनेसी की ओर देखा। “बैठ जाओ।”

लड़की धीरे से बेहोश लड़के के पैरों के पास सोफे के किनारे पर बैठ गई। गुटमैन गद्देदार झूला कुर्सी पर लौट आया, और काहिरा आरामकुर्सी पर। स्पेड ने अपनी मुट्ठी भर पिस्तौलें मेज पर रख दीं और उनके बगल में मेज के कोने पर बैठ गया। उसने अपनी कलाई पर घड़ी देखी और कहा: “दो बज गए हैं। मैं बाज़ को सुबह होने तक, या शायद आठ बजे तक नहीं ला सकता। हमारे पास सब कुछ व्यवस्थित करने के लिए काफी समय है।”

गुटमैन ने गला साफ किया। "यह कहाँ है?" उसने पूछा और फिर जल्दी से बोला, "मुझे इसकी परवाह नहीं है, महोदय। मेरा मतलब यह था कि जब तक हमारा काम पूरा नहीं हो जाता, तब तक हम एक-दूसरे की नज़रों से ओझल न हों, यही सबके हित में होगा।" उसने सोफे की ओर और फिर स्पेड की ओर तीखी नज़र से देखा। "क्या आपके पास लिफाफा है?"

स्पेड ने सोफे और फिर लड़की की ओर देखते हुए अपना सिर हिलाया। उसने आँखों में मुस्कान लिए और कहा: "मिस ओ'शॉघनेसी को यह मिल गया है।"

“हां, मेरे पास है,” उसने कोट के अंदर हाथ डालते हुए धीरे से कहा। “मैंने इसे उठाया था...।”

“कोई बात नहीं,” स्पेड ने उससे कहा। “इसे संभाल कर रखो।” उसने गुटमैन से कहा, “हमें एक-दूसरे से नज़रें नहीं हटानी होंगी। मैं बाज़ को यहाँ भिजवा सकता हूँ।”

“यह बहुत अच्छा होगा,” गुटमैन ने धीरे से कहा। “तो, महोदय, दस हजार डॉलर और विल्मर के बदले में आप हमें बाज़ और एक-दो घंटे की मोहलत देंगे—ताकि जब आप उसे अधिकारियों के हवाले करें, तब हम शहर में न हों।”

स्पेड ने कहा, "आपको झुकने की जरूरत नहीं है। यह पूरी तरह से सुरक्षित होगा।"

"ऐसा हो सकता है, महोदय, लेकिन फिर भी जब विल्मर से आपके जिला अटॉर्नी द्वारा पूछताछ की जा रही होगी, तब हम शहर से काफी दूर रहकर अधिक सुरक्षित महसूस करेंगे।"

“जैसी आपकी मर्जी,” स्पेड ने जवाब दिया। “अगर आप चाहें तो मैं उसे पूरे दिन यहीं रोक सकता हूँ।” उसने सिगरेट बनाना शुरू किया। “चलिए पहले सारी बातें साफ कर लेते हैं। उसने थर्सबी को गोली क्यों मारी? और उसने जैकोबी को गोली क्यों, कहाँ और कैसे मारी?”

गुटमैन ने मुस्कुराते हुए सिर हिलाया और धीरे से कहा: "अब आइए, महोदय, आप इसकी उम्मीद नहीं कर सकते। हमने आपको पैसे और विल्मर दे दिए हैं। यह समझौते के तहत हमारी तरफ से है।"

“मुझे इसकी उम्मीद थी,” स्पेड ने कहा। उसने सिगरेट जलाने के लिए लाइटर जलाया। “मैंने तो बलि का बकरा मांगा था, और वो तभी बलि का बकरा बनेगा जब उसे आसानी से फँसा लिया जाए। खैर, इसके लिए मुझे सारी बातें जाननी होंगी।” उसने अपनी भौंहें सिकोड़ीं। “तुम किस बात पर इतना रो रहे हो? अगर तुमने उसे बचने का मौका दिया तो तुम्हारी हालत इतनी अच्छी नहीं रहेगी।”

गुटमैन आगे झुका और स्पेड के पैरों के पास मेज पर रखी पिस्तौलों की ओर अपनी मोटी उंगली हिलाई। “महोदय, उसके अपराध के पर्याप्त सबूत हैं। दोनों व्यक्तियों को उन्हीं हथियारों से गोली मारी गई थी। पुलिस विभाग के विशेषज्ञों के लिए यह पता लगाना बहुत आसान है कि जिन गोलियों से उन व्यक्तियों की मृत्यु हुई, वे उन्हीं हथियारों से चलाई गई थीं। आप यह जानते हैं; आपने स्वयं इसका उल्लेख किया है। और मुझे लगता है कि यही उसके अपराध का पर्याप्त प्रमाण है।”

"शायद," स्पेड ने सहमति जताते हुए कहा, "लेकिन मामला इससे कहीं अधिक जटिल है और मुझे यह जानना होगा कि क्या हुआ था ताकि मैं यह सुनिश्चित कर सकूं कि जो हिस्से फिट नहीं बैठेंगे उन्हें ढक दिया जाए।"

कैरो की आंखें गोल और उत्तेजित थीं। "लगता है तुम भूल गए कि तुमने हमें भरोसा दिलाया था कि यह बहुत ही सरल मामला होगा," कैरो ने कहा। उसने अपना उत्तेजित काला चेहरा गुटमैन की ओर घुमाया। "देखो! मैंने तुम्हें ऐसा न करने की सलाह दी थी। मुझे नहीं लगता—"

“तुम दोनों क्या सोचते हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता,” स्पेड ने साफ-साफ कहा। “अब बहुत देर हो चुकी है और तुम बहुत गहरे दलदल में फंस चुके हो। उसने थर्सबी को क्यों मारा?”

गुटमैन ने अपनी उंगलियाँ अपने पेट पर फंसाईं और कुर्सी को हिलाया। उनकी आवाज़, उनकी मुस्कान की तरह, स्पष्ट रूप से खेदपूर्ण थी। उन्होंने कहा, "आप एक असाधारण रूप से कठिन व्यक्ति हैं, जिन्हें समझना मुश्किल है। मुझे लगने लगा है कि हमने शुरू से ही आपको अकेला न छोड़कर गलती की। सच में, महोदय!"

स्पेड ने लापरवाही से अपना हाथ हिलाया। “तुमने इतना बुरा भी नहीं किया। तुम जेल से बच गए और तुम्हें बाज़ मिल गया। तुम्हें क्या चाहिए?” उसने सिगरेट को मुँह के कोने में दबाया और घुमाते हुए कहा: “खैर, अब तुम जानते हो कि तुम्हारी क्या स्थिति है। उसने थर्सबी को क्यों मारा?”
गुटमैन कांपना बंद कर दिया। “थर्सबी एक कुख्यात हत्यारा था और मिस ओ'शॉघनेसी का सहयोगी था। हम जानते थे कि उसे इस तरह से हटाने से वह रुककर सोचेगी कि शायद हमारे साथ अपने मतभेदों को सुलझा लेना ही बेहतर होगा, साथ ही उसे इतने हिंसक संरक्षक से मुक्ति भी मिल जाएगी। देखिए, महोदय, मैं आपसे खुलकर बात कर रहा हूँ?”
“हाँ। लगे रहो। क्या तुम्हें नहीं लगता कि उसके पास बाज़ हो सकता है?”
गुटमैन ने अपना सिर हिलाया जिससे उसके गोल-मटोल गाल फड़कने लगे। “हमने एक पल के लिए भी ऐसा नहीं सोचा,” उसने जवाब दिया। वह दयालुता से मुस्कुराया। “हमें मिस ओ'शॉघनेसी को बहुत अच्छी तरह जानने का फायदा था, और हालांकि हमें तब यह नहीं पता था कि उन्होंने बाज़ को हांगकांग में कैप्टन जैकोबी को पालोमा जहाज से लाने के लिए दे दिया था जबकि वे एक तेज़ नाव से आए थे, फिर भी हमने एक पल के लिए भी नहीं सोचा कि अगर उनमें से किसी एक को पता होता कि वह कहाँ है, तो वह थर्सबी ही होता।”
स्पेड ने सोच-समझकर सिर हिलाया और पूछा: "क्या आपने उसे सब कुछ सौंपने से पहले उससे कोई सौदा करने की कोशिश नहीं की?"
जी हाँ, हमने ऐसा किया। मैंने उस रात खुद उससे बात की थी। विल्मर ने उसे दो दिन पहले ही ढूँढ लिया था और मिस ओ'शॉघनेसी से उसकी मुलाक़ात के बारे में जानने के लिए उसका पीछा करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन थर्सबी इतना चालाक था कि वह ऐसा नहीं कर पाया, भले ही उसे पता न हो कि उस पर नज़र रखी जा रही है। इसलिए उस रात विल्मर उसके होटल गया, पता चला कि वह वहाँ नहीं है, और बाहर उसका इंतज़ार करने लगा। मुझे लगता है कि थर्सबी आपके साथी की हत्या करने के तुरंत बाद लौट आया था। खैर, विल्मर उसे मुझसे मिलवाने लाया। हम उसके साथ कुछ नहीं कर सकते थे। वह मिस ओ'शॉघनेसी के प्रति पूरी तरह वफ़ादार था। खैर, जी हाँ, विल्मर उसका पीछा करते हुए उसके होटल तक गया और उसने जो किया वो किया।
स्पेड ने एक पल सोचा। "यह ठीक लग रहा है। अब जैकोबी की बारी।"
गुटमैन ने गंभीर निगाहों से स्पेड की ओर देखा और कहा: "कैप्टन जैकोबी की मौत पूरी तरह से मिस ओ'शॉघनेसी की गलती थी।"
लड़की ने हांफते हुए कहा, "ओह!" और अपना हाथ अपने मुंह पर रख लिया।
स्पेड की आवाज़ भारी और स्थिर थी। "अभी उस बात को छोड़ो। मुझे बताओ क्या हुआ।"
स्पेड पर पैनी नज़र डालने के बाद गुटमैन मुस्कुराया। “जैसा आपने कहा, महोदय,” उसने कहा। “खैर, जैसा कि आप जानते हैं, काहिरा ने मुझसे संपर्क किया—मैंने उसे बुलवाया—पुलिस मुख्यालय से निकलने के बाद, उस रात—या सुबह—वह यहाँ आ गया था। हमने मिलकर काम करने के आपसी लाभ

को पहचाना।" उसने अपनी मुस्कान लेवेंटाइन की ओर मोड़ी। "श्री काहिरा एक समझदार व्यक्ति हैं। पालोमा का विचार उन्हीं का था। उन्होंने उस सुबह अखबारों में इसके आने की सूचना देखी और उन्हें याद आया कि उन्होंने हांगकांग में सुना था कि जैकोबी और मिस ओ'शॉघनेसी को एक साथ देखा गया था। उस समय वह उन्हें वहाँ ढूंढने की कोशिश कर रहे थे, और उन्होंने पहले सोचा था कि वह पालोमा से चली गई होंगी, हालाँकि बाद में उन्हें पता चला कि वह नहीं गई थीं। खैर, महोदय, जब उन्होंने अखबार में आगमन की सूचना देखी, तो उन्होंने ठीक-ठीक अनुमान लगा लिया कि क्या हुआ होगा: उन्होंने जैकोबी को पक्षी यहाँ लाने के लिए दिया था। जैकोबी को पता नहीं था कि वह क्या था, बेशक। मिस ओ'शॉघनेसी इसके लिए बहुत समझदार हैं।"

वह लड़की की ओर मुस्कुराया, अपनी कुर्सी को दो बार हिलाया और आगे बोला: "श्रीमान काइरो, विल्मर और मैं कैप्टन जैकोबी से मिलने गए थे और सौभाग्य से हम उस समय पहुँचे जब मिस ओ'शॉघनेसी वहाँ मौजूद थीं। कई मायनों में यह एक कठिन बातचीत थी, लेकिन आखिरकार, आधी रात तक हमने मिस ओ'शॉघनेसी को समझौता करने के लिए मना लिया, या कम से कम हमें ऐसा लगा। फिर हम नाव से उतरे और मेरे होटल के लिए निकल पड़े, जहाँ मुझे मिस ओ'शॉघनेसी को पैसे देने थे और पक्षी लेना था। खैर, महोदय, हम जैसे साधारण पुरुषों को तो यह सोचना ही चाहिए था कि हम उनसे निपट नहीं सकते। रास्ते में, वह, कैप्टन जैकोबी और बाज़ पूरी तरह से हमारे हाथ से निकल गए।" वह ज़ोर से हँसा। "हे भगवान, महोदय, यह तो बड़ी चतुराई से हो गया।"

स्पेड ने लड़की की ओर देखा। उसकी बड़ी-बड़ी, विनती भरी गहरी आँखें उसकी आँखों से मिलीं। उसने गुटमैन से पूछा: "क्या तुमने रवाना होने से पहले नाव को पानी में उतारा था?"

"जानबूझकर नहीं, नहीं महोदय," मोटे आदमी ने जवाब दिया, "हालांकि मुझे लगता है कि हम—या कम से कम विल्मर—आग के लिए जिम्मेदार थे। जब हम सब केबिन में बातें कर रहे थे, तब वह बाज़ को ढूंढने के लिए बाहर गया हुआ था और निस्संदेह माचिस के मामले में लापरवाह था।"

"ठीक है," स्पेड ने कहा। "अगर किसी चूक की वजह से हमें जैकोबी की हत्या के लिए उस पर मुकदमा चलाना पड़ा, तो हम उस पर आगजनी का आरोप भी लगा सकते हैं। ठीक है। अब गोलीबारी के बारे में बात करते हैं।"

"जी महोदय, हम उन्हें ढूंढने के लिए पूरे दिन शहर में इधर-उधर भागते रहे और आज दोपहर बाद हमें वे मिल गए। पहले तो हमें यकीन नहीं था कि हमने उन्हें ढूंढ लिया है। हमें बस इतना पता था कि हमने मिस ओ'शॉघनेसी का अपार्टमेंट ढूंढ लिया है। लेकिन जब हमने दरवाजे पर कान लगाकर सुना तो हमें अंदर उनके घूमने की आवाज सुनाई दी, इसलिए हमें पूरा भरोसा हो गया कि हमने उन्हें ढूंढ लिया है और हमने घंटी बजा दी। जब उन्होंने हमसे पूछा कि हम कौन हैं और हमने उन्हें बताया - दरवाजे के दूसरी तरफ से - तो हमें खिड़की के ऊपर उठने की आवाज सुनाई दी।"

हम समझ गए थे कि इसका क्या मतलब है, इसलिए विल्मर जितनी जल्दी हो सके सीढ़ियों से नीचे भागा और इमारत के पीछे जाकर आग से बचने वाली सीढ़ी को ढकने लगा। जैसे ही वह गली में मुड़ा,

उसकी टक्कर सीधे कैप्टन जैकोबी से हो गई जो बाज़ को बगल में दबाकर भाग रहा था। यह एक मुश्किल स्थिति थी, लेकिन विल्मर ने अपनी पूरी कोशिश की। उसने जैकोबी पर गोली चलाई—एक से ज़्यादा बार—लेकिन जैकोबी इतना मज़बूत था कि न तो गिरा और न ही बाज़ को छोड़ पाया, और वह विल्मर के रास्ते से हटने के लिए बहुत करीब था। उसने विल्मर को धक्का दिया और भाग गया। और यह सब दिन दहाड़े, दोपहर के समय हो रहा था। जब विल्मर उठा तो उसने देखा कि नीचे वाली इमारत से एक पुलिसवाला आ रहा है। इसलिए उसे हार माननी पड़ी। वह कोरोनेट के बगल वाली इमारत के खुले पिछले दरवाजे से अंदर घुसा, गली में आया और फिर हमारे पास पहुँच गया—और वह बहुत भाग्यशाली था, महोदय, कि बिना किसी की नज़र में आए वह पहुँच गया।

“जी महोदय, हम फिर से असमंजस में पड़ गए। मिस ओ'शॉघनेसी ने जैकोबी के पीछे खिड़की बंद करने के बाद श्री काहिरा और मेरे लिए दरवाजा खोला, और उन्होंने—” वे एक याद को याद करके मुस्कुराने लगे। “हमने उन्हें राजी किया—जी महोदय, यही सही शब्द है—कि वे हमें बताएं कि उन्होंने जैकोबी से कहा था कि वह बाज़ को आपके पास ले आए। ऐसा लग रहा था कि उसके इतनी दूर तक ज़िंदा रहने की संभावना बहुत कम थी, भले ही पुलिस उसे न पकड़े, लेकिन यही हमारे पास एकमात्र मौका था, महोदय। और इसलिए, एक बार फिर, हमने मिस ओ'शॉघनेसी को थोड़ी मदद करने के लिए राजी किया। हमने—ठीक है—उन्हें राजी किया कि वे आपके कार्यालय में फोन करें ताकि जैकोबी के वहाँ पहुँचने से पहले आप वहाँ से चले जाएँ, और हमने विल्मर को उसके पीछे भेजा। दुर्भाग्य से, हमें फैसला लेने और मिस ओ'शॉघनेसी को राजी करने में बहुत देर हो गई—”

सोफे पर लेटा लड़का कराहते हुए करवट बदल कर एक तरफ झुक गया। उसकी आँखें कई बार खुलीं और बंद हुईं। लड़की खड़ी हुई और फिर से मेज और दीवार के कोने में चली गई।

“—हमारे साथ सहयोग करो,” गुटमैन ने जल्दबाजी में निष्कर्ष निकाला, “और इस तरह हमारे आप तक पहुँचने से पहले ही बाज़ तुम्हारे पास पहुँच गया।”

लड़के ने एक पैर ज़मीन पर रखा, कोहनी के बल उठा, आँखें चौड़ी कीं, दूसरा पैर नीचे रखा, बैठ गया और चारों ओर देखा। जब उसकी नज़र स्पेड पर पड़ी तो उसके चेहरे से हैरानी गायब हो गई।

कैरो अपनी कुर्सी से उठा और लड़के के पास गया। उसने लड़के के कंधों पर हाथ रखा और कुछ कहने लगा। लड़का झट से उठ खड़ा हुआ और कैरो का हाथ झटक दिया। उसने कमरे में एक नज़र डाली और फिर स्पेड पर अपनी निगाहें गड़ा दीं। उसका चेहरा सख्त था और उसने अपने शरीर को इतना तनाव में रखा हुआ था कि वह सिकुड़ा हुआ और मुरझाया हुआ सा लग रहा था।

टेबल के कोने पर बैठा स्पेड, लापरवाही से अपने पैर हिलाते हुए बोला: “अब सुनो, बच्चे। अगर तू इधर आकर बदतमीजी करने लगा तो मैं तुझे मुँह पर लात मार दूँगा। बैठ जा, चुप रह और तमीज़ से पेश आ, तू ज़्यादा देर तक टिक पाएगा।”

लड़के ने गुटमैन की ओर देखा।

गुटमैन ने उस पर सौम्य मुस्कान बिखेरी और कहा: "खैर, विल्मर, मुझे तुम्हें खोने का बहुत दुख है, और मैं चाहता हूँ कि तुम जानो कि अगर तुम मेरे अपने बेटे होते तो भी मैं तुमसे इतना ही प्यार करता; लेकिन—अरे वाह!—अगर एक बेटा खो जाए तो दूसरा मिल सकता है—और माल्टीज़ बाज़ तो एक ही होता है।"

स्पेड हंस पड़ा।

कैरो थोड़ा आगे बढ़ा और लड़के के कान में कुछ फुसफुसाया। लड़का अपनी ठंडी भूरी आँखों से गुटमैन के चेहरे को निहारते हुए सोफे पर फिर से बैठ गया। लेवेंटाइन उसके बगल में बैठ गया।

गुटमैन की आह ने उनकी मुस्कान की सौम्यता को जरा भी प्रभावित नहीं किया। उन्होंने स्पेड से कहा, "जब आप युवा होते हैं तो आप चीजों को समझ नहीं पाते हैं।"

कैरो ने फिर से लड़के के कंधों पर हाथ रखा और उससे कुछ फुसफुसा रही थी। स्पेड ने गुटमैन की ओर देखकर मुस्कुराया और ब्रिगेड ओ'शॉघनेसी से कहा, "मुझे लगता है कि अगर आप रसोई में हमारे लिए खाने का कुछ इंतजाम कर दें, साथ में ढेर सारी कॉफी भी, तो बहुत अच्छा होगा। क्या आप करेंगी? मुझे अपने मेहमानों को अकेला छोड़ना अच्छा नहीं लगता।"

“ज़रूर,” उसने कहा और दरवाजे की ओर बढ़ने लगी।

गुटमैन हिलना-डुलना बंद कर दिया। "बस एक पल रुको, मेरी प्यारी," उसने अपना मोटा हाथ ऊपर उठाया। "क्या बेहतर नहीं होगा कि तुम लिफाफा यहीं छोड़ दो? तुम नहीं चाहोगी कि इस पर चिकनाई के धब्बे लगें।"

लड़की की निगाहों में स्पेड को संदेह था। उसने उदासीन स्वर में कहा: "यह अभी भी उसका ही है।"

उसने अपना हाथ कोट के अंदर डाला, लिफाफा निकाला और स्पेड को दे दिया। स्पेड ने उसे गुटमैन की गोद में फेंकते हुए कहा, "अगर तुम्हें इसे खोने का डर है तो इस पर बैठ जाओ।"

“आप मुझे गलत समझ रहे हैं,” गुटमैन ने विनम्रता से जवाब दिया। “ऐसा बिल्कुल नहीं है, लेकिन व्यापार तो पेशेवर तरीके से ही किया जाना चाहिए।” उसने लिफाफे का ढक्कन खोला, उसमें से हज़ार-हज़ार डॉलर के नोट निकाले, उन्हें गिना और इतनी ज़ोर से हँसा कि उसका पेट उछल गया। “उदाहरण के लिए, अब यहाँ सिर्फ नौ नोट हैं।” उसने उन्हें अपने मोटे घुटनों और जांघों पर फैला दिया। “जब मैंने यह आपको दिया था तब इसमें दस नोट थे, जैसा कि आप अच्छी तरह जानते हैं।” उसकी मुस्कान चौड़ी, हंसमुख और विजयी थी।

स्पेड ने ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी की ओर देखा और पूछा: "तो?"

उसने ज़ोर से अपना सिर एक तरफ हिलाया। उसने कुछ नहीं कहा, हालाँकि उसके होंठ हल्के से हिले, मानो उसने कुछ कहने की कोशिश की हो। उसके चेहरे पर डर झलक रहा था।

स्पेड ने गुटमैन की ओर हाथ बढ़ाया और उस मोटे आदमी ने उसके हाथ में पैसे रख दिए। स्पेड ने पैसे गिने—नौ हज़ार डॉलर के नोट—और गुटमैन को लौटा दिए। फिर स्पेड खड़ा हो गया और उसका चेहरा भावहीन और शांत था। उसने मेज पर रखी तीन पिस्तौलें उठाईं। उसने बेपरवाह लहजे में कहा,

“मैं इसके बारे में जानना चाहता हूँ। हम”—उसने लड़की की ओर सिर हिलाया, लेकिन उसकी ओर देखे बिना—“बाथरूम में जा रहे हैं। दरवाजा खुला रहेगा और मैं उसकी ओर मुंह करके खड़ा रहूँगा। अगर तुम तीन मंज़िल नीचे गिरना नहीं चाहती हो, तो यहाँ से निकलने का बाथरूम के दरवाजे के अलावा कोई रास्ता नहीं है। बाहर निकलने की कोशिश मत करना।”

“सचमुच, महोदय,” गुटमैन ने विरोध करते हुए कहा, “यह ज़रूरी नहीं है, और निश्चित रूप से इस तरह से हमें धमकी देना आपके लिए बिल्कुल भी शिष्टाचारपूर्ण नहीं है। आपको पता होना चाहिए कि हमें यहाँ से जाने की ज़रा भी इच्छा नहीं है।”

“जब मैं यह काम पूरा कर लूंगा, तब मुझे बहुत कुछ पता चल जाएगा।” स्पेड धैर्यवान था, लेकिन दृढ़ निश्चयी भी। “इस चाल ने सब कुछ गड़बड़ कर दिया है। मुझे जवाब ढूंढना ही होगा। ज्यादा समय नहीं लगेगा।” उसने लड़की की कोहनी को छुआ। “चलो।”

बाथरूम में ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी को शब्द सूझे। उसने अपने हाथ स्पेड की छाती पर रखे और अपना चेहरा उसके करीब लाकर फुसफुसाते हुए कहा: "मैंने वह बिल नहीं लिया, सैम।"

“मुझे नहीं लगता कि तुमने ऐसा किया,” उसने कहा, “लेकिन मुझे जानना ही होगा। अपने कपड़े उतारो।”

“क्या आप मेरी बात पर विश्वास नहीं करेंगे?”

नहीं। अपने कपड़े उतारो।

मैं ऐसा नहीं करूंगा।

“ठीक है। हम दूसरे कमरे में वापस चलते हैं और मैं इन्हें हटवा देता हूँ।”

उसने मुंह पर हाथ रखकर पीछे हट गई। उसकी आंखें गोल-गोल और भयभीत थीं। "क्या तुम ऐसा करोगे?" उसने उंगलियों के बीच से पूछा।

उन्होंने कहा, "मैं करूंगा। मुझे यह जानना ही होगा कि उस विधेयक का क्या हुआ और मैं किसी की भी भोली-भाली शर्म से नहीं रुकने वाला।"

“अरे, ऐसी बात नहीं है।” वह उसके करीब आई और फिर से उसके सीने पर हाथ रख दिए। “मुझे तुम्हारे सामने नग्न होने में शर्म नहीं है, लेकिन—क्या तुम देख नहीं सकते?—इस तरह नहीं। क्या तुम देख नहीं सकते कि अगर तुमने मुझे मजबूर किया तो तुम—तुम किसी चीज़ को मार रहे होगे?”

उन्होंने अपनी आवाज ऊंची नहीं की। “मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता। मुझे यह जानना होगा कि बिल का क्या हुआ। इन्हें हटा दो।”

उसने उसकी स्थिर पीली-भूरी आँखों में देखा और उसका चेहरा पहले गुलाबी हुआ और फिर से सफेद पड़ गया। वह सीधी खड़ी हुई और कपड़े उतारने लगी। वह बाथटब के किनारे बैठा उसे और खुले दरवाजे को देखता रहा। बैठक से कोई आवाज़ नहीं आ रही थी। उसने बिना हिचकिचाए तेज़ी से अपने कपड़े उतार दिए और उन्हें अपने पैरों के आसपास ज़मीन पर गिरने दिया। जब वह नग्न हो गई तो वह

अपने कपड़ों से पीछे हट गई और उसे देखती हुई खड़ी हो गई। उसके चेहरे पर गर्व था, न कि कोई अवज्ञा या शर्मिंदगी।
उसने अपनी पिस्तौलें टॉयलेट सीट पर रख दीं और दरवाजे की ओर मुंह करके उसके कपड़ों के सामने एक घुटने पर बैठ गया। उसने एक-एक कपड़ा उठाया और उसे उंगलियों और आंखों से जांचा। उसे हजार डॉलर का नोट नहीं मिला। जांच पूरी होने पर वह खड़ा हुआ और उसके कपड़े हाथों में लेकर उसे देते हुए बोला, "धन्यवाद। अब मुझे पता चल गया है।"
उसने उससे कपड़े ले लिए। उसने कुछ नहीं कहा। उसने अपनी पिस्तौलें उठाईं। उसने बाथरूम का दरवाजा बंद किया और बैठक में चला गया।
गुटमैन ने झूलती कुर्सी पर बैठे हुए सौहार्दपूर्ण मुस्कान के साथ उसकी ओर देखा। "मिल गया?" उसने पूछा।
सोफे पर लड़के के बगल में बैठी कायरो ने प्रश्नवाचक भाव से स्पेड की ओर देखा। लड़का ऊपर नहीं देख रहा था। वह आगे की ओर झुका हुआ था, सिर हाथों के बीच, कोहनी घुटनों पर, और पैरों के बीच फर्श को घूर रहा था।
स्पेड ने गुटमैन से कहा: "नहीं, मुझे यह नहीं मिला। तुमने इसे छुपाया है।"
मोटे आदमी ने हंसते हुए कहा, "मैंने उसे हथेली में छिपा लिया था?"
“हाँ,” स्पेड ने अपने हाथ में पिस्तौलें खनकाते हुए कहा। “क्या आप ऐसा कहना चाहते हैं या तलाशी के लिए खड़े होना चाहते हैं?”
"अर्थ होना-?"
स्पेड ने कहा, "या तो तुम इसे स्वीकार करोगे, वरना मैं तुम्हारी तलाशी लूंगा। तीसरा कोई रास्ता नहीं है।"
गुटमैन ने स्पेड के सख्त चेहरे की ओर देखा और खुलकर हँस पड़ा। "जी हाँ, महोदय, मुझे पूरा यकीन है कि आप ऐसा ही करेंगे। सचमुच। आप एक अनोखे व्यक्ति हैं, महोदय, अगर आपको बुरा न लगे तो।"
"तुमने इसे हथेली में छिपा लिया था," स्पेड ने कहा।
“जी हाँ, मैंने वही किया।” मोटे आदमी ने अपनी बनियान की जेब से एक मुड़ा हुआ नोट निकाला, उसे अपनी चौड़ी जांघ पर सीधा किया, फिर अपनी कोट की जेब से नौ नोटों वाला लिफाफा निकाला और उस सीधे किए हुए नोट को बाकी नोटों के साथ रख दिया। “मुझे कभी-कभी मज़ाक करना अच्छा लगता है और मैं यह जानने के लिए उत्सुक था कि आप ऐसी स्थिति में क्या करते। मुझे कहना पड़ेगा कि आप इस परीक्षा में पूरी तरह सफल रहे, महोदय। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि आप सच्चाई तक पहुँचने का इतना सरल और सीधा तरीका खोज लेंगे।”
स्पेड ने बिना किसी कड़वाहट के उस पर व्यंग्य किया। "इस तरह की बात तो मैं उस बदमाश की उम्र के किसी व्यक्ति से ही उम्मीद कर सकता हूँ।"
गुटमैन खिलखिलाकर हँसा।

ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी, कोट और टोपी को छोड़कर दोबारा कपड़े पहने हुए, बाथरूम से बाहर आईं, लिविंग रूम की ओर एक कदम बढ़ाया, मुड़ीं, रसोई में गईं और लाइट जला दी।
कैरो सोफे पर बैठे लड़के के और करीब गई और उसके कान में फिर से फुसफुसाने लगी। लड़के ने चिड़चिड़ाते हुए कंधे उचका दिए।
स्पेड ने अपने हाथ में पकड़ी पिस्तौलों को देखा और फिर गुटमैन की ओर मुड़कर गलियारे में बने कोठरी की ओर बढ़ा। उसने दरवाजा खोला, पिस्तौलों को अंदर एक संदूक के ऊपर रखा, दरवाजा बंद किया, ताला लगाया, चाबी अपनी पतलून की जेब में रखी और रसोई के दरवाजे की ओर चल दिया।
ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी एक एल्युमिनियम परकोलेटर भर रही थीं।
“क्या सब कुछ मिल गया?” स्पेड ने पूछा।
“हाँ,” उसने सिर उठाए बिना शांत स्वर में उत्तर दिया। फिर उसने परकोलेटर को एक तरफ रख दिया और दरवाजे की ओर आई। उसका चेहरा लाल हो गया था और उसकी आँखें बड़ी-बड़ी, नम और गुस्से से भरी थीं। “तुम्हें मेरे साथ ऐसा नहीं करना चाहिए था, सैम,” उसने धीरे से कहा।
“मुझे पता लगाना ही था, मेरी परी।” वह नीचे झुका, उसके होंठों को हल्के से चूमा और वापस बैठक में चला गया।
गुटमैन ने स्पेड की ओर मुस्कुराते हुए उसे सफेद लिफाफा देते हुए कहा: "यह जल्द ही तुम्हारा होगा; तुम इसे अभी ले लो तो बेहतर होगा।"
स्पेड ने इसे स्वीकार नहीं किया। वह आरामकुर्सी पर बैठ गया और बोला: “इसके लिए बहुत समय है। हमने पैसों के बारे में अभी पर्याप्त बात नहीं की है। मेरे पास दस हजार से अधिक होने चाहिए।”
गुटमैन ने कहा, "दस हजार डॉलर बहुत बड़ी रकम है।"
स्पेड ने कहा: "आप मेरा हवाला दे रहे हैं, लेकिन यह दुनिया का सारा पैसा नहीं है।"
"नहीं, महोदय, ऐसा नहीं है। मैं यह मानता हूँ। लेकिन इतने कम दिनों में और इतनी आसानी से इतनी बड़ी रकम कमाना वाकई अजीब है।"
“तुम्हें लगता है कि यह सब इतना आसान था?” स्पेड ने पूछा और कंधे उचका दिए। “ठीक है, शायद, लेकिन यह मेरा निजी मामला है।”
“बिल्कुल,” मोटे आदमी ने सहमति जताते हुए कहा। उसने आँखें सिकोड़ीं, रसोई की ओर इशारा करते हुए सिर हिलाया और धीमी आवाज़ में पूछा, “क्या तुम उसके साथ खाना बाँट रहे हो?”
स्पेड ने कहा: "यह मेरा भी व्यवसाय है।"
“बिल्कुल है,” मोटे आदमी ने एक बार फिर सहमति जताते हुए कहा, “लेकिन”—वह हिचकिचाया—“मैं आपको एक सलाह देना चाहूंगा।”
"आगे बढ़ो।"

"अगर आप ऐसा नहीं करते हैं - मुझे यकीन है कि आप उसे किसी भी हालत में कुछ पैसे देंगे, लेकिन - अगर आप उसे उतना पैसा नहीं देते जितना उसे लगता है कि उसे मिलना चाहिए, तो मेरी सलाह है - सावधान रहें।"

स्पेड की आँखों में व्यंग्य भरी चमक थी। उसने पूछा: "बुरा?"

“बुरा,” मोटे आदमी ने जवाब दिया।

स्पेड मुस्कुराया और सिगरेट बनाने लगा।

कैरो, लड़के के कान में कुछ बुदबुदाते हुए, फिर से उसके कंधों पर हाथ रख दिया। अचानक लड़के ने उसका हाथ झटक दिया और सोफे पर घूमकर कैरो की ओर मुँह कर लिया। लड़के के चेहरे पर घृणा और क्रोध था। उसने अपने एक छोटे हाथ की मुट्ठी बनाई और उससे कैरो के मुँह पर वार किया। कैरो एक स्त्री की तरह चीख उठा और सोफे के बिल्कुल किनारे पर सिमट गया। उसने अपनी जेब से एक रेशमी रूमाल निकाला और उसे अपने मुँह पर रखा। वह खून से सना हुआ था। उसने उसे एक बार फिर अपने मुँह पर रखा और लड़के को तिरस्कार भरी निगाहों से देखा। लड़का गुर्राया, "मुझसे दूर रहो," और अपना चेहरा फिर से अपने हाथों के बीच छिपा लिया। कैरो के रूमाल से कमरे में साइप्रस की खुशबू फैल गई।

काहिरा की पुकार सुनकर ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी दरवाजे पर आ गईं। स्पेड मुस्कुराते हुए सोफे की ओर अंगूठा दिखाते हुए बोलीं, "सच्चे प्यार का यही रास्ता है। खाना कैसा बन रहा है?"

"यह आ रहा है," उसने कहा और रसोई में वापस चली गई।

स्पेड ने अपनी सिगरेट जलाई और गुटमैन से कहा: "चलिए पैसे के बारे में बात करते हैं।"

“जी खुशी से, पूरे दिल से,” मोटे आदमी ने जवाब दिया, “लेकिन मैं अभी आपको साफ-साफ बता दूं कि दस हजार से ज्यादा पैसा मैं जुटा नहीं सकता।”

स्पेड ने धुआं छोड़ा। "मेरे पास बीस होने चाहिए।"

“काश आप दे पाते। अगर मेरे पास होते तो मैं खुशी-खुशी आपको दे देता, लेकिन दस हजार डॉलर से ज्यादा मैं दे नहीं सकता, मैं अपनी बात पर अड़ा हूँ। जी हाँ, महोदय, आप समझते हैं कि यह तो बस पहली किस्त है। बाद में—”

स्पेड हँस पड़ा। उसने कहा, "मुझे पता है कि तुम मुझे बाद में लाखों दोगे, लेकिन अभी इस पहली किस्त पर ही टिके रहते हैं। पंद्रह हज़ार?"

गुटमैन मुस्कुराया, भौंहें चढ़ाईं और सिर हिलाया। "श्रीमान स्पेड, मैंने आपको स्पष्ट और ईमानदारी से और एक सज्जन व्यक्ति के रूप में अपने वचन पर कहा है कि मेरे पास केवल दस हजार डॉलर हैं - एक-एक पैसा - और मैं इससे अधिक राशि नहीं जुटा सकता।"

लेकिन आप सकारात्मक रूप से नहीं कहते।

गुटमैन हँसे और बोले: "बिल्कुल।"

स्पेड ने उदास स्वर में कहा, "यह कुछ खास अच्छा नहीं है, लेकिन अगर यही सबसे अच्छा विकल्प है जो आप दे सकते हैं - तो मुझे दे दीजिए।"
गुटमैन ने उसे लिफाफा थमा दिया। स्पेड ने नोट गिने और उन्हें अपनी जेब में रख ही रहा था कि ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी एक ट्रे लेकर अंदर आ गई।
लड़का खाना नहीं खा रहा था। कायरो ने एक कप कॉफ़ी ली। लड़की, गुटमैन और स्पेड ने उसके द्वारा तैयार किए गए तले हुए अंडे, बेकन, टोस्ट और मुरब्बे खाए और प्रत्येक ने दो-दो कप कॉफ़ी पी। फिर वे पूरी रात इंतज़ार करने के लिए बैठ गए।
गुटमैन सिगार पीते हुए 'सेलिब्रेटेड क्रिमिनल केसेज़ ऑफ़ अमेरिका' पढ़ रहे थे, बीच-बीच में उसके कुछ हिस्सों पर हंसते या टिप्पणी करते जो उन्हें मनोरंजक लगते थे। कायरो अपना मुंह सहलाते हुए सोफे के अपने कोने पर रूठकर बैठा था। लड़का लगभग चार बजे तक सिर हाथों में लिए बैठा रहा। फिर वह कायरो की ओर पैर करके लेट गया, खिड़की की ओर मुंह किया और सो गया। आर्मचेयर में बैठी ब्रिगेड ओ'शॉघनेसी ऊंघ रही थी, मोटे आदमी की टिप्पणियां सुन रही थी और स्पेड के साथ बेतरतीब बातचीत कर रही थी।
स्पेड सिगरेट बनाता और पीता रहा, और बिना किसी बेचैनी या घबराहट के कमरे में इधर-उधर घूमता रहा। वह कभी लड़की की कुर्सी के बाजू पर, कभी मेज के कोने पर, कभी उसके पैरों के पास फर्श पर, कभी सीधी पीठ वाली कुर्सी पर बैठता था। वह पूरी तरह से जागा हुआ, हंसमुख और ऊर्जा से भरपूर था।
साढ़े पाँच बजे वह रसोई में गया और और कॉफ़ी बनाई। आधे घंटे बाद लड़का जागा और जम्हाई लेते हुए बैठ गया। गुटमैन ने अपनी घड़ी देखी और स्पेड से पूछा: "क्या तुम इसे अभी ला सकते हो?"
मुझे एक घंटा और दीजिए।
गुटमैन ने सिर हिलाया और अपनी किताब पढ़ने में लग गया।
सात बजे स्पेड टेलीफोन के पास गया और एफी पेरिन का नंबर डायल किया। “हैलो, श्रीमती पेरिन? … मैं श्रीमान स्पेड बोल रहा हूँ। क्या आप मुझे एफी से बात करने देंगी? … जी हाँ… धन्यवाद।” उसने धीरे से एन क्यूबा की दो पंक्तियाँ सीटी बजाईं। “हैलो, एंजेल। आपको जगाने के लिए माफ़ करना… जी हाँ, बहुत। बात ये है: डाकघर में हमारे हॉलैंड बॉक्स में आपको एक लिफाफा मिलेगा जिस पर मैंने अपने अक्षरों में पता लिखा है। उसमें पिकविक स्टेज पार्सल-रूम-चेक है—उस बंडल के लिए जो हमें कल मिला था। क्या आप बंडल लेकर मुझे दे देंगी—जल्दी से? … जी हाँ, मैं घर पर हूँ… यही तो चाहिए—जल्दी करो… अलविदा।”
आठ बजने में दस मिनट बाकी थे जब गली की घंटी बजी। स्पेड टेलीफोन बूथ के पास गया और ताला खोलने वाला बटन दबाया। गुटमैन ने अपनी किताब नीचे रखी और मुस्कुराते हुए उठा। उसने पूछा, "अगर मैं आपके साथ दरवाजे तक चलूँ तो आपको कोई आपत्ति तो नहीं होगी?"
“ठीक है,” स्पेड ने उससे कहा।

गुटमैन उसके पीछे-पीछे गलियारे के दरवाजे तक गया। स्पेड ने दरवाजा खोला। तभी एफी पेरिन भूरे रंग में लिपटा पार्सल लिए लिफ्ट से बाहर आई। उसका मासूम चेहरा हंसमुख और चमकीला था और वह तेजी से, लगभग दौड़ते हुए आगे बढ़ी। एक नजर डालने के बाद उसने गुटमैन की ओर नहीं देखा। उसने स्पेड को देखकर मुस्कुराया और उसे पार्सल दे दिया।

उसने यह कहते हुए उसे ले लिया: "बहुत-बहुत धन्यवाद, महोदया। मुझे खेद है कि मैं आपके आराम के दिन में खलल डाल रहा हूँ, लेकिन यह—"

"यह पहला नहीं है जिसे तुमने बिगाड़ा है," उसने हंसते हुए जवाब दिया, और फिर, जब यह स्पष्ट हो गया कि वह उसे अंदर नहीं बुलाने वाला है, तो उसने पूछा: "और कुछ?"

उसने सिर हिलाकर कहा, "नहीं, धन्यवाद।"

उसने "बाय-बाय" कहा और लिफ्ट की ओर वापस चली गई।

स्पेड ने दरवाजा बंद किया और पार्सल लेकर बैठक में चला गया। गुटमैन का चेहरा लाल हो गया था और उसके गाल कांप रहे थे। जैसे ही स्पेड ने पार्सल मेज पर रखा, कायरो और ब्रिगेड ओ'शॉघनेसी मेज पर आ गईं। वे उत्साहित थीं। लड़का उठा, उसका चेहरा पीला पड़ गया था और वह तनाव में था, लेकिन वह सोफे के पास ही बैठा रहा और झुकी हुई पलकों से दूसरों को घूरता रहा।

स्पेड ने मेज से पीछे हटते हुए कहा: "ये लो।"

गुटमैन की मोटी उंगलियों ने रस्सी, कागज और लकड़ी के बुरादे को झटपट काट दिया और काली चिड़िया उसके हाथों में थी। "आह," उसने भारी स्वर में कहा, "अब, सत्रह साल बाद!" उसकी आँखें नम थीं।

कैरो ने अपने लाल होंठों को चाटा और हाथों को आपस में रगड़ा। लड़की का निचला होंठ उसके दांतों के बीच दबा हुआ था। गुटमैन की तरह, और स्पेड और उस लड़के की तरह, वह और कैरो दोनों ही ज़ोर-ज़ोर से सांस ले रहे थे। कमरे की हवा ठंडी और बासी थी, और तंबाकू के धुएं से भरी हुई थी।

गुटमैन ने पक्षी को वापस मेज पर रख दिया और अपनी जेब में टटोलने लगा। "यही है," उसने कहा, "लेकिन हम पक्का कर लेंगे।" उसके गोल-मटोल गालों पर पसीना चमक रहा था। उसकी उंगलियां फड़क रही थीं जब उसने एक सोने का जेब चाकू निकाला और उसे खोला।

कैरो और वह लड़की उसके पास, एक-एक तरफ और एक-एक तरफ खड़े थे। स्पेड थोड़ा पीछे हटकर खड़ा था जहाँ से वह लड़के के साथ-साथ मेज पर बैठे समूह को भी देख सकता था।

गुटमैन ने चिड़िया को उल्टा किया और चाकू से उसके आधार के किनारे को खुरचा। काला इनेमल छोटे-छोटे घुमावों में उतर गया, जिससे नीचे की काली धातु दिखाई देने लगी। गुटमैन के चाकू की धार धातु में धंस गई, जिससे एक पतली घुमावदार परत बन गई। परत के अंदरूनी भाग और उसके हटने से बनी पतली सतह पर सीसे जैसी हल्की धूसर चमक थी।

गुटमैन के दांतों के बीच से सांस की सरसराहट सुनाई दी। उसका चेहरा गर्म खून से लाल हो गया। उसने पक्षी को घुमाया और उसके सिर पर वार किया। वहाँ भी उसकी चाकू की धार सीसे जैसी चमक

उठी। उसने चाकू और पक्षी को मेज पर पटक दिया और स्पेड का सामना करने के लिए मुड़ गया। "यह नकली है," उसने कर्कश आवाज में कहा।
स्पेड का चेहरा गंभीर हो गया था। उसने धीरे से सिर हिलाया, लेकिन ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी की कलाई पकड़ने के लिए उसका हाथ तेज़ी से बढ़ा। उसने उसे अपनी ओर खींचा और दूसरे हाथ से उसकी ठोड़ी पकड़कर उसका चेहरा ज़ोर से ऊपर उठाया। "ठीक है," उसने उसके चेहरे पर गुर्राते हुए कहा। "तुमने अपना छोटा सा मज़ाक कर लिया। अब हमें इसके बारे में बताओ।"
वह रोते हुए बोली, “नहीं, सैम, नहीं! यह तो मुझे केमिडोव से मिला था। मैं कसम खाती हूँ—”
जोएल कायरो ने स्पेड और गुटमैन के बीच खुद को धकेल दिया और तीखी, लड़खड़ाती आवाज़ में शब्द उगलने लगा: “बस यही है! बस यही है! वह रूसी था! मुझे पता होना चाहिए था! हमने उसे कितना मूर्ख समझा, और उसने हमें कितना मूर्ख बनाया!” लेवेंटाइन की आँखों से आँसू बह रहे थे और वह उछल-कूद कर रहा था। “तुमने गड़बड़ कर दी!” वह गुटमैन पर चिल्लाया। “तुम और तुम्हारी उससे इसे खरीदने की मूर्खतापूर्ण कोशिश! मोटे मूर्ख! तुमने उसे बता दिया कि यह कीमती है और उसे पता चल गया कि यह कितना कीमती है और उसने हमारे लिए एक नकली बना दिया! इसीलिए तो हमें इसे चुराने में इतनी आसानी हुई! इसीलिए तो वह मुझे इसे खोजने के लिए पूरी दुनिया में भेजने को तैयार था! मूर्ख! मोटे बेवकूफ!” उसने अपने हाथों से अपना चेहरा ढक लिया और फूट-फूट कर रोने लगा।
गुटमैन का जबड़ा लटक गया। उसने खाली आँखों से पलकें झपकाईं। फिर उसने खुद को संभाला और जब तक उसकी आँखें शांत हुईं, तब तक वह फिर से एक हंसमुख मोटा आदमी बन चुका था। "जी महोदय," उसने सौम्य भाव से कहा, "इस तरह की बातें करने की कोई ज़रूरत नहीं है। हर कोई कभी न कभी गलती करता है और आप यकीन मानिए, यह मेरे लिए भी उतना ही बड़ा झटका है जितना किसी और के लिए। हाँ, यह रूसी का हाथ है, इसमें कोई शक नहीं। अच्छा, महोदय, आपका क्या सुझाव है? क्या हम यहाँ खड़े होकर आँसू बहाएँ और एक-दूसरे को बुरा-भला कहें? या हम"—वह रुका और उसकी मुस्कान किसी देवदूत जैसी थी—"कॉन्स्टेंटिनोपल चलें?"
कैरो ने अपने चेहरे से हाथ हटाए और उसकी आँखें फटी रह गईं। वह हकलाते हुए बोला, "आप कौन हैं—?" पूरी बात समझ आने पर वह अचंभित रह गया और उसकी बोलती बंद हो गई।
गुटमैन ने अपने मोटे हाथों को आपस में थपथपाया। उसकी आँखों में चमक थी। उसकी आवाज़ संतुष्टि भरी, धीमी और गुनगुनी थी: “सत्रह वर्षों से मैं उस छोटी सी चीज़ को पाना चाहता हूँ और कोशिश करता रहा हूँ। अगर मुझे इस खोज में एक और साल लगाना पड़े—तो महोदय—समय के हिसाब से यह अतिरिक्त खर्च केवल”—गणना करते हुए उसके होंठ चुपचाप हिले—“पाँच और पंद्रह-सत्रहवें प्रतिशत” होगा।
लेवेंटाइन लड़की खिलखिलाकर हंस पड़ी और बोली, "मैं तुम्हारे साथ चलती हूँ!"
स्पेड ने अचानक लड़की की कलाई छोड़ दी और कमरे में चारों ओर देखा। लड़का वहाँ नहीं था। स्पेड गलियारे में चला गया। गलियारे का दरवाज़ा खुला था। स्पेड ने असंतुष्ट मुँह बनाया, दरवाज़ा बंद किया

और बैठक में लौट आया। वह दरवाज़े के फ्रेम से टिक गया और गुटमैन और काहिरा को देखने लगा। उसने गुटमैन को काफी देर तक गुस्से से देखा। फिर उसने मोटे आदमी की कर्कश आवाज़ की नकल करते हुए कहा: "वाह, महोदय, मुझे कहना पड़ेगा कि आप लोग बड़े ही शानदार चोर हैं!"

गुटमैन मुस्कुराया। “हमारे पास गर्व करने लायक कुछ खास नहीं है, और यह सच है, महोदय,” उसने कहा। “लेकिन, खैर, हममें से कोई अभी मरा नहीं है और सिर्फ एक छोटी सी बाधा के कारण यह सोचना बेकार है कि दुनिया खत्म हो गई है।” उसने अपना बायां हाथ पीछे से निकाला और स्पेड की ओर बढ़ाया, गुलाबी, चिकनी, उभरी हुई हथेली ऊपर की ओर। “मुझे आपसे वह लिफाफा मांगना पड़ेगा, महोदय।”

स्पेड टस से मस नहीं हुआ। उसका चेहरा भावहीन था। उसने कहा: “मैंने अपना काम कर दिया। तुम्हें तुम्हारा मनचाहा सामान मिल गया। यह तुम्हारी बदकिस्मती है, मेरी नहीं, कि यह वह नहीं था जो तुम चाहते थे।”

“अब आइए, महोदय,” गुटमैन ने विश्वास भरे लहजे में कहा, “हम सब असफल हो गए हैं और किसी एक पर इसका बोझ डालने का कोई कारण नहीं है, और—” उसने अपना दाहिना हाथ पीछे से निकाला। उसके हाथ में एक छोटी पिस्तौल थी, जो चांदी, सोने और सीप की नक्काशी और जड़ाई से सजी हुई थी। “संक्षेप में, महोदय, मुझे आपसे अपने दस हजार डॉलर लौटाने का अनुरोध करना है।”

स्पेड के चेहरे पर कोई भाव नहीं बदला। उसने कंधे उचकाए और अपनी जेब से लिफाफा निकाला। उसने उसे गुटमैन की ओर बढ़ाने की कोशिश की, फिर हिचकिचाया, लिफाफा खोला और उसमें से एक हजार डॉलर का नोट निकाला। उसने उस नोट को अपनी पतलून की जेब में रख लिया। उसने लिफाफे का फ्लैप बाकी नोटों के ऊपर मोड़ दिया और उन्हें गुटमैन की ओर बढ़ाते हुए कहा, "इससे मेरे समय और खर्चे पूरे हो जाएंगे।"

गुटमैन ने थोड़ी देर रुकने के बाद, स्पेड की तरह कंधे उचकाए और लिफाफा ले लिया। उसने कहा: “अब, महोदय, हम आपसे विदा लेते हैं, जब तक कि”—उसकी आँखों के आसपास की मोटी झुर्रियाँ सिकुड़ गईं—“आप हमारे साथ कॉन्स्टेंटिनोपल अभियान में शामिल होना न चाहें। आप नहीं चाहते? खैर, महोदय, सच कहूँ तो मैं आपको अपने साथ रखना चाहूँगा। आप मेरी पसंद के व्यक्ति हैं, बहुमुखी प्रतिभा के धनी और समझदार व्यक्ति हैं। क्योंकि हम जानते हैं कि आप समझदार हैं, इसलिए हम पूरे भरोसे के साथ विदा ले सकते हैं कि आप हमारे इस छोटे से अभियान की सारी जानकारी गुप्त रखेंगे। हम जानते हैं कि आप इस बात को समझेंगे कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए, इन पिछले कुछ दिनों से संबंधित कोई भी कानूनी कठिनाई आपको और प्यारी मिस ओ'शॉघनेसी को भी उतनी ही मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। मुझे पूरा यकीन है कि आप इतने चतुर हैं कि इस बात को समझ ही जाएँगे।”

“मैं यह समझता हूँ,” स्पेड ने जवाब दिया।

मुझे पूरा यकीन था कि तुम ऐसा करोगे। मुझे यह भी पूरा यकीन है कि अब जब कोई विकल्प नहीं बचा है, तो तुम किसी को बलि का बकरा बनाए बिना पुलिस को किसी न किसी तरह संभाल लोगे।"

“मैं ठीक रहूंगा,” स्पेड ने जवाब दिया।
“मुझे यकीन था कि आप ऐसा ही करेंगे। खैर, महोदय, सबसे संक्षिप्त विदाई ही सबसे अच्छी होती है। अलविदा।” उन्होंने झुककर अभिवादन किया। “और आपको भी, मिस ओ'शॉघनेसी, अलविदा। मैं आपके लिए मेज पर दुर्लभ पक्षी एक छोटी सी यादगार के रूप में छोड़ रहा हूँ।”

20
अगर वे तुम्हें फांसी दे दें

कैस्पर गुटमैन और जोएल कायरो के जाने के बाद बाहरी दरवाज़ा बंद होने के ठीक पाँच मिनट बाद तक, स्पेड बिना हिले-डुले, खुले हुए लिविंग रूम के दरवाज़े के हैंडल को घूरता रहा। उसकी आँखें उदास थीं और माथा सिकुड़ा हुआ था। उसकी नाक की जड़ में गहरी और लाल दरारें थीं। उसके होंठ ढीले-ढाले से बाहर निकले हुए थे, मानो फूले हुए हों। उसने उन्हें अंदर की ओर खींचकर एक सख्त 'V' का आकार बनाया और टेलीफ़ोन की ओर चला गया। उसने ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी की ओर नहीं देखा, जो मेज़ के पास खड़ी होकर बेचैन निगाहों से उसे देख रही थी।

उसने टेलीफ़ोन उठाया, उसे वापस शेल्फ़ पर रख दिया और शेल्फ़ के एक कोने में लटकी टेलीफ़ोन डायरेक्टरी में देखने के लिए झुका। उसने पन्ने तेज़ी से पलटे जब तक उसे मनचाहा पन्ना नहीं मिल गया, अपनी उंगली एक कॉलम पर चलाई, सीधा खड़ा हुआ और टेलीफ़ोन को शेल्फ़ से फिर उठा लिया। उसने एक नंबर डायल किया और कहा:

“हेलो, क्या सार्जेंट पोलहॉस वहाँ हैं? … क्या आप उन्हें बुलाएँगे? मैं सैमुअल स्पेड बोल रहा हूँ…।” वह खाली जगह में घूरता रहा, इंतज़ार करता रहा। “हेलो, टॉम, मेरे पास तुम्हारे लिए कुछ है… हाँ, बहुत कुछ। ये लो: थर्सबी और जैकोबी को विल्मर कुक नाम के एक लड़के ने गोली मार दी।” उसने लड़के का विस्तार से वर्णन किया। “वह कैस्पर गुटमैन नाम के एक आदमी के लिए काम कर रहा है।” उसने गुटमैन का वर्णन किया। “वह काहिरा नाम का आदमी जिससे तुम यहाँ मिले थे, वह भी उनके साथ है… हाँ, यही बात है… गुटमैन अलेक्जेंड्रिया होटल के बारहवें कमरे (सी) में ठहरा हुआ है, या ठहरा हुआ था। वे अभी-अभी यहाँ से निकले हैं और शहर से भाग रहे हैं, इसलिए तुम्हें जल्दी करनी होगी, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे किसी मुसीबत की उम्मीद कर रहे हैं… इसमें एक लड़की भी शामिल है—गुटमैन की बेटी।” उसने रिया गुटमैन का वर्णन किया। “उस लड़के से भिड़ते समय सावधान रहना। वो बंदूक चलाने में माहिर है… जी हाँ, टॉम, और मेरे पास तुम्हारे लिए कुछ सामान है। मेरे पास वो बंदूकें हैं जिनका उसने इस्तेमाल किया था… जी हाँ। जल्दी करो—और तुम्हें शुभकामनाएँ!”

स्पेड ने धीरे से रिसीवर को प्लग पर और टेलीफोन को शेल्फ पर रख दिया। उसने अपने होंठ गीले किए और अपने हाथों को देखा। उसकी हथेलियाँ गीली थीं। उसने गहरी साँस ली। उसकी आँखें सीधी पलकों के बीच चमक रही थीं। वह मुड़ा और तीन लंबे, तेज़ कदम बढ़ाते हुए लिविंग रूम में चला गया।

उसके अचानक आने से चौंककर ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी ने हंसते हुए हल्की सी आह भरी।

स्पेड, उसके बिल्कुल सामने, उसके बेहद करीब, लंबा, मजबूत हड्डियों वाला और गठीले शरीर वाला, ठंडी मुस्कान लिए, सख्त जबड़े और आंखों वाला, बोला: “जब वे पकड़े जाएंगे, तब हमारे बारे में

बोलेंगे। हम बारूद पर बैठे हैं, और पुलिस के लिए तैयार होने के लिए हमारे पास बस कुछ ही मिनट हैं। मुझे सब कुछ जल्दी से दे दो। क्या गुटमैन ने तुम्हें और काहिरा को कॉन्स्टेंटिनोपल भेजा था?"
उसने बोलना शुरू किया, हिचकिचाई और अपने होंठ काट लिए।
उसने उसके कंधे पर हाथ रखा। "तुम्हें क्या पता, बोलो!" उसने कहा। "मैं तुम्हारे साथ हूँ और तुम चुप नहीं बैठोगी। बोलो। क्या उसने तुम्हें कॉन्स्टेंटिनोपल भेजा था?"
"जी हाँ, उन्होंने ही मुझे भेजा था। मैं वहाँ जो से मिला और उनसे मदद माँगी। फिर हम—"
"रुको। तुमने काहिरा से केमिडोव से इसे प्राप्त करने में मदद मांगी थी?"
"हाँ।"
"गुटमैन के लिए?"
वह फिर हिचकिचाई, उसकी कठोर, क्रोधित निगाहों के नीचे असहज महसूस करने लगी, उसने घबराकर कहा: "नहीं, तब नहीं। हमने सोचा था कि हम इसे खुद हासिल कर लेंगे।"
"ठीक है?"
"ओह, तब मुझे डर लगने लगा कि जो मेरे साथ ईमानदारी से पेश नहीं आएगा, इसलिए मैंने फ्लॉयड थर्सबी से मदद मांगी।"
"और उसने ऐसा किया। अच्छा?"
"ठीक है, हमें वह मिल गया और हम हांगकांग चले गए।"
"काहिरा के साथ? या उससे पहले ही तुमने उसे छोड़ दिया था?"
"हां। हमने उसे कांस्टेंटिनोपल में जेल में छोड़ दिया था—चेक से संबंधित कोई बात थी।"
"क्या तुमने उसे वहाँ रोके रखने के लिए कोई व्यवस्था की थी?"
उसने शर्मिंदा होकर स्पेड की ओर देखा और फुसफुसाते हुए कहा: "हाँ।"
"ठीक है। अब आप और थर्सबी उस पक्षी के साथ हांगकांग में हैं।"
"हाँ, और फिर—मैं उसे अच्छी तरह से नहीं जानता था—मुझे नहीं पता था कि मैं उस पर भरोसा कर सकता हूँ या नहीं। मुझे लगा कि यह ज़्यादा सुरक्षित होगा—खैर, मैं कैप्टन जैकोबी से मिला और मुझे पता था कि उनकी नाव यहाँ आ रही है, इसलिए मैंने उनसे मेरे लिए एक पैकेज लाने को कहा—और यही वह बात थी। मुझे यकीन नहीं था कि मैं थर्सबी पर भरोसा कर सकता हूँ, या यह कि जो या—या गुटमैन के लिए काम करने वाला कोई व्यक्ति उस नाव पर न हो जिस पर हम आए थे—और यही सबसे सुरक्षित योजना लग रही थी।"
"ठीक है। फिर तुम और थर्सबी एक तेज़ नाव से उस पार चले गए। फिर क्या हुआ?"
"तब—तब मुझे गुटमैन से डर लगने लगा था। मुझे पता था कि उसके हर जगह जान-पहचान है, और उसे जल्द ही पता चल जाएगा कि हमने क्या किया है। और मुझे डर था कि उसे पता चल गया होगा कि हम हांगकांग से सैन फ्रांसिस्को के लिए निकल चुके हैं। वह न्यूयॉर्क में था और मुझे पता था कि अगर उसे केबल से भी यह खबर मिली, तो उसके पास हमारे आने तक या उससे पहले यहाँ पहुँचने का काफी

समय होगा। और वह पहुँच भी गया। मुझे तब यह पता नहीं था, लेकिन मुझे इसका डर था, और मुझे कैप्टन जैकोबी की नाव के आने तक यहीं इंतजार करना पड़ा। और मुझे डर था कि गुटमैन मुझे ढूंढ लेगा —या फ्लॉयड को ढूंढकर उसे खरीद लेगा। इसीलिए मैं आपके पास आया और आपसे उस पर नज़र रखने के लिए कहा—"

"यह झूठ है," स्पेड ने कहा। "तुमने थर्सबी को फंसा लिया था और तुम यह जानते थे। वह औरतों के लिए आसानी से आकर्षित हो जाता था। उसका रिकॉर्ड यही दिखाता है—उसे जितनी भी हार मिलीं, सब औरतों की वजह से ही मिलीं। और एक बार बेवकूफ, हमेशा बेवकूफ। शायद तुम्हें उसका रिकॉर्ड पता नहीं था, लेकिन तुम्हें पता होता कि तुमने उसे सुरक्षित पकड़ लिया है।"

वह शरमा गई और संकोच भरी नजरों से उसे देखने लगी।

उन्होंने कहा: "जैकोबी के लूट का माल लेकर आने से पहले आप उसे रास्ते से हटाना चाहते थे। आपकी योजना क्या थी?"

"मुझे पता था कि किसी परेशानी के बाद वह एक जुआरी के साथ अमेरिका छोड़कर चला गया था। मुझे नहीं पता था कि मामला क्या था, लेकिन मुझे लगा कि अगर यह कोई गंभीर बात होती और वह किसी जासूस को अपने पीछे लगा हुआ देखता, तो वह सोचता कि यह पुरानी परेशानी की वजह से है, और डरकर भाग जाता। मुझे नहीं लगता था कि—"

"तुमने उसे बताया था कि उस पर नज़र रखी जा रही है," स्पेड ने आत्मविश्वास से कहा। "माइल्स में ज़्यादा अक्ल नहीं थी, लेकिन वह इतना अनाड़ी भी नहीं था कि पहली ही रात पकड़ा जाए।"

"मैंने उससे कहा, हाँ। उस रात जब हम टहलने निकले तो मैंने नाटक किया कि मिस्टर आर्चर हमारा पीछा कर रहे हैं और मैंने उन्हें फ्लॉयड को दिखाया।" वह सिसकते हुए बोली, "लेकिन सैम, यकीन मानो, अगर मुझे पता होता कि फ्लॉयड उसे मार डालेगा तो मैं ऐसा नहीं करती। मुझे लगा था कि वह डरकर शहर छोड़कर चला जाएगा। मैंने एक पल के लिए भी नहीं सोचा था कि वह उसे इस तरह गोली मार देगा।"

स्पेड ने अपने होठों से भेड़िया जैसी मुस्कान बिखेरी, लेकिन उसकी आँखों में ज़रा भी भाव नहीं था। उसने कहा: "अगर तुमने सोचा था कि वह ऐसा नहीं करेगा, तो तुम सही थी, देवदूत।"

लड़की के ऊपर उठे चेहरे पर घोर आश्चर्य के भाव थे।

स्पेड ने कहा: "थर्सबी ने उसे गोली नहीं मारी।"

लड़की के चेहरे पर अविश्वास और आश्चर्य का भाव एक साथ झलक रहा था।

स्पेड ने कहा: "माइल्स में ज़्यादा अक्ल नहीं थी, लेकिन हे भगवान! जासूस के तौर पर उसके पास इतने सालों का अनुभव था कि जिस आदमी का वह पीछा कर रहा था, उसके हाथों वह इस तरह पकड़ा जा सकता था। अपनी बंदूक कमर पर छिपाकर और ओवरकोट के बटन बंद करके एक बंद गली में फँस जाना? बिलकुल नहीं। वह उतना ही बेवकूफ था जितना कोई भी आदमी हो सकता है, लेकिन इतना भी बेवकूफ नहीं था। गली से बाहर निकलने के सिर्फ़ दो ही रास्ते थे, जिन्हें बुश स्ट्रीट के किनारे से सुरंग के

ऊपर से देखा जा सकता था। आपने हमें बताया था कि थर्सबी एक घटिया आदमी था। वह माइल्स को इस तरह धोखे से गली में नहीं फँसा सकता था, न ही उसे वहाँ तक ले जा सकता था। वह बेवकूफ था, लेकिन इतना भी बेवकूफ नहीं था कि ऐसा हो जाए।"

उसने अपनी जीभ होठों के अंदरूनी हिस्से पर फिराई और लड़की को स्नेह से देखकर मुस्कुराया। उसने कहा: "लेकिन वो तुम्हारे साथ ऊपर चला जाता, मेरी प्यारी, अगर उसे यकीन होता कि ऊपर कोई और नहीं है। तुम उसकी ग्राहक थी, इसलिए तुम्हारे कहने पर परछाईं छोड़ने का उसके पास कोई कारण नहीं था, और अगर तुम उसे पकड़ लेती और ऊपर चलने के लिए कहती तो वो चला जाता। वो इतना बेवकूफ था कि ऐसा कर सकता था। वो तुम्हें ऊपर से नीचे तक देखता, अपने होठों को चाटता और खूब मुस्कुराता—और फिर तुम अंधेरे में उसके जितना करीब जाना चाहती, खड़ी हो सकती थी और उस बंदूक से उसे गोली मार सकती थी जो तुम्हें उस शाम थर्सबी से मिली थी।"

ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी उससे तब तक पीछे हटती रही जब तक कि मेज का किनारा उसे रोक नहीं दिया। उसने भयभीत आँखों से उसकी ओर देखा और रोते हुए कहा: "मुझसे इस तरह बात मत करो, सैम! तुम जानते हो मैंने ऐसा नहीं किया! तुम जानते हो—"

"बस करो।" उसने अपनी कलाई पर बंधी घड़ी देखी। "पुलिस किसी भी पल अंदर घुस सकती है और हम बारूद पर बैठे हैं। बोलो!"

उसने अपने माथे पर हाथ का पिछला हिस्सा रखा। "अरे, तुम मुझ पर इतने भयानक अपराध का आरोप क्यों लगा रहे हो?"

"क्या तुम चुप रहोगी?" उसने अधीरता भरी धीमी आवाज़ में कहा। "यह बचकानी हरकतें करने की जगह नहीं है। मेरी बात सुनो। हम दोनों फांसी के तख्ते पर बैठे हैं।" उसने उसकी कलाई पकड़कर उसे अपने सामने सीधा खड़ा कर दिया। "बोलो!"

"मैं—मैं— आपको कैसे पता चला कि वह—उसने अपने होंठ चाटे और देखा—?"

स्पेड ने जोर से हंसते हुए कहा, "मैं माइल्स को जानता था। लेकिन छोड़ो ये सब। तुमने उसे गोली क्यों मारी?"

उसने अपनी कलाइयाँ स्पेड की उंगलियों से छुड़ा लीं और अपने हाथ उसकी गर्दन के पीछे रखकर उसका सिर नीचे खींच लिया, यहाँ तक कि उसका मुँह लगभग उसके मुँह से छू गया। उसका शरीर घुटनों से लेकर छाती तक उससे सटा हुआ था। उसने अपनी बाहों में उसे कसकर पकड़ लिया। उसकी काली पलकें मखमली आँखों पर आधी झुकी हुई थीं। उसकी आवाज़ दबी हुई, कांपती हुई थी: "मेरा इरादा पहले ऐसा करने का नहीं था। सच में नहीं। मैंने जो तुमसे कहा था, वही मेरा मतलब था, लेकिन जब मैंने देखा कि फ्लॉयड डर नहीं सकता, तो मैं—"

स्पेड ने उसके कंधे पर थप्पड़ मारा। उसने कहा: "यह झूठ है। तुमने माइल्स और मुझे इसे खुद संभालने के लिए कहा था। तुम यह सुनिश्चित करना चाहती थी कि पीछा करने वाला कोई ऐसा व्यक्ति हो जिसे तुम जानती हो और जो तुम्हें जानता हो, ताकि वह तुम्हारे साथ जाए। तुमने उसी दिन—उसी रात—

थर्सबी से बंदूक ली थी। तुमने कोरोनेट में अपार्टमेंट पहले ही किराए पर ले लिया था। तुम्हारे पास वहाँ ट्रंक थे और होटल में एक भी नहीं था और जब मैंने अपार्टमेंट की जाँच की तो मुझे एक किराए की रसीद मिली जिस पर तुम्हारे बताए किराए पर लेने की तारीख से पाँच या छह दिन पहले की तारीख थी।"

उसने बड़ी मुश्किल से निगलते हुए कहा, "हाँ, ये झूठ है, सैम। मेरा इरादा तो यही था अगर फ्लॉयड— मैं— मैं तुम्हारी आँखों में देखकर ये नहीं कह सकती, सैम।" उसने उसका सिर और नीचे खींच लिया, यहाँ तक कि उसका गाल उसके गाल से लग गया, उसका मुँह उसके कान के पास था, और फुसफुसाते हुए बोली: "मुझे पता था कि फ्लॉयड आसानी से डरेगा नहीं, लेकिन मुझे लगा कि अगर उसे पता चल जाए कि कोई उसका पीछा कर रहा है तो वो— ओह, मैं ये नहीं कह सकती, सैम!" वह उससे लिपट गई और रोने लगी।

स्पेड ने कहा: "आपको लगता था कि फ्लॉयड उसे पकड़ लेगा और उनमें से कोई एक गिर जाएगा। अगर थर्सबी गिरता, तो आप उससे छुटकारा पा लेते। अगर माइल्स गिरता, तो आप देख सकते थे कि फ्लॉयड फंस गया है और आप उससे भी छुटकारा पा लेते। बस इतना ही?"

"कुछ ऐसा ही।"

और जब आपको पता चला कि थर्सबी का उसे पकड़ने का इरादा नहीं था, तो आपने बंदूक उधार ली और खुद ही उसे पकड़ लिया। ठीक है ना?

"हां—हालांकि बिल्कुल वैसा नहीं।"

"लेकिन काफी हद तक सटीक। और यह योजना आपके पास शुरू से ही थी। आपको लगा था कि फ्लॉयड को हत्या के लिए दोषी ठहराया जाएगा।"

"मुझे लगा था कि वे उसे कम से कम तब तक रोक कर रखेंगे जब तक कैप्टन जैकोबी बाज़ के साथ नहीं आ जाते और—"

"और तब आपको पता नहीं था कि गुटमैन यहाँ आपका पीछा कर रहा है। आपको इस बात का शक नहीं था, वरना आप अपने बंदूकधारी को नहीं भगाते। थर्सबी को गोली लगने की खबर सुनते ही आपको पता चल गया था कि गुटमैन यहाँ है। फिर आपको लगा कि आपको एक और रक्षक की ज़रूरत है, इसलिए आप मेरे पास वापस आ गए। है ना?"

"हाँ, लेकिन—ओह, प्रियतम!—बात सिर्फ इतनी ही नहीं थी। मैं देर-सवेर तुम्हारे पास वापस आ ही जाता। तुम्हें देखते ही मुझे पता चल गया था—"

स्पेड ने स्नेहपूर्वक कहा: "तुम तो फरिश्ते हो! अच्छा, अगर तुम्हारी किस्मत अच्छी रही तो तुम बीस साल में सैन क्वेंटिन से बाहर आ जाओगे और तब मेरे पास वापस आ सकते हो।"

उसने अपना गाल उससे दूर कर लिया और अपना सिर पीछे की ओर झुकाकर बिना कुछ समझे उसे घूरने लगी।

उसका चेहरा पीला पड़ गया था। उसने कोमलता से कहा, "ईश्वर से प्रार्थना है कि वे तुम्हें तुम्हारी उस प्यारी गर्दन से लटकाकर फांसी न दें, मेरी प्रियतमा।" उसने अपने हाथ ऊपर ले जाकर उसके गले को सहलाया।

पलक झपकते ही वह उसकी बाहों से छूटकर मेज से पीठ टिकाकर बैठ गई, दोनों हाथ अपने गले पर रखे। उसका चेहरा बेजान और थका हुआ था। उसका सूखा मुंह खुलता और बंद होता रहा। उसने धीमी, सूखी आवाज में कहा: "तुम नहीं—" उसके मुंह से और कोई शब्द नहीं निकल पाए।

स्पेड का चेहरा अब पीला-सफेद पड़ गया था। उसके होंठों पर मुस्कान थी और उसकी चमकती आँखों के चारों ओर मुस्कान की झुर्रियाँ थीं। उसकी आवाज़ कोमल और सौम्य थी। उसने कहा: “मैं तुम्हें वहाँ भेज रहा हूँ। पूरी संभावना है कि तुम्हें उम्रकैद हो जाएगी। इसका मतलब है कि तुम बीस साल में फिर से बाहर आ जाओगे। तुम एक फरिश्ता हो। मैं तुम्हारा इंतज़ार करूँगा।” उसने अपना गला साफ़ किया। “अगर वे तुम्हें फाँसी भी दे दें, तो भी मैं तुम्हें हमेशा याद रखूँगा।”

उसने अपने हाथ नीचे कर लिए और सीधी खड़ी हो गई। उसका चेहरा एकदम शांत और निर्मल हो गया, सिवाय उसकी आँखों में हल्की सी शंका की झलक के। उसने धीरे से मुस्कुराते हुए जवाब दिया, “नहीं, सैम, मज़ाक में भी ऐसा मत कहो। ओह, तुमने मुझे एक पल के लिए डरा दिया! मैंने सचमुच सोचा था कि तुम— तुम्हें पता है तुम ऐसे अजीब और अप्रत्याशित काम करते हो कि—” उसकी बात अधूरी रह गई। उसने अपना चेहरा आगे झुकाया और उसकी आँखों में गहराई से देखा। उसके गाल और मुँह के आसपास की त्वचा काँप उठी और उसकी आँखों में फिर से डर झलकने लगा। “क्या—? सैम!” उसने अपना हाथ फिर से अपने गले पर रख लिया और उसकी सीधी खड़ी रहने की मुद्रा बिगड़ गई।

स्पेड हँस पड़ा। उसका पीला-सफेद चेहरा पसीने से भीगा हुआ था और हालाँकि उसने अपनी मुस्कान को काबू में रखा, पर उसकी आवाज़ में नरमी झलक रही थी। उसने कर्कश स्वर में कहा: “मूर्ख मत बनो। तुम्हें ही सज़ा भुगतनी पड़ेगी। उन पक्षियों की बातों के बाद, हममें से किसी एक को तो भुगतना ही पड़ेगा। वे मुझे तो पक्का फाँसी पर लटका देंगे। तुम्हें शायद बेहतर मौका मिलेगा। है ना?”

“लेकिन—लेकिन, सैम, तुम ऐसा नहीं कर सकते! हमारे बीच जो कुछ भी हुआ है उसके बाद तो बिल्कुल नहीं। तुम ऐसा नहीं कर सकते—”

मैं ऐसा बिलकुल नहीं कर सकता।

उसने कांपती हुई लंबी सांस ली। “तुम मेरे साथ खेल रहे थे? सिर्फ दिखावा कर रहे थे कि तुम्हें मेरी परवाह है—मुझे इस तरह फंसाने के लिए? तुम्हें—बिल्कुल भी परवाह नहीं थी? तुम—मुझे—प्यार नहीं करते थे?”

“मुझे लगता है मैं करता हूँ,” स्पेड ने कहा। “तो फिर क्या हुआ?” उसकी मुस्कान को थामे रखने वाली मांसपेशियाँ व्हेल की तरह उभरी हुई थीं। “मैं थर्सबी नहीं हूँ। मैं जैकोबी नहीं हूँ। मैं तुम्हारे लिए भावुक नहीं बनूँगा।”

“यह न्यायसंगत नहीं है,” वह रोते हुए बोली। उसकी आँखों में आँसू आ गए। “यह अन्याय है। यह तुम्हारा घृणित कृत्य है। तुम जानते हो कि ऐसा नहीं था। तुम ऐसा नहीं कह सकते।”

“बिल्कुल नहीं,” स्पेड ने कहा। “तुम मेरे बिस्तर पर आकर मुझे सवाल पूछने से रोकने की कोशिश कर रही थी। कल तुमने मुझे गुटमैन के लिए उस झूठी मदद की गुहार के बहाने बाहर ले गई। कल रात तुम उनके साथ यहाँ आई और मेरा इंतज़ार बाहर करती रही और फिर मेरे साथ अंदर आई। जब जाल बिछाया गया, तब तुम मेरी बाहों में थी—अगर मेरे पास बंदूक होती भी तो मैं उसे निकाल नहीं पाता और चाहकर भी लड़ नहीं पाता। और अगर वे तुम्हें अपने साथ नहीं ले गए, तो सिर्फ़ इसलिए कि गुटमैन इतना समझदार है कि वह तुम पर भरोसा नहीं करता, सिवाय थोड़े समय के लिए जब उसे करना ही पड़ता है, और क्योंकि उसे लगा कि मैं तुम्हारे लिए बेवकूफ़ बन जाऊँगा और—तुम्हें चोट न पहुँचाने की चाह में—उसे चोट नहीं पहुँचा पाऊँगा।”

ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी ने अपने आँसू पोंछे। वह उसकी ओर एक कदम बढ़ी और सीधे खड़े होकर उसकी आँखों में आँखें डालकर बोली, "तुमने मुझे झूठा कहा था। अब तुम झूठ बोल रहे हो। अगर तुम कहते हो कि तुम्हें अपने दिल में यह नहीं पता कि मैंने जो कुछ भी किया है, उसके बावजूद मैं तुमसे प्यार करती हूँ, तो तुम झूठ बोल रहे हो।"

स्पेड ने अचानक झुककर अभिवादन किया। उसकी आँखें लाल हो रही थीं, लेकिन उसके नम और पीले पड़ चुके, स्थिर मुस्कान वाले चेहरे पर कोई और बदलाव नहीं आया। "शायद मैं करता हूँ," उसने कहा। "तो क्या हुआ? मुझे तुम पर भरोसा करना चाहिए? तुम जिसने मेरे पूर्ववर्ती, थर्सबी के लिए वह चालाकी भरा काम किया था? तुम जिसने माइल्स को, जिससे तुम्हारा कोई दुश्मनी नहीं थी, ठंडे खून से मार डाला, जैसे मक्खी को मारते हो, सिर्फ थर्सबी को धोखा देने के लिए? तुम जिसने गुटमैन, काहिरा, थर्सबी—एक-एक करके, तीन-तीन को धोखा दिया? तुम जिसने मुझे जानने के बाद से कभी भी आधे घंटे तक ईमानदारी से मेरे साथ नहीं खेला? मुझे तुम पर भरोसा करना चाहिए? नहीं, नहीं, प्रिय। मैं ऐसा तब भी नहीं करूँगा, भले ही मैं कर सकता हूँ। मुझे क्यों करना चाहिए?"

उसकी निगाहें उसकी निगाहों के नीचे स्थिर थीं और उसकी दबी हुई आवाज में भी स्थिरता थी जब उसने जवाब दिया: "क्यों? अगर तुम मेरे साथ खेल रहे हो, अगर तुम मुझसे प्यार नहीं करते, तो इसका कोई जवाब नहीं है। अगर तुम करते, तो किसी जवाब की जरूरत ही नहीं होती।"

स्पेड की आँखों में अब खून के धब्बे दिखाई दे रहे थे और उसकी लंबे समय से बनी मुस्कान एक भयानक चेहरे में बदल गई थी। उसने भारी आवाज़ में गला साफ़ किया और बोला: "अब भाषण देने का कोई फ़ायदा नहीं है।" उसने अपना हाथ उसके कंधे पर रखा। हाथ काँप रहा था और झटके खा रहा था। "मुझे परवाह नहीं कि कौन किसे प्यार करता है, मैं तुम्हारे लिए भावुक नहीं होने वाला। मैं थर्सबी और न जाने किसके नक्शेकदम पर नहीं चलूँगा। तुमने माइल्स को मारा है और तुम्हें इसकी सज़ा मिलेगी। मैं दूसरों को जाने देकर और पुलिस से जितना हो सके बचकर तुम्हारी मदद कर सकता था। अब बहुत देर हो चुकी है। मैं अब तुम्हारी मदद नहीं कर सकता। और अगर कर भी सकता तो भी नहीं करता।"

उसने अपना हाथ उसके कंधे पर रख दिया। "तो मेरी मदद मत करो," उसने फुसफुसाते हुए कहा, "लेकिन मुझे चोट भी मत पहुँचाओ। मुझे अब जाने दो।"

“नहीं,” उसने कहा। “अगर पुलिस आने पर मैं तुम्हें उनके हवाले नहीं कर पाया तो मैं डूब जाऊंगा। यही एक चीज़ है जो मुझे दूसरों के साथ डूबने से बचा सकती है।”

“क्या तुम मेरे लिए ऐसा नहीं करोगे?”

मैं तुम्हारे लिए भावुक नहीं बनूंगा।

“ऐसा मत कहो, प्लीज़।” उसने उसका हाथ अपने कंधे से हटाकर अपने चेहरे पर रख लिया। “तुम मेरे साथ ऐसा क्यों करते हो, सैम? मिस्टर आर्चर तुम्हारे लिए उतने महत्वपूर्ण तो नहीं थे जितने कि—”

स्पेड ने कर्कश स्वर में कहा, "माइल्स एक कमीना था। मुझे यह बात हमारे साथ व्यापार शुरू करने के पहले ही हफ्ते में पता चल गई थी और मैंने सोचा था कि साल खत्म होते ही उसे निकाल दूंगा। उसे मारकर तुमने मेरा रत्ती भर भी नुकसान नहीं किया।"

"तब क्या?"

स्पेड ने अपना हाथ उसके हाथ से छुड़ा लिया। अब वह न मुस्कुरा रहा था और न ही उसका चेहरा बिगड़ रहा था। उसका पीला, नम चेहरा सख्त और झुर्रियों से भरा हुआ था। उसकी आँखें गुस्से से जल रही थीं। उन्होंने कहा: “सुनो। यह बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। तुम मुझे कभी नहीं समझ पाओगे, लेकिन मैं एक बार और कोशिश करूँगा और फिर हम इसे छोड़ देंगे। सुनो। जब किसी आदमी के साथी की हत्या हो जाती है, तो उसे कुछ करना चाहिए। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि तुम उसके बारे में क्या सोचते थे। वह तुम्हारा साथी था और तुम्हें इसके बारे में कुछ करना चाहिए। फिर ऐसा हुआ कि हम जासूसी के धंधे में थे। खैर, जब तुम्हारे संगठन का कोई सदस्य मारा जाता है, तो हत्यारे को बच निकलने देना गलत बात है। यह हर तरफ से गलत है—उस एक संगठन के लिए गलत, हर जगह के हर जासूस के लिए गलत। तीसरी बात, मैं एक जासूस हूँ और मुझसे अपराधियों का पीछा करने और फिर उन्हें आज़ाद छोड़ने की उम्मीद करना, कुत्ते से खरगोश पकड़ने और उसे छोड़ने के लिए कहने जैसा है। ऐसा किया जा सकता है, ठीक है, और कभी-कभी किया भी जाता है, लेकिन यह स्वाभाविक नहीं है। मैं तुम्हें तभी जाने दे सकता था जब मैं गुटमैन, काहिरा और उस बच्चे को जाने देता। यह—”

“तुम मज़ाक कर रहे हो,” उसने कहा। “तुम मुझसे यह उम्मीद नहीं कर सकते कि मैं तुम्हारी कही इन बातों को मुझे जेल भेजने का पर्याप्त कारण मान लूँगी।”

“जब तक मैं अपनी बात पूरी न कर लूँ, तब तक इंतज़ार करो, फिर तुम बात कर सकते हो। चौथी बात, अब मैं चाहे जो भी करना चाहूँ, तुम्हें जाने देना मेरे लिए बिल्कुल नामुमकिन होगा, वरना मैं भी दूसरों के साथ फाँसी पर चढ़ जाऊँगा। तीसरी बात, मेरे पास तुम पर भरोसा करने का कोई कारण नहीं है, और अगर मैंने ऐसा किया और बच निकला, तो तुम्हारे पास मेरे खिलाफ़ कुछ सबूत होगा जिसका इस्तेमाल तुम जब चाहो कर सकते हो। ये पाँचवीं बात है। छठी बात ये है कि, क्योंकि मेरे पास भी तुम्हारे खिलाफ़ कुछ सबूत है, तो मैं ये पक्का नहीं कह सकता कि तुम किसी दिन मुझे गोली नहीं मारोगे।

सातवीं बात, मुझे ये सोचना भी अच्छा नहीं लगता कि सौ में से एक मौका ऐसा भी हो सकता है कि तुमने मुझे बेवकूफ़ बनाया हो। और आठवीं बात—बस इतना ही काफी है। ये सब एक तरफ की बातें हैं। हो सकता है इनमें से कुछ बातें ज़रूरी न हों। मैं इस बारे में बहस नहीं करूँगा। लेकिन इनकी संख्या तो देखो। अब दूसरी तरफ क्या है? बस यही है कि शायद तुम मुझसे प्यार करते हो और शायद मैं तुमसे प्यार करता हूँ।"

"तुम्हें पता है," उसने फुसफुसाते हुए कहा, "चाहे तुम्हें पता हो या न हो।"

“मैं नहीं। तुम्हारे लिए पागल होना तो बहुत आसान है।” उसने उसकी बालों से लेकर पैरों तक और फिर उसकी आँखों तक भूखी निगाहों से देखा। “लेकिन मुझे नहीं पता कि इसका क्या मतलब है। क्या कोई कभी जानता है? लेकिन मान लो कि मैं हूँ? तो क्या? शायद अगले महीने मैं न होऊँ। मैं पहले भी इस दौर से गुज़र चुका हूँ—जब यह इतने लंबे समय तक चलता था। फिर क्या? तब मैं सोचूँगा कि मैं बेवकूफ था। और अगर मैंने ऐसा किया और मुझे भेज दिया गया तो मुझे यकीन हो जाएगा कि मैं ही बेवकूफ था। खैर, अगर मैं तुम्हें भेजता हूँ तो मुझे बहुत अफ़सोस होगा—मेरी कुछ रातें बहुत खराब गुजरेंगी—लेकिन यह भी बीत जाएगा। सुनो।” उसने उसके कंधों को पकड़ा और उसे पीछे की ओर झुकाया, उसके ऊपर झुकते हुए। “अगर इसका तुम्हारे लिए कोई मतलब नहीं है तो इसे भूल जाओ और हम इसे ऐसे तय करते हैं: मैं नहीं करूँगा क्योंकि मेरा पूरा मन चाहता है—परिणामों की परवाह किए बिना इसे करना चाहता है—और क्योंकि—भगवान तुम्हें माफ करे—तुमने मुझ पर उतना ही भरोसा किया है जितना दूसरों पर।” उसने अपने हाथ उसके कंधों से हटाकर अपने बगल में गिरा दिए।

उसने अपने हाथ उसके गालों पर रखे और उसका चेहरा नीचे की ओर झुका दिया। “मेरी ओर देखो,” उसने कहा, “और मुझे सच बताओ। अगर बाज़ असली होता और तुम्हें तुम्हारे पैसे मिल गए होते, तो क्या तुम मेरे साथ ऐसा करते?”

“अब इससे क्या फर्क पड़ता है? इतना भी मत सोचो कि मैं उतना ही बेईमान हूँ जितना लोग मुझे समझते हैं। इस तरह की बदनामी शायद अच्छा कारोबार साबित हो सकती है—इससे महंगे काम मिल सकते हैं और दुश्मन से निपटना आसान हो सकता है।”

उसने उसकी ओर देखा, लेकिन कुछ नहीं कहा।

उन्होंने अपने कंधों को थोड़ा हिलाया और कहा: "खैर, बहुत सारा पैसा तराजू के दूसरी तरफ कम से कम एक और मद होता।"

उसने अपना चेहरा उसके चेहरे के पास ला दिया। उसका मुँह थोड़ा खुला हुआ था और होंठ थोड़े बाहर निकले हुए थे। उसने फुसफुसाते हुए कहा, "अगर तुम मुझसे प्यार करते हो तो तुम्हें उस तरफ और कुछ नहीं चाहिए।"

स्पेड ने अपने दांतों के किनारों को आपस में भींचते हुए कहा: "मैं तुम्हारे लिए मूर्ख नहीं बनूंगा।"

उसने धीरे से अपना मुंह उसके मुंह से लगाया, अपनी बाहों में उसे लपेटा और उसकी बाहों में समा गई। वह उसकी बाहों में ही थी कि दरवाजे की घंटी बज उठी।

ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी के कंधे पर बायां हाथ रखे स्पेड ने गलियारे का दरवाजा खोला। वहां लेफ्टिनेंट डंडी, डिटेक्टिव सार्जेंट टॉम पोलहॉस और दो अन्य जासूस मौजूद थे।
स्पेड ने कहा: “हेलो, टॉम। क्या तुमने उन्हें पकड़ लिया?”
पोलहॉस ने कहा: "मिल गए।"
“वाह! अंदर आओ। ये लो तुम्हारे लिए एक और।” स्पेड ने लड़की को आगे धकेला। “इसने माइल्स को मार डाला। और मेरे पास कुछ सबूत हैं—लड़के की बंदूकें, काहिरा की एक बंदूक, एक काली मूर्ति जिसके बारे में इतना बवाल हुआ था, और एक हज़ार डॉलर का नोट जिससे मुझे रिश्वत मिलने वाली थी।” उसने डंडी की तरफ देखा, अपनी भौंहें सिकोड़ीं, लेफ्टिनेंट के चेहरे को देखने के लिए आगे झुका और ज़ोर से हँस पड़ा। “तुम्हारे इस छोटे से दोस्त को क्या हुआ है, टॉम? वो तो बहुत दुखी लग रहा है।” वह फिर हँसा। “मुझे यकीन है, भगवान कसम! जब उसने गुटमैन की कहानी सुनी होगी तो उसे लगा होगा कि उसने मुझे आखिरकार पकड़ लिया है।”
“बस करो सैम,” टॉम बड़बड़ाया। “हमने सोचा भी नहीं था कि—”
“बिल्कुल नहीं,” स्पेड ने हंसते हुए कहा। “वह तो मुंह में पानी लिए यहां आया था, हालांकि तुममें इतनी समझ तो होनी ही चाहिए थी कि मैं गुटमैन को बहला-फुसला रहा था।”
“बस करो,” टॉम ने फिर से बड़बड़ाते हुए अपने वरिष्ठ अधिकारी की ओर बेचैनी से देखा। “खैर, हमें यह काहिरा से मिला है। गुटमैन मर चुका है। जब हम वहाँ पहुँचे, तब तक उस लड़के ने उसे गोली मारकर मार डाला था।”
स्पेड ने सिर हिलाया। "उसे इसकी उम्मीद करनी चाहिए थी," उसने कहा।
सोमवार की सुबह नौ बजे के कुछ देर बाद जब स्पेड दफ्तर में आया तो एफी पेरिन ने अपना अखबार नीचे रख दिया और उसकी कुर्सी से उछल पड़ी।
उन्होंने कहा: "सुप्रभात, देवदूत।"
“क्या अखबारों में छपी जानकारी सही है?” उसने पूछा।
"जी महोदया।" उसने अपनी टोपी मेज पर रख दी और बैठ गया। उसका चेहरा पीला पड़ गया था, लेकिन उस पर बनी रेखाएं मजबूत और हंसमुख थीं और उसकी आंखें, हालांकि अभी भी थोड़ी लाल थीं, साफ थीं।
लड़की की भूरी आँखें असामान्य रूप से बड़ी थीं और उसके होंठों का आकार भी विचित्र था। वह उसके बगल में खड़ी थी और उसे घूर रही थी।
उसने अपना सिर उठाया, मुस्कुराया और उपहासपूर्वक कहा: "तुम्हारी स्त्री-सुलभ अंतर्ज्ञान का यही हाल है।"
उसकी आवाज़ उसके चेहरे के भावों की तरह ही विचित्र थी। "तुमने उसके साथ ऐसा किया, सैम?"

उसने सिर हिलाया। “तुम्हारी सैम एक जासूस है।” उसने उसे तीखी नज़रों से देखा। उसने अपनी बांह उसकी कमर पर डाली, हाथ उसकी कमर पर। “उसने ही माइल्स को मारा है, एंजेल,” उसने धीरे से कहा, “बस यूं ही, यूं ही।” उसने दूसरे हाथ की उंगलियां चटकाईं।

वह उसकी बाहों से ऐसे छूट गई मानो उसे चोट लगी हो। "नहीं, प्लीज़, मुझे मत छुओ," उसने टूटी हुई आवाज़ में कहा। "मुझे पता है—मुझे पता है तुम सही हो। तुम सही हो। लेकिन अभी मुझे मत छुओ—अभी नहीं।"

स्पेड का चेहरा उसके कॉलर की तरह पीला पड़ गया।

गलियारे के दरवाजे का हैंडल खड़खड़ाया। एफी पेरिन झट से मुड़ी और बाहरी कार्यालय में चली गई, उसने दरवाजा बंद कर लिया। जब वह वापस अंदर आई तो उसने भी दरवाजा बंद कर लिया।

उसने धीमी, सपाट आवाज में कहा: "इवा यहाँ है।"

स्पेड ने अपनी डेस्क की ओर देखते हुए लगभग न के बराबर सिर हिलाया। "हाँ," उसने कहा और काँप उठा। "ठीक है, उसे अंदर भेज दो।"

******* समाप्त *******

sjeet

पाठक मार्गदर्शिका

1. सैम स्पेड का सत्ता के प्रति रवैया "काफी समय हो गया जब मैं पुलिसवालों के नाराज़ होने पर फूट-फूटकर रोया था" [यह पृष्ठ] या "कभी न कभी मुझे सुप्रीम कोर्ट से लेकर नीचे तक सबको गाली देनी पड़ी है, और मैं बच निकला हूँ" [यह पृष्ठ] जैसे कथनों में स्पष्ट रूप से झलकता है। स्पेड का सत्ता के प्रति अविश्वास उसके कार्यों में किस प्रकार प्रकट होता है? उसके चरित्र के एक पहलू के रूप में अविश्वास कितना महत्वपूर्ण है?

2. पुस्तक में वर्णित तीन महिलाओं—ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी, एफी पेरिन और इवा आर्चर—में से क्या कोई पूरी तरह से विकसित चरित्र है, या शायद तीनों ही रूढ़ियों के रूप में एक ही महिला के तीन पहलू हैं? एक रूढ़ि के रूप में, प्रत्येक महिला किसका प्रतिनिधित्व करती है? स्पेड का क्या तात्पर्य है, और स्पेड के बारे में यह क्या बताता है, जब वह एफी से कहता है, "तुम एक बहुत ही अच्छी महिला हो, बहन" [इस पृष्ठ पर]?

3. जोएल कायरो एक स्पष्ट रूढ़िवादिता है: "यह आदमी समलैंगिक है" [इस पृष्ठ पर], एफी स्पेड को तब बताती है जब इत्र लगाए कायरो कार्यालय आता है। क्या कथानक में समलैंगिक चरित्र प्रभावी या आवश्यक है? क्या रूढ़िवादिता के बिना वह उतना ही प्रभावी होता? आपको क्या लगता है कि हैमेट ने उसे क्यों बनाया?

4. कहानी के अंत के करीब, स्पेड ब्रिगिड से कहता है, "इतना यकीन मत करो कि मैं उतना बेईमान हूँ जितना लोग मुझे समझते हैं" [यह पृष्ठ]। क्या सबूत है कि वह बेईमान नहीं है? क्या काली चिड़िया की तलाश में दूसरों के साथ बातचीत में सम्मान लालच को कम करता है? यहाँ लालच और निर्दयता को इस तरह से प्रस्तुत किया गया है कि अंततः हमें इस बात की परवाह न रहे कि पात्र बेईमान हैं या नहीं? क्या शैली हार्ड-बॉइल्ड शैली में सभी कमियों को पूरा करती है?

5. "हे भगवान, महोदय, आप तो बड़े ही दिलचस्प व्यक्ति हैं" [इस पृष्ठ पर], स्पेड द्वारा विल्मर को बलि का बकरा बनाने का सुझाव देने पर गुटमैन हंसते हुए कहता है। क्या स्पेड-गुटमैन का रिश्ता न्याय बनाम भ्रष्ट धन का है या फिर समान पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाले दो बराबरी के लोगों का? गुटमैन की परिष्कृतता और विद्वत्ता स्पेड के व्यक्तित्व का एक और पहलू कैसे उजागर करती है?

6. आखिरी दृश्य में जब स्पेड दफ्तर लौटता है, तो एफी हमेशा की तरह जोश से उसका स्वागत नहीं करती। उनके बीच का सहज और स्नेहपूर्ण रिश्ता कहाँ खो गया है? ब्रिगिड से एफी का क्या रिश्ता है? क्या एफी स्पेड को माफ कर देगी, या उसके बारे में हमें पर्याप्त जानकारी नहीं है, इसलिए हम कोई अनुमान नहीं लगा सकते?

हैमेट, चैंडलर और थॉम्पसन की तुलना:

1. चैंडलर द्वारा 'द लॉन्ग गुडबाय' में लॉस एंजिल्स का उपयोग और हैमेट द्वारा 'द माल्टीज़ फाल्कन' में सैन फ्रांसिस्को का उपयोग किस प्रकार मिलता-जुलता या भिन्न है? यह किस हद तक उनकी व्यक्तिगत लेखन शैली का परिणाम है? क्या थॉम्पसन 'द किलर इनसाइड मी' में पश्चिमी टेक्सास के तेल क्षेत्र के

अपने वर्णन में इन दोनों लेखकों से मिलते-जुलते हैं? इन दोनों उपन्यासों में परिवेश का कितना महत्व है?

2. हालांकि हैमेट और चैंडलर प्रतिभाशाली नवप्रवर्तक और शैलीकार थे, लेकिन वे एक ऐसी शैली के लिए लिख रहे थे जिसमें कथानक का समाधान अनिवार्य था। दूसरी ओर, थॉम्पसन ने 'द किलर इनसाइड मी' में अस्पष्टता से भरा कथानक रचा है। थॉम्पसन अपने पूर्ववर्तियों की शैली के किन तत्वों को बरकरार रखते हैं? क्या थॉम्पसन हैमेट और चैंडलर के आदर्शों के बिना 'द किलर इनसाइड मी' लिख सकते थे?

3. थॉम्पसन जासूस के बजाय अपराधी के दृष्टिकोण से लिखकर पारंपरिक अपराध कथा शैली को उलट देते हैं। हैमेट और चैंडलर के उपन्यासों में अपराधी और जासूस में कितना अंतर है? सैम स्पेड और फिलिप मार्लो सत्ता और कानून के प्रति अपने-अपने या आपसी दृष्टिकोण में कहाँ खड़े हैं?

4. 'द माल्टीज़ फाल्कन' और 'द लॉन्ग गुडबाय' में महिलाओं के चित्रण की तुलना किस प्रकार की जा सकती है? क्या ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी, एलीन वेड के समान है? क्या एफी पेरिन, लिंडा लोरिंग के समान है? इन पात्रों में अंतर आपको हार्ड-बॉइल्ड शैली के बारे में क्या बताते हैं? लेखकों के बारे में क्या?

5. चैंडलर और थॉम्पसन प्रथम पुरुष में लिखते हैं, जबकि हैमेट ने 'द माल्टीज़ फाल्कन' में तृतीय पुरुष का प्रयोग किया है। यदि इन उपन्यासों में लेखन शैली उलट दी जाती, तो इन पर क्या प्रभाव पड़ता—अच्छा या बुरा? प्रथम या तृतीय पुरुष में लिखने के अंतर्निहित लाभ और/या सीमाएँ क्या हैं?

डैशिएल हैमेट का जन्म 1894 में मैरीलैंड के सेंट मैरीज़ काउंटी में हुआ था। उनका पालन-पोषण फिलाडेल्फिया और बाल्टीमोर में हुआ। उन्होंने चौदह वर्ष की आयु में स्कूल छोड़ दिया और उसके बाद कई तरह की नौकरियाँ कीं—संदेशवाहक, समाचार पत्र विक्रेता, क्लर्क, समयपाल, चौकीदार, मशीन ऑपरेटर और मज़दूर। अंततः वे पिंकर्टन की जासूस एजेंसी के लिए एक एजेंट बन गए।

प्रथम विश्व युद्ध, जिसमें उन्होंने सार्जेंट के रूप में सेवा की, ने उनके जासूसी कार्य में बाधा डाली और उनके स्वास्थ्य को भी प्रभावित किया। कई अस्पतालों में भर्ती होने के बाद जब उन्हें अंततः छुट्टी मिली, तो उन्होंने जासूसी का काम फिर से शुरू कर दिया। बाद में, उन्होंने लेखन की ओर रुख किया और 1920 के दशक के अंत तक वे अमेरिका में जासूसी कहानियों के निर्विवाद उस्ताद बन गए। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, श्री हैमेट ने फिर से सेना में सार्जेंट के रूप में सेवा की, इस बार दो वर्षों से अधिक समय तक, जिसका अधिकांश समय उन्होंने एल्यूशियन द्वीप समूह में बिताया। उनका निधन 1961 में हुआ।

डैशियल हैमेट की पुस्तकें

द बिग नॉकओवर

कॉन्टिनेंटल ओपी

डैन अभिशाप

कांच की चाबी

माल्टीज़ बाज़

दुःस्वप्न शहर

लाल फसल

पतला आदमी

अंधेरे में महिला

डैशियल हैमेट की अन्य रचनाएँ

डैन का अभिशाप

कॉन्टिनेंटल ऑप एक छोटी, गठीली और भावहीन जासूस है। मिस गैब्रिएल डैन लेगेट युवा, धनी और मॉर्फिन व धार्मिक संप्रदायों की अनुयायी हैं। उनका अपने आसपास के लोगों पर एक बुरा असर पड़ता है: उनकी मौत हिंसक तरीके से होने लगती है। क्या गैब्रिएल किसी पारिवारिक अभिशाप की शिकार हैं? या उनके बारे में सच्चाई कहीं ज़्यादा विचित्र और खतरनाक है? डैन अभिशाप कॉन्टिनेंटल ऑप के सबसे विचित्र मामलों में से एक है और एक कसी हुई कहानी है जो रहस्य से भरपूर है।

फिक्शन/अपराध/978-0-679-72260-1

कांच की चाबी

पॉल मैडविग एक हंसमुख, भ्रष्ट और स्वार्थी व्यक्ति था, जिसकी आकांक्षा कुछ बेहतर पाने की थी: सीनेटर राल्फ बैनक्रॉफ्ट हेनरी की बेटी, जो राजनीतिक रूप से प्रतिष्ठित खानदान की वारिस थी। क्या वह उसे पाने के लिए हत्या करने को भी तैयार था? और अगर मैडविग निर्दोष था, तो उसके दर्जनों दुश्मनों में से कौन उसे फंसाने में इतनी कुशलता से काम कर रहा था? डैशियल हैमेट की जासूसी उपन्यास की यह उत्कृष्ट कृति एक मजबूत कथानक, वास्तविक रूप से भ्रष्ट पात्रों और संक्षिप्त, सटीक लेखन का संगम है।

कथा/अपराध/978-0-679-72262-5

माल्टीज़ बाज़

एक ऐसा खजाना जिसके लिए कोई भी जान ले सकता है। सैम स्पेड, एक थोड़ा घिसा-पिटा जासूस, जिसकी अपनी ही एकांत नैतिकता है। जोएल कायरो नाम का एक इत्र लगाने वाला रिश्वतखोर, गुटमैन नाम का एक मोटा आदमी, और ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी, एक खूबसूरत और धोखेबाज औरत जिसकी वफादारी पल भर में बदल जाती है। ये हैं डैशियल हैमेट के इस शानदार जासूसी उपन्यास के तत्व, एक ऐसा उपन्यास जिसने पाठकों की तीन पीढ़ियों को मंत्रमुग्ध कर दिया है।

कथा/अपराध/978-0-679-72264-9

दुःस्वप्न शहर

कम बोलने वाले पुलिसवाले, बदमाश और रहस्यमयी औरतें बड़ी बेपरवाही से अपने साथियों को धोखा देती हैं। नशे में धुत एक आदमी एक छोटे से कस्बे में जागता है, जिसके केंद्र में एक गहरा रहस्य छिपा है। एक औरत अपने पति के बारे में एक क्रूर सच्चाई का सामना करती है। यह क्लासिक नॉयर है: हेमिंग्वे को टक्कर देने वाले कठोर वर्णन, पिस्तौल की गोलियों और हाथापाई से भरे संवाद। शातिर साजिशों से बुनी गई, तेजतर्रार और जोशीली, नाइटमेयर टाउन अमेरिका के वंचितों के कवि की कहानियों का खजाना है।

कथा/अपराध/978-0-375-70102-3

लाल फसल

जब पॉइज़नविले के आखिरी ईमानदार नागरिक की हत्या कर दी गई, तो कॉन्टिनेंटल ऑपरेशन दल दोषियों को सज़ा देने के लिए वहीं डटा रहा—भले ही इसका मतलब पूरे शहर से लड़ना ही क्यों न हो। रेड हार्वेस्ट एक शानदार अपराध उपन्यास से कहीं बढ़कर है: यह अमेरिकी अनाज उद्योग में व्याप्त भ्रष्टाचार और हिंसा का एक उत्कृष्ट विश्लेषण है।

कथा/अपराध/978-0-679-72261-8

पतला आदमी

निक और नोरा चार्ल्स, हैमेट की सबसे मनमोहक रचनाएँ हैं - एक धनी, ग्लैमरस जोड़ा जो चुटकुलों और मार्टिनी के बीच हत्याओं को सुलझाता है। एक साथ ही समझदारी और खुलेआम रोमांस से भरपूर, 'द थिन मैन' एक मर्डर मिस्ट्री है जो शिष्टाचार पर आधारित एक परिष्कृत कॉमेडी भी है।

कथा/अपराध/978-0-679-72263-2

अंधेरे में महिला

एक अंधेरी रात में एक युवती एक सुनसान घर में शरण लेती है। वह घायल और डरी हुई है। वहां रहने वाले पुरुष और महिला उसे अपने घर में पनाह देते हैं। लेकिन उनकी इंसानियत उस अंधेरी औरत से निपटने में पूरी तरह असमर्थ है, न ही उन पुरुषों के इरादों से जो उसे पाना चाहते हैं। पहली बार लिबर्टी पत्रिका में किस्तों में प्रकाशित और अब कई वर्षों बाद फिर से खोजी गई, 'वुमन इन द डार्क' कहानी में डैशियल हैमेट अपनी कथा लेखन क्षमता के चरम पर हैं।

फिक्शन/क्राइम/978-0-679-72265-6

ये भी उपलब्ध हैं:

द बिग नॉकओवर, 978-0-679-72259-5

द कॉन्टिनेंटल ओपी, 978-0-679-72258-5

विंटेज क्राइम/ब्लैक लिज़ार्ड आपकी स्थानीय किताबों की दुकान पर उपलब्ध है, या www.randomhouse.com पर जाएँ।

पहला विंटेज क्राइम/ब्लैक लिज़ार्ड संस्करण, अगस्त 1992
कॉपीराइट 1929, 1930 अल्फ्रेड ए. नॉफ, इंक. द्वारा। कॉपीराइट का नवीनीकरण 1956, 1957
डैशियल हैमेट द्वारा किया गया।
अंतर्राष्ट्रीय और पैन-अमेरिकन कॉपीराइट कन्वेंशनों के तहत सभी अधिकार सुरक्षित हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में विंटेज बुक्स, रैंडम हाउस, इंक., न्यूयॉर्क के एक प्रभाग द्वारा और साथ ही कनाडा में रैंडम हाउस ऑफ कनाडा लिमिटेड, टोरंटो द्वारा प्रकाशित। मूल रूप से अल्फ्रेड ए. नोपफ, इंक., न्यूयॉर्क द्वारा 1930 में प्रकाशित।
लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस कैटलॉगिंग इन पब्लिकेशन डेटा
हैमेट, डैशिएल, 1894–1961.
द माल्टीज़ फाल्कन / डैशिएल हैमेट.—पहला विंटेज बुक्स संस्करण.
पृष्ठ सेमी—(विंटेज क्राइम)
ईआईएसबीएन: 978-0-307-76751-6
आई. शीर्षक.
पीएस3515.ए4347एम3 1989
813′ .एस2–डीसीएल9 91-50922
v3.0

VINTAGE

eBooks

The Maltese Falcon

DASHIELL HAMMETT